



च नम ।

॥ अथ तेरे ( १३ ) टाककीवहीसाधुबंदनाखिचते ॥

( दूहा ॥ अरिहन्तसिधसाधुनमो ॥ नमतांकोडक  
ल्यांण ॥ सावुतणांगुषगायसी ॥ अनमैद्याणंदआण ॥ १  
गुणगाउगोरुप्रांतणा ॥ अनमोटेमंडाण ॥ गिरुवासहनेगुण  
करे ॥ सोमैव्रक्षितकांस ॥ २ ॥ इणहीजअदीदोपमै ॥ जय  
वंताजगदीस ॥ भावकरोवंदनकर ॥ चक्रकलनअतिकीन  
३ ॥ भावप्रधानकह्योतिसै ॥ सवमै भावजजाण ॥ तेभावैस  
वकुंनम् ॥ अनंतचोवीसीनांज ॥ ४ ॥ चठप्रभातिसजरोसदा  
साधुबंदणांसार ॥ गुणगावीमोटातणां ॥ पापरोगसवजात  
५ ॥ टाक० १खी० ( चोपरूनोचालमैएदेशी० ) पांचभर्त  
पाचदूरवजाण ॥ पाचमाहाविदेहवपाण ॥ जेहअनतकुवा  
अरिहंत ॥ करजोहीप्रणमंतीसन्त ॥ १ ॥ जेहिवहाविचरे  
जिणचंद ॥ पेचविदेहसदासुपकंद ॥ करजोहीप्रणमूतसु  
पाय ॥ आरतविषनसङ्कटलजाय ॥ २ ॥ सिधअनतापनरैजे  
६ ॥ तेप्रणनु मनवरीयउभेद ॥ आचारजप्रणसु गणघार ॥  
थोचवद्यायसदासुपकार ॥ साधुसदाप्रणमूकीवकी ॥ काल

घनादघनतैबली ॥ गेहिवहाविचरैगुणवंत ॥ साधुसाधवी  
 सल्लभगत ॥ ४ ॥ तिसल्लप्रणसुमनल्लज्ञास ॥ अरिहतसि  
 घनैसाधप्रकास ॥ साधुभदनाकरुहितकार ॥ तिसांभल्लज्जो  
 सल्लनरनार ॥ ५ ॥ दूहा ॥ इणहीजंबूहीपमै ॥ भरतकना  
 सेपेच ॥ जिमवरवचनल्लहिंकरौ ॥ निरजल्लकीधानेच ॥ १  
 तिहांघौरोसिजिणल्लवा ॥ रिपभादिकजहावीर ॥ पूर्वभव  
 कगीप्रणमेये ॥ पोलीजैभवेतीर ॥ २ ॥ पूर्वभवचंअवत्तथ  
 या ॥ रिपभदेपनरभीष ॥ अजताटिकतिवीसजिण ॥ राजा  
 सल्लमंडलीक ॥ ३ ॥ हतजेइपूर्वचवदै ॥ रिपभमखासनरग  
 पूर्वभवतेवीसजिण ॥ भय्याइम्यारैअंग ॥ ४ ॥ वीसस्थानक  
 तिहसिंभीया ॥ वीजैभवसुरगीय ॥ तिहाधीचविचौवीस  
 जिण ॥ सुवाप्रणमुपाय ॥ ५ ॥ टाल्ल०२औ० ) नमणीपम  
 यो० (एहनीएदेशी) श्रीचक्रवर्त्तपूर्वभवनांय ॥ धैरनांभेति  
 हानांजवपांय ॥ अटपभदेवप्रणसुमंगभांय ॥ गुणगावताल्ल  
 वैजम्भपुनांय ॥ १ ॥ यिसराईपूर्वभवनांय ॥ अजतजिणेसर  
 रक्तपुणांय ॥ विमलवाहनपूर्वभवरौय ॥ श्रीसभेवपुणसु  
 चितजाय ॥ ३ ॥ पूर्वभवधर्मसीराजान ॥ अभिनंदनप्रणसं  
 सुमध्यांय ॥ पूर्वभवययासुजतप्रसिध ॥ सुमतजिणेसरप्र  
 णसुसिध ॥ ३ ॥ पूर्वभवरानादर्मजित ॥ पद्यप्रमु  
 जीनैयादुनित्य ॥ पूर्वभवजसुटरवाह ॥ ॥ तिहसुपास  
 प्रणसुजगनाह ॥ ४ ॥ पूर्वभवद्रगयाहसुनीस ॥ चंडा  
 प्रमप्रगामुनिगनीस ॥ जगवाहपूर्वभदजीव ॥ प्रणसुसु  
 प्रजिनदसटीय ॥ ५ ॥ लटयाहपूर्वभवनास ॥ श्रीगीतल  
 प्रणसुइकास ॥ दीनराईकुलतिलकसजान ॥ प्रणसुश्रीये  
 धांसप्रधान ॥ ६ ॥ इद्रटतमुनियरगुणवंत ॥ पासपुजयाइ

भगवंत ॥ पूर्वभवसुन्दरवहभाग ॥ वादूविमलधरीमनेरा  
 ग ॥ ७ ॥ पूर्वभवजेरायमहिंदर ॥ तेहधनंतजिणप्रणसं सु  
 खकर ॥ साधसीरोजणसिंहरथराव ॥ धर्मनाथयादूचितला  
 य ॥ ८ ॥ पूर्वभयजेवरथगुणगालं ॥ सातिनाथजिणवरचित  
 साचं ॥ पूर्वभवरूपिसुनिकहोयै ॥ कुंयनाथप्रणम्यांसुपल  
 हियै ॥ ९ ॥ रायसुदर्शणसुनिविध्यात ॥ वादुअर्जनचिभुवन  
 तात ॥ पूर्वभगनंइनसनीचंद ॥ तेप्रणसंथोप्रह्विजिणंद  
 १० ॥ सोहगिरोपूर्वभवसार ॥ सुनिशुवतजिणजगआधा  
 र ॥ अदीनसुनुनिवरसिवसाय ॥ करजोडोप्रणसंनजिना  
 थ ॥ ११ ॥ संपनरेसरसाधुसुजाण ॥ रहनेमोप्रणसं गुणपा  
 ण ॥ रायसुदरसणजेहसुनिस ॥ पार्खनाथप्रणसंनिसदो  
 स ॥ १२ ॥ छडेभत्रपेटितसुनिजाण ॥ कोडिवरसचागौनप्र  
 माण ॥ चोथैभवनंदनराजान ॥ करजोडीप्रणसंवर्हमान  
 ॥ १३ ॥ चोवीसीजिणवरभगवंत ॥ ज्ञानदसेणचारिचअ  
 नंत ॥ वाळंदारकळंप्रणांज ॥ अष्टकर्मखैकरियाकाम  
 ॥ १४ ॥ दूहा ॥ जेरुथकोउत्तरदिसै ॥ एहोजजंवूहोप ॥  
 दूरवधिसुहाजयो ॥ जिणविधमोतीसीप ॥ १ ॥ जिहाचो  
 वीसीजिणह्वा ॥ चंद्रानदवारिधिणे ॥ एहोचोवीसीस  
 हो ॥ तेप्रणमु सजसेण ॥ २ ॥ ढाल० ३जी०) रागवेलावलो  
 (एदेयोळै०) चद्रानदजिणप्रथमजिणोसर ॥ दूजाथ्ये सुखं  
 दभगवंतक ॥ अगियसेणतीज्यात थेकर ॥ चोयाथ्योनंदधे  
 णअरिहंतक ॥ चिकर्गसुहसद्राजिणप्रणमु ॥ १ ॥ दूरव  
 पेदतणारिचोवीशक ॥ नष्टपमादिकस्वाभीअसुक्तमहया ॥  
 एकसमैमग्राजगदीसकै ॥ चि० २ ॥ पांचमानिसौदिनयुणीजे  
 वलहारीछठार्जिणरायक ॥ सोमचदसातमाजिणसमरु ॥ यु

सिसिचचाठमां सुपसायक ॥ १ ॥ नवनीचकीयसेराजिपुनमुं  
 दसमांथोसिवसेराउदारक ॥ देवसमांइम्यारमांध्याउं ॥ वा  
 रमांनिघतसहतसुखकारक ॥ ४ ॥ चि० ॥ तीरमाअसंअस  
 जिणतारक ॥ चवदनांथीजिणनाथअनंतक ॥ पनरमांउप  
 संतनमीजै ॥ सोलमांथीगुप्तसिणमहंतक ॥ ५ ॥ चि० ॥ स  
 तरमांअतिपासुसुगीजै ॥ पुणसुअठारमांथीगुपासक ॥ उ  
 गणीसमांमरुदेयमनोहर ॥ बीसमांथीहरपुणसुंहुसासक  
 ६ ॥ चि० ॥ इक्कीसमांसलकोठसुहंकर ॥ वावीसमा  
 पुणसुंअगीसेणक ॥ तीसमांअगीपुअनोपम ॥ चो  
 वीसमांपुणसुंवारीखेणक ॥ ७ ॥ चि० ॥ चौविअ  
 थकीएमांध्या ॥ अठतासीसजिणेसरनांमक ॥ अठैअ  
 कहुआसुनिसुमत ॥ सुपविपाकजगदाहुस्वामक ॥ ८ ॥  
 चि० ॥ जिणपचासएपुअचनवचने ॥ एसअनंतहुआअरिहं  
 तक ॥ बहरमांनवजेजिणवरविचरै ॥ केशकीसाधसहुमगव  
 नाक ॥ ९ ॥ चि० ॥ सिद्धययावजेसंप्रतिविचरै ॥ करजोही  
 पुणम तसुपायक ॥ हिंवजैआगमनामसुशिजै ॥ तिमुनिवर  
 कहिसुचितस्सायक ॥ १० ॥ पुअमजजिणवरगखवरसमबी  
 चक्रवर्त्तइसुधरबखितेहक ॥ पूर्वभवतसुनांमजगुहगाय  
 स् ॥ चौथाअठ्ठथकीतेहक ॥ ११ ॥ चि० ॥ चौवीसजिनती  
 र्यअतर ॥ कोउअस अहुवामुनीसहक ॥ कहुजोहीपुअमुं  
 तीपोसल ॥ नांमकहुंइयजेपरसिद्धक ॥ १२ ॥ चि० ॥ दास  
 ४थी० ( रागवन्द्यासरी ) एदेशी० ॥ पोसमपुणसुंअपमजि  
 णेसहुं ॥ श्रीमरुदेयासिधसुहंकर ॥ चौरासीगबधारसिरो  
 मणी ॥ उसमसिणमुनियरपुणसुंअमणी ॥ १३ ॥ चवदाको०  
 सुउभणीपुणसुंआउयजानुनी ॥ सइसचौरासीमुनि ॥ १४ ॥

ससहस्रप्रणत् केवलोज्ज्वले ॥ सिध्यया च भुवनधनी ॥ तीन  
 लापस्रप्रणो धूरनत् नितनान्निवाह्यो सुन्दरी ॥ सहस्रचालीसी  
 केवलोज्ज्वले ॥ नम्रमप्रण चित्तपरी ॥ १ ढाल० ॥ आरौसैव  
 रभरतनरेसरुं ॥ ध्यानवलेकरकेवललहवरुं ॥ सहस्रदसैमं  
 धातो नररती ॥ विश्वराजगन्तै प्रनज् सुमसती ॥ ७० ॥ सुभ  
 जतो जं गूहीपै पन्तीतीवपांणीयै ॥ भरतनीवलेपरकेवलं  
 पेचदूरवजांणीयै ॥ बंदीयैचक्रौदरौजुनि ॥ भावसुं  
 नितजनरली ॥ ह्रियैभरथपाटैश्चाठचनुमान ॥ वंदौर  
 नृपकेवली ॥ २ ॥ ढाल० ॥ श्रीआइजसप्रहाजसकेव  
 ली ॥ चद्रवलमहिवलतेजविरियैवली ॥ कीरतविरियैदंड  
 बीरीयेध्यादये ॥ जलविगियानुनिनिवगुणगादये ॥ ८० ॥ गाई  
 यैतायां अंगलुनिवरणहमाप्यासंजती ॥ श्रीकृष्णमतैरंलोश्च  
 जितअंतर ॥ ह्रियैसुयोक्तुं सुभजती ॥ पचासलापकोडसा  
 गर ॥ तिहांअसंध्याकेवली ॥ जेधयाजुनिवरतेहप्रणमुं ॥ च  
 सुभदुरमतिनिरदली ॥ ३० ॥ अजित जनेसरनेऊगणध  
 र ॥ धुरप्रणत् सीहसेणसुहंकर ॥ प्रणजुं पोखमफरुसाह  
 णी ॥ ह्रियैसुं आदूसगहनाहानुनि ॥ ३० ॥ लहान नीसगडतो  
 सलापैकोड अंतरजेधया ॥ केवलीसुनीवरतेहप्रणमुं ॥ दीय  
 करजोडीसया ॥ श्रीसंभवचारुंजुनिवर ॥ चित्तसाम्रातेगुण  
 रमुं ॥ लापदसैहोकोडसागर ॥ अंतरैसिधसहहनसुं ॥ ४  
 ढाल० ॥ श्रीअभिनंदनप्रणस गुणपती ॥ वैरनामपुनिअजी  
 यासती ॥ सागरलापैनवकोडअंतर ॥ केवलीजेधया अंदैयै-  
 सुभपरै ॥ ५० ॥ सुभपरैसुजतजिणेसरगणधर ॥ चन  
 रकासविअजया ॥ नेऊसहस्रकोडसागर ॥ विश्वन्मृंजेशिह  
 यया श्रीपद्मप्रभुसीसनांमौसुखियेकृष्णदये सांडणीतेरईनां

सिसेवाद्याठमां सुपसायक ॥ ४ ॥ नयनी अहीयसेवाजिबपुंमुं  
 दसमांथोसिधसेवाउदारक ॥ देवसमां इम्यारमाध्याउं ॥ वा  
 रमां निपतसहतसुसुकारक ॥ ४ ॥ वि० ॥ तेरमां अस जव  
 जिणतारक ॥ चयदमांथीजिणनायअनंतक ॥ पनरमांउप  
 संतनजीजे ॥ सोलमांथीगुप्तसिधमहंतक ॥ ५ ॥ वि० ॥ स  
 तरमां अतिपासुसुजीजे ॥ पुणसुअठारमांथीगुपासक ॥ उ  
 गणोसमांअरुदेवमनोहर ॥ नीसमांथीअरपुणमुंअसासक  
 ६ ॥ वि० ॥ दूकवीसमांसलकोठसुहकर ॥ वायोसमां  
 पुणस अगीसेणक ॥ तेदोसमांअगोपचअनोपम ॥ चो  
 धीसमांपुणसंवारीखेणक ॥ ७ ॥ वि० ॥ चौथेअ  
 थकीएभाया ॥ अठतालीसणिणेसरनांनक ॥ छठेअ  
 कछासुनिसुवत ॥ सुपविपाकजगदाइस्वामक ॥ ८ ॥  
 वि० ॥ जिणपसासएपुणचनवचने ॥ एसअनंतअवाअरिहं  
 तक ॥ बहरमांनवजेजिणवरविचरै ॥ केवल्लोसाधसहुमगव  
 नाक ॥ ९ ॥ वि० ॥ सिधययावजेसपुतिविचरै ॥ करजोही  
 पुणम तसुपायक ॥ हिबजीआगमनामसुखिजे ॥ तीमुनिवर  
 कहिसुचित्तायक ॥ १० ॥ पुणमजिणवरगखधरसमखी  
 चक्रवर्त्तहखधरवक्षितेहक ॥ पूर्वभवतसुनांमजरुगगाय  
 स्त्र ॥ चौथाअथकीतिहक ॥ ११ ॥ वि० ॥ चौवीसिजिनती  
 र्थअतर ॥ कोठअस छठवामुनीसिद्धक ॥ कछजोहीपुणमुं  
 तिपोसम ॥ नांमकअंजियजेपरसिद्धक ॥ १२ ॥ वि० ॥ टाक  
 ४थी० ( रागधन्यासरी ) एदेशी० ॥ पोसमपुणमुंअपमजि  
 णेसह ॥ सीमरुदेवासिधसुहकर ॥ चौरासीगवधारसिरो  
 मणी ॥ उसमसेणमुनिवरपुणमसुखभणी ॥ १३ ॥ उवालो०  
 सुखभणीपुणमबाजवजामुनी ॥ सहसचौरासीमुनि ॥ ५वी

रैकेवली ॥ जेययातेसङ्गवंदीयैवलिवली । ८ ॥ स्वामीअन  
तजिणप्रणमीयैजसुगणी ॥ समणीपोमंनम्सुगुरयेअंस  
मुनि ॥ सौसअसोकसुप्रणम्प्रभयती ॥ आतपुरुपोतमके  
सवम्पती ॥ ९ ॥ सागरव्यारनोअंतरोभापीयै ॥ केवलियं  
दनैसिवसुपचापीयै ॥ जिणवरधर्मअरुगणधरकङ्क ॥ सती  
समणासेवावादिशिवसुपलङ्क ॥ १० ॥ पूर्वभववृष्णगुरुलज्ज  
ततयूसीसए ॥ रंमप्रणम्सुद्रसणनिसदीसए ॥ बंधवपुरस  
सोइकेसुवमयी ॥ आयवणंचसुमरपुढवीगयो ॥ ११ ॥ सा  
गरतीनविचआतरोभापीये ॥ पुण्यपल्लोपमउणोकरिदापी  
यै ॥ तिहांकणरायरिसी ॥ मधवमुनिवरमयो ॥ जेवनछो  
डिनैसुधसंयमथयो ॥ १२ ॥ बोयोचक्रिसरसनतकु  
आरण ॥ बंदियैअंतकिरियाअधिकारण ॥ इणअन्तरसुनि  
मुक्तिगयाजिके ॥ केवलियंदियेभावमगतैतिके ॥ १३ ॥  
टाल ॥ ६ ॥ विरजियेसरचरणकमल ॥ कपलाक  
रासो ॥ (एहनि ॥ देयो ॥ ) सोलसमांथीसांतिन्नु चम्रि  
किनराया ॥ अक्रायुधगणिसमणिसुप्रणम्यापपाया ।  
पूर्वभवगंगदत्तगुरुतसुसिद्धाराह ॥ बंधवपरसुप  
हरिकरंम ॥ आणदच्छाह ॥ १ ॥ अर्हपल्लोपमअंतरैए  
सिधावज्जभेद ॥ तेहमुनिप्रहरंदतांनहितिथेछेद ॥ अम्रि  
योथीकुंथनमुंसंभवगणधार ॥ अजुकअम्रावंदताज्जवैजै  
कार ॥ २ ॥ सागरगुरुधर्मसिनसिसनंदनहलधार ॥ बंधवकी  
शवदत्तनाकसातमोविधार ॥ कोहसुहदरुंषरिद्योपलि  
यैबोभाग ॥ इणअवसरज्जसिधवज्जवांद्धारराग ॥ ३ ॥ अ  
जुंनचक्रोसातमोए ॥ कुंमगणधरगाछं ॥ अट्टियासलशिदं  
ताए ॥ सिवसंपतपाछं ॥ कोहसहसुवर्पअंतरैए ॥ सिधास



मे ॥ प्रणम्यादुपदूरनिकंदीयै ॥ ५ ॥ टा० ॥ कोटसहस्रनवसा  
 गरविचषली ॥ प्रणमुं मुनिवरजेययाक्वेयली ॥ श्रीसुपासवि  
 णविधुगुणोदधि ॥ प्रणमुं सोमासमणीगुणनिधी ॥ ७ ॥ ए  
 णनीधीनवसैकोटसागर ॥ अंतरैजेक्वेयली ॥ तेहप्रणमुं भा  
 वस्युं ॥ दुपजावैसज्जटली ॥ श्रीचंद्राग्रमुदोनगणधर ॥ स  
 तीसमणाध्यादयै ॥ नेउसागरकोटअंतरै ॥ क्वेयलीगुणगा  
 द्यै ॥ ६ ॥ टाल० ५ मी० ) सफलसंसारअवतारएङ्गिगुं  
 एदेशी० ) सुवधजिणेसमुनिवाराए ॥ वारुणीवंदीयैचित्त  
 चक्राहए ॥ अंतरोकोटनवसागरसहुजिहा ॥ २ ॥ कालिक  
 सुपनोदोहभाष्योतिहां ॥ १ ॥ स्वांमी सेतलजिनसाधआणंद  
 ए ॥ सतीसुलसानमुं चित्तआनदए ॥ एकसागरकोटतयो  
 अन्तरोकच्छो ॥ एकसोसागरचणोकरसंघच्छो ॥ २ ॥ सह  
 सखावीसख्यासठजापउपरै ॥ कालिकसुपनोदोहदइअतरै  
 श्रीये यांसमुनिगोथ्वधादयै ॥ धारणीसाज्जणीवलेषणचित  
 लादयै ॥ ३ ॥ पूर्वभवगुरुकज्जसाधसभूतए ॥ विसनंदिवले  
 सुगुणस युक्तए ॥ अचक्षमुनिवरनमू पढमहलधारए ॥ ४ ॥  
 वनृपष्टकेसयसिरधारए ॥ ४ ॥ सोपनसागरविच घयाक्वेयली ॥ वं  
 दीयैसुपनोदोहभाष्योयली इमविकेदेविचसातजिणअन्तरै  
 जांशियैशातिजिणवरकर्षेइणपरै ॥ ५ ॥ स्वांमीवासपूज्यजिणसा  
 धुंसोदमं धर ॥ साज्जणीवलेजिहाधणिउपद्रहर ॥ सुगुरसु  
 रुद्रसुबंधवषपाणीयै ॥ विजैमु निवच्छिपष्टहरिआणीयै  
 ६ ॥ तीससागरविच अन्तरैजेयया ॥ क्वेयलीवंदीयैभावभग  
 तैरुया ॥ विमलजिनवंदीयै ॥ साधसिमन्वरवली ॥ समणी  
 धरणीधराआगमसांभली ॥ ७ ॥ गुरुसुद्रसणमु निसागरद  
 त्तए ॥ संभवहरिवंधमद्रसियपत्तए ॥ नवसागरविच अत

रोमाई ॥ कर्महणीनैकीयलपाम्या ॥ पङ्गुतासिवपुरठांम  
 रोमाई ॥ श्री० २ ॥ नवनिधचवदैरैणजिणत्यागी ॥ चक्रो  
 श्रीहरिसेणरीमाई ॥ आश्वक्छंडीसंवरमखडी ॥ वेगवरी  
 सिवजेणरीमाई ॥ श्री० ३ ॥ बरसबलेदृष्टांपंचलपअंतर  
 तिहाचक्रोजयरायरीमाई ॥ बलेअनेरामुक्तापङ्गुता ॥ तिव  
 न्दुत्तनलायरीमाई ॥ ४ ॥ गोतमससद्रसागरगाडं ॥ गंभी  
 रघंभीरुचटाररीमाई ॥ अचलकंपिलअपोभप्रसेण ॥ दशमो  
 विष्णुकुमाररीमाई ॥ ५ ॥ श्री० ॥ पोसमप्रणमूचीनेमोश्वर  
 समणतेसहस्रअठाररीमाई ॥ वरदतआदिमुनिपनरैसो ॥  
 बांदृक्षेवलधाररीमाई ॥ ६ ॥ श्री० ॥ अक्षोभसागरसमुद्र  
 बटु ॥ हेमवन्तअचलसुचंगरीमाई ॥ धरिणपुणिणअभिच  
 दआठमो ॥ भण्याइग्यारैअक्षरीमाई ॥ ७ ॥ श्री० ॥ अन्धक  
 विष्णुसुतधारणीअक्षज ॥ मुनिवरएहअठाररीमाई ॥ ८  
 वसुदेवदेवकीअगजछळं ॥ आणीसीणअणंतसेणरीमाई  
 अजीसेणनैअणिहयारिपु ॥ द्रेशेणसपुसेणरीमाई ॥ ९ ॥  
 श्री० ॥ सुलसानाप्ररैसुरजोगै ॥ वधीरमणप्रसोसररीमाई  
 छंडीछठतपचवदशपुवी ॥ संयमवरसेवीसररीमाई ॥ १०  
 श्री० ॥ वशुदेवदेवकीअक्षजआठमो ॥ मुनिवरगजशुकमा  
 लरीमाई ॥ सहिपरिसोमुक्तापङ्गुतो ॥ तैयंदूषिकालरीमा  
 ई ॥ ११ ॥ सारुणदारुणकुमरअणाढी ॥ चववैपूर्वधाररी  
 माई ॥ वीसवसंसयमआराधी ॥ कीधोकजसहाररीमा  
 ई ॥ १२ ॥ श्री० ॥ जान्नीमयास्त्रीनैचवीयास्त्री ॥ एरिस  
 सेणवागीसेणरीमाई ॥ वारैअंगैसोलावरमै ॥ पाल्योसं  
 यमतेणरीमाई ॥ १३ ॥ श्री० ॥ वशुदेवधारणीअक्षजआठै  
 रमणीतजीपचासररीमाई ॥ सुजतामायैसिवपुरपङ्गुता ॥

निहंठ ॥ सातागरकसंभुयचमिनकुंतोजतमंड ॥ १॥ मणि  
 जिनेसरदंनियै ॥ अभिनैयन, शि द ॥ गणनिहुचर्यकचल  
 गणुचुयन्द ॥ सचसपचारसाधवी । साधरुहसचालि  
 स ॥ ततिससोर्गि कीलिप्रणुंनिसदिस ॥ ५ ॥ लहिवि  
 नेसरप् शदार्गमलचनगार ॥ तातमलेत्तुनन्दिये बलेनु  
 निगारधार ॥ अचलजिनययोपडीयचधर्ण चंद्रछाया ॥ पूर्ण  
 जित्तेशंछ एरु पयहाया ॥ ६ ॥ धेरुननतीशदिनसुवुअ  
 भिचद्रुदित्तुत्तु । लहिकेवलपुद्गगया पूर्वभवजित्तु । तुनिवर  
 नन्दणनदित्तुत्तुत्तुपाण् ॥ वालाचनलेमाणजिचअज  
 राततयाण् ॥ ७॥ अन्नसेखनह रोगाचाठेनायहु नार ॥ जि  
 लिसंघातेसाधययाग्रंगद्वेविचार ॥ अत्तरोहवलेजाणी  
 येलाउरौपम्नवास ॥ कीलोतिहांगडुवदीयेधरीहर्पहका  
 स ॥ ८ ॥ बट्टुणिणेसरवीरुतासुनिसुवतस्याजी ॥ गणधर  
 इद्रकुंमपस्सवत्तीप्रणसं । सरनजो ॥ सुरवरसातजैकपय  
 योसुनिवरगंगदत्तो ॥ कितीयसोहजरुद्रपयैसरथीयसंप  
 त्तो ॥ ९ ॥ राईथीमहापोत्रचज्जोशद्विकरजोडी ॥ सरुद्रशु  
 रुअपराजोयोए ॥ गाठजनजोडी ॥ रामरिपैसरवंदीयेए ॥  
 गानपौत्रजेह ॥ केसवनारायणतयोए ॥ धधवकंतेह ॥  
 १० ॥ लहिकेवलसुक्तेगया ॥ आठ्मलदेव ॥ नयजोसरसुप  
 प्रतुमव ॥ लहिसिसिवहेव ॥ सुनिसुवतमजीअन्तरोए ॥ व  
 र्साखळेहोई ॥ कीवलीसीघातेह ॥ प्रणस सुवजोई ॥ ११  
 ठाल०७मो ॥ थोनवकारणपोजनरगै० (एहनोदेथी/इकवी  
 सजांथीनेलजिनबाई) ॥ गणधरसुभपरधानरीजाई ॥ सुम  
 यी अलितागुणगावता ॥ सफलज्जयैनिजज्ञानरीजाई ॥ १  
 थी जिनसासणसुनियरवंदू ॥ ए०आ० ॥ भक्तै निजसिरनाम

पणो ॥ तु शनोनासपारणोकीयोए ॥ स्वार्थसिधश्चवत  
रो ॥ तटनरमवकरी ॥ ज्ञेचविदेहमैसिवगयोए ॥ तेमुनि  
बंदता ॥ कर्मवलिनदतां ॥ जन्मजीवतसफलोथयोए  
२ ॥ समणीगुशालीया ॥ तिणरुपमालीयां ॥ टिपीया  
तासजंगुणअणुंए ॥ तिअवलीसुवता ॥ द्रोपदोसंयता ॥  
नेअसासणगुणयुणुंए ॥ विअलजिणअनत ॥ अंतरैराय  
अहि ॥ यलदेइपट्ठावतीए ॥ तासतेअगर ॥ कुमरविरह  
ए ॥ तरुणीवत्तीसतरुणीपतीए ॥ ३ ॥ तामसिद्धत्यगुरु ॥  
पाससयमवर ॥ मङ्गलोकैसुरउपनोए ॥ चविबलदेववरे  
रेवतीउपद्रवर ॥ निपटनामसुतसंपनोए ॥ नेमपाईअन  
सरी ॥ अथिरधनपरहरी ॥ रमणियचासतजनतग्रह्योए  
करीवहसमदमवरसनवसंयमै ॥ पालीनैसर्वाधसिधलद्यो  
ए ॥ ४ ॥ ज्ञेचविदेहमै ॥ कैवलसयम ॥ सिद्धोसीलेतेमू  
नीए ॥ इणपरेचनिवह ॥ दोएगनीस ॥ सज्जयुनीकज्जगु  
णयुणीए ॥ दसरहट्टठरहै ॥ अहाधनुतेह ॥ सतधनुगु  
णमुक्तमनवस्याए ॥ नयधनुदसधनु ॥ सहिधनुमुनिएह  
भापीयोसूचवनहीटशाए ॥ ५ ॥ पुरवभवहरगुरु ॥ नाम  
द्रुमसीण ॥ ललनतेनामपूरवभवैए ॥ रांमबलदेवबले ॥ नय  
माहलधार ॥ मङ्गलोकैसुरअनुभवैए ॥ चविजिणतेरमो  
नामनिकसाय ॥ थायसीसहीसुरतरुसमोए ॥ अघवकीसव  
एकाअवतार ॥ अममहीसीजिणवारमोए ॥ ६ ॥ सज्जमव  
लेत्यांसीयां ॥ सातसीभासीया ॥ वरसपचासइहाअन्त  
रोए ॥ तिहांबलेचित्तलुनि ॥ सिद्धसंपत्तसुं ॥ नामलेईनै  
कीरतकणुंए ॥ पूर्वभवधव ॥ अक्रोयद्वादत्त ॥ सातमी  
नर्कगयोमरीए ॥ इणअन्तरैवलीनजु ॥ मङ्गकीवलीवेग

प्रणमुते हस्तमासरीमाई ॥ १४ ॥ श्री० ॥ समुपदु  
 मपनैकुवरएवदृ ॥ बलदेवधारणीपूतरीमाई ॥ योमव  
 रससंयमधरसोष्मा ॥ चयदैपूरुषसूतरीमाई ॥ १५ श्री०  
 रूपमणीकृष्णाकङ्कुमरपरजन ॥ जववतीसुतसवरीमाई  
 परजनसुतअनरुधअनोपम ॥ नामवेदरघीअंबरीमाई ॥ १६  
 श्री० ॥ समुद्रविजैसैशदेशीरानंदणा ॥ सचनेमोदटनेमरीमा  
 ई ॥ वारैअंगैसोलावरसै ॥ रमणिपचासैतेमरीमाई ॥ १७  
 श्री० ॥ समुद्रविजैसुतसुनिरहनेमी ॥ एमडराजकुमारगोमाई  
 कर्महणीनैसुक्तेपडता ॥ तेप्रणसंवारुंवाररीमाई ॥ १८  
 श्री० ॥ चारज्यांजक्षणीचाददेसिक्षणी ॥ समणीसहस  
 चाक्षीसरोमाई ॥ सावध्यासीधीतीनसहसृती ॥ बांदुकुम  
 तिटाक्षरीमाई ॥ १ श्री० ॥ योमांगोरीनैगधारी ॥ लपम  
 णासुसमानांमरीमाई ॥ जववतीसतमांमारूपमण ॥ हरर  
 मणीअभिरामरीमाई ॥ २० श्री० ॥ सुकसरीसुलदसाविच  
 सबकुमररीनाररीमाई ॥ अतगठअगेएसडभापी ॥ पां  
 भीमवनोपाररीमाई ॥ २१ श्री० ॥ उत्तराध्येनराजेमती  
 सती ॥ सयमसौक्षरीपांखरीमाई ॥ प्रतिबोध्योरहनेहीपांय्यो  
 सासतासुपनिरवांणरीमाई ॥ २२ श्री० ( ठाक. टमो. )  
 गोतनससङ्गकुमारसागरगमीर० ( एदेशी० ) धायञ्चा  
 सुतसुधसेकागणाददे ॥ पंथकप्रमुपमुनीपांचसोए ॥ मास  
 सुलेपणांकरीतपअतिषणां ॥ पुठरीकगिरसिधपुरवस्वो  
 ए ॥ राईकुहीयसी ॥ भीमअतिवली ॥ अर्जुननकुलसह  
 देवजीए ॥ रायथीप्रहरी ॥ सुधमयमूर्धरी ॥ साधुजीसि  
 यपदवीतजीए ॥ १ ॥ चवदैपूरुषरी ॥ थिवरधर्मबोला ॥ ध  
 र्मरुषीसीसगुणभरगोए ॥ नागथीनाझणी ॥ विसदीयोपा

रौ ( एदेयी ) माहणकुंडनयरोनोअधपती ॥ माहण-  
 कुलनाभच दोजी ॥ वीरजिणेसरतातजगुणीलो ॥ ऋप  
 भटत्तमुणिंदोजी ॥ १ ॥ नितनितवाटूसुनिवरएसज्जं )  
 निकरणसुधनिकालोजी ॥ विधस्युदेईतीनप्रदक्षणा ॥  
 करअंजलीनिकभालोजी ॥ २ नि० ॥ राईउटाइसिंहदस  
 वीरनो ॥ निर्मलसंजमधारोजी ॥ सेठसुटर्णमुनिसुत्तो  
 गयो ॥ सुणिमहावलअधिकारोजी ॥ ३ नि० ॥ कालसं  
 वेसीगंगयोगणी ॥ पिंगलनैशिवराजोजी ॥ कालउटाइ  
 अवंतोसुनि ॥ वंदतासीमैकाजोजी ॥ ४ नि० ॥ मकाई  
 मुनिकिंकमवंदीयै ॥ अर्जुनमालीज्जंलासोजी ॥ कासवम  
 घघरजाणीयै ॥ केवलरूपकौलासोजी ॥ ५ ॥ नि० ॥ सु  
 निहरअंदवारतयैवली ॥ सुदरसणपूरणभदौजी ॥ साधु  
 समणभट्टसमताआदरै ॥ सुपर्ईइसमयमदोजी ॥ ६ नि०  
 मेहमुनीखरअैवन्तोमुनि ॥ रायषट्पिअलक्षोजी ॥ श्रीजि  
 णसीसएसज्जमुत्तगया ॥ सेवैसुरनरसक्कोजी ॥ ७ नि० ॥  
 सहसच्छतीसेसमणीचंडणा ॥ आददेशवदैसैसिधोजी ॥  
 देवानंटाजणनीवीरनी ॥ केवलम्यांसमिंदोजी ॥ ८ ॥  
 ( नितनितवंटूसमणोएसज्जं ) समणीजैवतीपढलसिभपात  
 री ॥ सीधीकेवलपांमोजी ॥ नंदानंदवतीनंदोतरा ॥ वले  
 नंदसेणीयानामोजी ॥ ९ ॥ नि० ॥ मरुतसमरुतामाहा  
 मरुतानसं ॥ मरुदेयावखेजाणीजी ॥ भट्टासुभट्टासुजया  
 जिणतणी ॥ पालीनिर्मलआंणोजी ॥ १० ॥ नि० ॥ सम  
 णासमणीभुट्टोनामू ॥ राणीअणकरायोजी ॥ माससं  
 लेपणतीरैसिद्धयई ॥ प्रणम्यापातिकजायोजी ॥ ११ नि०  
 कालीसुकालीमाहाकालीनमू ॥ कन्यासुकन्यातिमोजी ॥

सिवसुन्दरीज्जायरीए ॥ ७ ॥ दाल० ६ जी० ) रामचंद्र  
 कैयागचप्योओरीरह्यौरी० (एहनीएदेशी०) तैवीममा  
 भिनतारक ॥ पुरसादाणीयपास ॥ मुनिवरसोलैसहस ॥  
 गणधरआठकुलास ॥ आर्जदिनेसुभसुभधोक ॥ बांदुवास  
 ठनामै ॥ यलेमझचारीसोजल ॥ श्रीधरकर्मप्रणाम ॥ १  
 वीरभद्रजसआददे ॥ सीधासहसप्रभांण ॥ तैहमुनिवरथं  
 दता ॥ ऊँरैपरजकल्याण ॥ साग्रीसंप्यासहुअडतीस ॥  
 सहसयपांगु ॥ उप्पचुलाटिकसहसदो ॥ सोधीतेमनआण  
 २ ॥ सजणीसुपासीयासीमसी ॥ मामीधर्मचीजाम ॥ ऐ  
 अधिकारकह्यौ ॥ श्रीठागांगसठाण ॥ चौथपुवीव  
 जे ॥ चौनांगं किसीकुमार ॥ परदेशीमतवोधीयो ॥ की  
 धौवहुउपगार ॥ ३ ॥ वरसचढाईसोअतरै ॥ सिधासाहु  
 अनेक ॥ तैसहुवदुसुविनवसु ॥ आणीषिसविवेक ॥ मु  
 निवरचउदैरुहस ॥ गुरुप्रणमश्रीरुहावीर ॥ सातसोके  
 वलीवंदीये ॥ गणधरएकादशधीर ॥ ४ ॥ इद्रभुतीअमि  
 भूत् ॥ तीजाबांदुवाइभुई ॥ विगतसुधर्मावंदतां सुभमतनि  
 मांखहोइ ॥ महीपूतमोरीपूत ॥ अकंपितनितसिवदानै  
 अचलभवाजेतार्य ॥ प्रणमश्रीप्रभास ॥ ५ ॥ वीरगणेशीर  
 मसाहृप ॥ सगइयेजयेय ॥ सितनसबचदायण ॥ नरप  
 तसवकहाय ॥ वीरजिणेसरआठेई ॥ दिक्षावाइमाण ॥  
 मुनिवरपोटिलवांझो ॥ गोपतीर्थकारठांण ॥ ६ ॥ पाख  
 कथावकपुत्ति ॥ वादुसमुद्रपाल ॥ पुन्यनैपापैदोळेकरी  
 सीधासाधुदयाल ॥ नयरीखारथीदोळजिह्या ॥ किसीगीतज  
 स्वाजी ॥ सीछागीसकाकाढ़नै ॥ पंचरुहवयकीयासिरना  
 मो ॥ ७ ॥ दाल १० जी० ) अरणकमुनिवरचाख्यागोच

रौ ( एदेयी ) माहणकुण्डनयरीनोअधपती ॥ माहण-  
 कुलनाभचंदोजी ॥ वीरजिणेसरतातजगुणनीलो ॥ ऋष  
 भद्रत्तसुणिंदोजी ॥ १ ॥ नितनितवाट्टसुनिवरएसज्ज ० )  
 त्रिकरणसुधविकालोजी ॥ विधस्युदेईतीनप्रदक्षणा ॥  
 करअंजलीनिजभासोजी ॥ २ नि० ॥ राईउदाइसिंहटस  
 वीरनो ॥ निर्मलसंजमधारगोजी ॥ सेठसुदर्शणसुनिसुक्ते  
 गयो ॥ सुणमहावलअधिकारोजी ॥ ३ नि० ॥ कालसं  
 वेसोगगयोगणी ॥ पिंगलनैशिवराजोजी ॥ कालउदाइ  
 अवंतोमुनि ॥ वंदतासीभैकाजोजी ॥ ४ नि० ॥ मकाई  
 मुनिकिंकमवंटोयै ॥ अर्जुनमालीज्जंलासोजी ॥ कासवम  
 धरजांगीयै ॥ केवलरूपकैलासोजी ॥ ५ ॥ नि० ॥ सु  
 निहरचंदवारतयैवली ॥ सुदरसणपूरणमदोजी ॥ साधु  
 समणभद्रसमताआदरै ॥ सुपर्इसमयमदोजी ॥ ६ नि०  
 मेहसुनीखरअवन्तोमुनि ॥ रायवटपिअल्लोजी ॥ श्रीजि  
 णसीसएसज्जमुक्तेगया ॥ सेवैसुरनरसक्कोजी ॥ ७ नि० ॥  
 सहसछतीसेसमणीचंदणां ॥ आददेववदैसैसिधोजी ॥  
 देवानदाज्जणीवीरनी ॥ केवलग्यानसमिंदीजी ॥ ८ ॥  
 ( नितनितवट्टसेमणीएसज्ज ० ) समणीजैवंतीपढनसिभारात  
 रौ ॥ सीधीकेवलपांमोजी ॥ नंदानंदवतीनंदोतरा ॥ बल्ले  
 नंदसेणीयानामोजी ॥ ९ ॥ नि० ॥ मरुतसमरुतामाहा  
 मरुतानसं ॥ मरुदेयावलेजागोजी ॥ भद्रासुभद्रासुजया  
 जिणतणी ॥ पालीनिर्मलआणोजी ॥ १० ॥ नि० ॥ सम  
 णासमणीमुद्दीनानमू ॥ राणीअणकरायोजी ॥ माससं  
 लेपणतेरैसिद्धयई ॥ प्रणम्यांपातिकजायोजी ॥ ११ नि०  
 कालीसुकालीमाहाकालीनमू ॥ कन्यासुकन्यातेमोजी ॥



महाकन्यावीरकन्यासाहसिणी ॥ रामकन्यासुवनेमोक्षी ॥  
 १२ ॥ नि० ॥ प्रीयसेणकन्यामाहासेणकन्यका ॥ श्रैष्ठ्य  
 येणकनारोजी ॥ निजनिजनंदनकालसुभेकरिणी ॥ लीघो  
 सयमभारोजी ॥ १३ ॥ नि० ॥ श्रैष्ठ्यसमभारोतपरैणावली  
 आददेष्टप्रकारोजी ॥ लहिकेवलएसज्जमुत्तरेगई ॥ तेअंदू  
 वज्जवारोजी ॥ १४ ॥ नी० ॥ टाल०) ११मी०) सुपकार  
 गभवीयणसमरोनितनवकार०) ऐहनी०) एदेगीहै० ॥  
 श्रीधर्मवोकमुनिस्वर ॥ महिबलगुरुसुतधार ॥ जिषपू  
 छोरोहै ॥ लोकालोकविचार ॥ वेसालीसावए ॥ पिंगल  
 नांमनिहंत ॥ पर्वायकपूछा ॥ पंधकसमयपहत ॥ २० ॥  
 कालीपुत्रमेहल ॥ आखंदकटापयाग्यानि ॥ बलकासुवने  
 यो ॥ यिवरोपांससेतान ॥ ३ ॥ मुनितीसकुरुदत्त ॥ बल  
 नियंतीपूत ॥ घननारदमुचमुनि ॥ सामहतीसयुक्त ॥ ४  
 सुनिचवसर्वगभूई ॥ क्षिपरकछोआणद ॥ जिनओसोल्या  
 यो ॥ घनघनसिंहो मुणिद ॥ ५ ॥ बलेपूछाजिणनै ॥ ले  
 स्वादिकबल्लभेद ॥ गुणगाछंमहामनि ॥ भाकडीपुत्रअमे  
 द ॥ ६ ॥ हियैयेणकसुतकज्ज ॥ जालीकुमरमयाली ॥ उ  
 ययालीपुत्रससेण ॥ बारिसेणआपदाटाल ॥ देहदन्तनैल  
 ठदन्त ॥ धारणीनंदणहोय ॥ बहलनैवेयास ॥ खेलाण  
 गुणहोय ॥ ८ ॥ ईकमदानदण ॥ मुनिवरअमयमहत  
 देहसेणनैमहासीण ॥ लहदतनैगुठदंत ॥ सुधदतकु  
 मरहल ॥ इमनैइमसेण ॥ गुणगाछमहाकुरुसिन ॥  
 सीहनेसीहसीण ॥ १० ॥ मुनिवरमहासीण ॥ सुव्य  
 सेणपरधान ॥ एधारणीअगज ॥ तेजेतरुणरुमान  
 ॥ ११ ॥ नृपथेणिकनंदन ॥ इयदसुतेरैकुमार ॥ आठ

आठरमणितजी ॥ अणुतरसुरश्रवतार ॥ १२ ॥ तिणअव  
 सनयरो ॥ काकदीअभिराम ॥ तिणपुगवदेसैभद्रा ॥ सार  
 घवाहीनाम ॥ १३ ॥ तसुनंदणधनो ॥ सुंदररूपनिधान  
 तिणपरणोतरुणी ॥ वत्तीसरंमसमान ॥ १४ ॥ जिणवैण  
 सुणीनै ॥ लीघोसंयमजोग ॥ सुनितरुणपरणै ॥ छंदारस  
 नामोग ॥ १५ ॥ नितछठतपपाणो ॥ आंवलउक्तभात  
 कससमणवणीमग ॥ काइनवंकैतिलजात ॥ १६ ॥ अति  
 दुक्करतपस्या ॥ आराधीनवमास ॥ एकमाससंधारै ॥ स  
 र्वार्थसिधवास ॥ १७ ॥ काकंदीसुनिपत्त ॥ राजगृहीसरी  
 दास ॥ पेलकएवेउं ॥ एकचनगरहुलास ॥ १८ ॥ रामपुचनै  
 चद्रमा ॥ साकतपुरवरठामे ॥ पुठोमपेठालौ ॥ पुषवांणी  
 याग्राम ॥ १९ ॥ इयणापुरपोटिल ॥ सहएधनोसमान  
 तरुणीतपजिणनी ॥ संयमवरसोमान ॥ २० ॥ द्विवैवह  
 लकुमरकज्जं ॥ रामगृहीआवास ॥ सर्वार्थसिधपज्जतो ॥ घर  
 सयमकैआस ॥ २१ ॥ इकमवसिधगामी ॥ एत्रीजिणव  
 रसीस ॥ सज्जनवमैअंगै ॥ भाष्यासुनितेतीस ॥ २२ ॥ द्वि  
 वपौममहापौम ॥ भइगुमद्रवपाण ॥ पौममद्रनैपौमसेण  
 पौमगुप्तमनआण ॥ २३ ॥ निलणीगुल्लआखट ॥ नदनए  
 हसुनिजाण ॥ कालादिकनासुत ॥ कप्यअहंसोयाठाण ॥  
 २४ ॥ सुनिउदगपूछ्या ॥ गोतमनैपषपाण ॥ चौजाअथ  
 कीकौयो ॥ पंखतणोपरीमाण ॥ २५ ॥ जिणजिणमतजं  
 छी ॥ छंछीकुमतअनेक ॥ तैआद्रेकुमरसुनि ॥ घनगुवुद्ध  
 विवेक ॥ २६ ॥ गर्दभालीवीथ्यो ॥ संजयिन्तपअणगार ॥  
 मुनीअचिभाष्या ॥ वज्जविधअर्थप्रकार ॥ २७ ॥ सहिअ  
 गहलविचरै ॥ विगतमोहअनाथ ॥ गुणगावंताअहिस

संपजेसिवपुरसाय ॥ २८ ॥ नृपप्रेमिणिजनटन ॥ मुनिव  
 रसेषसुधांश ॥ तनत्राठअन्तेसर ॥ उपनोविषवविमां  
 ण ॥ २९ ॥ अपमाणीरंगां ॥ आदरीप्रोसंयमजे ॥ विष  
 पालकमुनियर ॥ सोहमसुरययोतिह ॥ ३० ॥ इरी  
 चोरचिन्तायती ॥ सुसमाताततीधन्त्री ॥ आराधीस यमसो  
 हमसुरउपन्नी ॥ ३१ ॥ श्रीवीरजिगेसर ॥ सामन्तमु  
 निवरनांम ॥ निजभक्तैगाधं ॥ तेजतशांशुगग्राम ॥ ३२ ॥  
 दाल० १२मी ॥ वेशालीयापिंगल [एदेगौ०] घर्मघोष  
 गुरसीसदत्त ॥ मासुनैपारयैतेहसुपत्त ॥ प्रतिलाभ्यो  
 सुभचित्त ॥ सुसुपययोभववियसुनाह ॥ सुरययोसंजमए  
 हीसाह ॥ गुणतसुगांउंनित्त ॥ १ ॥ श्रीजुगवाहजिगे  
 धरआवे ॥ विष्टैकुमरप्रतिलाभ्योभावे ॥ श्रीजैभवमद्रुनंटी  
 भोगतनीययोसाधमुणोद ॥ करिसलेषणांलहासुखद  
 गुणतसुगातआणद ॥ नृपभदत्तपहिलेभवसत ॥ तिख  
 प्रतिलाभ्योसुनिपुष्पदंत ॥ तिहांथीययोसुजाता ॥ तिशांस म  
 जाणीसऊरिहवात ॥ आदरीआठेप्रवचनकात ॥ भवियण  
 तसुगुगतात ॥ पूर्वभदन्तपतिघनपाल ॥ विसमनभद्रनै  
 दानरसाह ॥ देईशिशिवयाय ॥ स यमलोईतिमुनिराय  
 लहिकेवक्तनैशिवपुरसाय ॥ तिवदूरुनकाय ॥ ४ ॥ पूर्वमेव  
 मेघरथराजान ॥ सुधर्ममुनिनैदेईदान ॥ श्रीजैभवजिन  
 दास ॥ स वरपालीजेथयासिह ॥ केवलदरयषज्ञानसमिं  
 बांदुतेहउह्वास ॥ ५ ॥ मिर्बाईपूर्वमदजां ॥ सम्भूतवि  
 खेनैदोउवपांण ॥ कुमरतीघनपतकोई ॥ वीरसमीपेस य  
 मसीधी ॥ ततछियकर्महणीमैसीधी ॥ दिमप्रतिपदूसी  
 ई ॥ ६ ॥ पूर्वभवनागदत्तधनेसर ॥ प्रतिलाभ्योदन्तपुर

सुनिसर ॥ सहिबलनामकुमार ॥ संयमलेईकारनसारपा  
 भवसायरथोचेतनतारपा ॥ तेवंदूवज्जवार ॥७॥ गृहपति  
 छंतोषधोप ॥ तिणप्रतिलाभ्योच्चतिसंतोष ॥ नामसुनि  
 धर्मासीह ॥ वीजैभवथयोभद्रनंदी ॥ सुक्तिगयोभवबंधन  
 छंदी ॥ तेवंदुसुनोईह ॥ ८ ॥ पूर्वभवजितसचुनरेसर ॥  
 प्रतिलाभ्योधर्महतसुलेसर ॥ सहिचंदनामकुमार ॥ तिणछं  
 षोवज्जराईकुमार ॥ पाचसैअपकरनैचणीहार ॥ बंदुकीव  
 लवार ॥ ९ ॥ विमलवाङ्मणनामैराजान ॥ धर्मरचीनैदेई  
 दान ॥ वरदत्तज्जवोभजवीजै ॥ संयमलेईसुरथीपामी ॥  
 कपअ तरजेशिवपुरगांभी ॥ कौत्तीतेहनीकीजै ॥ १० ॥  
 पूर्वभवदेईदानचदार ॥ वीजैभवथयाराथकुमार ॥ त्यांत  
 जोपाचसैनार ॥ सज्जययावीरजिणेसरसीस ॥ सुखविपाकै  
 एहसुगोस ॥ पंचमहार्यतवारी ॥ ११ ॥ नामेमातंगनै  
 सोमलगाचं ॥ रामगुतीसुदर्शणध्याचं ॥ नसंजमालीभीगा  
 जि ॥ किंकमपेलककालीयेतीजी ॥ अंतगठअंगेवाहिणवीजी  
 ठाणांअंगसंभाली ॥ १२ ॥ पूर्वभवमाहापौमतेवीजै ॥ तेत  
 लीपुच सुनिप्रणमीजै ॥ महापौमपुहरोकतात ॥ बंलेवंदू  
 जितसद्युसुधुही ॥ कर्महणीतिणकरीविशुद्धी ॥ तेवंदुविष्यात  
 १३ ॥ सुनिजयवोपविजैवोपवाडु ॥ वल्लखीनांमज्जगापुषवा  
 दू ॥ कमलावतीद्वज्जुकार ॥ पुत्रपुरोहितवलेतसुनार ॥  
 नामजसासम्भेगेसारी ॥ वदतानितजयकारी ॥ १४ ॥ टाल ॥  
 १५ ॥ जी ॥ चतुरविचारीयैरे (एदेशी ॥ सुनिदास  
 नैधन्नेवलेषपांणोयैरे ॥ सुनिखत्तकित्तीयसंयुक्त ॥ संहंण  
 सासमद्राणदतेतलीरे ॥ दयार्णमद्राणदंत ॥ १ ॥  
 सुनिगुणगाईयैरे ॥ गावतापरमाणंद ॥ सिवसुपसाधणेकरी

अरुनिसमरजैरे ॥ भाजेभवन्द ॥ २ सु० ॥ अस्तुत्तरअंग  
 नोएहोववीवीवाचनारे ॥ अदिसमुनिवरनाम ॥ नटीसु  
 नमैसाधसुभद्रपणैकहारे ॥ नंटीसेणअभीगांज ॥ २ सु०  
 विपजनदीफलपधिकारधन्वोमुनिरे ॥ धन्वोदेशटिनतात ॥  
 सुमतासमगीगुग्गुसिम्भणोरोटलारे ॥ पुंठरोककुंठरो  
 कनन्वात ॥ ४ सु० ॥ गुरगीसुमद्राकिरीसमगीसुमतारे  
 पूर्णभद्रसुचग ॥ मांणभद्रनैदत्तशिववज्रमुनोरे ॥ अणा  
 दीपुष्पीयाउपंग ॥ ५ सु० ॥ घनतेकपिलजृतीअतिनिर्मल  
 लतीरे ॥ तिणतज्जालोभम ताप ॥ इंद्रपरिच्छाअवसरउप  
 समआदरीरे ॥ नजीनजावैछाप ॥ ६ सु० ॥ सुग्गरसेवत  
 योहरकेसीवलमुनोरे ॥ संवरधारसुखेस ॥ सकनप्रेहोम  
 तिसंयजआदरयोरे ॥ दशार्णभद्रनरेस ॥ ७ सु० ॥ मुनि  
 करकहुराजादेयकलीगनोरे ॥ दमुहीदंचमुपाल ॥ बले  
 विदेहोन्ट रतिनजोनामैहोरे ॥ निग्घाईगंधाररसाल ॥ ८  
 सु० ॥ सेनयेजैनेजहिवलएसङ्गराजवोरे ॥ हतले ईययाअ  
 गार ॥ आरुक्कपायनिवारीसीतलआतसारे ॥ थिवरतीअक  
 गयधार ॥ ९ सु० ॥ हिवैयोवीरजिण्णेस्वरसीससु हनगणोरे  
 तासपरपरएह ॥ अमृप्रभवयलिसय्यंभवजास्थोयैरे ॥ म  
 नगपीयामुनितेह ॥ १० सु० ॥ योजसोमद्रनैमुनिसंभूतवि  
 जैवलीरे ॥ मद्रवाउल्लूखमद्रएम ॥ अनेराजिणवरआगम  
 ओहुवारि ॥ तिसुनिगाउरुद्र ॥ ११ सु० ॥ कालअनतैमु  
 निवरपक्षैगयारे ॥ सप्रतिविचरैतेह ॥ नाणदर्यणनैसय्य  
 कर्णधुरधुरारे ॥ ओदेववदैतेह ॥ १२ सु० ॥ कल्लधारज )  
 सोवीसणिमयर ॥ प्रयजगणधरअक्रि हलवरजैहवा ॥ स  
 सारतारफ ॥ केरलीवलिसरुणसज्जणीस युवा ॥ संयेअसु

तधरसादशुखकर ॥ आगतप्रयणेजेसुण्यां ॥ म्यानचंदगु  
रुसुप्रसाये ॥ आदेप्रचंदेसंयूण्या ॥ १३ ६ ॥ ईति श्रोवहो  
साधुवंदणा १३ तेरै दालकीचोपई ॥ संपूर्णम् जाता ॥

॥ अथसीलरीनववाहलिव्यते ॥

( दृष्ट्वा ) शीनेमिसरचरणनमुं ॥ प्रणमुं उठप्रभात  
वावीसजं जिणनगतगुरु ॥ ब्रह्मचारजविष्यात ॥ १ ॥ सुं  
दरअपछगसारखो ॥ रतिसभराजकुमार ॥ भरजोधनमैजु  
गतसुं ॥ छोडोगाजुलनार ॥ २ ॥ ब्रह्मचर्यलिणपालो  
यो ॥ घरतांदुधरजेष्ठ ॥ तेहतयांगुणयरणावुं ॥ पासैभवज  
लछेह ॥ ३ ॥ कोडकेवलोगुणकरै ॥ रसनासहसवनाथ  
तोईब्रह्मचर्यमेगुणवणा ॥ तेमंराकह्यानजाय ॥ ४ ॥ गलि  
तपलिनकायाथई ॥ तोईनपुगीआस ॥ तरुणप्रणैजेहतध  
रै ॥ छंवल्लिहारौतास ॥ ५ ॥ जीवव मासीजीयहुं ॥ पि  
पंमैराचेगिसार ॥ घोडासुखानैकारणै ॥ मतिजप्रारोहा  
र ॥ दसदृष्टात्तेटोहिलो ॥ लाणेनरभवसार ॥ सीलप  
ल्योनववाहमांजुसुफळद्वैधवतार ॥ ७ ॥ सीलमांजिगु  
णअतिवर्णा ॥ तेपुगाकह्यानजाय ॥ घोडासापरगटकरू ॥  
तेसुणज्योचितलाय ॥ ८ ॥ ढाल १ ली ) अतकरोकाया  
मायाकारजीजी ० ( एहनी ० ) सीलसुरतरुवरसेवीये ॥ ते  
वरतलै गरवीकैएहरे ॥ सीलरुशिवसुखपाजीये ॥ त्यांसु  
खारोकदेनआवैकैहरे ॥ सीलसुरतरुवरसेवीये ० ) १ ॥  
सीलमोटोसवत्तमै ॥ भाष्योक्तैयोमगवतरे ॥ आसुकि  
तसहिततीनपालीयो ॥ त्यांकीधोसंसारनोअंतरे ॥ २ ॥

सो० ॥ निगसास णवनअतिभलो ॥ तेनंदणवनअनुसाररे ॥  
 निनयरपालकतेहना ॥ करुनारसमंडाररे ॥ ३ सो० ॥  
 वृक्षतिणवनमैसीलरूपीयो ॥ तिणरैमूलद्रिटसजकितजानरे  
 साखाल्लैमठारतांतणी ॥ प्रतसापाअसुवगतवखाणरे ॥  
 ४ सो ॥ साधुसाधवीयावकथाविका ॥ त्यांगगुणरूपपत्र  
 नेकरे ॥ अङ्गकरकज सुभबंधनौ ॥ परजलगुणादिसिखरे ॥  
 ५ ॥ सो० ॥ सत्तमसुखसुखरूपफूलरो ॥ शिवसुखतेफलजां  
 नरे ॥ तिणसोलवृक्षन कतनकरो ॥ ज्य वैगीदांजोनारवा  
 णरे ॥ ६ सो० ॥ स सारसोलघनोउधरै ॥ जेपालैनवको  
 टीअमंगरे ॥ खयभुरजणजितलोतिरौ ॥ सेपरहीनदीग  
 गरे ॥ ७ सो ॥ उत्तराधैनरैसोल्लै ॥ वभसमाईयाठाण  
 रे ॥ कीधी तेणवृक्षनैरापया ॥ नववाढदशलोकोटजाणरे  
 ८ सो० ॥ दूहा/हिवकल्लुजूरै ॥ सीलतणीनववाढ ॥ दसलो  
 कोटतोषिऊदिसा ॥ आहिमझाधविस्तार ॥ १ ॥ पितगावनै  
 गोरवै नरहैकीधांवाढ ॥ रहसीतोषितइणविधि ॥ दोलोकीधां  
 वाढ ॥ २ ॥ मझाचारीविचरैजठै ॥ ठांमठांमछैनार ॥ तिणका  
 रणईणसीकरी ॥ वीरकाहीनववाढ ॥ ३ ॥ वाढनलोपैते  
 हनी ॥ रनैवरतअमंग ॥ वयरगीविरकतथया ॥ दिमदि  
 नचढतैरंग ॥ ४ ॥ पहलीवाढमैइमकछो ॥ नारिरहैति  
 हारात ॥ तिणठांमैरहणोनही ॥ रक्षा घरततयोअवैषा  
 त ॥ ५ ॥ अथवानारीएकसी ॥ भलीनसंगततास ॥ घर  
 मकथाकहैसीनही ॥ वैसीतिणरैपास ॥ ६ ॥ तिणथीअ  
 वगुणउपजै ॥ सकापांमैलोक ॥ आवैमृठोआलसिर ॥  
 तलेहोवैयरतनोपोक ॥ तिणसुअझाचारीभयो ॥ रैहयो  
 छैएकस ॥ शिवैकुणजायगांवरणीया ॥ तिसुणक्योमतवत

८ ( ढाल ) रजि ) नणदलहेनणदलचुहलैहेजोवनभिल  
 रघो० ( एदेशी० ) भावधरोनितपालीयै ॥ गीरवोछैब्रह्म  
 चर्यसारहो ॥ ब्रह्मचारी० ॥ तिणसुंशिवसुखपामोयै ॥ तुं  
 वाढमपंडलिगारहो ॥ ब्रह्मचारी० ॥ १ ॥ यापहलीवाढब्रह्म  
 चर्यनो ॥ एआं० ॥ जोमंजारीसंगतरमै ॥ कुकडभूसमोहो  
 ह० ॥ कुशलकिहायीतेहनो ॥ मारैकंठमरोहो ॥ ह० २  
 आ० ( एहशी० ) स्त्रीपसुनीपोसगतिहावसै ॥ ज्यांनहीर  
 हैवोषासहो ॥ ह० ॥ तेहनीसंगतिनिवारीये ॥ प्रतरोकरै  
 विद्यासहो ॥ ह० पै ॥ ३ ॥ हायपावछैदनकीया ॥ का  
 ननाकछेद्योछैतासहो ॥ ह० ॥ तोपिणसोवरसारी  
 डोकरी ॥ तोहीरहैवोनहीतिणपासहो ॥ ह० ॥ ४ पै० ॥  
 सभसिणगारदेवंगणां ॥ आवैचलावणतासहो ॥ ह० ॥ ति  
 णआगैतोचलीयीनही ॥ तोहीरहवोएकंतवासहो ॥ ह०  
 ५ पै० ॥ स्त्रीहुवैविहमावासैरहै ॥ कदेचलजावैप्रणांजहो  
 ह० ॥ जवहठरहयोदोहिलो ॥ भृष्टहुवैतिणठाजहो  
 ह० ६ पै० ॥ सीहगुफावसीयोजती ॥ रघोवैस्याचिचसा  
 लहो ॥ ह० ॥ तोतुरतपढोवसतेहनै ॥ गयीदेशनेपालहो  
 ह० ॥ ७ पै० ॥ कुलवालवोसाधथो ॥ तिणभाग्योवरतरसा  
 लहो ॥ ह० ॥ कोणकरीवैस्यावसपढो ॥ रूखसिअनतोका  
 लहो ॥ ह० ॥ ८ पै० ॥ मुंसोमंजारीभेलहै ॥ तोघातपांभे  
 ततकालहो ॥ ह० ॥ नारीऊवैतिहानब्रह्मचारीरहै ॥ तोभा  
 गैसोलरसाखहो ॥ ह० ९ पै० ॥ वाढसहितसोलपालीया ॥  
 पूरैमनरोखतहो ॥ वृ० ॥ यासीजदीधीछैतोभणी ॥ तूरही  
 ज्योमायगायेकतहो ॥ वृ० १० पै० ( दूहाः ) कथानकहणीना  
 रनो ॥ तेजिणकहोदूजीवाढ ॥ नारीकथाकहैतेहसु ॥ वर



सो० ॥ जिणसास णवणचतिभलो ॥ तीनं दणावन अत्तसाररे ॥  
 जिनयरपालकतेहना ॥ कसुनारसभंडाररे ॥ ४ सो० ॥  
 वृत्ततिणवनमैसीलरूपीयो ॥ तिणरैमूलद्रिटसजकितमांनरे  
 साखाऊंजहारतांतणी ॥ अतसापाअसुवगतवग्गाररे ॥  
 ४ सो० ॥ साधुसाधवीयावकयाविका ॥ त्यांगगुणरूपपत्रअ  
 नेवाररे ॥ अङ्गकरकज सुमबंधनी ॥ परमल्लगुणांविसेखरे ॥  
 ५ ॥ सो० ॥ उत्तमसुरसुखरूपफूलरो ॥ शिवसुत्तफलना  
 नरे ॥ तिणसीलवृत्तन जतनकरो ॥ ज्य वेगीदांलो निारवां  
 णरे ॥ ६ सो० ॥ संसारसीलघडीउधरै ॥ जेपालैनवको  
 टीअभगरि ॥ स्वयभुरअणजितलोतिरौ ॥ सेपरहीनदौग  
 गरि ॥ ७ सो ॥ उत्तराघैनरैसीलमै ॥ वभसजार्द्धवाठा  
 र ॥ कीधी तेअवृत्तनैरापया ॥ नववाहदग्रजोकोटजांणरे  
 ८ सो० ॥ दूहा/हिक्कज्जुज्जुइ ॥ सीलतणीनववाह ॥ दससो  
 कोटतोषिज्जंदिसा ॥ आहिअज्जअर्थविस्तार ॥ १ ॥ पितगांवने  
 गीरवै मरहैकीर्धावाडा ॥ गहसीतोषितदणविघे ॥ दोलोकीर्धा  
 वाडा ॥ २ ॥ अज्जचारोविचरैणठै ॥ ठामठांमळैनार ॥ तिणका  
 रणईयासीलरी ॥ वीरकहीनववाह ॥ ३ ॥ वाहनलोपैति  
 हनी ॥ रत्तैवरतअभंग ॥ वयरगीविरसतधया ॥ दिनदि  
 नचढतैरंग ॥ ४ ॥ पहलीवाहमैइअकछो ॥ नारिरहैति  
 हारात ॥ तिणठांमैरहणीनही ॥ रद्या वरततणीछवैषा  
 त ॥ ५ ॥ अथवानारीएकली ॥ भलीनसंगततास ॥ घर  
 सकथाकहैणीनही ॥ वैसीतिणरैपास ॥ ६ ॥ तिणधीअ  
 वगुणउपजै ॥ सकापांमैलोक ॥ आवैभूठोआससिर ॥  
 वलोहोवैवरतनोफोका ॥ तिणसुअज्जचारोभणी ॥ रैहणो  
 छैएकत ॥ हिक्कणजायगांवरणीया ॥ तीसुणइयोमतवत

१० ॥ भ० ना ॥ नारिकथासुगविगङ्गाधरणरे ॥ तिणा  
 रोकहतानावेपार ॥ वलेष्टष्टुवावरतभांगनैरे ॥ तेगया  
 जमारोहाररे ॥ ११ भ० ना० ॥ नीवुफलनीवारतासु  
 ग्यांरे ॥ सुखपांणीमेलेहैहैताय ॥ ज्यूनारीकथासुगीयां  
 धकारे ॥ प्रणामथोडामैचलजायरे ॥ १२ भा ना० ॥ सं  
 काकांखांवितकंछामनउपजैरे ॥ सीलवरतपालंकीनाही  
 तीणसु नारीकथाकहणीनहीरे ॥ दुजीवाडरैमाहिरे  
 १३ भ० ना० ॥ वारवारसुसवीतणीरे ॥ कथानकहणी  
 ताम ॥ दुजीवाडसुधपालसीरे ॥ तेंपांससीअविचलठाम  
 रे ॥ भ० १४ ना० (दृष्टा) तीजीवाडमैदूमकह्यो ॥ ब  
 ह्मचारीनागिसहित ॥ एकणसिज्यानहीवैसणा ॥ याजि  
 यमारगरीरोत ॥ १ ॥ अगनकुंडपासैरहै ॥ तोमगलैष्ट  
 तनोक्तम् ॥ ज्यूनारीसंगतपुरुषनो ॥ रहैक्षितोपरवभ  
 र ॥ दृष्टचारीजोगीजती ॥ मतकरनारीप्रसङ्ग ॥ एकण  
 सिज्यावैसतां ॥ होवैवरतनोभग ॥ ३ ॥ पावकगालैलोह  
 नै ॥ जोरहैपावकसंग ॥ ज्यूनारीसिज्यावैसतां ॥ नरहै  
 वरतसुरग ॥ ४ ॥ ढाल) ४ थी० अमीयारोंणीकहैधाय  
 गै० (एहनीएदेशी) तीजीवाडहिवैचित्तियिचारी ॥  
 नारीसहितएकासणनिवारोहोलाल ॥ एकआसणवेष्ट  
 ठाकांमदीपैहै ॥ बृहचारीनैआछोनहीहैहोलाल ॥ ती  
 जीवाडहिवैचित्तियिचारी० १ ॥ एकणआसणवैठाआसं  
 गोयावै ॥ आसङ्कोकायाफरसावैहोलाल ॥ कायाफरसा  
 याविषैरसजागै ॥ ईमकरतांजावकवतभागैहोलाल ॥ २  
 तीजी० ॥ पाटवाजोटादिकसज्यासंथारी ॥ एयाआमण  
 अनेकविचारीहोलाल ॥ नारीसघातैवैसोमतकोई ॥ जिणव

तरोज्ज्वलविगाह ॥ १ ॥ जेभीलरग्न्यादृष्टधरतमै ॥ तिणरै  
 विपैनहोमनभांछि ॥ तेविद्याचारीनैनागीकथा ॥ कर्गवी  
 सोभैनांछि ॥ २ ( दात ) ३जी० ॥ कपूरहोवैअतिउजलोरे  
 मिरचांकिरैसंग० ( एहनीएदेशी० ) जातरूपकुलदेश  
 नोरे ॥ नारीकथाकहैजेह ॥ बारबारकहैनागनीरे ॥  
 तोकिमरहैमतसु नेहरे ॥ भवियण० ॥ नारीकथानिवा  
 र ॥ १ ॥ आ० ॥ चन्द्रसुपीमृगलोयणीरे ॥ वैणीनायैमु  
 यंग ॥ दीपसिखाजाणैनासकारे ॥ होठपरवालीरंगरे  
 म० २ना० ॥ वाणीकीयलजेहयौरे ॥ हाथपावराकरैयखा  
 य ॥ हसागतीकहसि धणीरे ॥ नाभतेकमलसमाणरे  
 म० ३ना० ॥ कुक्षकैजेहणीचतिभलीरे ॥ बलेअडुचपड  
 अनेक ॥ त्यानैवारुनसरावणीरे ॥ आणीमनमैविवेकरे ॥  
 म ४ना ॥ कथातीहकहतांथकारे ॥ दोपनहीकैलिगार  
 विषकारणकहवीनहीरे ॥ नारीरूपसीणगाररे ॥ म  
 ५ ॥ ना ॥ नारीरूपसरावतारे ॥ बांधैविषयविका  
 र ॥ परिणामअलविचलेज्जवैरे ॥ बरतरोज्ज्वलविगाहरे ॥  
 म० ६ना० ॥ मञ्जीकुमरीनोरूपसांभलीरे ॥ छतराजारा  
 चलीयाप्रणांम ॥ त्यांसगार्इकरवाढूतमोकल्पारे ॥ विग  
 खोमाहोभांछितांगरे ॥ ७ म०ना० ॥ खगावतीरोरूपसां  
 भलीरे ॥ अहप्रद्योतराजान ॥ कोस योनगरीघेरोदीयो  
 रे ॥ कीधोमिनखारोषमसाणरे ॥ ८म०ना ॥ तिणरैहा  
 धनआवीमृगावतीरे ॥ ऊयोइज्जइखराबा ॥ फिटफिटज्जवो  
 धणोखोकमैरे ॥ धणीपडाईआवरे ॥ ९ म ना ॥ पदमो  
 त्तरनारदकनैरे ॥ द्रोपदीरारूपरीसुणीषात ॥ दिव  
 मगार्इतिणद्रोपदीरे ॥ सोइज्जतपडाईसाखातरि ॥

मजाणो ॥ एकआसणमतीवसाणोहोलाल ॥ एक  
 आसणवेठतांभांगाअनत ॥ इमभाण्योथीमगवंतहोला  
 ल ॥ १३ तो० ॥ इमजाणीवद्वतिमलोपो ॥ वृद्धाचर्यधि  
 रकररोपोहोलाल ॥ ज्युंसिवरमणीवेगावरसो ॥ आवा  
 गमणनहीकरस्योहोलाल ॥ १४ सती० (दूहा) नारी  
 रूपनहीनिरखणो ॥ याजिणकहोचोथीवाढ ॥ सुधैमनजो  
 पालसीत्यसुभलकीयोअवतार ॥ १ ॥ चिचलिखितजेपूत  
 ली ॥ तेपिणजोयवीनांहि ॥ केवलग्यानीदमकथो ॥ दसमीका  
 लकमांहि ॥ २ (दाल०) पूमी० ॥ नारीसगतनहीकीजी  
 यै० एहनी (एदेशी०) अनोहरइंद्रोनारनोरे ॥ तिणटी  
 ठांहीवघैविकार ॥ मृगजालज्युंनरमणीरे ॥ पासैरच्यो  
 ससार (सुगणनरनारीरूपनहीजीय) नारीरूपेटीबलो  
 रे ॥ मोगीपुरुषपतग ॥ ऊवैसुखनैकारयैरे ॥ टाळैकोम  
 लअग ॥ सु० ॥ २ ना० ॥ कामणगारीकामणीरे ॥ तिमै  
 वसीकीयोसर्वससार ॥ आखीआंणीकेदकरछोरे ॥ सुरनर  
 गयासवहार ॥ सु० ॥ ३ ना० ॥ रूपैरमासारखीरे ॥ व  
 लेमीठाबोलीहुवैनार ॥ तेनीजरमरीनिरखियारे ॥ ब्रह्मचा  
 रीरोहवैविगाढा ॥ सु० ॥ ४ ना० ॥ रूपमैरुढोदेखनैरे ॥  
 मात्रैपडैकामअथ ॥ सुपमायैपिणजाणनहीरे ॥ तेपाढैदु  
 रगतनोवध ॥ सु० ॥ ५ ना० ॥ रूपमैवणीरस्त्रीयांमणी  
 रे ॥ अपहरनेउणिहार ॥ तेदेपीनेरीकरोकिस्युंरे ॥  
 आमलपुषनोमहार ॥ सु० ॥ ६ ना० ॥ असुचअपवीन  
 नोकोथलोरे ॥ बलेकलैकाजलरोठांम ॥ वारैसुरतवहैस  
 दारे ॥ चरमदीवहीनांम ॥ सु० ॥ ७ ना० ॥ देहिचदा  
 रिककारमीरे ॥ जिणमाहिभिगुरथाय ॥ सप्तधातरीको

रवचनसां हसो ज्यो होलाल ॥ ४ ॥ ती० ॥ स्त्रीसहित  
 वै हसै एक आसण ॥ तो लोकप्रद है विमास होलाल ॥  
 आछ तो ही आल दे कर फितुर ॥ बलीयो नि अनेक विधि  
 कूड होलाल ॥ ४ ॥ ती० ॥ तिण ठां मै वै हठी ऊवै ना  
 री ॥ तिण ठां मै न वे सै छ चारी होलाल ॥ जो व हसै तो एक  
 मोहोर तटानी ॥ वेद सभा वै स माली होलाल ॥ ती० ५ ॥  
 नारी वेद रा पुट गलति थो ॥ नारि विकार वेद जिण थो  
 होलाल ॥ इम हो जैनारि नै पुरुष जायो ॥ आ हो मां हि वेद  
 विकार पिछाणो हो होलाल ॥ ६ ती० ॥ नारी फरस वेध्याड  
 वै भोग रोर गी ॥ जब जा वै वरत सुं भागी होलाल ॥ इण  
 कारण एक आसण वै सणोन हो ॥ नारी फरस सुं डरणो मन  
 माहि होलाल ॥ ७ ती० ॥ योरं णी सं भूत दां द्या मन सगो  
 कर पद सुं मुनि तन लागी होलाल ॥ तिण चारि र खो यनी या  
 णो की धो ॥ दुर गति नो पथ ली धो होलाल ॥ ८ ती० ॥ देव  
 धई नै च कव फलु धो ॥ भोग माहि गिर धो को सु वो होलाल  
 सात मो नरक माहि जाय पहीयो ॥ पाप सुं पुरण मरीयो हो  
 लाल ॥ ९ ती० ॥ नारी फरस वेध्यां सुं भोगण अनेक ॥ ती  
 य सुं आसण न वै हस थो एक होलाल ॥ सुं का कखा वीत कंछा  
 उपणे मन माहि ॥ सौल वरत पाखु की नाहि होलाल ॥ १०  
 ती० ॥ ईय वा छली पी तिण वरत भिमोयो ॥ तिण दीयो ब्रह्म  
 वरत खोयो होलाल ॥ ते नरक निगोद मै जाय पहीया ॥ स  
 सार मै रड वहीया होलाल ॥ ११ ती० ॥ काध रको ह  
 खो फाही कर काटो ॥ तिण सुं बाक तुट छ वै पाटो हो  
 लाल ॥ तिण कारण एक आसण वै ठाताम ॥ ब्रह्म चारी  
 राचलै परग्यांम होलाल ॥ १२ ती० ॥ मावि हन वेटो इ

मजंणो ॥ एकआसणमतीवैसाणोहोलाल ॥ एक  
 आसणवेठतांभांगाअनंत ॥ ईमभाण्णोधीमगवंतहोला  
 ल ॥ १३ तो० ॥ इमजंणीवृद्धतिमलोपो ॥ वृद्धाचर्यधि  
 रकररोपोहोलाल ॥ ज्यु'सिवरमणीवेगावरसो ॥ आवा  
 गमणनहीकरस्योहोलाल ॥ १४ सती० (दूहा) नारी  
 रूपनहीनिरखणो ॥ याजिणकहोचोथीवाह ॥ सुधैमनजो  
 पालसीत्यसभलकीयोअवतार ॥ १ ॥ चिचलिखितजेपूत  
 ली॥तेपिणजोयवीनांहि॥केवलग्यानीइमकअो॥दसमीका  
 लकमांहि ॥ २ (दाल०) पूमी० ॥ नारोसगतनहोकीनी  
 यै० एहनी (एदेही०) मनोहरइंद्नीनारनारे ॥ तिणटी  
 ठाहीवधैविकार ॥ मृगजालज्यु नरमणीरे ॥ पासैरअ्यो  
 संसार (सुगणनरनारीरूपनहोजीय) नारीरूपेटीवलो  
 रे ॥ भोगीपुरुपपतग ॥ ऊंवेसुखनैकारणैरे ॥ दामैकोम  
 लअग ॥ सु० ॥ २ ना० ॥ कामणगारीकामणीरे ॥ तिमै  
 वसीकीयोसर्वससार॥ आखीआणीकेदकरहोरे॥ सुरनर  
 गयासवहार ॥ सु० ॥ ३ ना० ॥ रूपैरभासारखीरे ॥ व  
 लेमीठावोलीहूवैनार॥ तेनीजरमरीनिरखियारे ॥ ब्रह्मचा  
 रीरोहवैविगाह॥ सु० ॥ ४ ना० ॥ रूपमैरुहोदेखनैरे ॥  
 मांहेपडैकामअंध ॥ सुपमाणैपिणजाणनहीरे ॥ तेपाढेदु  
 रगतनोवध ॥ सु० ॥ ५ ना० ॥ रूपमैवणीरलीयामणी  
 रे ॥ अपहरनेंछणिहार ॥ तेदेपोनेरीकप्रोकिस्सुंरे ॥  
 आमलपुषनोमहार ॥ सु० ॥ ६ ना० ॥ असुअपवीच  
 नोकोथलोरे ॥ बलेकलैकाजलरोठाम ॥ वारैसुरतवहैस  
 दारे ॥ चरमदीवहीनांम ॥ सु० ॥ ७ ना० ॥ देहिउदा  
 रिककारमीरे ॥ क्षिणमांहिभिगुरधाय ॥ सप्तधातरोको

यत्तरे ॥ जतनकरंताजाय ॥ सु० ॥ ८ ना० ॥ नारीवेदन  
 रपतिथयोरे ॥ वलेचचकुसीनीयोधाय ॥ याडभागला  
 खाभवारि ॥ रूलीयोरूपीगय ॥ सु० ॥ ९ ना० ॥ सेठपर  
 जामदीयोरे ॥ नामदलापुत्रजाण ॥ नटवीदेखीमोहीयोरे  
 वसीयोनटयारैघरैघाण ॥ सु० ॥ ना० १० ॥ वासठपर  
 चखीखेलवारि ॥ मनमाहिहरपनमाय ॥ योवांछेधनराव  
 नोरे ॥ रायवांछेईणगीघात ॥ सु० ॥ ११ ना० ॥  
 मणरथबंधवमारीयोरे ॥ मैणरेहारीदेखीरुप ॥ मणपाव्यो  
 तिणजोगसूरे ॥ जायपद्योअंधकूप ॥ सु० ॥ १२  
 ना० ॥ अरणकसंयमआटरोरे ॥ तिणदीघीसंसार  
 नैपूठ ॥ तेनारीरुपैमोहीयोरे ॥ नारीलीघीतिनैलूट ॥  
 सु० ॥ १३ ना० ॥ एकचचीआणसेजावतोरे ॥ तिणनै  
 मारगमैमिलीयोघोर ॥ चचीवाणवाछावणारे ॥ घोरफ  
 रसीसु नाप्यातोड ॥ सु० ॥ १५ ना० ॥ एकवाणवाकीर  
 घोरि ॥ जवलीट्रियीनीजरूपदीखाय ॥ रूपदेखीघोरमो  
 हीयोरे ॥ चचीवाणसु दीयोतिणनैठाय ॥ सु० ॥ १६ ॥  
 ना० ॥ घोरपद्योदेखनैरे ॥ चचीकरवालागोमांण ॥ घोर  
 कहैगमै, किसुरे ॥ म्हारैनारीनैणाराजागावांण ॥ सु०  
 १७ ना० ॥ इत्यादिकवडमानवीरे ॥ तेकहितांनआवैपा  
 र ॥ जेनारीरुपैमोहियारि ॥ तेगयाजजारीहार ॥ सु० ॥  
 १८ ॥ ना० ॥ नारीरुपकनैसुख्यारे ॥ सुठउवाछेअने  
 क ॥ तेदीठारुणवैकिसुरे ॥ येसकोनरआणविवेक ॥  
 सु० ॥ १८ ना० ॥ काचीकारीआखनीरे ॥ सुरजसाहमो  
 जोयाअन्वहीया ॥ अरूपनारीनिरखतारे ॥ रख्याहएतदे  
 वोखीय ॥ सु० ॥ २० नाये ॥ प्रह्लादारीनिरयोमतीरे ॥

नागोरुपसिगगा॥ यासीछटोधीकूतोभणीरे॥ नहिचूकै  
 लाचोथीवाह ॥ सु० ॥ २१ । ना० ॥ (दृष्टा) भीतरपरि  
 घटाटीआतरे ॥ तिहारहताहुवैनरनार ॥ तिहावध  
 चारोनैरहवीनही ॥ एजिणकहीपाचमीवाह ॥ १ ॥ सं  
 जोगीपामैरहै ॥ ब्रह्मचारीदिनरात ॥ तेतणासब्दसां  
 भल्या ॥ जुवैवरतनीवात ॥ २ ॥ जेहरनेउरखलकरी ॥  
 सबदपडैआयकान ॥ जवचलजायब्रह्मवरतथी ॥ लागैवि  
 पैसुंध्यान ॥ ३ ॥ ढाल० ६ठी० ॥ आणंटसभकितउचरै  
 रेलाल० ) एहनीएदेशी ) वाडसुणोहिबैपाञ्चमीरेलाल  
 सोलतणांरुधाम ॥ दृष्टचारैरे० ॥ ज्यूरतकुसलैरहै  
 सहीरेलाल ॥ बलेनावैआछतोआण ॥ १ ह० ॥ वाडसु  
 णोहिबैपाचमीरेला० ) भीतपरिजेताटीआन्तरैरेलाल ॥  
 अस्त्रीमुखपरहताहुवैरात ॥ ह० ॥ तिहांझुणकुणदोषउप  
 जैरेलाल ॥ तेसाभलज्योविष्यात ॥ ह० २ वा० ॥ किलकरै  
 निजकतसु रेलाल ॥ बोलतीमगावैकैकाम ॥ ह० ॥ वि  
 क्रुद्रसबदकरैतिहारेलाल ॥ रोदनसबदकरैतिगठाम  
 ह० ३ वा० ॥ कोयलज्युबोलैकतसु रेलाल ॥ गावैमधुरस्वा  
 द ॥ ह० ॥ कामवसैहडहसैरेलाल ॥ बोलतीकरैउदमा  
 द ॥ ह० ४ वा ॥ खिणक्रुद्रसबदकरैतिहारेलाल ॥ व  
 लेपतिखबदहोवैताम ॥ ह० ॥ तिहारहैतोएयासबदसु  
 ग्यारेलाल ॥ चलजावैसुरतपरिणाम ॥ ह० ५ वा० ॥ गा  
 जतणोसबदसाभल्यारेलाल ॥ गिस्पासैपिईयानैलोग  
 ह० ॥ ज्योभोगसमैरासबदसाभल्यारेलाल ॥ लागैवरत  
 तनेखोड ॥ ह० ६ ॥ इमसांभलनैरहवीनहीरेलाल ॥ सब  
 दपडैतिहाकाना ॥ ह० ॥ तिहावारदाररहवीनहीरेलाल ॥



तिकद्योजिनराज ॥ ८०७५० ॥ दृष्टा ) छठीवाडमैडमक  
 द्यो ॥ चचलुजनमतिदिगाय ॥ खाधोपीधोयिलसीयो ॥  
 तिमतियादद्याणाय ॥ १ ॥ अनगलताभोगभोगव्या ॥ ते  
 यादकियागुणनांहि ॥ बाहभाग्यादतपैयङ्गवै ॥ यलेभ्रज  
 सहवैलोकांभांहि ॥ २ ॥ दाल०७ मी० ॥ जीवमोहध्यागु  
 कपानध्याणरे ) एङ्गनी० ( एदेशो० ) हावभावसवदना  
 रीतयां ॥ सुणीयांवधैचिपयविकाररे ॥ एङ्गवासवदचा  
 गैसुणीयाङ्गवै ॥ त्यानैयादनकरणास्तिगाररे ॥ छठीवाड  
 हिवैसुणीविरनधरजनी० ॥ १ ॥ वरगगोरादिकसरीर  
 ना ॥ रूपसोभायमान ॥ यनंतरेएङ्गवीस्त्रीसुंभोगभोगव्या  
 तेचितारैनहीदृष्टादत्तरि ॥ २ छ ॥ गधचोवादिकनैचद  
 यां ॥ रसमङ्गरादिकननेयारे ॥ तेल्लीसवातेभोगव्या  
 तेपिणयादनकरणाएकरे ॥ ३ छ० ॥ हाथपांवसुखमानुनारी  
 तयां ॥ सुखमालसरीरसुखदायरे ॥ एङ्गवीनारीसंवातेकेली  
 करी ॥ तिचितारैनहीमनमांहिरे ॥ ४ छ० ॥ सबदरूपगंधरस  
 फरस ॥ पांचप्रकारनांकांमभोगरे ॥ तेपिणस्त्रीसवातेभोग  
 व्यात्यानैयादनकरणाओगरि ॥ ५ ॥ रस्वासारपासासुग  
 टादिक ॥ कुवटादिकरामतभनेकरे ॥ तोपिणस्त्रीस  
 द्वातेरामतकरी ॥ त्यानैयादनकरणीएकरे ॥ ६ छ० ॥ स  
 वदसुण्याभागैवाङ्गपाचमी ॥ रूपसुचोधीवाङ्गरे ॥ एक  
 एकसिज्यावेठातीसरी ॥ स्त्रीकर्यासुंदुमीवाङ्गरे ॥ ७ ॥  
 छ० ॥ एकयादकरैयांमाहिस्त्री ॥ तिणसुभागेछठीवाङ्ग  
 रे ॥ तिसगलीयादकीयादकां ॥ अङ्गवृत्तमोङ्गवैविगाङ्गरे ॥  
 ८ ॥ छ० ॥ मनगमताभोगभोगव्या ॥ देपैचुरतस भाखरे  
 तिणवाडसहितपृत्तसुगहीयो ॥ पाणीकिमरहैफृतापाखरे

६ छ० ॥ पुरवस्त्राकामभोगचितारने ॥ रांणीदेवीसुंको  
धीप्रोतरे ॥ अत्रजिणपट्टपनैजन्ननांखीयो ॥ रांणीदेवीमा  
रुवीपरीतरे ॥ १० छ० ॥ अहरसहितछाछपीयवाली  
या ॥ त्यांतोवाकोनज्जुवोवाहरे ॥ त्यानैषणावरसांपाळैक  
द्यो ॥ तिणसुंमरणपाव्योततकालरे ॥ ११ छ० ॥ भाई  
नेंपवनमुव्योदेखनें ॥ भाईनेंनजणाव्योताहिरे ॥ जांख्यो  
तिणदिनघसकोपद्यो ॥ ततकालकीहीतिणकायरे ॥ १२  
छ० ॥ एसुवाजैहरयादअणावीयां ॥ पांमीअणचितवीअ  
समादरे ॥ उयूभागेहृम्वचारीसीलसुं ॥ कामभोगानै  
करायादरे ॥ १३ छ० ॥ कामभोगानेयादकीयांथकां ॥  
सहाकखाटपजैमनमांहिरे ॥ सोलराजकैपालूनहो ॥ वसे  
जावकमण्टवैताहीरे ॥ १४ ॥ छ० ॥ ईमसांभजनैनर  
नारीयां ॥ जतलीपोछठीवाहरे ॥ तोसीलवरतसुधनीपजै  
तिणसुंजवैखेवोपाररे ॥ १५ छ० ( दूहा ) नितनितअ  
तिसरसआहारनै ॥ वरव्योसातमीवाड ॥ तीहृम्वचारीनि  
तभोगवै ॥ तोविगतरोहुवैविगाड ॥ १ ॥ हतादिकसुंपू  
रणभर्यो ॥ एहवोमारीआहार ॥ तोघातुदीपावैअतिव  
खो ॥ तिणसुंवधैश्रिकार ॥ २ ॥ खाटोखारीचरचरो ॥ मी  
ठोभोजनजेह ॥ विविधपणैरसनीपजै ॥ तीरसनासरधरस  
लेह ॥ जेहनीरसनाधसनही ॥ तीखावैसरसआहार ॥ व  
रतमांगभागज्जुवै ॥ खोवैमहहतसार ॥ ४ ( टाल० )  
८ मी० ) नितकरुंसाधुजीनैवन्द्या० ) एदेगौ० ) कवलो  
करैआहारउपाडतां ॥ हतविंदुधरतोआहारभाररीए ॥  
एहवोसरसआहारचापचापनै ॥ नितनितनकरैमह  
चारी ( वाहमछोपोसातमी० १ ) वयतरुणीरोगरहित

है ॥ तीकरैसरसआहारोए ॥ तीआहारकहीरोतपरगमै  
 तिणसु'बधे'अत्यंतविकारोए ॥ २ वा० ॥ विकारवध्यांअन  
 वरतनै ॥ दोपणअनेकविधलागे'ए ॥ वल्लेअद्रकुचेष्टा  
 उपजै ॥ जायकटुत्ततिहाभागोए ॥ ३ वा० ॥ सरसआहा  
 रनितधांपरकीयां ॥ दृढभागेविगडेयकुल्लोगोए ॥ संसा  
 रमैदुखीह्वै ॥ वधताजावैरोगनैसोगोए ॥ ४ ॥ वा० ॥ व  
 यतरूणीकायाजीरणपडै ॥ जेकरैसरसआहारोए ॥ पेट  
 फाटैपद्योतलफलै ॥ वल्लेआवैअजीरणहफारोए ॥ ५ वा०  
 विविधपणैरोगउपजै ॥ नितसरसआहारकीयाभारोए ॥  
 अक्राखेअरेधरमखोयनै ॥ वल्लेहोयजावैअनतसंसारो  
 ए ॥ ६ वा० ॥ वयतरूणपणोषणोईणविधमरै ॥ नित  
 कीवांसरसआहारोए ॥ तोयुढारोकहैवोकिसु' ॥ तिष  
 रैपेटतुरतजाखमारोए ॥ ७ वा० ॥ दुघटहीपकवानने ॥  
 सरसआहारभावैरहैसुतोए ॥ पापसमणीकछोउपाध्येय  
 नमै ॥ तोसाधपणांथीयिगु तोए ॥ ८ वा० ॥ अक्रवर्त्तनी  
 रसवती ॥ भोगवैभुतदेवान्दनछोहीनखाजोए ॥ कांसवि  
 डम्भसातिखलही ॥ वैहनबेटोसु कौधोअकाजोए ॥  
 ९ वा० ॥ सरसआहारतणोखपटीषणो ॥ मरुआचार  
 जयायोए ॥ तीमरनेगयोअन्तरीकमै ॥ सजमलारैउहाईखे  
 होए ॥ १० वा० ॥ सेलगरायकटखेसर ॥ सरसआहारत  
 णोह्वोगिरघोए ॥ तीजिह्वांसपहीयोषको ॥ क्रीयाअसु  
 गोधरदीधिण ॥ ११ वा० ॥ कु हरीकरसजपटीययो ॥ पाछो  
 परमैआयोए ॥ आरीआहारसु रोगउपजैसुवो ॥ पहीयो  
 सातमोनरकमैजायोए ॥ १२ वा० ॥ ईत्यादिकनहुसाधसाध  
 वो ॥ लोपनसातमीवाहोए ॥ दृढधारजटतखोवनै ॥ गया

जभागेहारण ॥ १३ वा० ॥ सुनीयातियोदुधमोथीपीवै ॥  
तिणसणीपातवधतोदेखोए ॥ ज्वृष्टम्वचारीसरसचाहा  
रसुं ॥ विकारवधैविसेपोए ॥ १४ वा० ॥ इमसामलनेनर  
नारीया ॥ नितभारीमकरज्योआहारोए ॥ सीलटतसुध  
पासुनै ॥ आवागमणनियारोए ॥ १५ वा० ॥ सरसचा  
हारतोअर्द्धरद्यो ॥ लुखोईपिणआहारोए ॥ चापरनित  
करणोनही ॥ हिबैकइस्य्चाठमीवाडोए ॥ १६ वा० ॥  
दूहा) आठ्मीयाडमैइमकह्यो ॥ चंपनकारणोआहार  
प्रमाणालोपइवकोकरै ॥ तोवरतरोडवैमिगाड ॥ १ ॥ अ  
तीआहारथीदुखडवै ॥ गलरूपवलगाय ॥ परमांदरोग  
निद्राआलसडवै ॥ बलेअनेकरोगहोयजाय ॥ अतीआहार  
थीविपैवधो ॥ ययोइजफाटैपेटा ॥ धानअमाउअरता ॥ हांडीफ  
टेनेठ ॥ ३ ॥ केईवाडलोमैविकलयका ॥ करसोअधीकोआ  
हार ॥ त्वारैकुणरअवगु यानीपजै ॥ तेसांमलज्योविस्तार  
॥ ४ ॥ ( टाल० ) ( दमो० ) विमलकीश्लीएकरेअपानगर  
री० ( एदेशी० ) भरजीवनरेजाहिरे ॥ देहिनीरोगोहोवै ॥  
माहितेजसरोजोहोषणोए ॥ चापैकीघायाहाररे ॥ पछैम  
तावसुं ॥ तोविषेवधेतिणरेधणी ॥ १ ॥ जबगमतालागै  
भोगरे ॥ ध्यानमैमाठोरहै ॥ बलेगमतीलानैअसधीए ॥  
२ ॥ सीलपासु केनाहिरे ॥ संकाउपजैबछैभोग ॥ गारी  
ववछाउपजैए ॥ ३ ॥ मोनैकामहोसीकेनाही ॥ सीलवर  
तपालीया ॥ पिणसांसोउपजैए ॥ ४ ॥ जबभूटडवैवरत  
भागरै ॥ अपमांहियका ॥ केईभेपछोडडवैगरसतीरे ॥  
५ ॥ चापैकीघाआहाररे ॥ पछैअछीतरे ॥ तोईसडोअन  
रयनिपजैए ॥ ६ ॥ केईकरैडवैरोगरे ॥ तेआहारदुधको

छै ॥ तेकरैसरसआहारोए ॥ तेआहारकडोरोतपरगमै  
 तिणनु वधेअत्यंतविकारोए ॥ २ वाढ ॥ विकारवध्यात्र  
 वरतनै ॥ दोषणअनेकविधनागेए ॥ वल्लेअइकुचेष्टा  
 उपजै ॥ जायकटुत्ततिहाभागोए ॥ ३वा० ॥ सरसआहार  
 रनितआपरकीया ॥ दृतभागविगडेयङ्गलोगोए ॥ स सा  
 रमैदुखीहवै ॥ वधताजावैरोगनैसोगोए ॥ ४॥ वा० ॥ व  
 यतरूणीकायाजीरणपडै ॥ ठेकरैसरसआहारोए ॥ पेट  
 फाटैपड्योतलफलै ॥ वल्लेआवैअजीरणहकारोए ॥ ५वा०  
 विविधपणैरोगउपजै ॥ नितसरसआहारकीयाभारोए ॥  
 अकालैअरेधरअखोयनै ॥ वल्लेहोयजावैअनतसंसारो  
 ए ॥ ६ वा० ॥ वयतरूणपणोषणोईणविधमरै ॥ नित  
 कौर्षासरसआहारोए ॥ तोवुढारोकहैवोफिसुं ॥ तिअ  
 रैपेटतुगतजालभारोए ॥ ७ वा० ॥ दुधटहीपकयानने ॥  
 सरसआहारभावरैसुतोए ॥ पापसमणीकछोचचाध्येय  
 नमै ॥ तोसाधपणांथीविगु तोए ॥ ८ वा० ॥ चक्रवर्त्तनी  
 रसवती ॥ भोगवैभुतदेवाम्भनछोडीनछाजोए ॥ कामवि  
 डम्बसातिणलही ॥ यैइनवीटोसु कौधोअकाजोए ॥  
 ९ वा० ॥ सरसआहारतणोलपटीषणो ॥ मरुआचार  
 जयायोए ॥ तीमरनेगयोअन्तरौकमै ॥ सजमल्लारैउडाईखे  
 होए ॥ १० वा० ॥ सेलगरायकटखेसख ॥ सरसआहारत  
 णोहवोगिरधोए ॥ तेजिआवसपड्योथीयको ॥ क्रीयाअल  
 गोधरदीधिए ॥ ११ वा० ॥ कु उरोकरसलपटीधयो ॥ पाछो  
 धरमैआयोए ॥ आरीआहारसु रोगउपजैसुवो ॥ पडीयो  
 सातमीनरकमैजायोए ॥ १२ वा० ॥ ईत्यादिकबहुसाधसाध  
 यो ॥ लोपनसातमीवाडोए ॥ दृढचारजहतखोयनै ॥ गया

गोदोहिलोए ॥ २६ ॥ कोदसाधुकैरामरे ॥ योआहारे  
 अधीकोकरे ॥ तोषणोकुडैतिणउपरैए ॥ २७ ॥ जोमिल  
 नकहेअनेकरे ॥ तुंआहारइधकोकरे ॥ तोहीकछोनम  
 नोएकनोए ॥ २८ ॥ पूरणभरेंनितपेटरे ॥ ईधकोचांपने ॥ जव  
 पांयोपूरोमावैनहीए ॥ २९ ॥ तिरखालागेअनंतरे ॥ पेट  
 दूखेधयो ॥ टलबलाटकरेधयोए ॥ ३० ॥ खावेंआवलो  
 याहीलरे ॥ जकनहीतेहने ॥ अजकधयोविअजेहनेए ॥  
 ३१ ॥ असहोपडेविपत्तरे ॥ तोहीगिरधीपेटरो ॥ निजअ  
 वगुणछोडैनहीए ॥ ३२ ॥ जवरोगपोडलैआणरे ॥ मारै  
 माठीरीतरे ॥ औजिनधर्मगमायनेंए ॥ ३३ ॥ आरुंगत  
 रेमांहि ॥ भमणकरैधयो ॥ अनंतकालदुखमोगवेए ॥  
 ३४ ॥ कुंढरीकरेउपनोरागरे ॥ आहारइधकोकीयां ॥  
 मरनेगयोनरकसातमीए ॥ ३५ ॥ हांछीफाटेनेठरे ॥ ईध  
 कोऊरीयां ॥ तोपेटनैफाटेकिणविधैए ॥ ३६ ॥ दृष्टचारि  
 इमजाणरे ॥ ईधकोनहीजिमीए ॥ अणोदरीमैगुणधयां  
 ए ॥ ३७ ॥ उत्तमअणोदरीतपैरे ॥ करतांदोहीली ॥ व  
 यरागवीनांजुवैनहीए ॥ ३८ ॥ एकहीआठमीवाहरे ॥  
 ब्रह्मचारीभयी ॥ बोखेचित्तआराधजोए ॥ ४० ॥ (दृष्टा)  
 नवमौवाहद्विगमचर्यनी ॥ विमुपानकरणीअंग ॥ विमुप्रा  
 कीधायकां ॥ थायैवरतनीमंग ॥ १ ॥ सरीरविमुप्राजेक  
 रै ॥ करेंतनसिणगार ॥ रहेंघठारीयामठारीया ॥ त्यां  
 छोपीदृष्टादृष्टवाह ॥ २ ॥ सरीरविमुप्राजेकरे ॥ तिसंजो  
 गीहोय ॥ दृष्टचारैतननसोभवै ॥ तेकलपैनहीकोया ॥ ३ ॥  
 वाहभाम्यांकिणविधरहै ॥ अमोक्षकसीलरतन्त्र ॥ तिणसुंष्ट  
 दृष्टचारैदृष्टवरतना ॥ किणविधकरेजतन्त्र ॥ ४ ॥

करें ॥ बलेसासआर्येयवधोयकोण ॥ ७ ॥ फाटपेटअनंत  
 रे ॥ वधज्जवैनाहीया ॥ वधेअसाताविटनीए ॥ ८ ॥ होबे  
 अजीरणरोगरे ॥ मुखवासैदुरो ॥ बलेपेटभालआफरोण  
 ९ ॥ तीउठेउकालापेटरे ॥ बालैकलमती ॥ बलेकुटैरुस  
 युक्णीए ॥ १० ॥ डीलफिरैचकडोसरि ॥ पिसधुमैषणां  
 बालैसुखुहेसुखकणीए ॥ ११ ॥ आवैमाठीबकौडकाररे  
 बलेआवैगुचलका ॥ जवआहारभागउलटोपडैए ॥ १२  
 बालैमरोडापीडरे ॥ पेटदूखेवगो ॥ बलेसोहीठाणपरोज्ज  
 वैए ॥ १३ ॥ नाद्यांमेउपजैरोगरे ॥ तीआहारभलेनही  
 ज्यखावैज्यनीकलैए ॥ १४ ॥ बलेतावचडैततकालरे ॥  
 बंधज्जवैमातरो ॥ अघकोआहारकीयाए ॥ १५ ॥ वणीदे  
 हीपडैकुथाररे ॥ आहारभावेनही ॥ जवमांसलोहीटि  
 नदिनवठेए ॥ १६ ॥ खीणपडैजवदेहरे ॥ निबलाईपडै  
 बलेदाथपगांसोनीचडैए ॥ १७ ॥ अमैनहीअतिसाररे ॥  
 ओपधकरैषणां ॥ दिनदिनफेरोईधकोज्जवैए ॥ १८ ॥  
 पछैजावककुटैअनरे ॥ चुकेधर्मध्यानथी ॥ बलेबोलेवगो  
 दयामणीए ॥ १९ ॥ बलेज्जवैसासनखासरे ॥ जलोघरवधे  
 सुन्यबुन्यदेहीपडैए ॥ २० ॥ वधेअपचोरोगरे ॥ आहार  
 पचेनहीए ॥ उयधकोलागेनहीए ॥ २१ ॥ बलेउपजैदाह  
 सरोरे ॥ बलपलागीरहरे ॥ पेटसुखबालैवणीए ॥ २२  
 बटमाज्जवैआप्याकानरे ॥ खानज्जवैषणीए ॥ बलेरोग  
 पीतजरउपजैए ॥ २३ ॥ ईत्यादिकवज्जरोगरे ॥ उपजैआ  
 हारथी ॥ ज्जकहिरनेकितगोकज्जए ॥ २४ ॥ एज्जवैआहा  
 रथीरोगरे ॥ नावलेअवरजो ॥ त्वारेकुषवधेवणीए ॥ २५  
 तीचांपकरैआहारोरे ॥ गिरधीपेटरी ॥ तिअमैसाचयोख

नचालैसोट ॥ १ ॥ कोटभायांओखसकैभाहने ॥ वाङ्मा  
 ग्यावरतनैजांण ॥ तिणसुंकोटहिगणैदेयैनही ॥ तेढावो  
 चतुरसुजांण ॥ २ ॥ कोटभांगवारापत्रायकां ॥ वाङ्भांग  
 ताकितीयकवार ॥ तिणसुंविसेप्रकीटरो ॥ करवोज  
 तनविचार ॥ ३ ॥ सहरकोटसैठोज्जवै ॥ तरेंचिंता  
 नपांमैलोक ॥ अथअहगकोटत्रहचर्यनी ॥ तोसीलनपामै  
 दोप ॥ ४ ॥ तिकोटकरणोकिणविषकफ्फो ॥ किणवि  
 षकरणोजतन्न ॥ तिणसुंहृहचारीविचरासुध ॥ सां  
 भलज्योधरमन्न ॥ ५ ॥ (ढाल०) (११ मी०) विना  
 रानावसुणरगुणोण० (एदेशो०) अनगमतोसवदरसाज ॥  
 अणगमतोसवदरकगज ॥ गमतोसवदसुण्णानहीरो  
 मै ॥ अणगमतोसुंणयानहीखीमै ॥ १ ॥ कालानीलारा  
 तामीलारेला ॥ पाचप्रकारनारुपवोहीला ॥ रागनांणै  
 भलाहमदेख ॥ जाठादेखनैआंणैदेप ॥ २ ॥ गंधसुंगंधदुर  
 गंधदोय ॥ गमतआणगजतासोय ॥ गजतासुरतनहीही  
 य ॥ अणगजतांसु अरतनहीहोय ॥ ३ ॥ रसपाचप्रकार  
 नाजाणो ॥ त्वारासवदादिकअन्क पछांणो ॥ गमतोसु  
 रागनहीरहणुं ॥ अणगमतोसु धेकन्धरणो ॥ ४ ॥ फ्र  
 सआठप्रकारनातांज ॥ त्वाराजुटारहैनाज ॥ रागागजता  
 अणगमतोरोहोप ॥ याटोगंभुरहणोनिरापेख ॥ ५ ॥ स  
 वदरपगंधरसफरस ॥ मलामु डाहलकाभारोत्तरस ॥ त्वां  
 सु रागधुं पकरणोनहि ॥ सोखरहसीएहवाकोटजाहि ॥  
 ६ ॥ सौखरताहृत्तकैभारी ॥ तिणराहणविषकरणाजत  
 न ॥ सवलाहृतांजाहिहृतमोटो ॥ तिणरीरघाटणाकफो  
 कोटो ॥ ७ ॥ सेसवदादिकसु अवरामो ॥ तोकोटगावैछै



( टाल० ) ( १ जी० ) धोजकरै सीतासतीरेलात० ) ए  
नी ( एदेशी० ) सोभाकरण देहनीरे ॥ नहीकरणोतन  
सिणगाररे ॥ दृष्टधानी० ॥ पीठीउगटणोकरणोनहीरे  
लात ॥ भरदनकरणोतिगार ॥ दृ० ॥ १ ( नयसीवाहदृष्ट  
चर्यनोरेलात० ) उंनाठंहापाणीथकीरे ॥ सुक्त-करणो  
अंगोल ॥ दृ० ॥ कैसरचंदननहीचरचरणारेलात ॥ टा  
तरंगनकरणोचीत ॥ दृ० २ न० ॥ दहनीकानेदहकारे  
लात ॥ धनपहरणानाहि ॥ दृ० ॥ टीकातिककरणां  
नहीरेलात ॥ नदनीवाहरेजाहि ॥ दृ० ३ न० ॥ फांरुण  
कुण्डलसंदहीरेलात ॥ आखालीतीनीना ॥ दृ० ॥ ब  
हाचारीपहरैनहीरेलात ॥ गजराधिशिवद्वार ॥ दृ०  
४ न० ॥ नहीरुणोषडाग्री-ठारदोरे ॥ कैसानिकनसि  
णगार ॥ दृ० ॥ वज्रादिकप्रियरुहरनरेलात ॥ सुक्त  
करणोसिणगार ॥ दृ० ५ न० ॥ विमुवाअगळैकुसोलनो  
रेलात ॥ तिणसु चिकणाकर्मवधाय ॥ दृ० ॥ पहैससार  
सागरजाहिरेलात ॥ तिणरेपारविगोनहीधाय ॥ दृ०  
६ न० ॥ सिणगारकियारहेनेहनेरेलात ॥ अलीदेव  
लाय ॥ दृ० ॥ भूएकरैदेवतेहनेरेलात ॥ ठालीकरदेव  
ताहि ॥ दृ० ७ न० ॥ रतनहायेहवेगकनरेलात ॥ ति  
दिखिपोमलेसो-जा ॥ दृ० ॥ अयदहसारीवमुवाकीधारे  
लात ॥ स्त्रीसीखरतनहीससीताय ॥ दृ० ८ न० ॥ अ  
रीहजाराखीरेलात ॥ विमुपामतिकरछोतिगार ॥ दृ०  
असीखरतनकुशखैरेरेलात ॥ तिणसु सुतरोभरपार  
दृ० ९ न० ) दृष्टा० ) नयसीवाहकहीअर्थचर्यनीनाहि  
वदसमीकळकोट ॥ तिगादोलीवीटोरखो ॥ तिणनेसु

ॐ नमः

॥ अथ देवकिजिरीचोपरिलिख्यति ॥

॥ दृष्ट्वा ॥ भद्रिलारनं मैनगर ॥ भरियाष्टद्वमंडार ॥  
तिहावमेनागगाथापति ॥ सुलसाकृतसुनार ॥ १ ॥ सुल  
साकृतवामाडो ॥ वयोउवकोवाह ॥ हरिणगमेयोदे  
वरी ॥ सेवकरेवितलाय ॥ २ ॥ अणुकंपाआखीदेवता ।  
सुलसाविलखोजाण ॥ क्ययैटादेवकीतयां ॥ जेख्यागुलचा  
वरयाण ॥ ३ ॥ अतक्रामेमोठाक्या ॥ कलावहोत्तर  
जाण ॥ नवअगसुताजागीया ॥ डाहाचतुरसुजाण ॥ ४ ॥  
एकणकुलरीउपनी ॥ कन्याराजकुमार ॥ प्रणारिकेजुई  
जुई ॥ वत्तोसुनार ॥ ५ ॥ दीधीजायतायनायजो ॥ सु  
णज्योषेविस्तार ॥ कटहतगोवरखनकर ॥ वरज्योचित्तनभा  
रा ॥ ६ ॥ (ढाल०) (१सो०) यीनवकारजपोत्रनर मे० (एदेयो)  
वत्तोसितोकोहसोनदेया ॥ वत्तोसरुपारोकाडराताई ॥ १ ॥  
वत्तोसवाजुधविधा ॥ वत्तोसकांकयरीजोहरौमाई ॥  
पुन्यतणाफलनोठाईजाणो० वत्तोसितोहारटकावत्तो ॥ व  
त्तोसुनवसराकाणगोलाई ॥ वत्तोसितोचठोतरोयादीना ॥  
वत्तोसुतिसरीयाकाणगीलाई ॥ २ ॥ पु० ॥ वत्तोसतोया

भाजी ॥ कोटभ्याज्यावाडचकचूरो ॥ ब्रह्महृतपिम्पडिजा  
 यपूरो ॥ ८ ॥ तिणसु कोटराकरणाजतन ॥ तोकुगलरहे  
 सीलरतन ॥ टलजावैसगिलाईटोप ॥ तिणसुं पामैअविच  
 लमोक्ष ॥ ९ ॥ इमसांभलनें हम्हचारीत् ॥ कोटमसुंडो  
 लिगारोज्य ॥ टिनरइधकोआणट ॥ इमभाप्योक्खैयोवी  
 रजिणंठ ॥ १० ॥ एकोटसहितकहीनववाड ॥ इमसांभलनेन  
 रनारि ॥ इणरीतसुं हम्हहृतपालो ॥ उयूमीटैसवआल  
 जंजालो ॥ ११ ॥ उत्तराध्येनसीलमैमभारो ॥ तिणवोले  
 इनेअसुसारो ॥ तोकोटसहितकहीनववाडो ॥ तिणरोसं  
 जेपकओविसतारो ॥ १२ ॥ फागुणवटछठगुरुवारो ॥ इ  
 गचालीससमतअठारो ॥ ओढकीधीसहरपादुमभारो ॥  
 तेतोसमभावननगरारो ॥ १३ ॥ नववाड ० ६ ॥ इतिथी  
 सीलरीनववाहरी (ढालां)

॥ संपूर्णम् ॥

भावसुंरेलाल ॥ वरतैसटाईसभाधरे ॥ भ० ॥ ४ थी० ॥  
 सहस्रचठारैसुनियरुरे ॥ आरज्यासहसचालोसरै ॥ भ०  
 ज्यांरौआणमनावतारेलाल ॥ उतारैभवपाररे ॥ भ० ॥ ६  
 थी० ॥ कीइकहाथीकीइपालखीरे ॥ कीइकपालाजायरे ॥  
 भ० ॥ होहाहोहीनीसरारैलाल ॥ सुणवाजिनजोनीवा  
 यरे ॥ भ० ॥ ७ थी० ॥ एकरनैवोलावतारे ॥ मनमेंहरधि  
 तयायरे ॥ भ० ॥ आपआपरासमभावतारेलाल ॥ भेलाहोयने  
 जायरे ॥ भ० ॥ ८ थी ॥ कीइकपरसनपछवारै ॥ कीइवां  
 दणनेकाजरे ॥ भ० ॥ कीइकअरथअवधारवारैलाल ॥  
 कीइकटरसणकाजरे ॥ भ० ॥ ९ थी० ॥ कीइकतुहलजोय  
 वारै ॥ कीइककुलआचाररे ॥ भवि ॥ कीइकसासोभांजवा  
 रैलाल ॥ कीइकलोकविवहाररे ॥ भ० ॥ १० थी० ॥ जि  
 णदिनपिणडतावणारै ॥ भारीकर्माकूठरे ॥ भ० ॥ अ  
 गुणअणहु ताकाठनैरेलाल ॥ मालीमिथप्रातनोरुठरे ॥  
 भ ॥ ११ थी ॥ अंतरगतिनीपारध्वारै ॥ कीइकविरला  
 जांणरे ॥ भ ॥ मोक्षतणीज्यानेआसतारेलाल ॥ पालै  
 जिणवरआंणरे ॥ भ० ॥ १२ थी० ॥ ध्यानैजातादेखनैरे  
 नौसरौयाकूठंभायरे ॥ भ० ॥ भवस्थितपाकीतिहनीरेलाल  
 थीनेमवांदणनैजायरे ॥ भ० ॥ १३ थी० ॥ (दृष्टा)  
 वदणांकीधीभावसुं ॥ बैठासनसुखआय ॥ भगवंतदौधीदे  
 शना ॥ सगलानैहितलाय ॥ १ ॥ जीवादीकनवतत्त्वना ॥  
 भाष्याभिमरमेद ॥ मोक्षतणासुखसाश्रता ॥ सरधोआंण  
 उमेदा ॥ २ ॥ वाणीसुणनैपरखटा ॥ आयाजिणदिशजाव  
 कूठभाईवैरागीयां ॥ बोलैकिणयिषवाव ॥ ३ ॥ हाथजोड  
 नैइमकहै ॥ सरध्यातुमरावैण ॥ धेतारणभवजीवरा ॥ जो

लासोनैरा ॥ वत्तीसरुपैरायडागरीमाई ॥ वत्तीसितोभास  
 सोनेरा ॥ वत्तीसरुपैरायडागरीमाई ॥ ३ ॥ पु० ॥ व  
 त्तीसितोपिलंगसोनैरा ॥ पांगारतनजडावरीमाई ॥ वत्ती  
 सेतोवाजोटसोनैरा ॥ वत्तीसरुपैरासरावरीमाई ॥ ४ ॥  
 पु० ॥ इणरीतैतोछउकुमराने ॥ सरसगतारीजोडरी  
 माई ॥ पगेज गणरासासुटीना ॥ एकसोवाणवैमोलरीमा  
 ई ॥ ५ ॥ पं० ॥ ( दूहा ) आगैधनछोअतिघणो ॥ आ  
 योदायजोदान ॥ पुरयकमाईभोगवै ॥ पन्यतणैपरमां  
 य ॥ १ ॥ मादस्रवाजैअतिघणां ॥ घरचिंतानहीकाय ॥  
 वत्तीसविघनाटिकपडै ॥ राचरज्ञातिणमांझि ॥ २ ॥ ए  
 हवासुखआवीमिल्या ॥ पन्यतणैसंजोग ॥ घरसकरमन  
 हिचलखै ॥ विलसणलागाभोग ॥ ३ ॥ जालीगोखाविरा  
 जीया ॥ गोखारतनजडाया ॥ कालनटीसैजावतो ॥ मनगमता  
 सुखयाय ॥ ४ ॥ भवस्तिपाकीतेहनी ॥ मिल्याअपूरवधां  
 य ॥ कियविधसमझैघरममै ॥ तेसुखज्योहितधांय ॥ ५  
 ( दाल० ) रजी० ( धीअकरैसीतासतीरेकाल० ) एह  
 नी० ( एदेशो० ) तिणकालेनैतिणसमैरे ॥ वावीसमाजि  
 नराजरे ( भविकजिन० ) गामनगरपुरविचरतारिकाल ॥  
 तारयतरयजिहाजरे ॥ म १ ॥ खीनेमजिगांदसमो  
 सरारिखाल ॥ आयउतरीयावागमैरे ॥ मयजोवारेंभा  
 गरि ॥ म० ॥ मारगप्रतावैमोछमोरिखाल ॥ उपजावैनय  
 रागरि ॥ म० ॥ २ खी० ॥ एक२सुनिवरएहवारे ॥ तपक  
 रसोखीकायरे ॥ म० ॥ सोखेरोगापरतिहमारेखाल ॥ खला  
 रलगायाछयजायरे ॥ म ॥ १ खी ॥ एहवीष्टवतणांघ  
 यीरे ॥ खीनेमजिगांदणीरासाधरे ॥ म० ॥ खानैतोवांदो

वैभिन्ना ॥ विनयधंतपालेगुरुसिन्हा ॥ ३ (दूहा) कृतं  
सज्जोदरसारसा ॥ नलकुवेरअणुहार ॥ नयणनधापैनिरख  
तां ॥ हीयहैहर्षअपार ॥ तीनसीषाढाजुवजुवा ॥ वहिरै  
माताहाथ ॥ परगटहोवैकिणविधै ॥ तिसुगणज्योविख्यात  
(ढाल्) ५मी (वीरवखाणोराणीचेलसांजी०) एहनी०  
(एदेशी०) वसुदेवजोकैषरआवीयाजी ॥ देवकीहरपितयाय  
सातआठपगसाहमीआयनैजी ॥ लुलिललिलागीपाय  
साधुजीभलैपधारआजा० ॥ आजछतोरथहंथईजी ॥ सु  
निवरआयावार ॥ ज्यापुरपंरीचाहिनाजी ॥ ज्यारोमैदो  
ठोदोदार ॥ साधु० २ ॥ आजभलीजागिदिसाजि ॥ टिठि  
सुंनोतणीजोडि ॥ आजभलैदिनउगीयोजी ॥ पुगीमां  
रामनडागीकोडो ॥ ३ सा० ॥ मोदकथाळमरौकरीजी ॥  
देवकीमांझिसुंल्याय ॥ कृष्णजीरेंजीमणतणांजी ॥ वहि  
रायाउलटभाव ॥ ४ सा० ॥ सुनिवरवहिरपाछावल्याजी  
लागीयोडोसोवार ॥ वीजोसिंघाडोवलेआवीयोजी ॥ दे  
वकीरैषरसार ॥ सा० ५ ॥ मोदकवहिरैसीयंभलेभावसुं  
जी ॥ वहिरचाळ्यासुनिराय ॥ देवकीपोहोंचायपाछोव  
लीजी ॥ ॥ वैठोसिंघासणआय ॥ सा० ६ ॥ तीजोसीषा  
डोवलेआवीयोजी ॥ देवकीरैषरमांझि ॥ मोदकवहिरा  
यावलेभावसुंजी ॥ मनमेरलियायतथाय ॥ सा० ७ ॥ वा  
रवारधरआयामाहरैजी ॥ योनहीसाधुआधार ॥ सासो  
पद्योमनमांहरैजी ॥ पुछकसुंनिष्धार ॥ ८ सा० ॥ ला  
जकरोपूछनहीजी ॥ संकारहिमनमांझि ॥ पुछ्यांक्रोध  
आवैसहीजी ॥ दोसैमोटासुनिराय ॥ ९ सा० ॥ दूहा०  
चतुरविचक्षणजेजुवै ॥ काटैतुरतनिकाल ॥ साचाऊवैते

लीयास चानेन ॥ ४ ॥ तान्नितानेन छने ॥ लेम्यांसं वम  
 भार ॥ स सारजात्ताकार ॥ तौ चतस्र मरुसार ॥ ५ ॥  
 व सतादुसडो, छन्क ॥ तिन्याजिलमैमाय ॥ जिमानडो  
 जावैमत्तवि ॥ तेतिराछ - ॥ आय ॥ ६ ॥ तान्निताने  
 नैपृच्छने ॥ तौधे स यत्तार ॥ तिन्याजिलमैमाय ॥  
 जंभाली - ॥ यत्तार ॥ ७ ॥ १८ ॥ ३ नो ॥ तपस्या  
 पोजनान्नो ॥ एष्टनी ॥ गदे ॥ तायजोडाकक गा  
 ती ॥ नी ॥ सौमन्नायह स्वानि ॥ तेले ॥ तारण्यो ॥ दोने  
 जोहिकरा - ॥ स्थान ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

०२॥ भातजीवाई ॥ वन्नीसेरदाता ॥ कुटवच्छोछासहुरोवतावा  
 ई ॥ विलरकरतीमाय ॥ १२ ॥ दे० ॥ नेमतणीवांणीसु  
 यीवाई ॥ जांणीअधिरसंसार ॥ प्रतिबोध्याछचंजगारवा  
 ई ॥ लोघोसंयमभा ॥ १३ ॥ दे० ॥ सुघसाधारावचनमै  
 वाई ॥ संकामूजनआंण ॥ थारैवहिरनैगयावाई ॥ तेतो  
 बीजाजांण ॥ १४ ॥ दे० ॥ ( दूहा० ) वचनसुग्यांसुनिव  
 रतणा ॥ अनमैहरषितथाय ॥ मोहिल्लिलुधीदेवकौ ॥ जोय  
 रहीचितलाय ॥ १ ॥ ( टाल० ) ७ सी० ) पंडितपांचसै  
 पूजितपरपदारे ॥ एहनी० ( एदेशी ) नैयांनीहालै  
 होरांणीदेवकीरे ॥ एछेवेअणगार ॥ रुपतणीयारैछैसं  
 पदारे ॥ नलकुवरअणुहार ॥ नै० ॥ १ ॥ सुरतमैदीसैअ  
 तिसोमतारे ॥ वणाजोशारैहेत ॥ जिणपरमैसुंएछउनीस  
 रपारे ॥ लांरैरहीयाकेत ॥ नै० ॥ २ ॥ इणचणोहारैमांह  
 रैराजमैरे ॥ अवरनदीसैकीय ॥ कैतोऊवैमांहीरेकानजीरे  
 एमोनैअचरिजहोय ॥ ३ ॥ नै० ॥ सगपणकोईनिजरआ  
 वेनहीरे ॥ हिवणासगपणएह ॥ मोनैसुघखवरनकोपही  
 रे ॥ इमकिमजाग्योनेह ॥ ४ ॥ नै० ॥ आवकरोचारिची  
 याउपरैरे ॥ ऊवैवर्मसनेह ॥ मोज्युंपरनसकोउनांपडैरे  
 इमकिमजाग्योनेह ॥ नै० ५ ॥ दूहा ॥ करयविसांसणदेव  
 कौ ॥ ऊवलिहारीतास ॥ एहवामुनियरदेखनें ॥ पाजीव  
 हुतछलास ॥ १ ॥ ( टाल ) ८ सी० ॥ चदगुपतराजा  
 सुणो० ( एदेशी० ) बालपणैमोनैकछोछंतो ॥ अयवंतो  
 अणगारोरे ॥ आठजणेसीदेवकौ ॥ नहीकोईभरतमभारो  
 रे ॥ १ ( करयजिआंसणदेवको० ) भरतछेपमैसासठा ॥  
 किणमाताराजायारे ॥ तीनसिवाढाआवीया ॥ मेहाथा



सरदहे ॥ खोटादेवैताल ॥ १ ॥ साचीसमकिततेइनी ॥  
 चापोकाटैकेम ॥ कुगुरुछोडैपलकमै ॥ करैसुगुरुसुं प्रेम  
 २ ॥ ( टाल० ) ६ ठो० ॥ ( जगतगुरुबिसल्लागंढनवीर  
 जी० ) ( एदेशी० ) भगवंतनगरीद्वारकाजी ॥ वारैजोजन  
 परमाण ॥ कृष्णनरसरराजीयोजी ॥ ज्यागीतीनखगडमै  
 आण ॥ १ ॥ ( सुनिसरएककरुं चरदास० ॥ देवलोकासरि  
 यीद्वारिकाजी ॥ देर्याहरपितथाय ॥ घरकुँषणाईसामठा  
 जी ॥ पेव्याचितछह्लास ॥ २ सु० ॥ बडुत्तरकोडधरवाहि  
 रैजी ॥ नगरीमैसाठकिरोड ॥ लोकसङ्गसुखीयावसैजी  
 रामकृष्णरीजोड ॥ ३ सु० ॥ खाखांकिरोहंराधणीजी  
 नगरीमांहेलोक ॥ खाणेपौणैखरचणैजी ॥ पुन्यसुंमिली  
 बायो ॥ ४ सु० ॥ रागीषणाजिनधर्मनाजी ॥ सेठसिनापति  
 राजान ॥ साधुरादरसणविनाजी ॥ सुखमैनवालैधान ॥  
 ५ सु० ॥ बातअचरिजकारणैजी ॥ माहरैमनमेसमाय  
 कछाजेखालचकोनहोजि ॥ यिमकछारछोनजाया ॥ ६ ॥ छं  
 पूछूंइणकारणैजी ॥ साधनैनखाधोआहार ॥ माहरैभाग  
 राखोचोयाजी ॥ आयातीजीवार ॥ ७ ॥ मेतोसाकमैसा  
 भलीजी ॥ महीआवैवारवार ॥ एसासोसुभनैपछोजी ॥ उ  
 छकरु निरधार ॥ ८ ॥ बखितामुनिधरइसहीकफैजी ॥  
 नगरीमैवहोतदातार ॥ तीनसिषाछाआधीयाजी ॥ मेछां  
 छुछअणगार ॥ ९ ॥ देवकोसं कामूखनआण० ) ॥ किनन  
 गरीरावासीयाजी ॥ क्यारिबडुतीजीताह ॥ क्रियामाता  
 राजनमोयाजी ॥ काईपोतारोनाम ॥ दे० ॥ १० ॥ नाग  
 सीरीराहीकरावाई ॥ सुलसामाहरीमाय ॥ महकपुररा  
 वासीयावाई ॥ घरछोछाछुछभाय ॥ दे० ॥ ११ ॥ वत्तीस

उभाद्यप्यमाहाराय ॥ १ ॥ बलित्ताकहैश्रीकृष्णजी ॥ क  
 होचिंतायईआज ॥ सोषफिकरराखोमती ॥ सारंतुमा  
 रुकाज ॥ २ ॥ छेदुओचिंताकरो ॥ औरनशुखीयोकोय ॥  
 मांहरेंदणसंसारमै ॥ मातसमोनहीकोय ॥ ३ ॥ आआ  
 लोपीकिणआपरी ॥ माहराअंतेवरमाहि ॥ तिणरोनाम  
 बतायद्यो ॥ काढ्हायसमाय ॥ ४ ॥ बड्डंवाथांहराकयनमै  
 लुलिलुलिलागुंपाय ॥ सुगलानेंपगेत्तगावता ॥ कालकितो  
 एकजाय ॥ ५ ॥ ढाल० १० मौ०) टढणकपजीनैवाटनाड्डंवा  
 री० ( एहनीएदेशीकै० ) ड्डंतुभआगलसीकड्डंकांनई  
 या ॥ बीतकदुखनीवातरे ॥ गिरघारीलाल० ) जगमेसुख  
 णोकैवणो ॥ का० ॥ षणोदुखीयांरोथांरीमातरे ॥ गि० १  
 ड्डंतुभआगलसी० ) एकनहीड्डलरावीयो ॥ कां० ॥ गो  
 टनलियोखियमातरे ॥ गि० २ ड्डं० ॥ छड्डंवधीयासुलसा  
 घरे ॥ कां० ॥ आइपरतिखदेखरे ॥ गि० ॥ वातकहोयो  
 नेसजी ॥ कां० ॥ तिनमेंमीननमेखरे ॥ गि० ३ ॥ छवतो  
 इममोटाड्डवा ॥ का० ॥ एकरद्योतुंपासरे ॥ गि ॥  
 तोखमायाराखता ॥ का० ॥ आयेकठैकुमासरे ॥ गि०  
 ४ ड्डं० ॥ बालपणैरावीलहा ॥ का० ॥ एकनपुरीआस  
 रे ॥ गि० ॥ आस्याअलुधीहुंरही ॥ का० ॥ भारमु ईदस  
 मासरे ॥ गि० ५ ड्ड ॥ हरपनदीघोहाखरो ॥ का ॥ पाल  
 णीयेनेपोढायरे ॥ गि० ॥ हाखरीयोदेधातणो ॥ का ॥ हं  
 सरहोमनमांहिरे ॥ गि० ६ ॥ आगणनकरादूधड ॥ का०  
 आड्डलीयाविचलगाथरे ॥ गि० ॥ सहमायातोनामिल्या  
 का० ॥ नांमणकेमकहायरे ॥ गि ७ ड्ड ॥ सोलवरसछा  
 नोवध्यो ॥ का० ॥ तुपिणजमूनातीररे ॥ गि ॥ नन्दन

सुं वहरायारे ॥ क० ॥ २॥ जोतिकभाष्योविचिचारने ॥ व  
 चनपढतोहेठोरि ॥ पुन देखीपारका ॥ सामोपडोयोमोटोरि ॥  
 क० ॥ आजादितांमातरी ॥ जीवहुहीकैकीमोरि ॥ यां  
 टारेचपरै ॥ केमउतारप्रोमोरि ॥ ४॥ क० ॥ संसारकोडो  
 नीसरगा ॥ लागोधर्मसुमे मोरि ॥ याविटांविनांमायडी ॥  
 दिनकाठैकैकीमोरि ॥ क० ॥ ५ ॥ सुंदररूपसुहामणो ॥  
 जांणैदेवकुमारोरि ॥ जोतिंक्रान्तिकरटीपता ॥ एकठंअ  
 गगारोरि ॥ क० ॥ ६ ॥ एहवासुतजन्मगाविनां ॥ कोंकर  
 होयआणटोरि ॥ योमोनैसासोपड्यो ॥ भाजैनेमजिणटोरि  
 ॥ ७ क० ॥ पुछनचालीदेवको ॥ एयांहरैघरआयारे ॥  
 आंगुचभाष्योथीनेमणी ॥ एतोयाहराजायारे ॥ क० ॥ ८  
 ( दूहा ) वचनसुण्याजिनवरतणां ॥ मनमैहरयअपार ॥  
 एहवासुतमैजनमोया ॥ धनमाहिरोअवतार ॥ १ ॥  
 ( ठाल० ) ६ मो ॥ वेवेसुनिवरवहिरणपांगुराजी० ॥  
 ( एदेशी ) देवकीतोआईनदनवाधवारि ॥ उभीरहीकै  
 साहमीनाजरि ॥ कसठटीकचुतथीरि ॥ कुटीकैदूधांकिरी  
 धाररे ॥ देवकीतोआईमदनवाधवारि ) १॥ आ० ॥ तनमम  
 हीयडोउलखोरि ॥ फलनैफूखीरुतिणरीदेहरि ॥ बलियां  
 मैवांइमावैनहीरि ॥ देखतांलोषमहपतनयायरि ॥ २ ॥ दे  
 सांसितोभाष्योथीनेमजोरि ॥ एकैछठंथाहराबासरि ॥  
 आष्यामाहिआसुपडैरे ॥ जांणैकुटीकैमोत्पारीमासरि ॥  
 ३ ॥ दे० ॥ देवकीतोमूनीसरगानैवादनैरे ॥ पाछीआईम  
 हिजांमाहिरि ॥ सोषफिकरमैमैठीदेवकीरि ॥ आरतध्यान  
 रहीकैध्यायरि ॥ ४ ॥ देवकीतो० ( दूहा० ) इणअव  
 सरअछिणजो ॥ मांतावदणजाय ॥ वतलाबाबोमैमही ॥

ऊवोवहुत्तरकलारोमांणरे ॥ ५ पु० ॥ एकदिननेमपधारी  
 या ॥ हारीकानगरीमभाररे ॥ छप्पाजिसुगीवधोवणी ॥ म  
 नमैहरपञ्चपाररे ॥ ६ पु० ॥ स्नानमजनकीयाछप्पाजी  
 चन्दनलेपलगायरे ॥ चतुरंगीसेन्यासकी ॥ श्रीनेमवान्द  
 यानेजायरे ॥ ७ पु० ॥ गजशुकमालसायेखीयो ॥ पाछेऊ  
 वाछप्पायदुरायरे ॥ हस्त्रीस्कंधैवेसीनिसरीया ॥ दालैचां  
 नरविंभायरे ॥ ८ पु० ॥ राजनारनजातांथकां ॥ दीठीकन्या  
 अनूपरे ॥ लावनताकरसोभतो ॥ छप्पाजीमोद्यातिणरैर  
 परे ॥ ९ पु० ॥ गजशुकमालपण्यायवा ॥ उपनीछप्पा  
 जीरेमनमाहिरे ॥ चाकरपुरसतेडीकहै ॥ पुचीमांगीसो  
 मलपासेजायरे ॥ १० पु० ॥ चाकरसुणहरपितथयो ॥  
 पुचीमांगीसोमलपासेजायरे ॥ सोमलकहैमोटोकीयो ॥  
 पुचीपरणैछप्पाजीरोमायरे ॥ ११ पु० ॥ सोमलरोलेई  
 आगन्यां ॥ कुमरीकिवीमहिलांमांहिरे ॥ कुमरीअन्तेवर  
 सेरहे ॥ जायवसांणीताहिरे ॥ १२ पु० ॥ एसगपणकर  
 यौसरा ॥ आवाआल्यायदुरायरे ॥ अतिसयदीठाभगवं  
 तरा ॥ ईठाउतरीयादीउमायरे ॥ १३ पु० ॥ पांचअभि  
 गमसाचवी ॥ लुलिसुलिलागुंपायरे ॥ परदछणाटीधी  
 प्रेमरुं ॥ दोनूसनसुखवैठाआयरे ॥ १४ पु० ॥ भगवत  
 दीघोदेशना ॥ सुणिहरपितथायरे ॥ लोकालोकतत्त्वत  
 या ॥ भिनभिनदिनावतायरे ॥ १५ पु० ॥ दूहा ॥ वाणी  
 सुणनैछप्पाजी ॥ आयाजिणदिशजाय ॥ गजशुकमालवै  
 रागीयो ॥ बोलैफिणविधवाय ॥ १ ॥ हाथजोडिणैइमक  
 है ॥ सरण्यातुमारावैण ॥ थेतारकमवजीवरा ॥ मिलीया  
 साचासैण ॥ २ ॥ मातपितानैपूछनै ॥ खेशु स यमभार ॥

सोदानेधरे ॥ का० ॥ नामदियोक्षैअहोरर ॥ गि० ८४० ॥  
 बालपणैछानोबध्यो ॥ का० ॥ अनउघढीयाथांहराभाग  
 र ॥ गि० ॥ असुनालमैजायनै ॥ का० ॥ नाबगोकाको  
 नागर ॥ गि० ८४० ॥ जगमेमोटोमोहनी ॥ का० ॥ उद  
 ययईमाहरैआजर ॥ गि० ॥ कैजीवजाणैमाहरो ॥ का०  
 कैजाणैभिनराजर ॥ गि० १०४० ॥ (दृष्टा) छप्पाकर्कहो  
 मातजी ॥ चारतध्याननिवार ॥ लघुबंधवहोसीमांहरै ॥  
 मतकरोफिकरलिगार ॥ १ ॥ वणसन्तोपीमातनै ॥ आया  
 पोपदसाल ॥ मिददेवआराधीयो ॥ तेलोकोधोतिअकाल  
 २ ॥ तोनदियसपूराहवा ॥ उभोदेवताआय ॥ किणकार  
 णआराधीयो ॥ कारखनांभवताय ॥ छप्पाकर्हैसुखमाह  
 रै ॥ बन्धवरीछैचाह ॥ इणकारणआराधीयो ॥ विलखी  
 जांणोमाय ॥ ४ ॥ बन्धवहोसीताहरै ॥ देवलोकधीआव  
 वाखपणैदौछाखेसी ॥ इमगयोदेवजनाय ॥ ५ ॥ टाल ॥ ११  
 मो ॥ जंबुजुगतसुंमभवनैउपटिसै (एहनौ० एदेशी०)  
 वचनसुखीदेवतातयो ॥ छप्पाआयामातापासरै ॥ वखी  
 सन्तोपीमातनै ॥ हिवहैअनन्तउल्लास ॥ हि ॥ १(उपव  
 सुदेवरागजशुकमाखमोछगांभोरे (एआंक०) कालकि  
 तोवकगवापछै ॥ चवीयोदेवलोकाशु आयर ॥ वसुराआ  
 रोखीदेवकी ॥ उपनोकुछमैआयर ॥ २५० ॥ सवानवमा  
 सिखनमोवा ॥ सुखमाखसरीरसरूपरे ॥ कीधोमहोछव  
 छप्पाखी ॥ मनहरपधरोनेचूपरे ॥ १५० ॥ तीजैदीमचन्द्र  
 सुरजनो ॥ दरसणदेखामोतामर ॥ सुतकनिकाखोदिन  
 वारमै ॥ गजसुकमाखदीयोमामर ॥ ४५० ॥ मातपितावख  
 छप्पाखी ॥ वाखोषयोखीवनमांजर ॥ अष्टवर्षदितापछै

कोटलैयीरेवछकाछली ॥ रेमाई ॥ जावजीवलगवाटन  
 जीवणीपाछली ॥ रेमाई ॥ अरसनिरसरीआहारकरणो  
 वछपातरै ॥ एसुखसेभ्याछीकसुवणोसाधरे ॥ ७ ॥ नावै  
 घोवेंनाहिंसुं हठैराखेमुहपती ॥ रेमाई ॥ परणभैहलावेस  
 जिकेजैनराजती ॥ नरणजीवणीवातमाताजीधाकही  
 रेमाई ॥ द्योअमुअतआदेशसंवमलेस्यूसही ॥ ८ ॥ काय  
 रनैछैदुरलभमाताजीधाकही ॥ रेमाई ॥ सुरानैछैसहन  
 कवरईसहीकही ॥ सोमलनामैनारपरणाचंपटमणी ॥  
 रेमाई ॥ सोमलरीवेटीपरधानकलाचतुराईवणी ॥ ९ ॥  
 परणोपुनवतानारमायाकुणह्वेजती ॥ रेमाई ॥ छप्पासरी  
 सावीर ॥ रहणोद्वारामतो ॥ लीनापरणाममनघेरविपैमा  
 हापापणी ॥ रेमाई ॥ जगमैसगलीनारमाताकरथापणी  
 १० ॥ लीनापरणांजनघेरविपैनहातेवही ॥ रेमाई ॥ अ  
 शुच २रोमगुडारजामणनारीकही ॥ स्वारधीरीसगाईजा  
 मणकेजिनवरकही ॥ रेमाई ॥ मलसुचरोमगुडारजांणपर  
 ण्णही ॥ ११ ॥ करणीछग्रविहारसहिणोसीतावही ॥  
 रेजाया ॥ मांहरोकहीयोमानतु नानडियावही ॥ नहीपल  
 कगीआस ॥ लांणुंकालकंपीयो ॥ रेमाई ॥ औजगनरतो  
 देखजामणकुंकपीयो ॥ १२ ॥ द्वारानतीरोगजदिराचंवछ  
 तोभणी ॥ रेजाया ॥ हाथीघोडारथपायकण्णोटलवणी ॥  
 पलटेरगपतगफिरैतिणरोईसो ॥ रेमाई ॥ तिणउपरवि  
 सासजामणकरणीकिसो ॥ १३ ॥ सहसयउत्तरमायपुच  
 वसुदेवरा ॥ रेमाई ॥ जीवरोप्राणआधारछप्पायलदेवरा  
 भोजायांसहसवसीसतणोरमेकली ॥ रेजाया ॥ तुभअसुम  
 तिदेवाकुणकरसीएकली ॥ १४ ॥ वज्रलामालकमाईतेगया

संसारजाण्योकारमो ॥ मोघतणांसुखसार ॥ ३ ॥ बहि

ताजिनदसडोकरै ॥ जोटिघाआइटाय ॥ जिक्काबडीका  
वैतिका ॥ फिरपाछीनहीआय ॥ ४ ॥ वन्टनाकरीबीनेम  
सु ॥ आयामातापास ॥ आग्यामांगैकिवाविधै ॥ तिसु  
ज्योउह्णाम ॥ ५ मी ॥ टाल ॥ १२ मी ॥ चन्दावली  
कीचालमै ॥ ( एहनीएदेगी ॥ ) वांगीथीजिन  
रायतणीकांनेसुणीरेमाई ॥ अन्तर हीयागीआसुआव  
माहरीउषडो ॥ बलतीबोलैमायड्ड'यारीधाहरीरेजावा  
सुणीयजिनदरीवांगरुडोगतताहरी ॥ पुचकहमेवातसां  
चीमेसरदहिरीमाय ॥ मीठीलागेमोहिसाकरदूधां  
जिसीरेमाई ॥ दीजैथरुमतिमोय ॥ सजरुखेखूं  
सही ॥ रेमाई ॥ नकरोअगन्यारीमेज ॥ कुमरदसडोकर  
ही ॥ २ ॥ वचनअपूरव मायकुंवररासांभल्या ॥ रेमा  
ई ॥ वयोसरकागतिआय ॥ धूसकधरणीदलीरो ॥ खलकी  
हाथारीचूड ॥ कीसरवेणीधीपरा ॥ रेमाई ॥ ओढखोगवो  
दूरधसकसोकलपररा ॥ ३ ॥ मोहतयैवसमाय ॥ सरत  
चलतीरही ॥ रेमाई ॥ ठढासीतलघायसावचेतवैठीक  
री ॥ पुवणसाहमोजोयरहीमाजीवती ॥ रेमाई ॥ मोह  
तयैवसवैषावोसैमायरोषती ॥ ४ ॥ सावपणीनहीसहल  
जायाजामणकरै ॥ रेमाई ॥ तूनानहीयोयाल ॥ परिसा  
किससहै ॥ बिबिधरकरपचमहायतपाखवा ॥ रेमाई ॥ ना  
हामोटादोषअहोनिस्टालवा ॥ ५ ॥ दोपवयालीसटाख  
करनीरेषकुगोचरी ॥ रेमाई ॥ भमरोभमैखेमचितामने  
लोचरी ॥ रहणीसाधारैपास ॥ विनेसु मायखो ॥ रेमाई  
रातपड्यापिछेसीतनवासीराखखो ॥ ६ ॥ रतनकचोखा

छोछलैणीरेवछकाछली ॥ रेमाई ॥ आवजीवलगवाटन  
 जीवणीपाछली ॥ रेमाई ॥ अरसनिरसरोआहारकरणो  
 वछपातरै ॥ एसुखसेभांछोकसुवणोसाथरे ॥ ७ ॥ नावै  
 धोवेनाहिंसुं हटैराखेसुछपती ॥ रेमाई ॥ परणमैहलावेस  
 जिकेजेनराजती ॥ जरणजीवणरीवातमाताजीयांकही  
 रेमाई ॥ द्योअसुजतआदेशसंयमलेस्यूसही ॥ ८ ॥ काय  
 रनैछैदुरलभमाताजीयांकही ॥ रेमाई ॥ सूरानैछैसहज  
 कवरईसडीकही ॥ सोमलनामैनारपरणाछंपटमणी ॥  
 रेमाई ॥ सोमलरीवेटीपरधानकलाचतुराईवणी ॥ ९ ॥  
 परणोपुनवंतानारजायाकुणह्वेजती ॥ रेमाई ॥ छप्पासरी  
 सावीर ॥ रहणोद्वारामतो ॥ लीनापरणाममनघेरविपैमा  
 हापापणी ॥ रेमाई ॥ जगमैसगलीनारमाताकरयापणी  
 १० ॥ लीनापरणांजनघेरविपैनहातेवडो ॥ रेमाई ॥ अ  
 शुच २रोभगद्वारजामणनारीकही ॥ स्वारथीरीसगाईजां  
 मणकेजिनवरकही ॥ रेमाई ॥ मलसुचरोभगद्वारजांणपर  
 णूनही ॥ ११ ॥ करणीछग्रविहारसहिणोसीतावडो ॥  
 रेजाया ॥ मांहरोकहीयोमानतुंनानहियावडो ॥ नहीपल  
 करीआस ॥ लांखुंकाखभपौयो ॥ रेमाई ॥ चौजगनरतो  
 देखजामणऊंकपौयो ॥ १२ ॥ हारामतीरोगजदिराछवछ  
 तोभणी ॥ रेजाया ॥ हाथीघोद्वारथपायकणोटखणो ॥  
 पलटेरगपतगफिरैतिणरोईसो ॥ रेमाई ॥ तिणछपरवि  
 सासजामणकरणोकिंसो ॥ १३ ॥ सहसवज्जसरमायपुत्र  
 वसुदेवरा ॥ रेमाई ॥ जीवरोप्राणआधारछप्पावसुदेवरा  
 सोजायांसहसवसोसतणोरमेकसो ॥ रेजाया ॥ तुम्हअनुम  
 तिदेवाकुणकरसीएकलो ॥ १४ ॥ वज्जलामालकमाईतेगया



रेजाया ॥ परवादूज्यूननन्तज्ञानीदेवांकहा ॥ आनेमप्र  
 भुपासमाहावतआदरी ॥ रेजा० ॥ जावजीवल्लगवातन  
 करंपरमादरी ॥ १५ ॥ हाथजोहीनैअरजकरेमांसुंकरे  
 माई ॥ दोअनुमतिआदेशमनोरथसुभेफलै ॥ जोतुमहोबै  
 सुपवालुहातिमकरी ॥ रेजाया ॥ आटवकुलठजवाल्लमग  
 तिवेगीवरो ॥ १६ ॥ चढीयामनवैरागमोहकर्मतोडावा  
 रेजा० ॥ नेमसमीपेजायदोनुहायजोडीया ॥ फढामोतीहा  
 रगहणासङ्गखोलनै ॥ रेजा० ॥ टिजादोथीनेमभलीपुल्लो  
 यने १७ ॥ जावजीवल्लगैसीवाकरुतुम्हाकरी ॥ रेजा० ॥ मल्लय  
 कौजडकाटूकर्मविपाकरी ॥ मांहरैखिमागढफोजमाई  
 आचचली ॥ रेजा ॥ वारैभेदेतपयुधचोकीचढू ॥ १८  
 वारैभावनांरीनालचढाचंकांगरैरेजा० ॥ तोढूआठेकर्म  
 विराजूमोक्षमै ॥ काचसगकीनोजायकायामनकरी ॥ रेजा०  
 जोतापरिसाधोरपुंडताशिवपूरी ॥ १९ ॥ दूहा ॥ कृष्ण  
 जीसुणआयाइहां ॥ बोलैवाणीएम ॥ हीयहोकाठोभीड  
 नै ॥ तुचारिनलेबैकेम ॥ १ ॥ सुखभोगावोससारना ॥  
 ऐमतकाढोवात ॥ मांहरैएकजबंधवो ॥ विरहोखुस्वोम  
 जात ॥ २ ॥ (ढाल०) रेजायातोविनवहीरेक्रेमास  
 (एदेशी०) कृष्णजीसुणतांदेवकीरे ॥ बोलैएहबी  
 वाय ॥ राजवैठतुनान्हारे ॥ मांहरैदेखारोमन  
 मांहरै ॥ वंधवकशीहमारोमान १ ॥ इमसामकाधोख्यो  
 नहीरे ॥ देवकीहरपितयाय ॥ भलीडूपरमैरहोरे ॥  
 देखाराजवैठायरेजाया (तीविमवहीरेक्रेमास०२) वि  
 नयवतथीकृष्णजीरे ॥ मातानैदुखबीजाण ॥ बलेमोह  
 भाईतपोरे ॥ राजवैसाणैसांहरैजाया ॥ तो० ३ ॥ करय

मोटेंमण्डानसुंरे ॥ मेल्यासगलासाज ॥ सहाथगजसुक  
 मालनैरे ॥ छप्पात्रैसांणैराजरे ॥ वंधवसुखैपालज्योराज०  
 ४॥ हारामतोनोराजवीरे ॥ तुंसगलंरोनाथ ॥ हाखडक  
 मसवतांहरारे ॥ थाहरीकोयनलोपैकाररे ॥ वं० ५ सु०  
 राजकृष्णसङ्गतांहरारे ॥ सगलानैधांहरीआंण ॥ छप्पा  
 कहेमनहरपसुंजी ॥ उभाराणोराणरे ॥ वं० ६ सु० ॥ कुं  
 वरकहेसुणवधवारै ॥ मोनैकोयोसगलंरोनाथ ॥ लाटंअ  
 धोनैपातरारे ॥ माहरीआनमलोपोवातरै ॥ वं० ७ (द्योअ  
 सुमतिआदेय०) कांमनहीकोईराजसुंरे ॥ लेणोसंजम  
 भार ॥ घरभेरतिपांमूनहीरे ॥ जांण्योअधिरसंसाररे ॥  
 वं० ८ द्यो० ॥ वचनसुणीनैछप्पाणीरे ॥ हवाषणांटिलगी  
 र ॥ बलेविलखोथईदेवकीरे ॥ नयणांटलक्योनीररे ॥ जा  
 याइमकिमदीनै० ॥ ९ ॥ समरथनहीकोईरापवारै ॥ ग  
 जसुखमालकुमार ॥ कोयोमहोक्खप्पाणीरे ॥ सुचमैव  
 णोबिसाररे ॥ जायाभटकनदीनैकेह० ॥ १० ॥ मातपि  
 ताबलेछप्पाणीरे ॥ गजसुकमाललेसाथ ॥ नेमजिण्डनै  
 आगलैजी ॥ बोलेजोहीहाथरे ॥ जिणेसर० ११ (सुम  
 विनतहीअवधार०) केइआहारवहिरावैसुभतोरै ॥ व  
 सचपाननैजाण ॥ कुंवरहवोवैरागीयोरै ॥ आपसमीपै  
 आंण ॥ जिणेसर ॥ १२ सु० ॥ देमोसावणदेवकीरे ॥ इ  
 साणकुणमैजाय ॥ गहिणांवल्लतारनैजी ॥ जीवलहि  
 रीयाजायरे ॥ जायाइमकिमदीनैकेह० ॥ १३ ॥ दृष्टा०  
 मातापलगटमाडोयो ॥ गहणासैतिणवार ॥ आंसुकुठा  
 किणविधै ॥ जांणैमेवाधार ॥ १ ॥ दोसैडोरैहारपोवीयो  
 मादलखस्यातिणवार ॥ तूटैहारमोतीपडै ॥ जांणैआसुं

रेजाया ॥ परयादूज्य अनन्तज्ञानीदेवांकक्षा ॥ श्रीनेमप्र  
 भुपासमाहावतआदरी ॥ रेजा० ॥ जावजीवत्तगवातन  
 करंपरमादरी ॥ १५ ॥ हायजोहीनैअरजकरेमांसुं करी  
 माई ॥ दोअनुमतिआदेगमनोरयसुभेफलै ॥ जोतुमहोवै  
 सुपवात्तुहातिसकरी ॥ रेजाया ॥ आटवकुलउजयात्तमुग  
 तिवेगीवरो ॥ १६ ॥ चढीयामनवैरागमोहकर्मतोहीया  
 रेजा० ॥ नेअसमी पेजायदोसुहायजोहीया ॥ कडामोतीहा  
 रगहणासुद्धखोलनै ॥ रेजा० ॥ टिजादोथीनेममलीपुलजो  
 यने १७ ॥ जावजीवत्तगैसेवाकर तुम्हाकरो ॥ रेजा० ॥ मूलय  
 कौजडकाटूकर्मविपाकरो ॥ मांहरैखिमागदफोनमांहे  
 आउचली ॥ रेजा ॥ वारैभेदेतपयुधचोकीचदू ॥ १८  
 वारैभावनांरीनालचढासंकागरैरेजा० ॥ तोदूआठेकर्म  
 विराजूमोक्षमै ॥ काउसगकीनोजायकायामनकरी ॥ रेजा०  
 जीतापरिसाधोरहुंछतांशिवपूरी ॥ १९ ॥ दूहा ॥ छण्ण  
 जीसुण्णआयाइहां ॥ बोलैबांणीएम ॥ हीयहोकाठोभीड  
 नै ॥ तुंचारिचलेवैकेम ॥ १ ॥ सुखभोगावोससारनां ॥  
 ऐमतकाढोवात ॥ मांहरैएकजबंधवो ॥ विरहोखम्योन  
 जात ॥ २ ॥ (टाक०) रेजायातोविनषढीरेछेमास  
 (एदेशी०) छण्णजीसुण्णतांदेवकीरे ॥ बोलेएहबी  
 वाय ॥ राजवैठतु नामहारे ॥ मांहरैदेखबारीमन  
 मांहरै ॥ वषवकझोहमारोमान १ ॥ इमसाभलबोख्यो  
 नहीरे ॥ देवकीहरपितयाय ॥ भलीऊइपरमैरहीरे ॥  
 देखारानवैठायरेजाया (तीविनषढीरेछेमास० २) वि  
 नयवंतथीछण्णजीरे ॥ मातानैदुखणीजाय ॥ बलेमोह  
 भाईतपोरे ॥ राजवैसांणैसांहरैजाया ॥ ती० ३ ॥ करय

सोमलठपररोसनआण्यो ॥ आपरोसंध्योपातिकजाण्यो ॥  
 ॥ ६ ॥ ध्यायोनिरमलसुकलध्यानो ॥ उपजायोकेवलज्ञानो  
 घडनुटेनैकर्मसोखै ॥ सुनिजायविराज्यामोक्षै ॥ १० ॥ (दुहा  
 दुनैदिनथोछप्पाजी ॥ करमोटैमंडाण ॥ नेमवांदणनैनी  
 सरपा ॥ हरपधणैमंडाण ॥ २ ॥ मारगमैइकमानवी ॥ ईट  
 लेजावैदुपदेप ॥ अणुकंपाआणीछप्पाजी ॥ ईटउपाडोए  
 क ॥ ५ ॥ साधेसेन्वाअतिषण्णी ॥ इकरईटउठाय ॥ फेरा  
 टाल्यातिनपुरपरा ॥ आणीनूकीधरमाय ॥ ३ ॥ जायवां  
 ध्यायोनेमनै ॥ वैठासनसुखधाय ॥ गजसुकमालदीसेनही  
 पुछैछप्पासहाराज ॥ ४ ॥ (ढाल) ॥ २५ जी ॥ (वींछी  
 यारीदेथी) हारेलालाफूलआगोछीफूटरो ॥ किणनैलाधो  
 होयतोवतायहो ॥ हारेलालाहाथमीडीकरूंवीनतो ॥ बलो  
 नीचोसौसनमायहोस्वामी ॥ गजसुकमालदीसेणही ॥ वा  
 दणरोमनमांहिहोस्वामीअरजकरूथांसूवीनतो ॥ १ ॥ वं  
 धवगजसुकमालनै ॥ नेमकहैसुणोछप्पाजी ॥ सागजसुक  
 मालहोकाम्हा ॥ जिणकारणदीछालीया सारपाआतमकाज  
 होकाम्हा ॥ कर्मखपायसुगतेगया ॥ ५ ॥ थौमरणसमाधी  
 पामीयो ॥ किमसारपाआतमकाजहोस्वामी ॥ मारगमैई  
 कमानवी ॥ आयनेंदीधोसाजहोकाम्हा ॥ ३ हा ॥ वाणीसु  
 णीनैथोछप्पाजी ॥ आयीमीधअपारहोस्वामी ॥ वधव  
 गजसुकमालनै ॥ कुंणछैमारणहारहोको ॥ ४ हा ॥ वांढ  
 णरीमनमैरहो ॥ कालीअमावसगेजग्गीयो ॥ होणचव  
 दसरोरातहोस्वामी ॥ काणनरापैमाहरो ॥ अकालैकी  
 धोवंधवघातहोस्वा० ॥ ५ हा ॥ नेमकहैसुणोछप्पाजी ॥  
 आयावादणकाजहोकाम्हा ॥ मारगमैइकपुरपरा ॥ फेरा

धार ॥ २ ॥ हीयडोफाठैमातनो ॥ साहमोजीयतिवार ॥  
 मांदूतारोजीवछै ॥ बीछुधानींछेवार ॥ ३ ॥ सीखटेवैमाता  
 हिवै ॥ म्हांनैछोहैआन ॥ बड्डतजतनकरगारज्यो ॥ सा  
 रोआतमकाज ॥ ४ ॥ पांचप्रमादजोपरहरे ॥ आलस  
 अगमआण ॥ आराधेजिनआगन्या ॥ पोहचैज्योनिरवां  
 ण ॥ ५ ॥ आगन्यादीधीयौनेमजी ॥ आयाजिगटिसजा  
 य ॥ गजसुखमालसंयमलीयो ॥ बोलैकिणयिघवाय ॥ ६  
 टाल ० १४ बी ० ( हाभमूलादिकनीडीरही ) एहनीछै  
 एदेशी ० ) जन्ममरणरीसायो ॥ जीवमिलरघोचिजगत  
 मायो ॥ एहबीलायवारेकाढीजै ॥ सामायकचारित्रदीजै  
 १ ॥ नेअदिघोसंयममारो ॥ सिचायोसरबआचोरो ॥ वि  
 नयकरीबोलैजोहोहायो ॥ जोनैआगन्याद्योजगनायो ॥ २  
 जोहमसाणभूमिकाजाछं ॥ बारमीपढिसाठाछं ॥ नेजबो  
 ल्याअष्टतवाणो ॥ सुनिजोथानैसुखआणी ॥ ३ ॥ अगन्या  
 छईगजशुकमाखो ॥ गयामशाणभुममाहाकाखो ॥ अठै  
 कायररोफाटैहीयो ॥ तिणठामैकाउसगलीयो ॥ ४ ॥ सो  
 अलआयोतिणकाखो ॥ कोथोदेखीगजशुकमाखो ॥ का  
 लीहीअणवसरोजायो ॥ मारीवेटीनैदुखजगायो ॥ ५  
 माहरीकन्याअकनकुवारी ॥ बरमाहिलेआयवैसाखी ॥  
 तोमारोनेकादुबैरो ॥ जोईयामीनखनदीसैनेहो ॥ ६ ॥  
 भीनिमाटील्यायोतिणकाखो ॥ बांधीमस्तकचपरपाखो  
 खेरानाखराजाअकारो ॥ घाल्यामस्तकतिणवारो ॥ ७  
 धीचाहोज्युपदवदसीजे ॥ लोहीमांसउकलतोकीजे ॥ त  
 छतहासातेसुटंती ॥ सबदबोलैकपाखफुटती ॥ ८ ॥ म  
 नीसीसधुएबोगहीकोइ ॥ खिमाकीधोसमतादिलआई ॥

## ॥ अथ अंजणासतीरोरासलिचते ॥



दूहा) अंजणामोटीसती ॥ पाल्योसीलरसाल ॥ अ  
 शुभकर्मउदैज्जवा ॥ आयोअणुंतोआल ॥ सीलपाल्यो  
 तिणक्किणविषै ॥ किणविषआयोआल ॥ हिबैधुरसुंउत्त  
 तिकळं ॥ सुणज्योसुरतसंभाल ॥ २ ॥ ढाल० ) १ लौ०  
 कडखानीचालमै० ( एहनीएदेशो० ) माहिदपुरीसुगजा  
 णियै ॥ राजाहोमहिदवसैतिणठांमक ॥ तसुपटरांणीछै  
 रुवडो ॥ मानवेगारांणीतेहनोनामक ॥ सोपुवराणीतिण  
 जनमीया ॥ तेरूपमैरुवडोछैअभिरामक ॥ त्यारेकेडेकाई  
 एकवालका ॥ अक्खणांकुमरीतेहनोनामक ॥ सतीरेसीरो  
 नणिअमणा० ॥ आ० ॥ मातपितानैवालीषणी ॥ वधवस  
 गलानैगमतीअत्यन्तक ॥ रुपमैछैरल्लियामणी ॥ नैणदी  
 ठांणणीहरषधरतक ॥ सजनसगानैसुहामणी ॥ सखीस  
 हेल्यांमैरहोनितपेसक ॥ विद्यामणीसुखअतिवणी ॥ दि  
 नदिनवावैजिमधपकवेसक ॥ २सतीरेसीरोमणी० ॥ अं  
 जणाकुमरीमोटीज्जई ॥ चितवीनैरायचित्तमभागक ॥  
 पळैवेगप्रधानतेडावोयो ॥ कहैअजणावरतणीकरोरेवि

टालदीय तें देसाल होकाना ॥ समताथी सुपपामीयै ॥ ५ ॥  
 गजसुकमास्त अणगाररो ॥ फेराटाल्या अनंत जांण होकां  
 ना ॥ क्रोधकरो किणकारणै ॥ जायपोहतं निरवाण होकां  
 न्हा ॥ ६ ॥ स ॥ नामवतावोतेहनो ॥ नेमवोल्यातिगवार हो  
 कांना ॥ धसकोपडसीतुमदेपनै ॥ जुदाहोयसीजीवनैप्रां  
 णहोकांना ॥ स ॥ वंदणाकरथीनैमनै ॥ आया नगरीमां  
 हिहोकांना ॥ आरतध्यानध्यातायका ॥ मोहतणैवसथा  
 यहो ॥ काना ॥ स ॥ सोमलडरप्योअतिषणो ॥ पुछाकरसीय  
 दुरायही ॥ नेमसयातछांणीनही ॥ देसीमोहिबता  
 यहो ॥ कांभीनेकुमोतरारसी ॥ १ ॥ जाणूछप्याआधो  
 काढैनही ॥ छंजाचमूडोलेयहो ॥ इमचिंतवी  
 घरसुनीसरो ॥ सांझमांमिलीयाछप्यामाहाराजहो ॥  
 सोमलडरप्योअतिषणो ॥ १० ॥ घडहडरागोधूजवा ॥  
 धसकोपडोयोसामोलाहो ॥ घरणीठळ्योतिणअवसरै ॥  
 सोमलकरगयोकाळहो ॥ मरीनेंमाठीगतिगयो ॥ ११ ॥  
 दूहा ० ) छप्याकहैइणसोमलै ॥ मारगोगजसुकमास्त ॥ प  
 गांधवावोजेवडा ॥ द्वारकामाडिथोटाळ ) ॥ १ ॥ ती  
 नअरमारगमिलै ॥ आंभीसांभीतांण ॥ सुखमैधुकोएह  
 ने ॥ कीयनराखोकाण ॥ इमकहैचाकरपुरखमै ॥ आया  
 आपणठांम ॥ मोहतणैवसजांणग्यो ॥ धर्मतयोनहीकां  
 म ॥ ३ ॥ आठपुनजायादेवकी ॥ सातपडतामोख ॥ आ  
 ठमांखीछप्याजी ॥ करसीकरमारीसोक ॥ ४ ॥ गजसुख  
 मास्ततणोअरिण ॥ सांमलनैनरनार ॥ साधुआवकवतआ  
 दरे ॥ जेकरैषियोपार ॥ ५ ॥ इति योगजसुकमास्तराज  
 षट्पिमातादेवकीजीरी चोपर ।

यरनही ॥ वरसचाठारमैचारिचलेहक ॥ पाचुइंद्रीमैजी  
 षतो ॥ वरसछावीसमैपांसोमोपक ॥ तिहाकागणउरव  
 रसयो ॥ कन्यानैवरतणीजाणीयोदूपक ॥ ६ सतीरे० ॥  
 हिनैअजणासुणईअउचरै ॥ देइधनगतेनरनोअवतारक  
 करअकरणीकरएकारनै ॥ वेगोहोजासीमुगतमभागक ॥  
 गुणगार्दतिगपुगपना ॥ पवनजीसुणीनैधारोअतिहोपक  
 आतोरेनारकुलपणी ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥ १०  
 सती० ॥ हिवेपवनजीमनआहेचिंतवै ॥ आरूपमैखवडीअ  
 तंतवपायक ॥ अनमाहिमैलीरेपापणी ॥ चितघोपोनही  
 एकाठिकाणक ॥ पुरखपरायासुंमनकरें ॥ तोहिवैकरणो  
 कवणउपायक ॥ जोछोडूतोएहनेवरधणा ॥ परणनेपरह  
 रुंजुदुखयायक ॥ ११ सती० (दूहा ॥ इमचितवतिहाप  
 वनजी ॥ पाछांचाल्याताम ॥ आवानगरोआपरी ॥ भोग  
 वैसुखअभिराम ॥ ११ ॥ ढाल ) तेहिजळै० ॥ हिवेमात  
 पिताअजणातणो ॥ लगनलीपावोयोमोटैमडाणक ॥ वो  
 वाहकरवाअंजणातणो ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजाणक ॥  
 महोछवमाडीयोअतिषणी ॥ वाजरआतिहाढोलनिसाण  
 क ॥ मङ्गलगावैछैगोरही ॥ उछषकररआकोडकिल्याण  
 क ॥ १३ सतीरे० ॥ हिवैरायपैलादलेडावीया ॥ जानमे  
 जायोवडवडारराजानक ॥ हवगयरयसम्भोयापणा ॥ नै  
 हतग्रांसजननैटोयोषणीसनमानक ॥ धनसाधेटीयोपरच  
 वा ॥ नोटैमडाणचाल्यालेईजानक ॥ सामतसाधेटीयाप  
 णा ॥ जोधाशुभटसेन्यासावधानक ॥ १४ ॥ सती हिवे  
 वोदवणावकीयोषणी ॥ गैहणांआभुपणपहरियाताहिक  
 सपिवागावैरेसोजला ॥ देवैआसीसकतुमतीमातक ॥ ल



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

चारक ॥ जगएककहेरायणनैदोनीयै ॥ एककहेटोनीयै  
 मेघकुमारक ॥ तैपुछैराजागवणतणौ ॥ तिगरोजोवन  
 रूपपणोथीकारक ॥ इसतीरिसिरीमणि ॥ जगएककहे  
 दूमसांभलो ॥ वरसअठारमैमेघकुमारक ॥ चाग्निनेमो  
 वैरागसु ॥ वरसछोवीसजैजासीमोदुमभारक ॥ तोक  
 न्यानैसुखफिहांथकी ॥ सधलाईकरदेखोअनमैविचारक  
 मेघकुमारनैदोमती ॥ चोरविचारोकोईराजकुमारक ॥  
 ४ सती ॥ रतनपुरीतणोराजवी ॥ रायपैलाद्विद्याधर  
 तामक ॥ तेहनोपुत्रअतिदीपतो ॥ पवनकुमारछैतेहनोन  
 जक ॥ अजयानैवरजोगछै ॥ एराजकीयोवचनप्रमाणक ॥ पा  
 छैदुतमैल्योतिगनगरीयै ॥ सगपणकीधोछैमोटेमरहाणक ॥  
 सती ॥ रूपनैगुणअजणातणो ॥ परगटजुबोछैलोकमैता  
 मक ॥ तैपवनकुमारपिसांभल्यो ॥ जवप्रहस्तमचीनैकहै  
 छैआंजक ॥ कहेंआपेजावारूपफेरनै ॥ जोवानैअजयानो  
 रूपतिथवारक ॥ पछैअतोकरीदोउनीकल्या ॥ तेआय  
 उमामैइछतलैतिथवारक ॥ ६ सतीरि ॥ हिवैपवनजी  
 नीरखेछैअस्त्रणा ॥ प्रहस्तनीचीषालीरछ्योदिष्टक ॥ रूप  
 मेजायैदेवगयां ॥ वांशीबोसैजायैकोयलवाणक ॥ चपक  
 वरणधतुरधयो ॥ आष्याजानैअगनैनसमानक ॥ सती ॥  
 ७ ॥ अजणावैठीसिहासयै ॥ दोउपासैअनेकसखीयांत  
 यैहंदक ॥ वस्त्रआमुखअगधरा ॥ सोभरहीजायैपू  
 नमचदक ॥ हिवैवसतमालादूमउपरै ॥ वाईनेंजीगजो  
 होमोख्योथीकारक ॥ जेहवोपवनजीजांणीयै ॥ तेहवीपां  
 मोछैअजणानारक ॥ सती ८ ॥ हिवैवीणीसछीदूमउप  
 चरै ॥ पैहलातोवरममचिंतयोजेहक ॥ तेहवोपवनजी

वरनही ॥ वरसआठागमैचारिषलेइक ॥ पाचुइंद्रीमैजी  
 वतो ॥ वरसछावीसमैपांमसीमोपक ॥ तिहाकागणचरव  
 रसयो ॥ कन्यानैवरतणौजांणीयोदूषक ॥ ६ सतीरे ॥  
 हिबैअंजणांसुणईलउचरै ॥ देइधनरतिनरनोअवतागक  
 करमकरणीकरणकारनै ॥ वेगोहोजासीमुगतमभारक ॥  
 गुणगार्इतिणपुरपना ॥ पवनजीसुणौनैधारोअतिद्वेपक  
 आतोरेनारकुलपणी ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥ १०  
 सती ॥ हिबेपवनजीमनसांहेचिंतवै ॥ आरुपमैखुवढीअ  
 ततवपायक ॥ मनमाहिमैलीरेपापणी ॥ चितघोपोनही  
 एकाठिकाणक ॥ पुरखपगायांसुंमनकरे ॥ तोहिबैकरणो  
 कवणउपायक ॥ जोछोछूतोएहनेवरधणा ॥ परणनेपरह  
 रुजूदुखयायक ॥ ११ सती ॥ (दूहा ॥ इमचितवतिहाप  
 यनजी ॥ पाछांचाल्याताम ॥ आयानगरोआपरी ॥ भोग  
 वैसुखअभिराम ॥ ११ ॥ ढाल ) तेहिजछै ॥ हिबेमात  
 पिताअजणांतणो ॥ लगनलीपावीयोमोटैमडाणक ॥ वो  
 दाहकरवाचंअण्णातणो ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजांणक ॥  
 महीछवमाडीयोअतिवणो ॥ वाजरआतिहाढोलनिसाण  
 क ॥ मङ्गलगवैछैगोरही ॥ उछवकररच्याकोडकिल्याण  
 क ॥ १३ सतीरे ॥ हिबैरायपैलादतेडावीया ॥ जानमै  
 जावोवडवडारराजानक ॥ हयगयरथसक्तीयाप्रणा ॥ नै  
 हतरांसजननैदीयोषणोसनमानक ॥ घनसाधेदीयोपरध  
 वा ॥ जोटेमडाणचाल्यालेईजानक ॥ सामतसाधेदीयाप्र  
 णा ॥ जोघाशुभटसैन्यासावधानक ॥ १४ ॥ सती हिबे  
 वोदवणावकीयोषणो ॥ गैहणांआभुपणपहरियाताहिक  
 सपियांगावैरेसोहला ॥ देवैआसीसकहुमतीमातक ॥ ल

चारक ॥ जव एकक है रावणनै दीजीयै ॥ एकक है दीजीयै  
 मेघकुमारक ॥ तेपुछै राजा रावणतणौ ॥ तिणगे जीवन  
 रूपगणीथीकारक ॥ इसतीरेसिरोमणि० ॥ जव एकक है  
 इमसांभलो ॥ वरसुखटारमै मेघकुमारक ॥ चारिचलेसी  
 वैरागसु ॥ वरसुखांवीसमै जासी मोरुमभारक ॥ तोक  
 न्यानै सुखकिहांथकी ॥ सवणाईकर देखो मनमै विचारक  
 मेघकुमारनै द्योमती ॥ चोरविचारोकोई राजकुमारक ॥  
 ४ सती० ॥ रतनपुरीतणो राजवी ॥ रावमैलादविद्याधर  
 तामक ॥ तेहनोपुत्रअतिदीपतो ॥ पवनकुमारछै तेहनोन  
 अक ॥ अजगानै घरजीगछै ॥ एराजकीयोवचनप्रमाणक ॥ पा  
 छै दुतमै ल्यो तिणनगरीयै ॥ सगपणकीधोछै मोटेकरुहाणक ॥  
 सती० ॥ रूपनै गुणअजगानंतयो ॥ परगटज्जवोछै लोकमै ता  
 मक ॥ तेपवनकुमारपिसांमल्यो ॥ जवग्रहस्तमंचीनैकहैं  
 छैआंमक ॥ कहैंआपिजावारूपफेरनै ॥ जोवानैअजगानो  
 रूपतिथवारक ॥ पछैअतो करी दोसुनीकल्या ॥ तेआय  
 उभाभैहलतलैतिथवारक ॥ ६ सतीरे० ॥ हिवैपवनजी  
 नीरखेछैअश्रुखा ॥ ग्रहस्तनीचीषालीरह्योदिष्टक ॥ रूप  
 मेजांयैदेवगणा ॥ बांणीवोलैजायैकोयसबांणक ॥ चपक  
 वरणधतुरधणी ॥ आध्याजानैअगनैनसमानक ॥ सती०  
 ७ ॥ अजगानैठीसिहासयै ॥ दोउपासैअनेकसखीयांत  
 यैदक ॥ वरुआमुखणअगेधरया ॥ सोभरहीजायैपू  
 नमचदक ॥ हिवैषसतमालाइमचपरै ॥ बाईनेंजीगजो  
 होमो ल्योथीकारक ॥ जेहयोपवनजीजांणीयै ॥ तेहवीपां  
 मोछैअजगानारक ॥ सती ८ ॥ हिवैवीजीसखीइमचच  
 चरै ॥ पैहलातोवरमनचिंतव्योनेहक ॥ तेहयोपवनजी

वरनही ॥ वरसआठारमैचारिषलेहक ॥ पाचुइंद्रोमैजी  
 वतो ॥ वरसछावीसमैपांमसीमोपक ॥ तिहांकागणचरव  
 रसयो ॥ कन्यानैवरतणीजाणीयोदूपक ॥ ६ सतीरे ॥  
 हिजैअजणांसुगईमचचरै ॥ देइघनतेनरनोअवतारक  
 करमकरणीकरएकारनै ॥ वेगोहोजासीमुगतमभारक ॥  
 गुणगईतिणपुरपना ॥ पवनजीसुणीनैधारोअतिहोपक  
 आतोरेनारकुलपणी ॥ उपनोरेक्रोधमैक्रोधविसेपक ॥ १०  
 सती ॥ हिजेपवनजीमनसांहेचिंतवै ॥ आरूपमैखवहीअ  
 ततवपाणक ॥ मनमाहिमैलीरेपापणी ॥ चितघोपोनही  
 एकठिकाणक ॥ पुरखपरायांसुंमनकरें ॥ तोहिजैकरणी  
 कवणचपायक ॥ ओछीइतोएहनेवरषणां ॥ परणनेपरह  
 रुजूदुखयावक ॥ ११ सती ॥ (दूहा ॥ इमचितवतिहाप  
 वनजी ॥ पाछांचाल्याताम ॥ आवानगरोआपरी ॥ भोग  
 वैसुखअभिराम ॥ ११ ॥ ढाल ) तेहिजछै ॥ हिजेमात  
 पिताअजणातणी ॥ लगनलीपावीयोमीटैमहाणक ॥ वी  
 वाहकरवाअजणातणी ॥ रतनपुरीवेगमेलीयोजाणक ॥  
 महोछप्रमाहीयोअतिषणी ॥ वाजरछातिहाटोलनिसाण  
 क ॥ मङ्गलगवैछैगोहो ॥ छवकररछाकोडकिल्याण  
 क ॥ १३ सतीरे ॥ हिजैरायपैलादतेहावीया ॥ जानमै  
 जात्रोवडवडारराजानक ॥ हथगयरथसभोधावणा ॥ नै  
 हतरांसजननैदीयोषणोसनमानक ॥ घनसाधेदीयोपरच  
 वा ॥ मोटेमहाणचाल्यालेईजानक ॥ सामतसाधेदीयाव  
 णा ॥ जोधाशुभटसेन्यासावधानक ॥ १४ ॥ सती हिजे  
 वीदवणावकीयोषणी ॥ गैहणांआभुपणप्रहरिदाताहिक  
 सपिदागावैरेसोहला ॥ देवैआसीसकतुमतीमातक ॥ ल

गणतारैरेबैनढी ॥ रूपदेपमनहरपितयायक ॥ जाचकवो  
 लैविरुदावली ॥ दूणविधपवनजोपरखनजायाक ॥ सतोरे •  
 १५ ॥ सेन्यासिणगारौचतुरंगणी ॥ गाजैजीअंवरवाजे  
 जीतूरक ॥ सजनसगामिलीयाप्रणा ॥ जानचातैजांणैग  
 गानोपूरक ॥ वरविद्यावरदीपतो ॥ सोभरछोतिणरोवट  
 नसनूरक ॥ विहंदिससाथेसेवकषणा ॥ हाथजोडोअ  
 उभाहजूरक ॥ १६ सतो • ॥ महिंदपुरीनेडाआवीया ॥  
 आईवधाईराजोड्योरायक ॥ दीधीवधामणीतेहनै ॥ ह  
 रपितहुईअंजणांतणीमातक ॥ आरतीनोमहोछवकरै  
 महिंदराजामनहरखनमायक ॥ सजनसगामिलीयावणा  
 सेन्यासेईराजासांहभोजीजायक ॥ १७ स • ॥ महिंदराजा  
 साहाभोआवीयो ॥ टोलदामाभानेंधुरैनिसांणक ॥ राखा  
 होरांणसज्जमिल्या ॥ व्यापीयोतिमरनैआयम्वोभाणक ॥  
 सुसरोसांभेलेआवीयो ॥ पवनजोदेखनेआणदयायक ॥ धवल  
 मङ्गलगावैगोरडी ॥ लोकअंजणानोवरजोयवजायक ॥ १८  
 स • ॥ महिंदराजामोटाराजामणी ॥ अतिषणोदीयोआदरस  
 नमानक ॥ उछरगमनमांहेअतिषणो ॥ भावभगतीसुं  
 मिलीयोराजानक ॥ जानचतारैरेआणनै ॥ आपीयोभोज  
 नविवधपकवानक ॥ उपरसिषरणसाचवै ॥ पादिमखा  
 दिमआप्पाधणांमिष्टानक ॥ १९ सतो ॥ हिवैतोरखपव  
 नजोआवीया ॥ तोहीअंजणांचपरैषणोअमायक ॥ ना  
 मगुण्याहीराजोमही ॥ मूलनहीमनतेहनीआवक ॥ ध  
 वल्लमङ्गलभावैगोरडी ॥ पूरणसासुकरैवज्जमांतक ॥ पिन  
 मनमैनभावैपवननै ॥ योतोपरणेरैअंजणानैवाखवादाह  
 क ॥ २० सतो • ॥ रूपातखोरिमगहपरखो ॥ सोवनातणी

तिहांवेहक ॥ सोवनपाठमोत्याजहो ॥ अंजणानैपवन  
 जीवैठाछैतेहक ॥ हयजेवैहायमेख्योतिहां ॥ नयननिहा  
 लेछैअंजणानारक ॥ पिणपवननेमूलगमैनही ॥ घेखजा  
 गेपैहलीवातविचारक ॥ २१सती० ॥ हिवैपवनजीपरण  
 नेउतरा ॥ कीधीपहरावणीअंजणानेतातक ॥ गयवर  
 आपीयाअतिधणा ॥ ताजातुरंगदीघाविष्यातक ॥ कनक  
 रत्नवज्रआपीया ॥ आपीछैरुपातणीवज्रकोडक ॥ वस्तमाला  
 दासीआटदे ॥ पांचसेंदासीयासरीपीजोडक ॥ २२सती  
 हिवैपरणीनैरतनपूरीसंचररा ॥ साहमोआयोतिहांपैह  
 लादरायक ॥ अंजणामनहरपतयइ ॥ सासूसुसरानांपू  
 जीयापायक ॥ पांचसोनांवराजाटीया ॥ आप्याछैआभ  
 रणरतनवज्रमोक्षक ॥ आयाछैबीदवीदण्डी ॥ आया  
 छैतिहावाजतेढोखक ॥ २३स० ॥ ( दूहा ) हिवै  
 कालकितोयकगयापछे ॥ आयोभेटणोराय ॥ तिहां  
 पवनरोहैपपरगटहुवै ॥ तेशुणज्योचितन्याय ॥ १ ढाल०  
 तेहिज० ॥ पीहरथीआधीरेसुंपडो ॥ वख्रआभरणआ  
 पीयातासक ॥ वस्तमालानैदेईकरी ॥ अंजणामेलीयाप  
 वनरेपासक ॥ सुंकडोपवनपाधीनहो ॥ वख्रगहणानेप  
 हरियाअहक ॥ अंजणासुधेपआणने ॥ वख्रगहणा  
 आप्याभातगक ॥ २४सती० ॥ वस्तमालाविजपीथई ॥  
 आयकहोअंजणाकीनेवानक ॥ स्वामीआपांचपरें ॥ इत  
 नदीसेंकोईतिलमातक ॥ अंजणाआप्याआसुधरे ॥ मे  
 सुंपडोभगतकीघोरेअनेकक ॥ योतोनरदीसैछैनिरमलो  
 आपणेंटीसैछैकर्मविसेपक ॥ २५ सती० ॥ हिवैअंजणा  
 वैठोरेमाखीयै ॥ पवनजीतुरीयपेलावणजायक ॥ आवता

जावतानिरपती ॥ तिमरमनसैहरपितथायक ॥ पवनजीको  
 पैरेपरजलै निजरटीठांभूलनसुहायक ॥ नागीनिहालैभैमो  
 भणो गोपैआडीटनीमितचिगायक ॥ २६ सती ॥ पाचसोगां  
 वपोतेंकीया ॥ मातपिताकहैसाभलिपूतक ॥ अजणास  
 तोरेसुलपणी ॥ वडनैसुपीयैनिजपरसतक ॥ कोटैरकुल  
 तणींउपनी ॥ राजाहोमहिदतणीवहैलाजक ॥ अजणा  
 सु आदरकीजीयै ॥ इमकहैकेतुमतीमहाराजक ॥ २७ स॥  
 वापराआकापावामेलीया ॥ अणोआयोवजेवडोवीरक ॥  
 अजणाकहैनवीआवीयै ॥ मेल्यापाजाआभरणअटभुतची  
 रक ॥ खानीरेंमनमान्यानही ॥ पीहरेंआपनेसीकरवा  
 तक ॥ इमकहोवंधवमोकल्यो ॥ दुपधरेषणोमायनतातक  
 २८ सती ॥ इमवारेवरसयोचमेगया ॥ एकथाउपरेंएतो  
 सबधक ॥ हिदैरावणनैवरणकटकीयई ॥ आंहीमाहिउप  
 नोअगिदधक ॥ हयगयगथसर्जियाधणा ॥ पालावोपुरपा  
 जालीसमसेरक ॥ त्यानेंसुवसिणगारिया ॥ चालीयोकटक  
 वाजीरयभेरक ॥ २९ स० ॥ एकतेडीरतनपुरीआवीयो  
 पेहलादरायकरैजावानेंसाजक ॥ पवनजीहाथकोडीकहै  
 एतोवेवापजीइमतणोकाजक ॥ तुमेषरबेंठालीलाकरो ॥  
 पूछजायानोएहप्रमाणक ॥ इमकहनैअवधसालासचरग  
 हाथमेंधनुपतीसीनोवेवाणक ॥ ३० सती ॥ पवनजीचालै  
 रेकटकनै ॥ मनमाहैचिखवेंअजणानारक ॥ दूरथकीपाए  
 लागस्वा ॥ भावकुभावदेपोएकवारक ॥ वस्तमालामाह  
 रोवैनही ॥ दहीनोकचोसोतु मरोनैआणक ॥ सुकनरुड़ा  
 मनावर्या ॥ आरगभाहैउमीरहीजाणक ॥ ३१ सती ॥  
 सुकनमिसैपीउदपस्या ॥ नमणकरीनैखलागस पायक

लोकसङ्गं इमं गणसी ॥ दहीनोकचो लोदेपसीताहिक ॥  
 कटकजाताप्रोचं वादम्यां ॥ अंजणां आदरीपवनकुमारक  
 जिहंलगेस्वामी आत्रेनही ॥ तिहंलगेजां गसी लोकमभा  
 रक ॥ ३२ सती० ॥ द्विवैगयंदवैसीदलसंचर्यो ॥ मात  
 पितानैनमायीसीसक ॥ सजनसङ्गरेसंतोपीयां ॥ अंजणां  
 उपरचतोषणीगीसक ॥ दूरथकीदृष्टैपही ॥ चतुरचिता  
 रानोजेवोचितरांमक ॥ पुतलीलिपीरंभासारपी ॥ एह  
 चितारानैदेवोइनामक ॥ ३३ सती० ॥ मंधीकहेनहीपूत  
 ली ॥ भोतचठैचभीअंजणानारक ॥ सांभलपवनकोषो  
 वणी ॥ कोईसीलीमोनेमारगमभारक ॥ दूरठेलीआवी  
 करी ॥ आस्याअलूधीमेलीआयोजातक ॥ वस्तमालामो  
 डेकरडका ॥ सुपनदेपावज्यातुमतगोनाथक ॥ ३४ सती ॥  
 अजणांकहेदासोभसीपोतैष्केमांहरैअतिषणांपापक ॥ गे  
 हलीएगालनवीलीयै ॥ कठकजातांकांईदीवोसरापक ॥  
 आसामोटीमनमाहरै ॥ काइकुसांवरणकाढीयोएक ॥ देह  
 उकभादासोभयो ॥ वांहमालीलेगईवरमाइक ॥ ३५ सती  
 द्विवैअजणांकहेसुगसुंदरी ॥ मोनेदुपमांहेदुपउपनो ॥  
 आजक ॥ पाणीमाहेकारीपातली ॥ सासरैप्रोहरैगईमां  
 हरीलाजुकचारिचलेशोमोनसिरै ॥ करणैकरैसारुआत  
 मकाजक ॥ नामजपूजगदीसनी ॥ तेहसुपामीयैअचिच  
 लराजक ॥ ३६ सती० ॥ द्विवैनगरथकीदलसंचर्यो ॥  
 भारगमेंदूरकीयोरिनलांणक ॥ अकवोचकवीतिहाठलवलै  
 व्यापीयोतिमरनैआथयोभांणक ॥ एवनजीमंधीनैइमकहै  
 अजणांनोमलनलीजीयैनामक ॥ पुरघपरायासुंमनकरै  
 अकयाचकवीनोपरैमूकीकैनारक ॥ ३७ सती० ॥ मवी



कहैसुणोकुमरणी ॥ तुमेण्वडोकाईआगोमनभरमक ॥  
 मोटफीसतीकैअजणा ॥ अहनिमसेवतीजिणतगोधर्मक  
 पुरपपरायोवांछैनही ॥ वचनकाजैतुमेकायकरोहैयक ॥  
 आसीलसरोवरभूलती ॥ गुणकीयासिवज्जानी ॥ जगौविसि  
 धक ॥ ३८ सती० ॥ हीवैपवनजीकहैसुणोमभवो ॥ ऊक  
 टकजाउछूनारीनैसतापक ॥ पाछोजाउतोपरजाहसै ॥ मै  
 हलामाहैलाजैमांइरोवापक ॥ मधीकहैछानांजायखा ॥  
 तेढीसेनापतिकहैउंरुपवालक ॥ अमेजानाकरीनैपाबाआ  
 वखां ॥ तिहालगकटकनीकीजोरुपवालक ॥ ३९ ॥ सती०  
 हिबैप्रछन्तपणैदोउआवीया ॥ आवीनैअजणानोउघाहोकिं  
 वाडक ॥ वस्तमाळातवतुघेरै ॥ उतावलीबोलेवैगालीदोय  
 चारक ॥ कहैसुरोपूरपगयोकटकमै ॥ कीणरेलंपटआबो  
 इषठांमक ॥ प्रभातेकुंराजानैबोनसुं ॥ बोढायदेसु कुंति  
 इनोगांमक ॥ ४० सती० ॥ ग्रहस्तमचीइमउच्चरै ॥ इहां  
 आयोवैमैहलादगोनदक ॥ अजणांतयोवैसिरघणी ॥ वस  
 विषाघरटीपकंछंदक ॥ वस्तमाळाआवीउलछो ॥ नयण  
 नीहालीवैपांमीआणदक ॥ किवाछपोकीनैमांहिछीया ॥  
 वस्तमाळावधाथ्यानरिंदक ॥ ४१ ॥ सतीरैसीरोमखी० ॥  
 दूहा ॥ अजणासतीतिणअवसरै ॥ बैठीसामायकमाहि ॥  
 कर्मधर्मसंभासती ॥ रहीधर्मखवलाय ॥ वस्तमाळातिण  
 अवसरै ॥ हाथजोढीकहैधाम ॥ सतरैसामायकतिहा  
 सगै ॥ राजकरोविधामक ॥ ५ ॥ ठालते० ॥ हिबैअजणासा  
 लायकपूरीकरी ॥ हाथजोढीसांगोपाउनैपायक ॥ २ ॥  
 पवनजीकहैतु मोटोसती ॥ लीनरहीथीजिणधर्ममाहिक ॥  
 यसनतूरासैमेदुइयो ॥ तिणवातरोमेंप्रमारयकाधक ॥

हाथजोडोकर वीनती ॥ पमज्योएसतीमांहरिअपराधक ॥  
 ४० स० ॥ अंजणापायनमीकहे ॥ एहवावोलवोलोकार्हे  
 स्वांमक ॥ जेहवीपगतणपानही ॥ तेहवीपुरपनेअसत  
 रोजांणक ॥ आथजोहीनैआंणउभीरही ॥ मधुसुंहाम  
 णावोलतोवैणक ॥ कहैप्रापतिविणकिमपामीवै ॥ जाणै  
 पथरगालीनैकीधोछैमैणक ॥ ४१ स० ॥ तीनटिवसग्घ्या  
 तिहापवनजी ॥ तिहाभावमगतितीणकीधीविसेपक ॥  
 घायढोलैवीमणैकरो ॥ पटरसभोजनआपीयाअनेकक ॥  
 हावभावकरैछैअंजणा ॥ प्रीतमसुंघणीसाचयीरोतक ॥  
 पवमजीआणंदपाम्योघणो ॥ अंजणासुंघरोअतिवणीप्री  
 तक ॥ ४४ सती० ॥ द्विवैषवनजीपाछानीकलै ॥ अंजणां  
 वोलैछैजोहीजीहाथक ॥ आसारहैकदोसमांहरै ॥ लोक  
 मानैकिनमांहरिवातक ॥ तिणसुंमातपितानैजणावज्यो  
 वाहनाआमरणआप्याअहनाणक ॥ सकापडैदिंपालज्यो  
 मातपितादिकसहुलेछैसीआणक ॥ ४५ स० ॥ द्विवैवस  
 तमालानैतेहोतिहां ॥ पवनजीदेईसनमानक ॥ मांहरै  
 अंजणाराणैसांसांरै ॥ प्रतक्षितामणनैसमानक ॥  
 तुंकरजेअतनघणातिहना ॥ जिमटांतनैजीभभेलारहैजे  
 हक ॥ जिमअंजणानेतु भेलीरहे ॥ किमदीकैषणीभोलाय  
 णीतेहक ॥ ४६ स० ॥ वस्तमालानैसाणकजोतीहीया ॥  
 वोजोदधनटीयोरेविशेषक ॥ घणीसतोपीछैवचनसु ॥ व  
 सतमालाऊईहरपविसेपक ॥ प्रहस्तमखीनैइमकहै ॥ जत  
 नकीज्योकुमरणीनातेहक ॥ लुसलेपिमेवेगापधारज्यो ॥  
 मेवाटजीवाजानैउमट्योमेहक ॥ ४७ सती० ॥ सीपदेवे  
 अंजणाचानता ॥ रिणमाहैआवैषणापुरपट्टक ॥ सोपु

पद्यावैकुण्ठवरणना ॥ तेहने आगलरपेफेरयोपूठक ॥ दुरज  
 नकटकवैवरणनो ॥ खोहनावाणजाणैमंडकैअद्वारक ॥ ति  
 हांछुकीतणीरीतरापज्यो ॥ मरणभल्योपिणनहीभलीहा  
 रक ॥ ४८ सती० ॥ हिवैपोलधकोरेपाछीवली ॥ नैणामै  
 छुटोछैजलतणीधारक ॥ मैकटुकबचनकछोक्तनै ॥ म,  
 हटांकोनैरोवैतिणवारक ॥ बसतमालाआयधीरपै ॥ हि  
 वडाआयोछैसामायककालक ॥ देवगुरुधर्महीयैधरो ॥ ह  
 तपचपाखथेलेवोसंभालक ॥ ४९ सती० ॥ हिवैअंजणासती  
 तिणअवसरै ॥ सहरितपालेंदतरसालकाकर्मधर्मसंभाल  
 ति ॥ सुपैरेगमावैवैदणविधकालक ॥ ध्यानघरेदेवगुरुतखो  
 ससारनीजाणैबैकाखीजीमायक ॥ बोलसिंभायगुणैथोकडा  
 इखपरअजणारादिनजायक ॥ ५० सती० ॥ हिवैसुदर  
 आधानजाणोकरो ॥ अंजणामनमांहेहरपअपारक ॥ घन  
 परचैकरैधुपटा ॥ खोकीकदानदेवैसपुकारक ॥ भावना  
 भावैचलटमनै ॥ पावसुपावदेवैसगतनैहेतक ॥ उवरगम  
 नमाहेअतिवणौ ॥ दानदेतीनगिणैधितक धितक ॥ ५१ सती०  
 हिवैराखीराजामणीवीनवै ॥ साभलीवीनतोमाहरीआ  
 पक ॥ अंजणाकरैधनउछावणा ॥ दूणसु घुरलगैपवनने  
 किघोमिलापक ॥ तोहीमगमांहेभानराषैवणो ॥ कटकजा  
 तापाढीएहनीभांमक ॥ आपकहीतोछ पहनै ॥ वरजवा  
 काजेंजाउंतिणठामक ॥ ५२ सती० ॥ राजापिणदीधीवै  
 अगन्या ॥ हिवैकीहुमतीआलीमोटैमहाणक ॥ सायेसहेल्यां  
 खीधीवणौ ॥ मनमानवछइरेआणक ॥ आंगेयधीछढामे  
 लीया ॥ अंजणांसुणनैहरपतथायक ॥ भावभगतकारो  
 वणौ ॥ साहमीआयनैमेटीयासासुरापायक ॥ ५३ सती०

आटरसनजानदैअ जणा ॥ सासुनेलेगईनिजधरमाहिक ॥  
 आसगाटोव्येवैवसवा ॥ हाथजोडलभोवैनमुपचायक ॥  
 कहेभनुव्यकरौभोनेलेपवो ॥ मांहरागमनोरथपूरीयाआयक ॥  
 नार्इताविनांइभकुणकरै ॥ मांहरौसासरैपौहरैवाघाछै  
 लाजक ॥ ५४ सती० ॥ हिअैपडनाचैनदेपोकरी ॥ केतु  
 भतीराणीधारगोमनधेपक ॥ वडुथाहराअ गनोएछवो ॥  
 चैनक्युटीसैविधेपक ॥ तुंमोटारेकुलतणीउपनी ॥ वंश  
 विद्याधरदोतुपयसारक ॥ तुंसाचीसुभनेआंपरकहै ॥ उ  
 दरआधानकैउदरविकारक ॥ ५५ सती० ॥ अंजणांउ  
 तीतिणअवसरै ॥ आभरणअैनाणआयमुं कथापायक ॥ क  
 ठकयोकुमरपाछावली ॥ विरहणीजाणिनैआवियाताडि  
 क ॥ तीनदिवसरह्याधरमाहरै ॥ छानैआयानैछानैगया  
 तासक ॥ आभरणअैनाणइहामेसनै ॥ हिअैवोछैलाय  
 सुभसातभोमासक ॥ ५६ सती० ॥ बहुनावचनकानेसु  
 ण्या ॥ केतुभतीराणीबोलेछैतेहक ॥ पूरवैलगतोनेपरह  
 री ॥ सुभपुअनैतुभकिसोसनेहक ॥ आजलगनैअलपावणी  
 तुआभरणचोरीनैनिरजलथायक ॥ दिणठोरेदुधकाजीय  
 की ॥ हिअैसासरानुंपरिपौहरजायक ॥ ५७ सती० ॥  
 सासुरावचनकानेसुण्या ॥ अजणारैमनउपनीदाहक ॥  
 उचतुमागेपाछोवले ॥ तिहालगैसुभनैरापोधरप्रांहिक ॥  
 सासगनैसासुजीतुमतणी ॥ कहोतोथेठपार्इनैकादूदिन  
 रातक ॥ चरणकमलसु गिररही ॥ ऊकलकलेईकिमपी  
 हरजायक ॥ ५८ सती० ॥ केतुभतीराणीक्रोधेचढी ॥  
 पगकरोक्रोधसु छेलीयोसीसक ॥ अइजरोडीनेउभीथई  
 धडहडधूजीनैअतथणीरोसक ॥ अलगोरहेसुभआआप

पद्मावैद्यवरणना ॥ तेहनेआगलरपेफेरयोपृठक ॥ दुरज  
 नकटकवैवरणनो ॥ लोहनावांणजागैरुंकेअङ्गारक ॥ ति  
 हाछवीतणीरीतरापज्यो ॥ मरणभल्योपिणनहीभलीहा  
 रक ॥ ४८ सती० ॥ हिवैपोमथकोरेपाछीवलो ॥ नैगामै  
 छुटीछैजलतणींधारक ॥ मैकटुकवचनकछोक्तनै ॥ मू  
 हठाकोनैरोवैतिणवारक ॥ बसतमालाआयधीरपै ॥ हि  
 वडाआयोछैसामायककालक ॥ देवगुरुधर्महीयेधरो ॥ वृ  
 तपचपाणथेलेवोसंभालक ॥ ४९ सती० ॥ हिवैअंजणामती  
 तिणअवसरै ॥ सहरितपालेंदतरसालका।कर्मधर्मसंभाल  
 ति ॥ सुपैरेगमावैवैदणविषकालक ॥ ध्यानधरेदेवगुरुतणी  
 संसारनीजाणवैकाचीजीमायक ॥ धोलसिन्हायगुणैयोका  
 दृषपरचजणारादिनमायक ॥ ५० सती० ॥ हिवैमुदर  
 आधानजांयोकरो ॥ अंजणामनमाहैहरपअपारक ॥ धन  
 परचैकरैषुपटा ॥ लोकीकदानदेवैसपुकारक ॥ भावना  
 मावैउलटमनै ॥ पापसुपापदेवैसगतनेहितक ॥ उवरगम  
 नमाहैअतिषणौ ॥ दानदेतीनगिणैयेतकुपितक ॥ ५१ सती०  
 हिवैरांणीराजाभणीधीनवै ॥ सांभलीवीनतोमाहरीआ  
 पक ॥ अजणांकरैधनउछावणा ॥ इणसुधुरलगैपवनने  
 किधोमिसापक ॥ तोहीमनमाहैमानरापैवणो ॥ कटकजा  
 तापाठीएहनीभांमक ॥ आपकहोतोछएहनै ॥ वरमवा  
 काजैजाउतिणठामक ॥ ५२ सती० ॥ राजापिणदीधीवै  
 अगन्या ॥ हिवैकेहुमतीआसीमोटेमहाणक ॥ साथेसहेल्या  
 सीधीधणो ॥ मनमानवडइरीआणक ॥ आंगेवघोडढामे  
 लीया ॥ अंजणांसुणनैहरपतआयक ॥ भावभगतकरो  
 धणो ॥ सांजमीआयनैभेटीयासासुरापायक ॥ ५३ सती०

लगेनिरमलचंजलाआपक ॥ तिहालगेसडमैसुहामणां  
 हरपधोलावश्यैतुमतणोवापक ॥ मातालनोरयपूरसी ॥  
 भाईभोजाइसहुमिलसीआयक ॥ जिहालगेस्वामीआवे  
 नही ॥ रवेठातिहालगेपीहरहीआपक ॥ ६५ सतरे०  
 हिवैनगरसेरीयेसचरी ॥ गवटकाढीनेनीचीजोजोयक ॥  
 हसतणीगतचालती ॥ नगरनाखीकशोवेसऊकोयक ॥ स  
 जनविछोडोएकाअनी ॥ नाथविहुणोएटोसैरैनारक ॥ पि  
 छाहीसेंप्रजामिनीप्रणी ॥ इणपरपोहीतीकैवापदुवारक ॥  
 ६६ सती० ॥ पालैउभीरापोपोलीये ॥ मालुमकीधीगय  
 नेजायक ॥ टोनुं हाथकोहीनीचोनसी ॥ अंधखवाहिरउ  
 भोक्कैआयक ॥ रायसाभलहरपतहुवी ॥ नगरसिणगारनै  
 करोविध्यातक ॥ सनसुपमोकलोपालपी ॥ आधोतेडावो  
 राजापैहलाटनीसाथक ॥ ६७ सती० ॥ कानमैछानैसेव  
 गकहै ॥ अजणासासरेजेऊवोतेहक ॥ तिणवातकहीस  
 र्वाभाडनै ॥ रायसाभलदुषव्यापीयोदेहक ॥ सुरक्षागतआ  
 यधरणीढल्यो ॥ सचेतययोकिधोओधविशेषक ॥ मांहरा  
 कुलनैरेकलकलगावीयो ॥ आवामतद्योमांहरापोलनका  
 रक ॥ ६८ सती० ॥ पालीयोपाछोआवोकहै ॥ तुमेलपर  
 चठोक्कैमहिदरायक ॥ मांहेआवामतद्योएहनै ॥ वचनसु  
 णीमेविलपीजोथायक ॥ नातारामयणमैसचरी ॥ आधा  
 पाछापगपडेतियवारक ॥ मनमांहिदुषधरतीथकी ॥ वि  
 लपीथईआधीमातानैदुआरक ॥ ६९ सती० ॥ मानवेगाति  
 णअवसरै ॥ अगणैअजनादीठिविरगक ॥ सरीरनोरग  
 तेक्षिरगयो ॥ कालारेवखपहरणाअ गक ॥ अहैनाणदी  
 मैरैवारका ॥ नयणकरैजाणैमोत्यानोष्टक ॥ सुपहुम

धी ॥ जिहाल्लगमाहरानगरनीसीमक ॥ तिहाल्लगेअजभा  
 इहारहे ॥ जिहाल्लगैसुभनैअनपाणीतगोनेमक ॥ ५६ सतीर  
 सी० ॥ वस्तमालानैतेढीकरी ॥ बधणवाधनेटेरीकैतेहक  
 तेंचोरगाआभरणमांहरापुधना ॥ चोरदेपासकछेटसु दे  
 हक ॥ तेरेषढोरटेरीरही ॥ बाजैकैताजणारोवतीतेहक  
 वस्तमालादुसमुपभनै ॥ चोरतीपवननीसाहतोतेहक ॥  
 ६० सती० ॥ हिबैकालोरैगयअणावीयो ॥ कालाईतुरग  
 जीतरातेहक ॥ कालाहोवखपहराजीया ॥ कालीहोभू  
 सरौटीधीकैतेहक ॥ कालीहोभस्तकरापढी ॥ अजणाव  
 खमालावैसान्गीताहक ॥ सती० ॥ अजणांचालीपी  
 हरण्णी ॥ दुपधणोघरतीअतिमनमांहिक ॥ हिबैचा  
 लीयोरथउताबलो ॥ आयोछैव पतयोभमतीहक ॥  
 दूरयकीमैहलदेयोया ॥ स्वारथीरघपाहोवाल्योतेह  
 क ॥ अहारकरैअजणाभणी ॥ स्वारथोचित्तमाहैचित  
 वैआंजक ॥ दुष्टअकारजमैकीयो ॥ मेवनमांहेअंजणांमे  
 लोइराठाजक ॥ ६२ सती० ॥ हिबैमाभपढोदिनआय  
 यो ॥ रयविहायीघोरअन्वारक ॥ हाथोहाथसुभनैहो  
 इणवैलामुभनैकु यथाधारक ॥ नामजपूजगदीसनो ॥ इ  
 णविघकाटैदुखभरौरातक ॥ सुधसामायकउचरै ॥ एत  
 लैसुरलउग्योप्रभातक ॥ ६३ सती० ॥ हिबैअजसाकहै  
 सुणोसु दरी ॥ माहरामनमैअतिषणोदुपक ॥ मोनेकुहो  
 रेकलचढावीयो ॥ हिबैतातनेकीमदिपाससु मृपक ॥ मा  
 तामोसु मनफिमजेसौ ॥ किमकह मादुभोमायांसु वात  
 क ॥ जिहाल्लगेखामीआवैनहो ॥ तिहाल्लगेकिमकाटूटि  
 नरातक ॥ ६४ सती० ॥ वस्तमासावजतीकहै ॥ जिहाल

डाहाजोज्यूनडता ॥ एहकरपोकिस्सुकर्मचंडालक ॥ अ  
 मेतोच्चवलासुप्रकरा ॥ अंगणैउभारहोनेलिगारक ॥ अ  
 मधरआयारायजाणसो ॥ तुमतयावीरनेकाढसीवारक ॥  
 ७६ सती० ॥ बंधवकिणहीनपूछीवो ॥ सजनकिणहीन  
 होकोधीरेसारक ॥ जिणदीठोछैअजणासती ॥ तिहाप्रो  
 हितप्रधानसुदियादुवारक ॥ लोकारीआसंगकिनडवै ॥  
 अजणानेतेडीराप्रैधरमांझिक ॥ आदरभावकिहार्इनही  
 एहवाकर्मचदैज्जवाआयक ॥ ७७ सती० ॥ अजणानेदेपै  
 आवतो ॥ लोकआडाडदेवैकिंवाडक ॥ धरमैकोईआवण  
 देवैनही ॥ वचनबोलैलोकविषयप्रकारक ॥ अजणांदूपवे  
 दैवणू ॥ नाणैकेवाहीछैयहगनीवारक ॥ दुपमांहेदुपसा  
 लैवणो ॥ अमरसधरेंमनमाझिअपारक ॥ ७८ सती० ॥  
 हिवैअजणातिसैरेटलवळै ॥ जलसेईआयोमाझिअतीरक ॥  
 रायकुमरीपांणीपौयो ॥ सीतलउतमनिरमलनीरक ॥ व  
 लतीअजणाकहैतेहनै ॥ नगरमांहेतीनहीपीउपाणक ॥  
 पोखवाहिरजलपीवसू ॥ इहातोछैमांहरावापनीआयक  
 ७९ सती० ॥ नगरवाहिरजलवावरै ॥ अंघणांवस्तमाळा  
 नैकहैछैआमक ॥ गहनवनमोटीउजाडमै ॥ उचाहोपर्वत  
 विपमांठासक ॥ जिहासूर्यकिरणनसंचरै ॥ रातदिवस  
 नीपधरनकायक ॥ माणसकोसुपनहीदेपीयै ॥ तिनवनमां  
 हैतुसुक्तनैलेजायक ॥ ८० सती० ॥ हिवैवस्तमाळातिण  
 अवसरै ॥ अजणानोवचनकीधोप्रमाणक ॥ दोनूजणीति  
 हांथीनीकली ॥ माहोमांहिवोलतीमोहकारीवांणक ॥  
 उभैवनमांहेसज्जरो ॥ जोयनैपरवतसमलमहतक ॥ पाधे  
 लेईअजणांभणी ॥ परवतजावनैवैठैएकतक ॥ ८१ सती०



लागोदीसैवरो ॥ जांगैराहरै अंतरैदवगयोचंनक ॥ ७०  
 सती० ॥ इमदेपोमाताधरणीदली ॥ सचेतथईरोवेवागा  
 जीद्वारक ॥ हकायनसिरजीरेषाभडो ॥ इगकलकआ  
 गयोआहराकुलरेजभाकरक ॥ ऊसगासवधीनकिअधिखं ॥  
 आणोघटारोनेधसमाहरीक पक ॥ जिगकुपेअंजगाउ  
 पनी ॥ दोधेछैदुपमैदुपविशेपक ॥ ७१ सती० ॥ राणीने  
 रोवतीदेपने ॥ दास्याजिगआईअंजगगानेपासक ॥ आ  
 दरविह गौउभीकिमै ॥ जायछोटीबाईकुलतणीआजक ॥  
 सुसरानैजासुलजायोया ॥ लजायीयोपोहरमावहुसालक ॥  
 कुंवसविगोवगउपनी ॥ हिवैपापणीकुंजठोजतीदेपाल  
 क ॥ ७२ सतीरंमी० ॥ वसतनालागसतीथहै ॥ एहवी  
 अचर्क धेवोलोएवायक ॥ पवनकुमारधरेआवसी ॥ पूछ  
 किजोनिगयोमनजाहिक ॥ आसतीतोसधमलैसही ॥ ग  
 लैछैगर्भतयोअतिपासक ॥ एकलकआयाकायानहीधरै ॥  
 पवनजीआवारोरापैछैआसक ॥ ७३ सती० ॥ इमकही  
 दोरुपाछीनोकली ॥ भाईभरेगायांतणैयरजायक ॥ वधव  
 अहिवैसौरधा ॥ अजणाआंगणेउभीछैआयक ॥ आई  
 भोजाइमिलीतिहा ॥ जनबिनातिगआपौछैबाहक ॥ आं  
 गूलीजेइदाताधरी ॥ आवामटीधोतिगनैधरमाहिक ॥  
 ७४ सती ॥ इमअजणाधरधरहीछोषणी ॥ किगहीन  
 टीधीआवाधरमाहिक ॥ दोनधचनमुषबोलतौ ॥ नयग  
 भरीमुषरोवतीतेहक ॥ भूपहपाकरीआकूली ॥ अनपा  
 णीआपैकुणतामक ॥ उभीछैदीणटयामणी ॥ नांघिनिस  
 रसाउभीतिगठामक ॥ ७५ सती० ॥ हिवैमिलनैभोजा  
 यातेइमकहै ॥ बाएआपरोआपोसभासक ॥ धूरलगै

इणीआणीमाहराकुलरेमभारक ॥ जोपाहीआणुघरेअं  
 जणां ॥ तोनगरनीनारहीहैअनाचारक ॥ ८७ सतीरे०  
 हिवैगिरवरगुफासाहजोजोयतां ॥ तिहांदिठोहैसुनिवर  
 ध्यानवरघोरक ॥ निरदोपआचारपालता ॥ तपजपप  
 करीसोपव्योसरीरक ॥ अथधनानेकरीआगसा ॥ अंज  
 णाजायभेट्यातसुपायक ॥ अतिदुपनांहिआणंदहवो ॥  
 भवरहीक्योत्तामीतुमंतणीसुरणक ॥ ८८ सती० ॥ हिवै  
 हायजोहोअंजणाकहै ॥ पूर्वकिसुंकीयोकर्मचंडीलक ॥  
 कियकर्मसासीमाहरै ॥ इणभवमेआयोअणहुंतोआल  
 क ॥ सासरासुंकाढीसोमणी ॥ पोहररापीनहीवरमां  
 हिक ॥ आपकीरपाकरीलोचपरै ॥ सगलोईसंवधदेवो  
 नोसुणायक ॥ ८९ सती० ॥ हिवेलाबुकहैवाईसामलो ॥  
 पाछिलभवरीकहुविरतंतक ॥ धारेंसोकहुंतीलिपभाव  
 तो ॥ आवकधर्मपालतोकरघंतक ॥ सीहरयपुत्रयोतेह  
 नै ॥ तेचोरीपाहोसणनेंसु पीयोतेहक ॥ तेरैवहीधारीसो  
 कटलपली ॥ दुखधणीघरतोजनमाहि ॥ ९० स० ॥ धां  
 रीसोकरेएकनिहचोछंतो ॥ जोसाधहोवैतिणनगरमभा  
 रक ॥ तोवांदीयापैहसीतेहनै ॥ अनपानीनोछंतोपरिहा  
 रक ॥ विलाएकीघोतणअतिषणो ॥ जवनीपुषपाछोदीयो  
 सुंपक ॥ अन्तर्गावपहोदरसणतणी ॥ तिणसुंवंधगईधां  
 रैकर्मरीरासक ॥ ९१ सती० ॥ कालकितोयकवीतांपछे  
 साधव्याआईतिणनगरमभारक ॥ तेवाणीसामलतेहनी  
 वैरागसु लोघोस यनभारक ॥ तपस्याकरीअणसणकीयो  
 आलोयाविनांएतलफेरक ॥ कौबुडोकननकुटीरै ॥ तेरे  
 पहीराहवामरसतेरक ॥ ९२ सती० ॥ सीहरयपुच्छेत

अंजनावनमाहिसंचरी ॥ लोकमाहोनाहियोलैछै एक ॥  
 अंजनांनैवाहिरकाठनै ॥ रायकीधोयतिभूडोजीकामक  
 आणदेवाहीरेघरघरै ॥ आवनहिटीधोकिणहीघरमाहि  
 क ॥ पेटनीपुतानैपरहरी ॥ रायनोअफलगईट फायक ॥  
 ८२ सती० ॥ हिवैमाताकहैरेटासीभणी ॥ अंजनांनैजो  
 वोरहिबिणहीठामक ॥ टासीकहैवनमैगई ॥ जाताजन  
 माहिचितवैआमक ॥ अंजणाउपरैनाहरो ॥ वालपणैहुं  
 तोअतिषणोरागक ॥ हिवैवनमाहिसिहादिकविणससी  
 हुमचिंतदीनैधरेदुपछपारक ॥ ८३ सती० ॥ नितभोजन  
 जीसतीरेवालया ॥ जननेगमनाच्याहोआहारक ॥ म  
 नमानेदिकरैधयो ॥ सैहरमेंनहीउजाहमैजायक ॥ अन  
 पाणीकिनपांससी ॥ जेअनजेजाण्योघरेकोईगपसीवीरक  
 हुमचितदीनेषणीचिताकरे ॥ रोवतोआप्यारोसु काढती  
 नीरव ॥ ८४ सती० ॥ हिवैयस्तमालाहुमउचरै ॥ याई  
 थारोवापकैमूढगिवारक ॥ मूरषणीमाताकैतुमतथी ॥  
 मायामेंअकलनदोसैकिगारक ॥ आगणैनहीराघीरेइक  
 वढी ॥ कककरीसुवनपूछीरेकामक ॥ याईयाहरापीहरै  
 उपरै ॥ कोईअचित्योघसकोपछेछयोवायक ॥ ८५ सती०  
 अंजणाकहैसुखसुंदरो ॥ नाहरोवापकैअतुरसुजाणक ॥  
 माताविचक्षणअतिषणी ॥ माइकैमाहरोषणावुधवांनक  
 पिणपापकैमाहरैअतिषणा ॥ तुमनमाहिमुलनरोसनआणक  
 आपाप्रवपून्यकीधानही ॥ एसछआपणैकरमारोदोस  
 क ॥ ८६ सतीरेसीरो ॥ हिवैराजाराणीकनैआहने ॥  
 दोखैसपथोएहवीषायक ॥ चितीकरोकिणकारै ॥ बेठी  
 आपाजोगीनहोछैतेहक ॥ मोटोआकार्यइणकीयो ॥ मै

रवननेछेहक ॥ ६८ सती० ॥ साहजदेईअजणांभणी ॥  
 देवताबोलैछैएहवीवायक ॥ सतीयांआहिनु निरजली ॥  
 धारागुणपूराभोसु कछानहीजायक ॥ हिअेकलकउतर  
 सीतांजरो ॥ कुसलेआवसीपवनकुमारक ॥ बलेनामीथां  
 हरोदूहाआवसी ॥ तुं नचंतरहेदूणवनहमभारक ॥ ६९  
 सती० ॥ एहवोनचनसुणीदेवतातणा ॥ वनजाहेदोनुं  
 रहेअलीहक ॥ वनफलफूलतिहागवरै ॥ जिनधर्मतणी  
 नहीलोपरैलीहक ॥ सुसवतपालैनिर्मला ॥ अहोनिमकरै  
 छैजगतणीजापक ॥ तपस्य करैअतिआकरी ॥ अंज  
 णानादेहैसचीयापापक ॥ १०० ॥ सतीरेसीरोमणिअंजणा  
 हनुअंतहुवारक ॥ १ ॥ चैदयासधूरअष्टमी ॥ पप्पनच  
 लआयोआकारक ॥ रातगगलतापोहरमे ॥ अंजणाज  
 ष्ठीयोहसुमतकुमारक ॥ असुचटालीतिअवसरै ॥ दा  
 सीमेकहैहजणाआमक ॥ लहोछवकरसीकुणएहना ॥ कट  
 कमेगयोछैआपणीस्यामक ॥ १०१ सती० ॥ आटणीरा  
 तपूनिजतणी ॥ अजणाकरधरवैठीछैदक ॥ अंचलचप  
 लसुहातणी ॥ औठांपामेधणीहरपआखंडक ॥ हरपवोला  
 येरेनायडो ॥ कुतरतणीअमेछैरुधूनीबिरुक ॥ तारातैता  
 कैरेवालुहो ॥ जागैकेचटैलेदमपेटक ॥ १०२ सती०  
 हिवैनामोअजणासतीतणी ॥ सुंसेनगजातेहनीनामक  
 देसन्तरलायनैपाकोवख्यो ॥ आकासेविजाणथनगेतिण  
 ठामक ॥ वनसाहिदोठीवैजालिका ॥ ईश्वरजगामेनैलोका  
 लीनारक ॥ जवमाजीयैअजणांउसायो ॥ नैणालेछुटोछै  
 जलतणीधारक ॥ १०३ सती० ॥ गलैलागोविन्दआरही  
 एतलैमाजोआयोततकालक ॥ अंजणाउहपिनैमिख्यो ॥

पकरी ॥ तुम्हकृपेआपलीयोअवतारक ॥ साथेपाडोसम  
 दुपसहिं ॥ तेदिनचोरीनाफलविचारक ॥ पयनजीवणसुं  
 धुधकरी ॥ पाछाअयसीनिजपरमभारक ॥ ६३ सती०  
 एसाधकधोसंतोपवा ॥ औरनहीकोईकारजलिगारक ॥  
 बीवासाधुनेनिलत्तभापणोनही ॥ एतोआगमबीहारीछंता  
 अणगारक ॥ त्यांकधोउपगाअजाणनै ॥ करदियोतिहांयो  
 उग्रविहारक ॥ भारउपंपीतणीपरें ॥ आचारपालैकैनि  
 रतीचारक ॥ ६४ सती० ॥ हिबैतिणकालनैतिणसमै ॥  
 तलेटीआयनैगूजीयोसीहका ॥ जवजीववासपांम्पोधणो ॥ घड  
 हडधूलनैपामीयावोहका ॥ तिणहीसिहतणोसवदसामख्यो  
 अंजयाभयपांम्पोतिणवारक ॥ दयदस्समालाइमउचरै  
 वाईदेवगुरुधनसमरोनवकारक ॥ ६५ सती० ॥ हिबैवस  
 तमाकाविरधेंचढी ॥ अंजयांसागारीकीवीसंधारक ॥  
 नामजपेअगनायनौ ॥ जानैरेध्यांमचढ़ाअणगारक ॥ चिं  
 छंगतिजीवषमावति ॥ ध्यारैसरणाचिंतवैचितमभारक  
 कहैकीहरीछुठोकावाहरै ॥ पिणमाहरोधरमनलेवेलिगा  
 रक ॥ ६६ सती० ॥ कहैवस्तमालाकाइमउचरै ॥ कहै  
 अंजयांसाहासतीकैनरधारक ॥ मोटेरिसवदहिलाकरै ॥  
 कोईदेवदेवीआवोइणवारक ॥ कोईसजनहोवैअंजयात  
 तणो ॥ तेपिणबिगसुआवख्योधायक ॥ संपसर्गपनोअति  
 धणो ॥ वसतमाखावोकोएहवीवायक ॥ ६७ सती० ॥ ति  
 पयनमाहिअंतरजघरहिं ॥ सेवारजीजनतणोरूपवाक ॥  
 तेजजहैजजणीभणी ॥ आपणैसरणैआवीदीयवाक ॥  
 तिणसुंरक्षाकरांआमाएहनी ॥ इमचितवीसाहूकोएप  
 कीयोतेहव ॥ तिणसाहूलासीहनैगामवी ॥ काढ़दीयोह

रवननेछेहक ॥ ६८ सती० ॥ साहजदेरेअंजणाभणी ॥  
 देवताधोछेछेएहवीवायक ॥ सतीयांमाजितुंनिरजली ॥  
 धारागुणपूराजोसु कछानहीजायक ॥ हिउँकलकउतर  
 सीताहरो ॥ कुसलोआवसीपवनकुमारक ॥ बलेनामोथां  
 हरोदूहाआवसी ॥ तुं नखंतरहेदूगवनहमभारक ॥ ६९  
 सती० ॥ एहवोवचनसुणीदेवतातणा ॥ वनजाहैदोसुं  
 रहेअलीहक ॥ वनफलफूलतिहाशवरै ॥ जिनधर्मतणी  
 नहीलोपरैलीहक ॥ सुसवतपाखैनिमला ॥ सहोनिमकरै  
 छैजिरातणीजापक ॥ तपस्य करैअतिआकरी ॥ अज  
 णानाटैछैसचीयापापक ॥ १०० ॥ सतीरेसौरोमणिअजणा  
 हसुतकुवारक ॥ १ ॥ चैदसासधूरअष्टमी ॥ पप्पनच  
 वआयोआकारक ॥ रातगराख तापीहरमै ॥ अंजणांज  
 ओयोहसुमत्कुमारक ॥ असुचटालीतिणअवसरै ॥ दा  
 सीनेकहैअजणाआमक ॥ अहोछवकरसीकुणएहना ॥ कट  
 कमेंगयोछैआपणोस्यामक ॥ १०१ सती० ॥ चाटणीरा  
 तपूनिप्रतणी ॥ अजणांकरधरवैठीछैदक ॥ चचलचप  
 लसुछानयो ॥ टौठांपामेंधणोहरपद्यादक ॥ हरपवोला  
 थेरेनाथहो ॥ कुतरतणीअजहैलडूलीबेसक ॥ तारानैता  
 करैवासुहो ॥ जाणैकेवटरेलेदमपेटक ॥ १०२ सती०  
 हिवैजामोअजणासतीतणी ॥ सुंसीनराजातेहनीनांजक  
 देसत्तरजायनैपाकोवख्यो ॥ आकासेविजाणयन्गेतिण  
 ठामक ॥ वमसाहिटीठोवेजालिका ॥ ईश्वरअणानीनैजोक  
 सीनारक ॥ अवमांजीयैअजणांउसथो ॥ नैणायेछूटोछै  
 जलतणीधारक ॥ १०३ सती० ॥ गलैलागोविन्दआरहो  
 एतसैमाजोआयोततकालक ॥ अंजणासुखपिनैमिल्यो ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अजगारो वै सैश्याम डारालक ॥ डीलसुं अलगी मयेनही ॥  
 बाजकणिअगलैविलगोछैताश्चि ॥ अग्रपोगानैवैसाणी  
 धीरपै ॥ धार्इहिउपुरसु तुमतगोश्यामक ॥ १०४ सती०  
 हिवैअंजणाकनैमानाभगी ॥ मायेश्यायोनाहरंअणज  
 तोआलक ॥ तिणसुंसासराथोकाढीमोभगे ॥ पीडरमे  
 किणहीनहीकीधीसभालक ॥ यस्तेश्यागदेशाडीगायधरधरे  
 तिणकारगेआईडवनइमभारक ॥ नामाजीपापमेतैव  
 यो ॥ कुरणांनकिधोमांइगीकिणहीलगारक ॥ १०५ स०  
 द्विवैवैसविमांणमैसचर्या ॥ अजगारैपोलेकेहगुमंतडुका  
 रक ॥ दंठोतिणमोत्यारोआजयो ॥ कूटीनैषंचलदीधीकै  
 फालक ॥ तोहीमोत्यालहभुयेंपहो ॥ अजणांसुरछापामी  
 तिणवारक ॥ तवमांमोलेइपुचभगी ॥ आंणमेल्याअंजणा  
 हीयैपासक ॥ १०६ सती० ॥ बांइभाखीवैठोवारी ॥ आ  
 मोषोषैतिहावोखरसालक ॥ कवैदेसप्रदेसमैडफिररो ॥  
 पिणएहवोकठेहीनदेयोवालक ॥ एहआचनकैअज  
 यांभयो ॥ आयोकैहणुपाटणअभारक ॥ करेमहोछवअ  
 तिषयो ॥ नाजटीयोहणुमक्तकुमारक ॥ १०७ सती० ॥  
 अजयाहणअतईहारहै ॥ पयनजीपइताकैकंकापूरीआ  
 यक ॥ तिहारावणराजासु सुजरोकीयो ॥ अवरगवणवीले  
 छैएहवीवायक ॥ पयनजीआदराजाभगी ॥ येमिप्रमुरोआ  
 यकरोमैछांयक ॥ वरणराजनेहठायनै ॥ वरतायजोति  
 ह मांइरीआंयक ॥ १०८ सती ॥ हिवैमिषपूरीदलसच  
 री ॥ साइआवरसैतिहावाचनामिइक ॥ पिणपवनजोप  
 गमहीआतरै ॥ आहीमांइअसुप्यसुवाधयांतिहक ॥ वर  
 सदिवसविचहोरहो ॥ पळेमांहीमांमैमिलकीयोताहिक

आगवराईरावणतणी ॥ पवनजो हरपपाम्ये मनलाहि  
 क ॥ १०६ सत ॥ हिबेकाटकआयोरेलंकाभणी ॥ रा  
 जारावणनकीये जूहागक ॥ जपरावणवस्त्रवागाआपीया  
 वलेआप्याकैसीभताषणांसिगमारक ॥ कीयकदिनतिहां  
 रापीया ॥ पहेरावणसीपट्टीभीतिगवारक ॥ पवनजोआ  
 दराजाभणी ॥ तेआयोकैनिजनगरजभाकरक ॥ ११० स०  
 पवनजोकुसलेघरआवाया ॥ पातपितातणैलागाकैपायक  
 जेनलेजाताभोजनकरै ॥ तेतलैचंजणानैघरजायक ॥ सु  
 नामैहलनेमालीयादेपीया ॥ कूरलैकैतिहाअतिषणांकाग  
 क ॥ पूरववीतीवातकानासुणी ॥ जरपवनरेलागोकैअ  
 तिषणीआगक ॥ १११ सती ॥ हिबैपवनजोतिहायो  
 नीकल्या ॥ मातापिणआईलारे तेणवारक ॥ बाहभासी  
 पवननैदूजकहै ॥ हिबडातोजीप्रोच्यानं होआहारक ॥  
 उंबडनैआंणरगावसुं ॥ पवनजोसांहजोनेकोधरेतांजक  
 बांहछोडायमाताकनै ॥ गयकैराजामहिदनैगामक ॥  
 ११२ स० ॥ हिबेमातागोवैमुपढांकनै ॥ काम वनासेन  
 हैकीधोरेएक ॥ दलभणीजननहोलीकल्यो ॥ अजणां  
 नेनहीरापीरेगेक ॥ काचीरेबुधनारीतणी ॥ केतुप्रतो  
 राणीचितवेएमक ॥ धिगरमुझजीवतभणी ॥ जैपापणी  
 कीधोअतिबूडोरेकाजक ॥ ११३ सती ॥ हिबेपवनजी  
 फहैलचीभणी ॥ हांसासुसुसनासुंकिमकरू प्रणांमक ॥  
 नाहरीमातानेप्राभवी ॥ तिगसु सुसरनैगईजाणीमानन  
 हिबेचंचोडोसुरेकिमशीलस ॥ हिलसिलनेवातकरू का  
 केमक ॥ वलेअंजणाराणीलोउपरै ॥ किणविधधरेलीहर  
 पनेप्रेलक ॥ ११४ स० ॥ अंदीकधैगुणीहुजरजी ॥ आ



पतोपयायास्यकपकारक ॥ चारु सुंकाठीयंअनाभगी  
 आपरीदासन्तोछेतिगायक ॥ गन्धहेपवनकुजरभगी  
 चाकरभेती योगगरभाका ॥ कहेपवनजीआणपधारी  
 या ॥ छयराजानेपोकरेनरुं ताअपारक ॥ ११५ स०  
 कलिन्कभेहुंरपाणीयो ॥ जेदुष्टकारजकीधोरेजाण  
 क ॥ हाजिउ कोहरा हादणी ॥ पिणराजोनहीकोईच  
 तंरतुजांयक ॥ चेदादलीष छनवालीकहे ॥ तीनाहराम  
 नरोउतरसीरोरज ॥ नरकनीयागोर्जधापीयो ॥ हिबेदु  
 एकर्माथीकी-छगीरक ॥ ११६ सती० ॥ पवनजीआणप  
 धारीतो माभखरार रोहरपष हीभालक ॥ पेटकटेदोन्  
 हायम् ॥ उदरआधानकिछार ईयालक ॥ मनमाईदुपवे  
 देवयो ॥ जांयैकोईजोनसुंजागकैवायक ॥ अंठगानीदु  
 पवेदैघयो ॥ तिमरयोलेकैरीदतीयायक ॥ ११७ सती०  
 साथैसिन्याजेईचतु रगयो ॥ दुरुरीठवाईनेसाहमोजी  
 जायक ॥ बाहयसानीदोन्निजा ॥ टोनारेदुपवयोघट  
 माहिक ॥ छयपवनजीकहेराजामयो ॥ तुमसुचीनैकाठी  
 कैहमतथे मायक ॥ एदीसनहोजलमाहरो ॥ लवराजा  
 सुंपाकीवीण्योनहाजायक ॥ ११८ सती० ॥ हिबेपवन  
 जीनेनिजवरआणजै करदन्करनेकीधरीनाक ॥ बले  
 घोवाचदनचरधीया ॥ गैहयावस्तुपरीयाप्रधानक ॥  
 पछेभोजनर अपचायै ॥ पछसीयाभोजनधिवधपकवानक  
 पीणपवनजीकओभरेनही ॥ अणयाउपरसागरछोषत  
 रष्यानक ॥ ११९ सती० ॥ पिणपवनजोमनमाहैचितवै  
 सोपुछगायीछवैतोयधार्जीघायक ॥ वस्तमाखापिणटीसे  
 नहो ॥ एकविचारकरेअनसाहिक । अंठगारीमोतिया

अथसुरै ॥ चितामनमैकरेजीअपारक ॥ कहैहुं पापणीतो  
 मोटकी ॥ मेअंजणाने नरापीरेवरहमभारक ॥ १२० स०  
 द्विवैसासानीसुतारेनाहनडि ॥ तिणनेपवनजीकिधीछै  
 पोक्षमभारक । कहैथारी भूषाजीस्वकरै ॥ तिरुदनकरीने  
 बोलीतिणवारक ॥ मातपितानेवंधवसह ॥ -सगसार्दकी  
 घोछैकर्मचंडालक ॥ आंगणनरापीअदिषडि ॥ कलंकसु  
 णोनेकाढीततकाजक ॥ १२१ सती० ॥ एहवाचचनसुणी  
 वालकतया ॥ पवनजीदूरफेकदीघोछैघालक ॥ महेन्द्ररा  
 यपगामेआयपझौ ॥ तवमंचीकहेतूतोभूरखवालक ॥ कलंक  
 कसुधीकीधिनही ॥ विगरविचारआकाढीरेवालक ॥ अक  
 लमएछैइछैताहरी ॥ कटुकवचणकआतिणवारका ॥ १२२  
 सती० ॥ द्विवैप्रहस्तमंचीकहेपवमने । बोलेछैसुधधकीएह  
 यौवायक ॥ उठोस्वामिकिमविसीरह्या ॥ अंजणानीपवउक  
 रावेगाजायक ॥ मूइछैकेअययाजीवती ॥ सुपदुखमोगवै  
 छैकिणठामक ॥ एहवाचचनसुणीमंचीतया ॥ अंजणाने  
 दूखुजीवावाल्याछैतामक ॥ १२३ सती० ॥ जवमहिन्दर  
 राजापिणसाथेहुवो ॥ वलेपहसादरायआयोतिलेसायक  
 वलेमातापणआइछैरोवती ॥ सांभसपुनएकमाइरीबा  
 तक ॥ अन्हपवरकरास्यांअंजणातणी ॥ थेतोजावोनिजन  
 गरमभारक ॥ नारोकाजसाजछोडोमती ॥ पवणजीनही  
 मानोवातलिगारक ॥ १२४ सती० ॥ तवअनेकविमाण  
 चक्षावीया ॥ वलेसूरमापुरुषफेरआसवागक ॥ ठामठांम  
 जोवैअंजणाभणी ॥ सुपसुबोलेछैप्रवणकुमारक ॥ जोसती  
 जामैतीजीवसु ॥ नहीतोअकालेकरदेसुजीकालक ॥ देस  
 परदेसफीरतायका ॥ अंजणासुणीछैनिजमोसाजक ॥

१२५ ॥ जवपवणजीचाण्याआगलै ॥ पाहैआवैजीसगलो  
 जीसायक ॥ जववसन्तमासायेपवनजीमेउत्तयो ॥ कहे  
 अणामैआवैहैतुमतणोनीयक ॥ जवअंजबाआयपा  
 यपडि ॥ पोलासेवेसाखोहणवंतकुमारक ॥ १२६ सती०  
 वसंतमालाआयपाएपडि ॥ होमासुभिडिहैपवनकुमा  
 रक ॥ कहोप्रियादुपतुमकिमसज्जा ॥ किमसहोमा  
 हेरिमायनीमारक ॥ किमकरीधनफलबीशिया ॥ किम  
 केरीरहीवनहमभारक ॥ - किमकरीकालगमावियो ॥  
 किमकरीपाल्योहणवंतकुमारक ॥ १२७ ॥ सती० ॥  
 होमाजीआपकटकमेपधारीया ॥ सासरैपीहरहानि  
 दोयोजीछेहक ॥ तिणसुतोमैवनमैगई ॥ वनफल  
 मध्यनैकाढीयादोहक ॥ तिहामोटासुनिवरभेटोया ॥  
 वल्लेदेवताकीधीछेहमतणोसारक ॥ रतदिवसघरमपा  
 लतां ॥ मामोलेहैआयोईणनगरमभारक ॥ १२८ सती०  
 वल्लेवसन्तमासाआनेअंजणा ॥ पवननेधोलैहैजीमधूरीवा  
 यक ॥ आपकीमकटकमेसचरान ॥ किमसहोराजावरण  
 नावाणक ॥ जवपवणकुमारसज्जिहै ॥ मैवरणराजासु  
 कीयोनुहतेयक ॥ जवधावलागतिसाआहुवा ॥ जोतफते  
 करआयोछुएयक ॥ १२९ सती० ॥ द्विअंजणासतीति  
 णअवसरै ॥ सासुसुसरानेछागीजीपायक ॥ जवसुसरो  
 आयाआसुसरै ॥ मैकलंकदेइनेकीधीजीअन्यायक ॥ अं  
 जणापावेममीकहै ॥ वापजीकेमकरोछोबिलापक ॥ दोसम  
 हीछेहैतुमतणो ॥ पोतैहैमोहरावोहलापापक ॥ १३० स०  
 वल्लेमोतापितासु जायमिखी ॥ भाईभोणांयांसु अतिवयो  
 नेहक ॥ मातपितातिरोवैषणा ॥ अंजणामातपितानेकहैहै

तेहक ॥ येचिंतां करो किं करणै ॥ पोनेहूजीमाहरैवोह  
 लोपीपक ॥ ३० सतीने ॥ तिणकरणमेदुखभोगव्या ॥  
 मूलनकरजोकोदुसंतापक ॥ १११ स० ॥ हिवैहयूपाटण  
 चोलीयो ॥ अंजणानैमामैआपीषणीआयक ॥ सायैआ  
 योपहुचायवो ॥ चतुरगणीसीनाखईसायक ॥ सायैतोप  
 रजोअतिषणी ॥ रतनपुरोआयामोटैमंढाणक ॥ उंछरंग  
 मनजाहेअतिषणी ॥ घरघरघरत्याहूकोडकल्याणक ॥  
 ११२ सती ॥ हिवसीखदेईमामाभणी ॥ अंजणासतीने  
 पवनकुमारक ॥ सुखभोगवैसंसारना ॥ माहोमाहिलगी  
 रंहीप्रोतिअंपारक ॥ कालंकितोकगयापछी ॥ राजारा  
 णोघारोअण्योसंसारक ॥ राजदेईपवनजीभणी ॥ मोटै  
 मंढाणलीधोसंजमभारक ॥ ११३ सती ॥ पवणनरिद  
 रायभोगवै ॥ अंजणारांणीसुहेतविसिपक ॥ हणवंतकुमार  
 विद्याभरणै ॥ वानरीआदिविद्याभणीअनेकक ॥ चतुरविध  
 क्षणअतिषणी ॥ देसविपरदेसमिहुवोणीविप्यातक ॥ वसं  
 तमोलोरोमानवधारीयो ॥ सगलाईपुछेकरेतेहनेवातक  
 ११४ सती ॥ हिववरुणराजोतिणआवसरै ॥ आपणा  
 पुवानेजांणीसंजोरक ॥ मर्ममाहिधरेअंतिअभिमानक ॥  
 तिणसुकोमणीदूतभोकल्यो ॥ जोथरैमुहकरवातयोभा  
 वक ॥ तोवोनासुमटदेसमोकलो ॥ तुम्हेएकरसुजोवेसुभ  
 आयक ॥ ११५ सती ॥ रावणसीनामेखीषणी ॥ एकते  
 होमेल्योरतनपुरीमाहिक ॥ जवपवणरायजायानेसज  
 ऊवा ॥ जवहणवंतकुमारवोसैएहवोवायक ॥ कछैकटक  
 माहिकजायसु ॥ जवअंजणापवणजीकहैछैआभक ॥ उपतू  
 अंजेवोसुकअछै ॥ कटकमाहैनहीतोहरोकामक ॥ ११६



धनरीविद्यानैमेलदेहरक ॥ पळेजीतपामजेरणविपै ॥ तो  
 हंकाणूतोनेजोढकोसूरक ॥ अवहणवंतविद्यामेलीवांनरो  
 मूलगोरूपकरीमेलैकैवाणक ॥ अववरणराजाइमभितवै  
 एवालकदीसैकैसाहावलवांनक ॥ १४२ सती० ॥ हिवैहह  
 कीनैवरणराजाउठोयो ॥ हणवंतकुमारसुसाडीकैराडक  
 दोनूकणाहायचालवै ॥ तिहासुटनावाजिरछापरहारक  
 रावणराजातिणअवसरै ॥ हणवंतनेउपरकौयोहाथक ॥  
 अवहणवंतवरणराजाभणी ॥ बांधीनैनापदीयोरणमा  
 हिक ॥ १४३ सती० ॥ हणवंतबंधणतोडुताहरा ॥ जोरा  
 वणराजारेलागेतुपायक ॥ अववरणकहैवितरागतेविना  
 ओररापायवांदुनहोजायक ॥ चारिपलेनोआहरै ॥ तव  
 हणवंतबंधणतोडियातांमक । वरणलीयोचारिचवैरागसुं  
 तिणरापुपनेराजदोबोरावणरायक ॥ १४४ सती० ॥ रा  
 वणहणवंतनैप्रसंसोयो ॥ तूसूरवणोथारीलपुजीविशक ।  
 तेंकोटाराजानैहठावीयो ॥ रौम्कदेईआयोसकनरिसक ॥  
 परणाइमाणेजीआपणो ॥ सीपदेईसनमांसतकारक  
 वलेहणवतमीटाराजातणि ॥ सुपवंतपरएकहजावक ॥  
 १४५ सती० ॥ पवननरिदराजभोगवै ॥ मानेतीराखीअं  
 जणानारिक ॥ वसन्तमासासुहेतअतिषणो ॥ वलैमान  
 तोकैहणवंतकुमारक ॥ तेंसंसारनासुप्रभोगवै ॥ हणवंत  
 कुमारसहसनारप्रासहितक ॥ रतनभडितमहिलांममौ  
 दाहोमाहिलगीरहीअतिप्रीतक ॥ १४६ सती० ॥ हिव  
 कालकीतोकरयापकै ॥ अजयाचिंतवैचितसभारक ॥  
 परमांतैराजानेपूछने ॥ लेणोसिरोमणसंजममारक ॥ इ  
 मचितवधार्इराजाकनै ॥ हाथजोडीवोलीसिसनमायक



श्री नमः

॥ सिद्धाय लिख्यते ॥



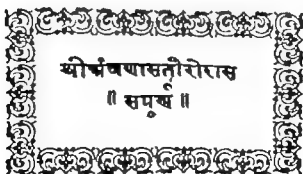
( ठाक ) जगदारेनंदनगुणनिलोरे ( एदेशी ) कायारेमा  
याकारमोरे ॥ संध्यारंगसमान ॥ धिनदूकर्मपिरजायगारे  
अंजलीजलजिमजानोरे ॥ १ ॥ धरमसदाधरो ॥ धरमते  
उतरेपाररे ॥ धरमसदाकरो ( चाकणी ) जिमपंछोतर  
निसवसे रे ॥ प्रातसविउद्धिजाय ॥ तिमएजीवकायाविधेरे  
धितपूरेनरहायरे ॥ २ ॥ घ० ॥ जीवदयागुणवेलङ्गीरे ॥  
तेतुमधारोचित ॥ असतवचननत्रिमापियरे वोसजधारथ  
नितरे ॥ ३ ॥ घ० ॥ धिनदीयैनविलीजियरे ॥ कचनचि  
यनिजहाथ ॥ पंचविपैसुपत्यागीयेरे ॥ तोपावैशिवनाथोरे  
४ ॥ घ० ॥ परिग्रहममतासवितनोरे ॥ समताकरसुप्र  
होय ॥ इहसिध्याचेतनवदेरे ॥ मतविसरोनरकोयरे ॥ ५  
घ० ॥ इति सिद्धाय ॥

( ठाक ) अयवंताकी ( देशी ) पाखीउदरसुंअवतर  
नरप्राणीरे ॥ जावैपाखीचाप ॥ सुनज्ञानीरे ॥ भूलोमत  
संसारमे ॥ न० ॥ मतकरजोकोरूपाप ॥ सु० ॥ १ ॥ जीव  
दयागुणवेलङ्गी न० ॥ धरजोचितमकार ॥ सु० ॥ पट  
कायाप्रतिपालियै ॥ न० ॥ पंचमहाव्रतधार ॥ २ सु० ॥  
क्रोधमानसायातजो ॥ न० ॥ लोभनकीजैलिंगार ॥ सु० ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीशंभुनागतीरोरास ॥

आग्यादोस्वामीजीमोभणी ॥ चारित्रलेईदेउकरमपपावक  
१४७ सती० ॥ जवरायकईअजणाभणी ॥ कोइकदिगर  
होरांशीघरहमभारक ॥ हियणापुनयालकअहै ॥ पछे  
साथैलेस्याआपांसंजमभारक ॥ तवअंजणाहातजोडिने  
दूमकहै ॥ मोनैकालयिस्वासनहोलगारक ॥ तिसकारण  
दिघालेसु,सही ॥ जवरानापिणसाथैऊबोहैतयारक ॥  
१४८ सती० ॥ हिवैहणवंतकुमरनेतेहने ॥ पवनजीवो  
लैहैएइयोवायक ॥ अम्हेचारित्रलेसुवयरगसुं ॥ जब  
वंतकुमररोयोषणीतायक ॥ पछैराजवेसारपौमोटेमंडाब  
सु ॥ वसन्तमालाअंजणापवनजीरायक ॥ आग्यालेईइह  
वंतकुमरनी ॥ तीनुंहीलिघोसंजमसुपदायक ॥ १४९ स०  
मासमासधमणकीयोपारणी ॥ सरीरसुपायदुरवलकरी  
कायक ॥ तीनारौनसाभाणदीसैजूजूई ॥ हल्यांहावाल्यां  
घखीविदनाघायक ॥ तीरुजनावेरागसुं ॥ व्यासंआहार  
पचखीकीघोसंधारक ॥ केवलग्यानउपायनै ॥ कर्मतोडि  
गयासुक्लिमभारक ॥ १५० सतीनैसिरोमणअंजणाजी ॥  
अंधाग्र १००० ॥ इति ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीशंभुनागतीरोरास ॥

॥ सिद्ध्याय लिख्यते ॥

शिक्षण

( ढासु ) षगदरिनंदनगुणनिलोरे ( ५५ )

याकारमौरे ॥ संव्यारंगसमान ॥

अंजलीमस्तुभिमजानोरे ॥ १ ॥ इत्यम्

उतरेपाररे ॥ धरमसदाकगे (—) —————

निस्रवसे रे ॥ प्रातःसविच्छिन्ना

धितपूरेनरहायरे ॥ २॥ घ

तेतुमधारोचिस्त ॥ असत्ताद

नित्तरे ॥ ३ ॥ घ० ॥ १

शनिजहाय ॥ पंचवि

४ ॥ घ० ॥ परि

होय ॥ इति

घ० ॥ इति

॥ ३ ॥

प्राप्तं विद्योयकि । मन्त्रकर्मसौम्यि

नमः शिवाय ॥ नमस्कृत्य गोविन्दो

आदिर्कोय ॥ न० ५ ॥

॥ चेतनतासुख

इति सिद्ध्यति ॥

—五五五五五五五五

---

अदत्तादानचोरीतजो ॥ न० ॥ परिहरोविषयविकार ॥  
 सु० ३ ॥ परिज्ञाहयगताष्टोदके ॥ न० ॥ समतासुंकरप्रोत  
 सु० ॥ मोहनकीऐदेशको ॥ न० ॥ साधनकी ईङ्गरीत  
 ४ ॥ इन्द्रदुषारकरनीकरे ॥ न० ॥ धनधनतीअगगार । सु०  
 चेतनतासुदहोयकी ॥ न० ॥ पायभयनापार ॥ सु० ॥ ५ ॥

॥ इति सिद्धाय ॥

( ढाल ) नणदत्तनोदेगो) गिरवागुनगुग्देवनो ॥ गुरुस  
 मअयरनकोय ॥ साहिव ॥ मूरपकुं पंडितकारे ॥ गुरुकिर  
 पोसबहोयसाहिव ॥ १ गि० ॥ गुरुदीवोगुरुदेयता ॥ गुरु  
 सुं पावैज्ञानसाहिव । अहनिसगुरुपदसेवीयै । जगमेंवाषे  
 यान ॥ साहिव ॥ २ ॥ गि० ॥ गुरुधिनधरमनसूक्तो ॥ गुरु  
 यतावैधर्म ॥ सा० ॥ जीवाजीयविचारना ॥ गुरुसु पावैधर्म  
 सा० ३ ॥ गि० ॥ सूत्रअरघसिदांतनो ॥ आवैगुरुपरसाद  
 सा० ॥ गीतारथसवजनकहै ॥ नकरेवादविवाद ॥ सा० ४  
 गि० ॥ अवगुनपरिहरगुनग्रहो ॥ सुगुरुसीपसनसाव ॥  
 सा० ॥ बलहारीगुरुदेवकी ॥ चेतनसागेपाय ॥ सा० ५ ॥  
 ॥ गि० ॥ इति सिद्धाय ॥

( ढाल ) बखितपुरन० ( एदेशी ) घटकेपटवोलीमाणी ॥  
 मतविसरीगुरुकीवाणी ॥ घरघरमतहोकोआई ॥ मिजआ  
 तमसुं परखेलाई ॥ १ ॥ हुंममेंहैतीराय्यारा ॥ हुंमतजाने  
 कहुंन्यारा ॥ ज्ञानदृष्टसुदिलदेखो ॥ आपमेंआपसदा  
 पेखो ॥ २ ॥ परमंगतकोछोड़ोमाया ॥ फिरनहिपावैमसुं  
 पाकाया ॥ मातपितासुतमिजदारा ॥ सबहैखारबकोपरि  
 वारा ॥ ३ ॥ धनजोवनधिरनाहिरहै ॥ निमकरअंजुकी  
 नीरवहै ॥ बइतेअलकरधोलीजै ॥ गिरवागुरुकीसीवाकी

जै ॥ ३ ॥ तपजपकीमहिमाभारी ॥ मतविसरोकोद्वनर  
नारी ॥ आतमसिध्याजोजनगावै ॥ सुवचेतनाअविचल  
पावै ॥ ५ ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल) जगजोवनजगजालहो ( एदेशी ) नारीनेहनि  
वारियै ॥ भारीमकीजैकर्मलालरे ॥ चित्तचोषिततपालियै  
सीलसमोनहिधर्मलालरे ॥ १ ना० ॥ अपलंकनअयगुन  
भरी ॥ अगुचअपावनदेहलालरे ॥ भूलनकीजैप्रीतहो ॥ जो  
चाहेसबगेहलालरे ॥ २ । ना० ॥ दानसीयलतपभायना  
मारगसक्तकेच्यारलालरे । तीधरज्योचितआपने । पावोभव  
नोपार ॥ लालरे ॥ ३ ना० ॥ तनधनजोवनकारिमा ॥ पिरतन  
लागेवार ॥ लालरे ॥ जिमअंजुलिजलधिरनही ॥ तिमरमणी  
कोधारलालरे ॥ ४ ॥ ना० ॥ जोचाहेसुपसाखता ॥ तोम  
ततजियैसील ॥ लालरे ॥ चेतनतासुद्धकीजियै ॥ पावैअ  
विचललोखलालरे ॥ ५ ना० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल) करमनछूटेरेप्राणिया ( एदेशी ) चंचलचितव  
सकीजियै ॥ धिरमनकीजैरेध्यान ॥ निजघटकेपटपोलियै  
उपजैकेवलज्ञान ॥ तूमतचूकेरेप्राणिया ॥ एसंसारअसार  
मातपितासुतनंधवा ॥ स्वारथकीपरिवार ॥ तूम० १ ॥ तन  
धनजोवनकारिमा । सन्धारंगसमान ॥ दिनइकमेपिरजाय  
गा ॥ घृष्ठांधवलारेजान ॥ तूम० २ ॥ बालातरुणारिइहमे  
तूमहिचेतैरेआप । तीणोपणतूरेजोयके । बडुकरसीपच्छि  
ताप ॥ तूम० ४ ॥ हसिहसिकरमनवाधियै ॥ नहिंछूटेगोरिरो  
य ॥ आपकियाफलपावसी ॥ अवरनवाटेरेकोय ॥ तूम० ५ ॥  
जोसुपचाहेरेआतमा तोसमतागुनधार ॥ चेतनतासुध  
होयके ॥ आलेसकतमकार ॥ तूम० ६ ॥ इति सिद्धाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ढाल ) अ जितजिनं टसुं प्रीतही ( एदीगी ) छोड़िये बाण  
विकारको । मतकर जो होइ दुंदी को सुख किं । विषयन सुं बरा  
चिया ॥ तै पावै होइ दुरगत नो दुख किं ॥ १ छो० ॥ सीखसु  
णामानवी ॥ जिहां जावै हो पावै हो पावै आनंद किं ॥ इह भव  
परभव सुपल है ॥ जिन मे ग्या हो कर मो कि फट किं ॥ २ ॥ छो०  
मदन बलो जग जानियै । तिन्है जीतो हो ममता करि दूर किं ॥  
समता सुं करि प्रीत ही ॥ मन गमता हो पावै सुप पूर किं ॥ ३  
छो० ॥ तन धन जोवन धिर न ही ॥ मत भूलो हो प्राणी संसा  
र किं ॥ इह सुप जानो कारि सा ॥ फिर ना ही हो मान बच  
तार किं ॥ ४ ॥ छो० ॥ जो नहि चेतै आप को ॥ वे पावै हो अप  
नो सविकांज किं ॥ चेतनता सुध की जियै ॥ तव पावै हो अवि  
चक्षु सिवराज किं ॥ ५ ॥ छो० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल० ( जी हो की देशी ) जी हो जग में जस कर लीजिये  
जी हो पी जै समतानीर ॥ जी हो माया ममता परिहरो ॥ जी  
हो मन मे रायो धीर ॥ भविक जन ॥ धरम सयक सुपकार ॥ १  
जी हो पा लो मन बच काय सुं ॥ जी हो टालो विषय विकार ॥ २  
म० ॥ जी हो जीव दया मित पा लियै ॥ जी हो सुख मया दर जान  
जी हो असत बचन न ही मोखियै ॥ जी हो मत ले अदसा दान  
३ ॥ म० ॥ जी हो मै धुन परिय रह परिहरो ॥ जी हो राभी भोज  
न टार ॥ जी हो तप जप सयम की जियै ॥ जी हो पावै भवनो पार  
४ ॥ म० ॥ जी हो चेतनता सुध होय कि ॥ जी हो पऊ चै अवि  
चक्षु थाग ॥ जी हो इह सिद्धा जो मन धरै ॥ जी हो पावै अनु  
भव ज्ञान ॥ ५ ॥ म० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ( ललना की देशी ) झुठ बचन न विमोखियै ॥ झुठ  
में दोष अपार ललना ॥ झुठे को आदर न ही ॥ साचा चतरे

पारललना ॥ १ ॥ भू० ॥ जिहाजावैनरभूठडा ॥ पावैवज्ज  
अपमानललना ॥ बोलयथारथबोलियै ॥ तोहोवैकल्यानल  
लना ॥ २ ॥ भू० ॥ क्रोधमानमायाकरै ॥ भूठालोभीहोयल  
लना ॥ तेहनोअपजसलोकमें ॥ तेजानेसऊकोयललना ॥  
३ ॥ भू० ॥ इहभवपरभवसुपनही ॥ भूठानुरगतजायललना  
मिथपारिहरप्राणिया ॥ सुपपावैअधिकायललना ॥ ४ ॥ भू०  
सुरनरइंद्रसेवाकरै ॥ जगमेबाधेनामललना ॥ चेतनतासु  
धकोजियै ॥ पावैअविचलधामललना ॥ ५ ॥ भू० ॥ इति  
सिद्धाय ॥

ढाल) भोलडाहंसाविषयनराचीइं (एदेशी) नरतुम  
समझोआपाआपमें । परसङ्गतकरदूर ॥ निजघटदेपोसुधे  
आतमा ॥ उपजेसुपभरपूर ॥ १ ॥ न० ॥ आदिअनादिनि  
गोदेकीवडा ॥ भभियोकालअनत । पुरवपुन्यउदेमानवभ  
यो ॥ चूकैमतगुनवंत ॥ २ ॥ न० ॥ तनधनयोवनसऊसुपका  
रिजा ॥ तूनिहचैमनजान ॥ परमातमसुंरापोप्रीतडी ॥ जो  
तूहोयसुजान ॥ ३ ॥ न० ॥ अवतुमपावैआपसरूपको ॥ तीनों  
वेदमिठाय ॥ असुभवसुखतुमपावैसाखता ॥ वसिकरिमन  
वचकाय ॥ ४ ॥ न० ॥ फिरनहिजगमेंआवैप्राणिया ॥ भवभव  
केदुपजाय ॥ अविचलपदपावैसुखचेतना । अन्तरध्यानल  
गाय ॥ ५ ॥ न० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल) आपाडमूतअणगारजीरे (एदेशी) टेकनछो  
होउन्यकोरे ॥ निरयोआपसरूपरे (चतुरनर) परसंगतनहि  
कीजियैहोला ॥ निजघटकेपटपोलियैरे ॥ देपोअगजअनु  
परि ॥ चतुरनर) परमपुरुषपरमातमाहोला ॥ १ ॥ पचम  
हावतआदरीरे । पालोनिरतीचाररे ॥ च० ॥ जीवदयाचि

ॐ नमः शिवाय

ॐ नमः शिवाय

तधारियै होलास ॥ असतवचननविबोसिअरे ॥ कामेदीप  
 अपाररे ॥ च० ॥ अटसादानभोगीतभोगेलास ॥ २ ॥  
 विषयविकारकुंभीतिरै ॥ पंचइंद्रीवसआनरे ॥ च० ॥ प  
 रिग्रहममताछोडियै होलास ॥ पंचसुमतमनमंधगेरे ॥ ती  
 नगुपततूजानरे ॥ च० ॥ अष्टप्रवचनमातामलीहोलास  
 ३ ॥ तपधपसंयमसाधनारे ॥ कीजैमनवचनकायरे ॥ च०  
 सुखहोयनिजआतमाहीलास ॥ पावेसिवरुपसासतारे  
 भवभवकेदुपजायरे ॥ च० ॥ आनदमंगलरुपजेहोलास  
 ४ ॥ इहसिध्यानरमानियैरे ॥ सदगुरुकहिसजभायरे ॥ च०  
 चेतनतासुखकीजियै होलास ॥ धरमकरोनरनारियारे ॥  
 दुपसंकटसविजायरे ॥ च० ॥ सुपसंप्रतिविक्षसैसदाही  
 लास ॥ इति सिद्धाय ॥

टास ) सनेहिकीदेशी ) ठीकरपोमनआपनो ॥ चंचल  
 चित्तनिवार ॥ सनेही ॥ ध्यानकरोनिजआतमा ॥ एक  
 सरूपविचार ॥ सनेही ॥ १ ठी० ॥ बीजीदुविधाछोडियै  
 तीनोधरमसमास ॥ आरकपायनेपरिहरो ॥ पांचविषय  
 सुषटास ॥ २ ॥ ठी० ॥ घटकायाप्रतिपाक्षियै ॥ सुखम  
 वादरजान ॥ स० ॥ सातविसनकोत्यागियै ॥ जगमेंबाधि  
 वान ॥ स० ॥ ३ ॥ ठी० ॥ आठोमदनविरापियै ॥ काम  
 दीपअपार ॥ नवजेंसीयलसुखामयो ॥ तीपासोनरनार ॥  
 स० ॥ ४ ॥ ठी० ॥ दसमोघर्मसदाधरो ॥ साधनकीइह  
 रीत ॥ चेतनतासुखहोयके ॥ अविचलकीजैमीत ॥ स०  
 ५ ॥ ठी० ॥ इति सिद्धाय ॥

टास ) लठनकपनेबेदना ( एदी ) जोकोमति  
 संसारमेंऊवारी ॥ धरम

ॐ नमः शिवाय

छो० ॥ सात पितासुतप्रधवाङ्गवारो ॥ वनितासङ्गपरिवा  
 ररे ॥ ङ्गवारो लाल० ॥ एसविस्वारथीमानियैङ्गवारी ॥  
 कोहनचालैलाररे ॥ ङ्गवारो लाल ॥ २ ॥ छो० ॥ तनधनयो  
 वनकारिजा ॥ हुं वारी० । सन्धारंगसमानरे । हुं वारी लाल०  
 पिनदूकमेंपिर जायगा ॥ ङ्ग वारी ॥ समझी आपसुजानरे  
 हुं वारी लाल० ॥ ३ ॥ छो० ॥ तपजपसंजमकीजियै ॥ हुं वारी  
 नेमधरमचितलायरे ॥ ङ्ग वारी लाल ॥ तोसुखपावैआत  
 मा० ॥ हुं वारी ॥ जनममरनदुपजायरे ॥ हुं वारी लाल ॥  
 छो० ४ ॥ फिरनहिजगमेंभवतरै ॥ हुं वारी ॥ पावैअविचल  
 धामरे ॥ हुं वारी लाल ॥ चेतनतात्तुप्रहोयकौङ्गवारी ॥ सारे  
 आतमकांसरे ॥ हुं वारी लाल ॥ ५ ॥ छो० ॥ इति ॥  
 सिद्धाय ॥

( ढाल ) धनराढोला ( एदेशी ) ढालधरमकरलीजि  
 यैरे ॥ खुडगक्षमाचितधार ॥ मननामान्या ॥ मोहबली  
 जगजानियैरे ॥ तिणसुंतूमतिहार ॥ गुननागेडा ॥ १  
 हंसकरोजुहमोहसुरै ॥ जीतौतोसुपहोय ॥ म० ॥ जो  
 हारैभयमेंपडैरे ॥ तेजानेंसज्जकोय ॥ गु० ॥ २ ॥ पुन्य  
 उदैजियजीतियोरे ॥ भागेमोहमिथ्यात ॥ म ॥ मोघन  
 गरमेंआयकोरे ॥ जीतैवैरोसात ॥ गु० ॥ ३ ॥ केषलपद  
 वीसंपजैरे ॥ विलसेसुपअपार ॥ म० ॥ निरभयरूपसुहा  
 मगोरे ॥ सिवसुंदरीधरनार ॥ गु० ॥ ४ ॥ अविषलकी  
 लातीहसुरै ॥ जीवकरैदिनरैन ॥ म० ॥ चेतनचेतो  
 आपकोरे ॥ तोपावैसुपचैन ॥ गु० ॥ ५ ॥ इति ॥  
 सिद्धाय ॥

( ढाल ) मोतीढाकीदेशी ) नागाआवैनागाजावै



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

तधारियै होलात् ॥ असतवचननविमोक्षिभैरे ॥ साविशेष  
अपाररे ॥ च० ॥ अटप्तादानचोरीतजो होलात् ॥ २ ॥  
विषयविकारकुंजीतियैरे ॥ पंचइंठ्रीवसधानरे ॥ च० ॥ प  
रिग्रहसमताछोडियै होलात् ॥ पंचसुमतमनमेधरोरे ॥ ती  
नगुपततूषानरे ॥ च० ॥ अष्टप्रवचनमाताभली होलात्  
३ ॥ तपजपसंयमसाधनारे ॥ कीजैमनवचनकायरे ॥ च०  
सुदहोयनिजधातमाहीलात् ॥ पावेसिवरुपसाखतारे  
भवभवकेदुपजायरे ॥ च० ॥ ध्यानदमंगलरूपजो होलात्  
४ ॥ इहसिध्यानरमानियैरे ॥ सदगुरुकहेसजभायरे ॥ च०  
चेतनतासुधकीजियै होलात् ॥ धरमकरोनरनारिबारे ॥  
दुपसंकटसविजायरे ॥ च० ॥ सुपसंप्रतिविलसैसदाहो  
लात् ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) सनेहिकीदेशी ) ठीकरपोमनआपनो ॥ चंचल  
चित्तनिवार ॥ सनेही ॥ ध्यानकरोनिजधातमा ॥ एक  
सरूपविचार ॥ सनेही ॥ १ ठी० ॥ बीजीदुविधाछोडियै  
तीनोंधरमसमाख ॥ धारकपायनेपरिहरो ॥ पांचविषय  
सुपटात् ॥ २ ॥ ठी० ॥ षट्कायाप्रतिपासियै ॥ सुक्ष्म  
वादरजान ॥ स० ॥ सातविसमकोत्यागियै ॥ जगमेंवांधे  
वान ॥ स० ॥ ३ ॥ ठी० ॥ आठोंमदमयिरापियै ॥ लागी  
दोषअपार ॥ नवमेंसीयलसुहामयो ॥ तिपासोनरनार ॥  
स० ॥ ४ ॥ ठी० ॥ दसमोधर्मसदाधरो ॥ साधनकीइह  
रीत ॥ चेतनतासुदहोयकी ॥ अविचलकीजैमीत ॥ स०  
५ ॥ ठी० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) ढंठमचपनेबैदमाऊवारी ( एदीशी ) डोकोमति  
संसारमेंझंडवारी ॥ धिरमनकीजैध्यानरेहवारीलात् ॥ १

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ढाल ) रामचन्द्रकेवाग ॥ चम्पामौररहीर ( एदेशी )  
 धिरमनकीजैध्यान ॥ चलचित्तदूरकरौरी ॥ तोपावैसुपपू  
 र ॥ मायाममतहरोरी ॥ १ ॥ ईशसंसारमतकोदृष्टा  
 यपरोरी ॥ दानसीयास्ततपभाव ॥ निश्चैचित्तघरोरी ॥ २  
 निजघटनिरपोआप ॥ आतमरामपरोरी ॥ परमातमसुं  
 प्रीत ॥ करमनकाजसरोरी ॥ ३ ॥ कोण्योघरमविचार ॥  
 पुन्यसुं प्रापटरोरी ॥ दुरमतकौणैदूर ॥ विषयसुं आपड  
 रोरी ॥ ४ ॥ इहसिध्यामनधार ॥ घटविषम्यानभरोरी ॥  
 चेतनताकरसुह ॥ भवजलआपतरोरी ॥ ५ ॥ इति ॥  
 सिद्धाय ॥

ढाल ) रसीयाकीदेशी ) दानसीयस्ततपभावसदाधरो  
 जिनसुं पावैहोपार ॥ सुग्यानी ॥ क्रोधमानमायासज्जपरिह  
 रो ॥ लोभतेवांधेहोभार ॥ सुग्यानी ॥ १ ॥ दा० ॥ मोह  
 ममतनहिराधियै ॥ चापियैसमताहीनीर ॥ सु० ॥ चंच  
 लचपलाचित्तनितत्यागियै ॥ निजमनकीजैहोधीर ॥ सु  
 २ ॥ दा० ॥ तनघनजीवनजानोकारिमा ॥ पिरतनलागे  
 होवार ॥ सु० ॥ जिमकरअंजुलिनीरवहैसदा ॥ विषयसु  
 पदीजैहोहार ॥ सु० ॥ ३ ॥ दा० ॥ धिरमनध्यानकरौ  
 निजआतमा ॥ घटपटघोखोहोआज ॥ सु० ॥ जनमनरंज  
 नभंजनकरमको ॥ घरमसुं सारैहोकाज ॥ सु० ॥ ४ ॥  
 दा० ॥ निरभैपदसिखसुपनितसाखता ॥ अविचलपावै  
 होराज ॥ सु० ॥ चेतनताचित्तसुधकरखोजियै ॥ तौर  
 हैतेरीहोलाज ॥ सु० ॥ ५ ॥ दा० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) दीठी होप्रसुदिठी० ( एदेशी ) घरयोहीभविध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

धिरपदघोषुन्येनरपावै ॥ साहिवाजीवप्याराङ्गमारा ॥  
 मोहनाजीवप्यारा ॥ जोश्रवकेतुमचेतोभाई ॥ तोपावैअवि  
 चलठकुराई ॥ सा० ॥ मो० ॥ १ ॥ क्रोधमानमायातन  
 दोजै ॥ लोभलहरकोसङ्गनकीजै ॥ सा० ॥ मो० ॥ दान  
 सोयलतपभावनाभायो ॥ अगमअगोचरलीलापायो ॥  
 सा० ॥ मो० ॥ गिर्यागुरुकिसिद्धामानो ॥ तनधनजीव  
 नकारिमाजानो ॥ सा० ॥ मो० ॥ बालतरुणवृद्धजनमअनंता  
 अन्तकालसमभोगुनवंता ॥ सा० ॥ मो० ॥ २ ॥ जोश्रवकेतूचा  
 पसंभारै ॥ निगघटकेपटपोलनिहारै ॥ सा० ॥ मो० ॥ दि  
 व्यनैनसुंआतमदेपै ॥ अभिन्तरपरमातमपेपै ॥ सा० ॥  
 मो० ॥ ४ ॥ अलपअरूपीसाहिबमेरा ॥ पारनपावैकोई  
 तेरा ॥ सा० ॥ मो० ॥ चेतनतासुखकीजैप्राणी ॥ मतवि  
 सरैगुरुजनकीवाणी ॥ सा० ॥ मो० ॥ ५ ॥ इति ॥  
 सिद्धाय ॥

( टाक ) निरषिमिरयितुम्विषने ( एदेशी ) तनधनजी  
 वनकारिमा ॥ जातनलागेवार ॥ भविकजनसांभलो ॥ अ  
 नादिकासमसतोफिरै ॥ नहिपावैभवपार ॥ भवि० ॥ १  
 पूरवपुन्यउदेभई ॥ पायमानवदेह ॥ भ० ॥ उत्तम  
 जैनधरमलही ॥ परमातमसुंनेह ॥ भ ॥ २ ॥ अविच  
 लआतमसुखमिजै ॥ उपजैअसुखमवग्यांन ॥ भ ॥ कीवला  
 मझिगसुरकरै ॥ जिनकीन्हीमिजध्यान ॥ भ ॥ ३ ॥  
 घरमसुकलदीयध्यानमें ॥ सुखपावैभवपार ॥ भ० ॥ आ  
 रितरौद्रपरिहरो ॥ तोछूटेसंसार ॥ भ० ॥ ४ ॥ सुगुरुसी  
 पमनमेंघरो ॥ नरनारीचितलाय ॥ भ० ॥ चेतनतासुख  
 कीजियै ॥ भवमवकेदुपजाय ॥ भ० ॥ ५ ॥ इति सिद्धाय

सौयल्लतपभावनाजी ॥ उत्तममारगच्चार ॥ चेतनतासुध  
कीजियैजी ॥ तौपावैभवपाररे ॥ जि० ॥ ५ ॥ इति ॥  
सिद्धाय ॥

ढाल ) जैजैकृपभजिनेस्वरस्वामी ( एदेशी ) पापकर  
मतजिदीजैप्राणी ॥ पावैभवनीपारजी ॥ पुन्यउदेनरजन  
मजोपायो ॥ नतमूलोसंसारजी ॥ १ ॥ पा० ॥ दानसौय  
ल्लतपभावनाभावो ॥ सुक्तकेमारगच्चारजी ॥ पंचमहावत  
सुद्धेपालो ॥ टालोदूखनअठारजी ॥ २ ॥ पा० ॥ सर्वजी  
वकीरप्याकीजै ॥ सुखमवादरकावजी ॥ निरपनिरपध  
रनीपगदीजै ॥ कसणावंतसुनिरायजी ॥ ३ पा० ॥ असतचट  
त्तामैधुनत्यागो ॥ ब्रम्हयतमनधीरजी ॥ परिग्रहमूच्छोम  
मतनरापो ॥ चापोसमतानीरजी ॥ ४ ॥ पा० ॥ चेतनता  
सुधकरनीघारे ॥ सारैआतमकाजजी ॥ गुरुजनकीसिद्धा  
जोआने ॥ विल्लसीअविचलराजजी ॥ ५ ॥ पा० ॥ इति ॥  
सिद्धाय ॥

ढाल ) सुनिमनसरवरहंसलो ( एदेशी ) फरसइंघ्रीव  
सगजमझौ ॥ तेढोवैवज्जभारोरे ॥ ग्यानहीनवज्जडोलतो  
कर्मरूपयहचारोरे ॥ १ ॥ फ० ॥ रसइंद्रीजिह्वातणो ॥  
मीनहरेनिअप्राणोरे ॥ तेहुमजीतोप्राणिया ॥ परमातम  
गुनजाणोरे ॥ २ ॥ फ० ॥ ममरसुवासेलोभियो ॥ घ्राण  
इंद्रीरसमातोरे ॥ दुखसंकटबहुपावतो ॥ कमलमिलेजव  
रातोरे ॥ ३ ॥ फ० ॥ आंघनकेरससुंजले ॥ ॥ दीपकमा  
पतगोरे ॥ कुरंगअवणरसमोहियो ॥ सुरनादधिपेचमं  
गोरे ॥ ४ ॥ फ० ॥ इकइकइंद्रीसेवते ॥ पावैदुष्यचनंत

रयोनिजघटआप ॥ आतलहोभविआतमरासम्हाजणा  
 जी ॥ करयोहोभविकरयोग्रंतरध्यान ॥ पावैहोभविज्यु  
 पावैजनभावणाजी ॥ १ ॥ परसुंहोभविपरसुंगतकरि  
 मीत ॥ जानोहोभविजानोकावायिरनहीजी ॥ विणसेहो  
 भविविणसेपुटगलरूप ॥ धिरनहीहोभविधिरन  
 हीईहदेण्याकहीजी ॥ २ ॥ भरमेहोभविभरमेकाकथनंत  
 अवकेहोभविअवकेपुन्यउदैभईजी ॥ उत्तमहोभविउत्त  
 मनरप्रवतार ॥ दुरमतिहोभविदुरमतिसहूदूरेगईजी  
 ३ ॥ आनंदहोभविआनंदउपज्जाआज ॥ विलसैहोभवि  
 विलसैखिचुपसाखताजी ॥ अविचरुहोभविअविचलपा  
 यौराज ॥ फिरनहीहोभविफिरनहीजगमेआवताजी ॥  
 ४ ॥ सीधेहोभविसीधेसुकतमभार ॥ पंचमहोभविपंचम  
 गतपावेपरेजी ॥ खेतनहोभविचेतनताकरसुइ ॥ कारि  
 जहोभविकारिजसहुअवकैचरैजी ॥ ५ ॥ इति ॥  
 सिध्दाय ॥

ढाक ) प्राणीवाणीहितकरीजी ( एदेशी ) नरनारी  
 सज्जचेतियैजी ॥ मतविसरोनिजरूप ॥ दिव्यनयनसुंदेपि  
 यैजी ॥ आतमरामअनूपरे ॥ जिवहा ॥ आपाआपनिहा  
 ल ॥ निरद्वपनमतपाखरे ॥ जि० ॥ मतसपटेजगजालरे  
 जि० ॥ १ ॥ परसगतनहिक्कीजियैजी ॥ कौजेआतमध्यान  
 तौपावैपरमातमाजी ॥ उपजैकेवसुग्यानरे ॥ जि० ॥ २ ॥  
 जीवदयादितरापियैजी ॥ असतनकहियैवैन ॥ अदस्ता  
 दानचोरीतछोजी ॥ पावैआतमखैनेरे ॥ जि० ॥ ३ ॥ ग्रह  
 मतमितआदरोजी ॥ त्यागोधिपयविकार ॥ परिग्रहमम  
 तापरिहरीजी ॥ राखीभोजनटाररे ॥ जि० ॥ ४ ॥ दान

यैरे ॥ कीजैआतमकामे ॥ चेतनतासुखहोयकीरे ॥ पाये  
अविषलप्रामरे ॥ प्राणो० ॥ ५ ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) सुगवहनीपीयडोपरदेसी ( एदेशी ) मोहमज  
ततजिदीजैप्रांणी ॥ समतानिज्मनआणीरे ॥ इसपुदग  
लकोसंगनकीजै ॥ निजघटआतमलीजैरे ॥ १ ॥ मो० ॥  
परवसनीवरहैलपटाइ ॥ सुपदुखसहतोभाईरे ॥ तनघन  
जोवनमालपजाना ॥ सन्धारंगसमभानारे ॥ २ ॥ मो० ॥  
मातपितासुतबंधूदारा ॥ सारथकीपरिवारारे ॥ इहसवते  
राकामनआवै ॥ आपकीयाफलपावैरे ॥ ३ ॥ मो ॥  
दानसीयलतपभावनाधारो ॥ धर्मदयामतहारोरे ॥  
निश्चलध्यानएकमनरापो ॥ आगमवचनरसचापोरे ॥ ४  
मो० ॥ सुगुरुसीपमानोनरनारी ॥ तीपवैगतसारीरे ॥  
चेतनतासुखआपसंभालो ॥ पंचमहाव्रतपालोरे ॥ ५ ॥  
इति ॥ सिद्धाय ॥

ढाल ) कीइलीपरवतधुधलीरेली ( एदेशी ) योगजत  
नचितधारियैरेली ॥ दूरटलेदुपददरे ॥ भविकजन ॥ अ  
पतपसजमसाधनारेली ॥ कीजैमनआनदरे ॥ भविवाजन  
१ ॥ यो० ॥ पंचमहाव्रतपालियैरेली ॥ साधुकोआचाररे  
म० ॥ पहिलोव्रतसुखकीजियैरेली ॥ जीवाजीवनिहाररे  
म० ॥ २ ॥ पटकायाप्रतिपालियैरेली ॥ सुक्ष्मवादरजान  
रे ॥ म० ॥ मृपाषादनहिबोखियैरेली ॥ मतसेअदत्ता  
दानरे ॥ ३ ॥ यो ॥ शोधोव्रतचोपोकरीरेली ॥ पंचविषय  
सुपत्यागरे ॥ म ॥ परिग्रहममताकोडियैरेली ॥ लोभ  
लहरसु भागरे ॥ म० ॥ ४ ॥ यो० ॥ समतामेंसुपसाख

तोरे ॥ पंचयिपयसुपपरिहरो । चेतनतासुदसतोरे ॥ ५  
इति ॥ सिद्धाय ॥

ढाल ) रागापुरोरलियामगोरिलाल ( एदेगी ) बोलव  
थारयबोलियैरेलाल ॥ लागे'समकु'प्यार ॥ सुपकागीरे ॥  
दूहभवजसकीरतवधेरेलाल ॥ परभवसुकतजभागर ॥ सु  
पकारीरे ॥ १ ॥ बो० ॥ अमृतवानिसुहामगोरिलाल ॥  
कोकिलकठरसाल ॥ सु० ॥ भापासुदकरआपनोरिलाल  
पंचमहाप्रतपाल ॥ सु० ॥ २ ॥ बो० ॥ क्रोधमानमायात  
जोरिलाल ॥ लोभलहरकरदूर ॥ सु० ॥ देवधरमगुरुसिवि  
यैरेलाल ॥ उपजेसुपभरपूर ॥ सु० ॥ ३ ॥ बो० ॥ राग  
द्वेपनहिंकीजियैरेलाल ॥ एकसरूपनिहार ॥ सु० ॥ नि  
जषटकीपटपोलियैरेलाल ॥ कौजैग्यानविचार ॥ सु० ॥ ४ ॥  
बो० ॥ आतमध्यानसदासुपीरेलाल ॥ परमातमगुनमान  
सु० ॥ चेतनतासुदहोयकेरेलाल ॥ पावैअधिचलमान ॥  
सु० ॥ ५ ॥ बो० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) कपूरहोयअतिउजलो ( एदेगी ) भवमवमम  
तोजीवहारि ॥ सापचौरासीरूप ॥ जोनहिचेतैआपकु  
रे ॥ तोपावैभवकूपरीप्राणी ॥ भूलोजतसंसार ( आंकणी )  
दानसीयलतपभावनारि ॥ धरजोचित्तमभागर ॥ ध्यानधरो  
निजआतमारि ॥ मनजपोनवकाररि ॥ २ ॥ प्रा० ॥ क्रोधमानमा  
यातजोरि ॥ लोभलहरकरदूर ॥ पंचमहाप्रतपाजियैरे ॥  
उपजेसुपभरपूररे ॥ प्राणी० ॥ ३ ॥ धीवदयागुमवेक  
होरि ॥ असत्यअदत्तात्याग ॥ मीथुनपरिचहछोडियैरे ॥  
मनमैरपवैरागरे ॥ प्राणी० ॥ ४ ॥ सुगुरुसोपसुनसीजि

जयनोसिध्य ॥ चेतनकहैहोलाल ॥ ॥ सि० ॥ ५ ॥

इति ॥ सिद्धाय ॥

(टीका) कनककमलपगलाठवैए (एदेशी) विषयैवि

सुननिवारियैए ॥ सातविसेनकरदूर ॥ भविकजिनसाभलो

ए ॥ जीवोआमपपरिहरोए ॥ मदपोवैनरकर ॥ भविक

जनसाभलोए ॥ १ ॥ गनिकागमननकोजियैए ॥ आपेट

कोबहुपाप ॥ चोरीतलोनरनारियाँए ॥ तजिपररमनीआप

भ० ॥ २ ॥ विसेनविलुधामानवीए ॥ जायेनरकमकार ॥

भ० ॥ सिवसंदिरजावामणीए ॥ तजियैविषयविकार ॥

अ० ॥ ३ ॥ जीवदयागुनबेलहोए ॥ चतारैभवपार ॥ भ०

पंचमहाप्रतेशदरोए ॥ पालोनिरतीधार ॥ भ० ॥ ४ ॥

इहसिध्यामनधारियैए ॥ सारैवछितेकाज ॥ भ० ॥ ५ ॥ चेत

नताचितचेतियैए ॥ पावैअविचलरोज ॥ भ० ॥ ५ ॥

इति ॥ सिद्धाय ॥

(टीका) आछेलालकीदेशी ॥ शत्रुमिषसमाने ॥ राग

होपमंतआन ॥ आछेलाल ॥ धर्मदयाचितरापियैजी ॥

पंचमहाप्रतेशार ॥ पालोनिरतीचारि ॥ आछेलाल ॥ अ

सतवचननेविभापियैजी ॥ १ ॥ चोरीअदत्तादान ॥ लोभ

तजीगुनपान ॥ आछे० ॥ वीनदौयैलीजनहीजी ॥ जो

चाहैसिंधुधाम ॥ तोतजियैसुपवाम ॥ आ० ॥ विषयमलो

नाकेहीजी ॥ २ ॥ परिग्रहकीजैदूर ॥ सुपठपजेमरपूर

आ० ॥ तपजपसंजमपपकरोजी ॥ कायसकतपचपान ॥

धिरसनकीजैध्यान ॥ आ० ॥ समतानिजमनमेंधरोजी ॥

३ ॥ चंचलमेनवसधान ॥ सुगुरुवचनसुनकान ॥ आ०

बोलियैबोलासुहामणीजी ॥ पायेनरअवतार ॥ अवकीतूम



तारेलो ॥ पायैश्विचलधामरे ॥ भ० ॥ चेतनतासुदहोय  
कीरेलो ॥ सारेआतमफामरे ॥ भ० ॥ ५ ॥ यो० इति ॥  
सिद्धाय ॥

ढाल ) गिरवारेशुणतुजतगो ( एदेगी ) रागद्वेपनहिं  
कीजियै ॥ परिहरज्जतामायारे ॥ समतासुंकरप्रीतीं डो  
वसिकरमनवचफायारे ॥ १ ॥ रा० ॥ तनधनजोवनका  
रिमा ॥ करअजलिजिमपांणीरे ॥ पिण्डकजेपिरजायगा  
पुदगसधिरनहिंजाखीरे ॥ २ ॥ रा० ॥ मातपितासुतबं  
धया ॥ घरघरनीपरियारारे ॥ एसवस्वारथकीसगे ॥ कोदून  
जासोछारारे ॥ ३ ॥ रा० ॥ जगविषतिराकीनही ॥ तं  
एकाकीअकीलारे ॥ जोअवकीनहीचेतिया ॥ फिरनमिसे  
इइवेलारे ॥ ४ ॥ रा० ॥ सीपसुनोनरनारिया ॥ सुगुरु  
वचनइजभायेंरे ॥ चेतनतासुदहोयकी ॥ रागद्वेपनहिरा  
पेरे ॥ ५ ॥ रा० ॥ इति सिद्धाय ॥

ढाल ) थारामोइछांचपग्मेहभभूकीवीजलीहीलाल ॥  
एदेगी ) लोभलहरकरदूर ॥ परिग्रहछोडियैहीलाल ॥  
तोपावैसिबवास ॥ करमवचतोडियैहीलाल ॥ क ॥ १  
लोभतेंदुरगतमाय ॥ जगतकेप्राणियाहीलाल ॥ ज ॥  
अतिलोभेहीयहाण ॥ सागरदक्षवाणियाहीलाल ॥  
सा ॥ २ ॥ लोभनकीषैकिगार ॥ धारमातियहोहो  
लाल ॥ ध्या ॥ पहुंखेदसमगुणठाग ॥ लोभयीफिर  
पहोहीलाल ॥ लो ॥ ३ ॥ लोभमहारिपुजान ॥ सुक  
तमगरौकियाहीलाल ॥ स ॥ लोभतजेजेजीव ॥  
तिहेनविटोफियाहीलाल ॥ ति० ॥ ४ ॥ अविचलपायै  
धाम ॥ सदासुपनेगहीहीलाल ॥ स ॥ वाचैकषट्सिधि

भयोमानवगुनवंतरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ विनयकीर्तिरुदेवकी  
सोखीयैश्चागमग्यानरे ॥ अनमसफलहोयश्चापनो ॥ जोक  
रैश्चातमध्यानरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इहसीषसुननरनारियां  
दयाधरमनि तपालरे ॥ परमपदलहैसुहचेतना ॥ नित  
होयमंगलमालरे ॥ ५ ॥ इति ॥ सिद्धाय ॥

ढाल ) विष्णुयानी, अरेप्राणीचापाचापनिहारिये  
मतभरमेसंसाररेप्राणी ॥ शांतिसरूपहीयेवसे ॥ एकध्या  
नचित्तधाररेप्राणी ॥ १ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीषट्मेहेनहिं  
सुम्नतो ॥ एतोअश्वरजवातरेप्राणी ॥ आपनदेपेकानेकी  
संगरहेदिनरातरेप्राणी ॥ २ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीतुम्हमे  
हेतेराधनो ॥ नहिअभेदगहोनरेप्राणी ॥ षट्पटपोलोदि  
पियै ॥ जोहोयेपरवीनरेप्राणी ॥ ३ ॥ आ० ॥ अरेप्राणी  
सिद्धसरूपीजीवडा ॥ ग्यानदृष्टसुंदेपरप्राणी ॥ विनदेवे  
चीन्हेनही ॥ अलपसरूपीभेपरप्राणी ॥ ४ ॥ आ० ॥ अ  
रेप्राणीदेवसमुपतिरजंचमि ॥ नरकनिगोददिपायरेप्राणी  
लयचौरासोभरमियो ॥ षट्पटनामधरायरेप्राणी ॥ ५ ॥  
आ० ॥ अरेप्राणीजोवसरूपीजानियै ॥ पुटगलबंधनपाप  
प्राणी ॥ पापपुन्यदोयवाधिया ॥ सुपदुपपेचलगायरेप्रा  
॥ ६ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीबंधनकोहोजीवको ॥ सिद्ध  
सरूपीधाररेप्राणी ॥ आवागवनमिटार्ह्यै ॥ चेतनउतरे  
पाररेप्राणी ॥ ७ ॥ आ० ॥ इति ॥

॥ सिद्धाय संपूर्ण ॥

५५५५५

तहार ॥ आ० ॥ तोपावैमनभावबोली ॥ ४ ॥ आनीं  
नविचार ॥ मतभरमेंसंसार ॥ तुममेंहेतिरावबोली ॥ ये  
तनचेतोचाप ॥ मतकरजोकीरुपाप ॥ आ० ॥ सुबसंपति  
पावैवणीजी, ॥ ५ ॥ इति ॥ सिद्धाव ॥

ढाल ] नदीजसुनाकेतीरसडेदोमपंविवा [एहेथी] बड  
कायाप्रतिपाळदयाचितमेंधरो ॥ सुखमवादरजानक्रिया  
प्रतआदरो ॥ प्रथवीकायनोजीवजगतमेंजानियै ॥ अथति  
जघीरवायवनस्यतिमानियै ॥ १ ॥ एके दूबावरजानच  
खनकीसुधनही ॥ बितोचउरिंद्रीपंचएकसकावाकही ॥  
जीवदयागुणवेकसदामनमेंरघो ॥ पंचमहाव्रतपाळसुखत  
केसुखलपो ॥ २ ॥ भूटनबोलियैवैनअदत्तनलोबियै ॥  
चोरोमेंबहुपापवियवनहिकीजियै ॥ परिग्रहममताछोड  
सुनीसमतागहो ॥ निरदूपनलेआहार ॥ सुखममेंधिर  
हो ॥ मनवचकायांसुखकरोव्रतपाळना ॥ धिरमनकीजे  
ध्यानचपलचितटाळना ॥ इमकरनोकरसावचलेसिवधाम  
में ॥ अविचलपायैवास ॥ परमपदनाममें ॥ ४ ॥ इहसिद्धा  
नरनारसुनोप्रतिबोधना ॥ कीजैआतमग्यान, अभिन्तरसोध,  
कना ॥ पायिनिजवटरूपसरूपसुखामया ॥ चेतनताकरसुख  
अतिअमनभावयो ॥ ५ ॥ इति, ॥ सिद्धाव ॥ ॥ ॥ ॥ ॥  
सा ॥ ॥) प्रांतिजिनएकसुखवीर्गती ( एहेथी ), साधकीच,  
लाल ॥ आ० - यै ॥ पंचपदमोजपनांमरी, ॥ परपरिवारसुवसा  
प्रहोहीलाक ॥ आसुतवांमरी ॥ २ ॥ सा० ॥ तनधनजीवन  
तमगरौकियोहोला ॥ आवैएकोयर ॥ भुलसतिइहसंसार  
तिहेनविटोकियोहोला ॥ २ ॥ सा० ॥ खचचउरासीग  
धाम ॥ सदासुपमोहोहीला ॥ नरी, ॥ अचरदेपुन्यकीपायकी,

भयोमानवगुनवंतरे ॥ ३ ॥ सा० ॥ विनयकीर्णैरुदेवकी  
सीखीयैश्चागमग्यानरे ॥ जनमसफलहोयश्चापनो ॥ जोक  
रैश्चातमध्यानरे ॥ ४ ॥ सा० ॥ इहसीपसुननरनारियां  
दयाधरमनितपाक्षरे ॥ परमपदलहैसुखचेतना ॥ नित  
होयमगलमाक्षरे ॥ ५ ॥ इति ॥ सिद्धाय ॥

ढाल ) विष्णुयानी ) अरेप्राणीआपाआपनिहारियै  
मतभरमेसंसाररेप्राणी ॥ शातिसरूपहीयेवसे ॥ एकध्या  
नचित्तधाररेप्राणी ॥ १ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीषट्मेहैनहिं  
सुभतो ॥ एतोअधरजवतिरेप्राणी ॥ आपनेदेपेकानेको  
संगरहेदिनरातरप्राणी ॥ २ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीतुभमे  
हैतेराधनी ॥ नहिअभेदगहोनरेप्राणी ॥ षटपटपोलीदे  
पियै ॥ जोहोयेपरनीनरेप्राणी ॥ ३ ॥ आ० ॥ अरेप्राणी  
सिद्धसरूपीजीवडा ॥ ग्यानदृष्टसुदेपरप्राणी ॥ विनदेवे  
चीन्हेनही ॥ अक्षपअरूपीमेपरप्राणी ॥ ४ ॥ आ० ॥ अ  
रेप्राणीदेवमतुपतिरजंमै ॥ नरकनिगोददिपायरप्राणी  
क्षपचौरासौभरजियो ॥ षटवटनामधरायरप्राणी ॥ ५ ॥  
आ० ॥ अरेप्राणीजीवअरूपीजानियै ॥ पुदगलबंधनपाप  
रेप्राणी ॥ पापपुन्यदोयवाधिया ॥ सुपदुपपेक्षलगायरप्रा  
णी ॥ ६ ॥ आ० ॥ अरेप्राणीबंधनछोडोजीवको ॥ सिद्ध  
सरूपीधाररेप्राणी ॥ आवागवनमिटारियै ॥ चेतनउतरे  
पाररेप्राणी ॥ ७ ॥ आ० ॥ इति ॥

॥ सिद्धाय संपूर्ण ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ अथ धर्मचरित्र लिखति ॥ १ ॥

॥ दूहा ॥

गुरुसमजगदातानही ॥ गुरुविनज्ञातनहोय ॥ अहि  
सिधिवंछितफले ॥ पापपंकसविषोय ॥ अंधामारगचाव  
ता ॥ अर्मेनहीगमार ॥ आसारपगुरुनामकी ॥ उत्तरवा  
यभवपार ॥ २ ॥ गुरुवांखीबिसतारहे ॥ किहांलगिकरे  
वपान ॥ मनवचकायावसकरो ॥ चेतनहोयकल्याण ॥ ३  
टांनशीलतपभावना ॥ इहध्यारोजगसार ॥ इहकवाधर्म  
रायकी ॥ सुणिउद्वदयविचार ॥ ४ ॥

ढाल ) जगजीवनजगवाकहोए ( एदेशी ) चंपानगर  
सुहामणी ॥ किहांलगिकहुविहार ॥ साखरे ॥ ५ ॥  
चपा ॥ तिहांइकसुनिवरकाविच ॥ अवधज्ञानसरपूर  
साखरे ॥ एकाकोविचरेसदा ॥ तपजपमेजिमसूर ॥ सा  
खरे ॥ ६ ॥ च ॥ नामविमलेश्वरचारखी ॥ धीयनगरम  
कार ॥ साखरे ॥ मासधमगुणकोपारखे ॥ खेयोसुहसाहार  
साखरे ॥ ७ ॥ च ॥ इमसुनीविचरेगोचरी ॥ सुहसा  
हारकाज ॥ साखरे ॥ यायककउसुणोसाधुजी ॥ दयाक  
रकपिराज ॥ साखरे ॥ ८ ॥ च ॥ सोमासोममुकीजियै  
जोवदयाननलाय ॥ साखरे ॥ हितजानुसनीखररहा ॥  
चेतनसिधसुपपाय ॥ साखरे ॥ ९ ॥ च ॥ दूहा ॥

चोमासोसुनिवररक्षा ॥ आवकसुशोषधान ॥ धरमदेस  
मादेसुनी ॥ धर्मतेउपजेंग्यांन ॥ ६ ॥ धरमसमो  
नहिवाल्हा ॥ धरमसमोनहिमोत ॥ धरमकरोरिप्राणि  
यां ॥ कटेमरनकौमोत ॥ ७ ॥

ढाल ) धर्मदयाकरोप्राणीया ॥ उत्तमनरमवपायिरे ॥  
दानसीयल्लतपभावना ॥ कीजेमनवचकायिरे ॥ ८ ॥  
धर्म ॥ कामक्रोधेमदपरिहरो ॥ समतामनमेअनोरि  
इहसंसारमेकोइनअपना ॥ इहवृत्तितेजानोरि ॥ ९ ॥  
धर्म ॥ मातपितासुतकामणी ॥ स्वारथकेसबकोईरे ॥  
जाटिनआयुपूरोभरे ॥ रॉपनसक्केकोईरे ॥ ध० ॥ इन्द्र  
नरिन्द्रसविगया ॥ जेउपजेंतेजासीरे ॥ पापकरेनरकादि  
कपामे ॥ धर्मकरैसिववासीरे ॥ ११ ॥ ध० ॥ देवधरम  
गुरुसेविये ॥ आतिहोयकुटकारोरि ॥ मनवचकाययिरके  
राखो ॥ चेतनहोयमवपारोरि ॥ १२ ॥ ध० ॥ दूहा ॥ देह  
देसनासुनिरह्यो ॥ चतुरसुन्योदेकांन ॥ आवकएककुष्टी  
हतो ॥ तेबोख्योधरिष्याम ॥ १३ ॥ करजोरियावककहे  
अरजसुणीसुनिराय ॥ कुष्टीअगमेरोभया ॥ ताकीकरोउ  
पाय ॥ १७ ॥

ढाल ) कपूरजइअति० ( एदेशी ) वल्लतोतवसुनिवर  
कहेरे ॥ सुणआवकममलाय ॥ कर्मजीकोईकरिरे ॥ भोगे  
धिनकिमजायरे ॥ प्राणीकर्मकरैतेहोय ॥ जोरनआलेको  
यरे ( प्रणीकर्मकरैतेहोय ) सुपदुपसबकर्मकरिरे ॥ हिय  
हेविमासोजीयरे ॥ प्रा० ॥ १८ ॥ आवकवेकरजोरिनेरे  
भाषेवचनरसाख ॥ खोगुरुकिरपाकरोरि ॥ तोजाविसकख  
अंजाखरे ॥ प्रा० ॥ २० ॥ तुमजगजीवनजगधणोरि ॥ तुम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १०२ ॥

जगतारनहार ॥ मिहरकरोसिन्नकभकीरे ॥ १०१ ॥ तीनजीवा  
 याररे ॥ प्रा० ॥ २१ ॥ कुटीकहेप्रभुसोभिलोरे ॥ तिजीगु  
 गरिबनिवाज ॥ चेतनकोसुखरूपजरे ॥ दयाकरोरुचि  
 राजरे ॥ प्रा० ॥ २२ ( दृष्टा ) ॥ सुनिकहेसुनप्राचीवां ॥  
 इकचंपायछेएह ॥ तीनवस्तुजिनजीतिवा ॥ तासुंमिता  
 उदेह ॥ प्रा० ॥ कचनकायाहोयगो ॥ दुपजामेसबदूर ॥  
 मेनेवंधकायावसकरो ॥ सुखउपजैमरपूर ॥ १०२ ॥  
 टोल ( चौपई ) ॥ तबइइकठुम्हारोजाय ॥ कीजेयाव  
 कएईउपाय ॥ तबयावकनदनकरचले ॥ १०३ ॥ मारगजातसो  
 गेसुंमिले ॥ २५ ॥ जासुंमिलेसोदुरदुरकरे ॥ तबयाव  
 कपोछेकोफिरे ॥ फिरपाछेआयोसुनिबरकने ॥ जासोमि  
 लेसोदुरकहेमने ॥ २६ ॥ सुनिबरकहेअसोमृतकरे ॥ ती  
 नवस्तुजोतासोहेपर ॥ सजेसेजायमिलोतुमआज ॥ सुख  
 लहोयसबतुमरोकाज ॥ २७ ॥ तबकुटीपूछेसोसनेवाव  
 कीनदेसउतनकोसुनिरामरी ॥ अमुनुमप्रकासोउतपैचखो ॥  
 गुंमतापजायकेमिलो ॥ २८ ॥ सुनिवरतोलेवचनउत्तिस  
 कासोदेसहेतिनकोवासा ॥ खरमेरायनाममनभाव ॥ मनव  
 चकायावसकियोराय ॥ २९ ( दृष्टा ) ॥ सुसतवेनयावक  
 चटे ॥ मिटेगीअंगकलेसे ॥ दिनाअष्टमारगचके ॥ प्रज्ज  
 कीसीदेस ॥ ३० ॥ दैव्येनगरसीछावती ॥ काजमपूछे  
 वात ॥ चहुटाविचनमआमिचे ॥ सुरअस्तमइरात ॥ ३१  
 टोल ॥ सुखइइनीमोउछोपरदेशो ( एदेशो ) ॥ याचीन  
 गरविचयाप्रककोढी ॥ याकीहाटसोअचोत्री ॥ याकीमग  
 कोनिद्राआई ॥ सोयरेहेहितलोईरे ॥ ३२ ॥ प्रायो ॥  
 मोहनिद्रामेजेनरसीवे ॥ धर्मतयाफलयेगेरे ॥ यावरहे

तेमूलगमावे ॥ आगेसिवसुखपावैरे ॥ ३३ ॥ आ० ॥ इहा  
 आवकसूतोनिचंतो ॥ धर्मसदागुनवंतोरे ॥ धर्मरायदूका  
 नमिरहतो ॥ उदरपीरदुपसहतोरे ॥ ३४ ॥ आ० ॥ पहर  
 एकरैननवश्राई ॥ धर्मदूकानवद्वारैरे ॥ आवनिजमदिर  
 सेसुतो ॥ दीपकजिहानविहृतोरे ॥ ३५ ॥ पीरवणीसू  
 त्योधर्मग्यानी ॥ स्त्रीभेदनजानीरे ॥ आगेअश्वरिजहोय  
 षण्णैरा ॥ चेतनचेतसवेरोरे ( इहा ) ॥ रूपवतीतियराय  
 की ॥ आनपुरुषसुंधार ॥ अर्धरातजववोतिया ॥  
 तवआयोतेजार ॥ ३७ ॥ रंगरसकहैयातडो ॥ सुनप्या  
 रोहितजान ॥ गृहमिरेइककाजहै ॥ गुरतदेउरतिदान ॥  
 ३८ ॥ दास ) बंक्तिपूरनद्यादिनमो ( एदेशो ) प्रेमविलू  
 घीजेनारी ॥ निपटकपटतेविमचारी ॥ धिरनहीचितअप  
 नौरापे ॥ मिथग्रावचनसदामाषे ॥ ३९ ॥ जारलेईनन्दिर  
 चाणी ॥ निजप्रीतमसूतोनिहिमाणी ॥ पलिंगविछाईमद  
 माती ॥ इकपायापडियोपिछाती ॥ ४० ॥ वांकासेजम  
 ईज्यारे ॥ पञ्चरतीनघरपौत्यारे ॥ तेऊपरवैठरमेनारी ॥  
 परपूरपस्करेयारी ॥ ४१ ॥ कोइनहिंजानेमनजाने ॥ पि  
 णंपारपरइनहिंछाने ॥ पियहिऊपररघपाया ॥ आनपुरुष  
 सुकरेमाया ॥ ४२ ॥ घरमरायसूतोदेवे ॥ सुभध्यानमे  
 मोनमयेपेवे ॥ इकतोपीरउदरभारी ॥ दूजेहिचयिचप  
 लिकाहारी ॥ ४३ ॥ निजपतनीकुकर्मकरे ॥ धर्मदेपेमन  
 मानधरे ॥ एतोकर्मकियापावै ॥ विनमोगेकहोकिमजावै  
 ४४ ॥ कोउकोदोसनहीदीजे ॥ भूठीमायाकोनपतीजे ॥  
 तनघनजोवननहिअपना ॥ ध्यादिनाकोसवसुपना ॥  
 ४५ ॥ मातपिताभगनीमार् ॥ वेटावेटीकुटंवजोगाई ॥



सारथकोइइसपनाता ॥ प्रागबलेकोइइसङ्गनहिजाता ॥

४६ ॥ धरमदेयपाथिसिध्या ॥ प्रातहोयतबसूदिध्या ॥ मन

मनमेभावधरमलाये ॥ उंदरपीरदुषदूरपलाये ॥ ४७ ॥

सुषउपजीदुखसबभागा ॥ निखैटिध्यामनसागा ॥ मनव

नकोयायसकीक्या ॥ चेतनमनसुंदिध्याखीक्या ॥ ४८ ॥

दृष्टा ) धरमरायसुमध्यानमे ॥ बडविघकरिविचार ॥ प्रा

तहोयदिध्यालेछं ॥ व्रतपासोनिरधार ॥ ४९ ॥ मनव

कायावसकियो ॥ धरमरायसुमध्यान ॥ धागेचपरचपर

योतासुणदेकान ॥ ५० ॥ सोरठा ) पहरपाकसोरात

जारउठेतियपांसते ॥ रसक्रीडाकरणात ॥ पङ्कचेमन्दिर

आपने ॥ ५१ ॥ कामधिरहोजोसोय ॥ पियहिउपरपसं

गहर ॥ प्रातसमेजबहोय ॥ उठीभियासुवसेजते ॥ ५२ ॥

दृष्टा ) नवनघोखदेधिमिया ॥ पियउरपसंगपाय ॥ बरहर

कम्पितमइअती ॥ सुखतीबोलेनजाय ॥ ५३ ॥

ठांख ) ललनाकी ( एदिशी ) धरमरइसुमध्यानमे ॥

नहिबोलेसुखवात ॥ ललना ॥ मन्दिरतीआवेवारखे ॥ कु

ष्टीलगांघोगातललना ॥ १ ॥ धर० ॥ धरमरायकहेति

इसु ॥ किमसागितुमभंगललना ॥ वातकहोहियेबोले

बाघीतुमतमरंगललना ॥ ५५ ॥ धर० ॥ कुष्टीकहेप्रभु

सांभखो ॥ तुमसमजगनहीकोयललना ॥ कुष्टरोगगबोमा

हर ॥ तुमतनजलसुंघोयललना ॥ ५६ ॥ धनधनसाधु

मुनीखरा ॥ जिनदीखोउपदेसललना ॥ आनमिलीसबल

वातछी ॥ मेखोसगकसेसललना ॥ ५७ ॥ धरमकहेमुनि

किहावसे ॥ हरसनकीजेजायललना ॥ आवककहेचंपान

गरी ॥ तिहाआएसुनिरायललना ॥ ५८ ॥ ध० ॥ सर्ववा

तथाहिपोलकी ॥ सुनिराप्योमोहिजाजललना ॥ चेतनको  
 सुपत्तपजो ॥ मेहरकीयोजिनराज ॥ ललना ॥ ५६ ॥  
 वर० (दूहा) सबविरतस्तवणीककक्षो ॥ धर्मसुखोचित  
 लाय ॥ धर्मकथादूहजानियै ॥ चेतनकहेवनोय ॥ ६० ॥  
 धर्मरायजबभापोया ॥ सुखेखावकमोहिवात ॥ दिव्याले  
 चसुनिवरकने ॥ हचालोतुमसाय ॥ ६१ ॥

हाल ) चौपईकी ) कहेश्यावकचलोतुमआज ॥ सुफ  
 लहोयसबतुमरोकाज ॥ चंपानगरचलेतवराय ॥ अष्टदि  
 नामे प्रज्जचेचाय ॥ ६२ ॥ जिहावैठेसुपत्तपजेसार ॥ जि  
 नकलपोजिनवरसमजान ॥ धर्मदेपनादोसुभध्यान ॥  
 ६३ ॥ हाथजोरकहेधर्मराय ॥ चारित्रपालोमनवचकाय  
 छपाकरोसेवकपरआज ॥ दिव्यादीजैयोसुनिराज ॥ ६४  
 भावचारिषीसुनिवरजान ॥ दिव्यादौचजनसुद्विआन ॥  
 चारित्रलेधर्मकिरियाकरें ॥ तपजपसजमव्रतआदरें ॥  
 यितिपूरीतवअणसुणकियो ॥ सुकतपन्थकीमारगलियो  
 असोसमकपालजिनधर्म ॥ कहेचेतनलागेनकर्म ॥ ६६ ॥  
 दूहा ) धर्मटवानहिछाडियै ॥ धर्मसदासुपदेत ॥ धर्म  
 करेजेप्राणिया ॥ तैपावैसिषवेत ॥ ६७ ॥ कथासरसधर्म  
 रायको ॥ पूगेमयोसुजान ॥ पडेसुणजेभायसुतकोहोय  
 कल्याण ॥ ६८ ॥ संवतअटारतीसमें ॥ आसोसुदिसुभ  
 जान ॥ ग्यारसदिनरविवारको ॥ चेतनकीयोवपान ॥ ६९  
 नगरअहमदाशादमें ॥ कथाकियोसुपसार ॥ जेनरचित  
 देसामले ॥ तेउतरेभवपार ॥ ७० ॥ हाथजोरसिरनायके  
 चेतनलागेपाय ॥ भूलचूकजोवातमें ॥ तैपजोसुनिराय  
 ७१ ॥ इति श्रीधर्मचरित्रसम्पूर्ण ॥

## ॥ दुसरी सिधाय निख्यते ॥

श्रीचाटिनाथश्चादेजिनवरवादी ॥ सफलमनोरथकी  
जिये ॥ परभातउठीनेमंगलिककामे ॥ सोलसतीनाम  
कीजिये ॥ १ ॥ बालकुमारौजगहितकारी ॥ ब्राह्मो  
भरतनीवेनडिए ॥ घटघटव्यापकअक्षररूपे ॥ सोलसती  
माहेजेवडिए ॥ बाहुबलभगनीसतिवसीरोमणि ॥ सुन्द  
रोनामेकपमसुताए ॥ अकसरूपीचिमुवनमाहे ॥ जेहअ  
नोपमगुणजुताए ॥ चंदनवालावाल्मनाथी ॥ सोलवतो  
सुधआविकाए ॥ उडदनेवाकुखेवीरप्रतिष्ठाभी ॥ केवलल  
हिव्रतभाविकाए ॥ ४ ॥ उग्रसेनधुवाधारणिनंदनि ॥ रा  
जमतीनेमवछभाए ॥ योवनवसेकामनोजौती ॥ सजमले  
ईदुरलभाए ॥ पांचभरतारीपाडवनारी ॥ द्रुपदतनयाय  
खाखिये ॥ एकसोचाठिचौरपूराणा ॥ सोलमहिमातसु  
जाखिये ॥ ६ ॥ दसरथनूपनीनारिनिरूपम ॥ कौसल्या  
कुलचद्रिकाए ॥ सोलसखूणो, रामजमेता ॥ पून्यतथी परि  
नासिकाए ॥ ७ ॥ कौसबिठामेसतामिखनामे ॥ राज  
करेरगराजियोए ॥ तसंघरघरणीखगावतीससी ॥ सुरभ  
वनेजसगाजियोए ॥ ८ ॥ सुलसासाथीसोखनिवाचीराथी  
नडिविपियारसेए ॥ सुयडोजोतापापपलाये ॥ नमिलेता  
मनउवहसेए ॥ ९ ॥ रामरघुसंतीतेहनीकामणि ॥ जनक  
सुतासीतासतिए ॥ जगसुखजाणोधीजकरता ॥ अनखसी

तत्तथयोसोलथिए ॥ १० ॥ कांचितातणचालणिवांधी ॥  
 कुवाथेकीजलकाडियोए ॥ कलंकचतारवासतोसुभद्रा ॥  
 चंपावारचवाडियोए ॥ ११ ॥ सुगनरवदितसीलअप्रदित  
 शिवाशिवपटगामनिए ॥ जेहनेनामेनिरमलधदये ॥ व  
 लिहारीतेहनामनिए ॥ १२ ॥ हस्तिनागपुरमेपाडरा  
 यनो ॥ कूतानामेकामनिए ॥ पांडवमातादसयदसारनी  
 वेहिनपतीवतापटमनिए ॥ १३ ॥ सीलवतीनामेसीलव  
 तधारणी ॥ निविधेतेहनेवंदियेए ॥ नामजपतापापपुला  
 ए ॥ दरसनदुरितनिकदियेए ॥ १४ ॥ निरपंतानगगेन  
 लनरिंदनो ॥ दवटतीतसगेहनिए ॥ सकटपडियासील  
 जराप्यो ॥ निभुवनकीरततेहनिए ॥ १५ ॥ अगअजिता  
 नेजगजनपूजिता ॥ पुष्पचूलानेप्रभावतिऐ ॥ वीरविख्या  
 ताकामितदाता ॥ सीलभिसतिपदमावतिऐ ॥ १६ ॥ वी  
 रेदापीसाख्खेसापी ॥ चदयरतनभाषिसदाऐ ॥ प्रहउठी  
 नेजेनरभणसे ॥ तेलहिंसीसुषसपदाऐ ॥ १७ ॥ इति ॥

दृष्ट्वा) सासणनायकसमरोये ॥ मनवंछितसुपदाय ॥  
 राजूलइकवीसीकज्जं ॥ सुणज्यौचितलगाय ॥ चितचलो  
 योरहनेमनोदेपीराजुल्लरूप ॥ दृष्टान्तदेनेरापीयो ॥ पड  
 तोभयजलकुप ॥

ढाल) राजमतोदमवीनवैहो ॥ सुनिवरमनवलीयो  
 तूषेर ॥ थोडासुपनैकारनेहो ॥ सु० ॥ क्यूहारैनरभवफे  
 र ॥ सुणतूसाधुणीहो ॥ सुनीवरमनवलीयोतूषेर ॥ १  
 पंचमहायतआदराहो ॥ सु० ॥ मेरुजितरोभार ॥ वमोया  
 रीवंछाकरोहो ॥ सु० ॥ घृगधारीअवतार ॥ सु० ॥ सु०  
 चि० ॥ वैरागैमनषालनैहो ॥ सु० ॥ लोघोसंजमभार ॥

अवकायरहोवैफिनुहो ॥ सु० ॥ देपपगईनार ॥ ३ ॥  
सु० ॥ सु० ॥ चि० ॥ राजपंथनेकीइनेहो ॥ सु० ॥ ६३३  
मारगमतजाय ॥ इमरतभोजनचापनैहो ॥ सु० ॥ अब  
ककसकिसपाय ॥ ४ ॥ सु० ॥ सु० ॥ चि० ॥ गजससवा  
रीछोडनेहो ॥ सु० ॥ परचपरमतवैस ॥ सुरगतणासुपपाय  
नैहोसु० ॥ पातालामतपैस ॥ ५ ॥ सु० ॥ चंदसाबल  
कोयलाकरैहो ॥ सु० ॥ आबोकाटबबुलकुंगवावैघरधाग  
येहो ॥ सु० ॥ ज्यूकाइयारोशुल ॥ ६ ॥ सु० ॥ घरवर  
फिरसीगोचरीहो ॥ सु० ॥ देपीससुन्दरनार ॥ हडनामाम  
पनोपरैहो ॥ सु० ॥ छिगतानलगखीवार ॥ ७ ॥ सु० ॥  
दसीयानैवाछोमतीहो ॥ सु० ॥ गन्धणकुलमतिहोय ॥  
रतनचितामणपायनेहो ॥ सु० ॥ कीचमाहेमतघोय ॥ ८  
सु० ॥ कुलमोटोआंपातणोहो ॥ सु० ॥ तिणसाहमोठ  
जोय ॥ कामभोगनेहुवाब्दसीहो ॥ भलोनकेहसीकोय ॥  
९ ॥ सु० ॥ गोवालभहारीनारिप्रोहो ॥ सु० ॥ हमालुछ  
ठायोमार ॥ योभमसूरीअरथीवोहो ॥ सु० ॥ नहीमाल  
सिरदार ॥ १० ॥ सु० ॥ वणोरुपनारोतणोहो ॥ सु० ॥  
बख्तइहासार ॥ देपदेपनैसीदावसीहो ॥ सु० ॥ मासीज  
मारीहार ॥ ११ ॥ सु० ॥ मनगमतइंझीतणाहो ॥ सु० ॥  
सुपबिलसिघरमाह ॥ त्याअखीन्यारीरहेहो ॥ सु० ॥  
त्यागीकछाजिनराय ॥ १२ ॥ सु० ॥ आवैवेअमणदेवता  
हो ॥ सु० ॥ नलकुवरनीजात ॥ सुपनामैवाब्दानहीहो  
सु० ॥ धारीदितरीकमात ॥ १३ ॥ सु० ॥ जिहातिहई  
विचरसीहो ॥ सु० ॥ मगरानैवल्लिग्राम ॥ अकोदेपीचि  
तहोससीहो ॥ सु० ॥ नारीनरकनोटाम ॥ १४ ॥ सु० ॥

सङ्कसरीपागरमहीहो ॥ मु० ॥ नहीसरीपीनार ॥ केई  
भुगडानैकेईभलाहो ॥ मु० ॥ चलीयाजायससार ॥ १५  
सु० ॥ ब्राजीसुन्दरीविह्नडोहो ॥ मु० ॥ सतीयामेसिरदार  
करणीकरमुगतेगयाहो ॥ मु० ॥ नामलीयानीसतार  
१६ ॥ सु० ॥ तीर्थकरवायोसभोहो ॥ सु० ॥ जनमैमोटी  
सोय ॥ बालपणेतजनीसरयाहो ॥ सु० ॥ वंधवसाहमोजोय  
१७ ॥ सु० ॥ नारीदुपनीवेलडोहो ॥ सु० ॥ रमणीदुप  
नीपाण ॥ इमजाणोनैचेतज्योहो ॥ सु० ॥ कह्योहमा  
रोमान ॥ १८ ॥ सु० ॥ वचनसुंघोराजुलतयाहो ॥ सु०  
होयोठिकाणैचाय ॥ धनधनतुंमोटीसतीहो ॥ गईसुगंत  
मभार ॥ १९ ॥ सु० ॥ एदोसुऊतमज्जवांहो ॥ पाम्पोके  
वलम्यान ॥ ऐदोसुसुगतेगयाहो ॥ सु० ॥ कीजैतीहारी  
ध्यान ॥ २० ॥ सु० ॥ सम्यत् ( १८ ) बावनैहो ॥ सु० ॥  
आवणमासमभार ॥ चोथमलकहैपीपाडमेहो ॥ सु० ॥ सुद  
पांचममङ्गलवार ॥ सु० ॥ सु० ॥ चित ॥ इति ) रहनेम  
राजेमती ॥ सिद्धायसंपूर्ण ॥

सुपकारणभविष्यसमरुंओनवकार ॥ जिणसासण  
आगमचवदेपूरवसार ॥ इयमन्त्रनिमहिमा ॥ कहितानस  
हेपार ॥ सुरतरुणिमचिंतितवंधितफलदातार ॥ १ ॥ सु  
रदानवमानवसेवकरेकरओड ॥ भूमगडलविचरेतारीभवि  
यणकोड ॥ सुररुदेविलसीधतिसेजासअनंत ॥ पहिलेपद  
नमियेचरिगजणअरिहत ॥ २ ॥ जेपनरिभेदेसिद्धययाम  
गयत ॥ पचमिगतपहुताअष्टकरमकरिअंत ॥ कलअकल  
सखपीपचानतकदेह ॥ सिद्धनापायप्रणमू वीजेपदवलिण  
ह ॥ गळभारधूरधरसूटरससिहरसोम करिसारणवारण

[illegible]

गुणश्रुतीसिधोम ॥ सुतजाणसिरोमणसागरजेममंभौर ॥  
 तीजेपदप्रणमूआचारजगुणघोर ॥ ४ ॥ सुतवरगुणआ  
 गरसुचभणाविसार ॥ तपविधसंयोगेमाधिश्वरबविचार ॥  
 सुनिवरगुणभूतातिकहियेचपभाय ॥ बोधेपदप्रणमूअह  
 निसतेहनापाय ॥ ५ ॥ पंचाथवटालेपालेपंचाचार ॥ तप  
 सीगुणधारीवारीविप्रयधिकार ॥ चसयावरप्रीहरलोकमां  
 हेतेसाध ॥ चिविधिनितप्रणमू ॥ परमारथजिनलाध ॥ ६ ॥  
 श्रिकरिहरिसायणहायणभूतवेताल ॥ सुविपापप्रणासि  
 थाएमंगलमास ॥ इणसमर्यासंकटदूरटलेततकास ॥ अपे  
 जिणगुणइमसदगुरुसीसरसास ॥ ७ ॥ इति ॥

॥ राघोभीषन सिद्धाय ॥

पूज्यसंयोगिमानवभवच्छाषो ॥ साधोश्चातमकाञ्च ॥ विष  
यारसविषसरिषोणाणो ॥ इमभाषिजिनराजरे प्राणिराभि  
भोजनवारो ॥ १ ॥ आगमवाणीसाभक्तिकरिने ॥ समक्कि  
तगुण्यसंभारारे ॥ प्राणीराभीभोजनवारो ॥ दानसनान  
नेश्चाहृतिभोजन ॥ एटसीराभिनीके ॥ ऐसविकरवीसु  
रजनीसाधि ॥ नीतियचनसमक्कीर्णरेप्राणी ॥ २ ॥ पदु  
पंथीकत्तमपिणपाळे ॥ रात्रीभोजनमटाले ॥ तुमेतोमानव  
नामधरावी ॥ किमसन्तोपनश्चाणारे ॥ प्रा० ॥ ३ ॥ अम  
क्षवावीसुनेरयणीभोजन ॥ दोषकश्चापरखान ॥ तिणका  
रणराभेमतणीमो ॥ जोहोयहियडेसानरे ॥ प्रा० ॥ ४ ॥  
जूकडोनेकरोलियोमापी ॥ भोजनमांजेसाधि ॥ जोदुजलो  
दरवमनकराधि ॥ एहवारोगउपजाविरे ॥ प्रा० ॥ ५ ॥  
कुन्नुभवणीवहिसाकरतां ॥ पातिनेहउपायो ॥ तेहयोए  
कतलावभोहयामां ॥ दूषणसुगुरुवतायोरे ॥ प्रा० ॥ ६ ॥

एकडोत्तरभयलगेसरोवरफोडया ॥ एकद्वदीघपाप ॥  
 अठडोत्तरभयलगेद्वदीघा ॥ एककुविणजनोव्यापाररे ॥  
 प्रा० ॥ ७ ॥ एकसोचामालीसभवलगेकीघा ॥ कुविणज  
 नाव्यापार ॥ कूडोएककलंकदेयंता ॥ तेहवोपापनोपोखरे  
 प्रा० ॥ ८ ॥ एकसोएकावनभवलगदीघां ॥ कूडाकलंक  
 अपार ॥ एकवारसीलखंढयांतेहवो ॥ अनरथनोविसता  
 ररे ॥ प्रा० ॥ ९ ॥ एकसोनवांणुभवलगेखंडया ॥ शील  
 विषयसंबंध ॥ तेहवोएकराखिभोजनमां ॥ कर्मनिकाचित  
 बंधरे ॥ प्रा० ॥ १० ॥ रात्रिभोजननादोषवणाछे ॥ क  
 तानावेपार केवलीकहेतांपारनआवे ॥ पुरवकोडिमभार  
 रे ॥ प्रा० ॥ एहयोजाणोनेउत्तमप्राणी ॥ नितचोविहार  
 करीजे ॥ मासिमासेपापक्षमणनो ॥ लाभदूसोविधलीजेरे  
 प्रा० ॥ १२ ॥ सुनिळावन्यनिएहिंसिपामण ॥ सांभलजो  
 नरनारी ॥ शिवगतितणांसुप्रविक्षसोभविकां ॥ सुकित  
 याअधिकारीरे ॥ प्रा० ॥ १३ ॥ इति ॥

॥ तमाखूनी सिद्धाय ॥

प्रीतमसेतीवोनवे ॥ प्रेमदागुणनीजाणमेरेलाख ॥ म  
 नमोहनइमकतने ॥ सामखचतरसुजाण ॥ मे० ॥ १ ॥  
 कंततमाखूपरिहरो ॥ छोडोएहनोसङ्ग ॥ मे० ॥ पंचमाहे  
 जिमजसुखही ॥ डीखेवाधेवान ॥ मे० ॥ २ ॥ क० ॥ तमा  
 खूतेजाणिए ॥ खुरासाणोनीजात ॥ गन्धवणोछेआकरो  
 सुषोकहेजनवात ॥ मे० ॥ ३ ॥ क० ॥ दूधदहीतेपीजिए  
 वलिपीजिएसाकरपांड ॥ मे० ॥ घृतपीधेतउऊसहसे ॥  
 मे० ॥ तमाखूपरिह्वांड ॥ मे० ॥ ४ ॥ कं० ॥ मोटासेतीवो  
 नवे ॥ मनमाआवेलाण ॥ मे० ॥ दिनपणएलेनीगमे ॥



विणसाहेनिजकाज ॥ मे० ॥ ५ ॥ कं० ॥ होठलिहाला  
 सारिपा ॥ सासगन्धाएतेण ॥ दांततेदीसंमला ॥ हि  
 एडोदाभेतेण ॥ मे० ॥ ६ ॥ क० ॥ एठपियारीआचरे ॥  
 विटाक्षेनिजजात ॥ मे० ॥ विमनीधारत्रानवीरहे ॥ नगमे  
 नातपरनात ॥ मे० ॥ ७ ॥ क० ॥ ऐकेफूकेजेतला ॥ वाऊ  
 कायहणाय ॥ मे० ॥ पसपससमकायाकरे ॥ तोजवूई पन  
 भाय ॥ मे० ॥ कं० ॥ गुहाखूकरिनेजेपिए ॥ तेनरभूढ  
 गणार ॥ मे० ॥ जलनापेजेनिहाकने ॥ आपीनोसंहार  
 मे० ॥ ८ ॥ क० ॥ चोमासामाकुंथुचा ॥ तेकिमसुद्धज  
 थाय ॥ मे० ॥ बडवीजसमकायाकरे ॥ जयूहोपनभाय ॥  
 १० ॥ क० ॥ थूकेसमूरकूमऊपजे ॥ नरपचेंद्रीजीव ॥  
 जे० ॥ एयअस ख्याताकच्छां ॥ योमहावीरजगदीस ॥  
 मे० ॥ ११ ॥ क० ॥ जलमंजीवकछावणा ॥ स पचंसपच  
 नतमे० ॥ मोलफूलतिहाऊरजे ॥ अग्निप्रजालेजतु ॥  
 मे० ॥ १२ ॥ क० ॥ तमाखूग्रीतायका ॥ ऐकहकायह  
 णाय ॥ मे० ॥ जोतिषटनयणांतणी ॥ सासेदेहगन्धाय  
 मे० ॥ १३ ॥ क० ॥ बड्डीदोयजेदतकरी ॥ सेवोअीभग  
 वान ॥ मे० ॥ दयाधरमजाणीकरी ॥ सेवोचतुरसुजाण  
 मे० ॥ १४ ॥ क० ॥ चतुरविचारीसमक्षिणे ॥ धरिऐधरि  
 सुमध्यानमे ॥ आणन्दसनिदमऊचरे ॥ तीलहकोडूक  
 ल्याण ॥ मे० ॥ १५ ॥ क० ॥ इति ॥

दीवाकरवलिधूपजपेवै ॥ तोडैफूलनीकलियारि ॥ पा  
 णीस्यूमगवतनेहवायै ॥ तौमानेअनमेरलियारे ॥ चतुर  
 विचारकरीनेदेया ॥ १ ॥ जिणपुरुपारीनामलियासु ॥  
 कटैपापअदभूतीरे ॥ तिणपुरुपारीमीलटतारै ॥ किणमा

जायोपतौरे ॥ चतु० ॥ २ ॥ फूलामाहेजीवधसह्याता ॥  
 भगवतवायकजाणारे ॥ फूलचढायामेंधरमपहूपै ॥ अलु  
 गुरारीवाणारे ॥ चतु० ॥ ३ ॥ करसवणानेवज्जल  
 संसारी ॥ यहसरधासावीमानीरे ॥ कुगुन्वीदचीवणानर  
 कजावणने ॥ वीजासायेंलियाजानीरे ॥ चतु० ॥ ४ ॥ देव  
 लसाढापगलामरतां ॥ तेलारोफलवतावैरे ॥ तौवासवे  
 लातेलाकरीने ॥ असाताकुणपावैरे ॥ ५ ॥ प्रतिमाकपर  
 पोछीफेरै ॥ सौवासारौधरमजहोवैरे ॥ असौअन्योपह  
 पणाकरिनै ॥ मानवरोभवपोवैरे ॥ चतु० ॥ ६ ॥ भगवं  
 तानेवदणजावै ॥ तौसचित्तअलगाकाठैरे ॥ कैईभगवंत  
 नानामलेईने ॥ सिरकपरफूलचाठैरे ॥ चतु० ॥ ७ ॥ प्र  
 तिमानेफूलारीमालापहरावै ॥ लपवासारौधरमजयाईरे  
 असौपोटीपहपणाकरिनै ॥ दैनरकनोसाहीरे ॥ चतु० ॥  
 ८ ॥ रातरामूलाआसारापै ॥ दोहावासूसूलारे ॥ कहो  
 नैआसाकिणविधरापै ॥ दिनदोपहरांरामूलारे ॥ च० ६ ।

॥ इति सिधाय ॥

॥ अथ बृहदारी ढाल लिख्यते ॥

( दृष्ट्वा ) दयाममातावीनवू ॥ गन्धधरलागुभाय ॥ बह  
मानचोवीसभा ॥ वादुसौसनमाय ॥ १ ॥ कन्यानैगमौ  
तसौ ॥ परिसोनलीजैकोदू ॥ बूढानैपरणावतागुखबुढा  
राजोय ॥ २ ॥

( ढाल ) दृग्गपुरकंयलकोइनलोसी ( एदेशी ) परदेस  
सुं एकसेठमन्नायो ॥ घनकमायनैबोहलोल्याबो ॥ रपीबा  
नवसैआकराजाया ॥ वटावालागिणपाछादौया ॥ सपरल  
गनेसाहोसुभायै ॥ घरसारुखलेजानमुखामै ॥ वोदवीदरो  
आयोभाई ॥ तीजोभोजगचोयोनाई ॥ २ ॥

( ढाल ) मेंहलामेवौठोरंगीकमलावती ॥ ( एदेशी )  
वेटीकहेएमातासुगौ ॥ साभलज्योमोरीभात ॥ रपीबोरो  
लालअथेतोदेपीबो ॥ देसोबूढानैपरणाय ॥ १ ॥ साभल  
जोरीमाता ॥ अबलावेटीरोजोरकोमही ॥ मोलकरायोए  
मातामांहरौ ॥ भूगतागिणायादाम ॥ आतोपरचीयोडा  
कालरो ॥ कबूकरखलसीयारोकांम ॥ २ ॥ सा० ॥ अ० ॥  
मासमोट्यागएटीसैबापजी ॥ मरोहरापैपिताय ॥ रपी  
यारोलालखहोवैअतिषणो ॥ तोपरदेसाक्युमीजाव ॥  
सा ॥ २ ॥ अ० ॥ मोटीछवैएमाताहावहौ ॥ चीरनान  
हीयोभरतार ॥ छणरोतीजीवहोरहेहरपसु ॥ मोटीअथ

भासीदिनध्या ॥ सा० ॥ ४ ॥ अ० ॥ भारैवरसारीमाता  
 हायडो ॥ अरसाठवरसरीगलैफास ॥ उणगीतोजीवडो  
 भावैसोचमे ॥ निहचैरंडापारीआस ॥ सा० ॥ ५ ॥ अ०  
 सासुससरारीदुखडंसडं ॥ सोकरोदुपनगिणुकाय ॥ साठ  
 वरससिलीयौडोकरो ॥ क्यौंकरकाटुंजमवार ॥ सा० ॥  
 ६ ॥ अ० ॥ बूढोतोमाताभैठोरहै ॥ बालकपिणचलजाय  
 उणरीतोकेवतमाताकोनही ॥ उणरोनीन्दानहीथाय ॥  
 सा० ॥ ७ ॥ अ० ॥ बोलाआयानैगुगलापडगया ॥ गया  
 जवाडावैस ॥ कांवीतोमाताडिगमिगकरै ॥ आध्यागईना  
 ईहैपास ॥ सा० ॥ ८ ॥ अ० ॥ (दूहा)

सेठजीआयीपरगवा ॥ लेसाधेपरयार ॥ आगैबोलैजां  
 गद्या ॥ गावैगीतरसाल ॥ २ ॥ आयनैऊतरावागमै ॥  
 छईजीनखरीवार ॥ सपीसहैल्यामनचितयै ॥ चालोदेपा  
 वरयोद ॥ नाककरैलालापडै ॥ नहीकैआप्यामैजीसै ॥  
 करमपतखावीदणीतणा ॥ कीणनैदौनैदोसै ॥ ३ ॥

दाल) ३ ॥ (चोपईनौ) बढोबोदपरणीजनआवै ॥  
 बोडैचढीयोनाहहत्वावै ॥ डाढीसुछारैरंगकरावै ॥ आं  
 गलादातनिजरनहीआवै ॥ १ ॥ देपैआणनैलोकलुगाई  
 होरासीवेटीनेराप्रलगाई ॥ कन्यावरनेदेपआवै ॥ देपो  
 'वीदनैसुरछाआवै ॥ २ ॥ कन्यानेहथलेबोटीयो ॥ बोद  
 यीवेहसुभेटोलीनो ॥ देपोवीननैकुटेछाती ॥ अलोआ  
 योवावाजीबूढोडाफी ॥ सेठपरणीअधरेजावै ॥ लोग  
 लुगाईदेपआवै ॥ सेठजीकरीसपरीकमाई ॥ बहुगुणव  
 तीथारैनारीआई ॥ ४ ॥

बलतोसेठजइमकहै ॥ सामलिमुलछणनारि ॥ धरमैध

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नक्षेत्रतिथयौ ॥ लाहोख्यौतिगवार ॥ १ ॥ एमंदिरपमा  
लीया ॥ सुपभोगवोसंसार ॥ पुरबपून्यपूराकीया ॥ जो  
हिसरोसोभरतार ॥ कामगणधनयोलीरही ॥ मनमैबां  
योराग ॥ तेंसरोपीजोहोमिलीफूटातिबराभाग ॥ ३ ॥

ढाल ) ४ ॥ पत्सुजिणेसरपूरणभासा ( एदेशी ) - मै  
तोसगतीमायापाटी ॥ वैठीपावौनेवीअरवाटी ॥ चुत्तामै  
जावोधारीवीअरवाटी ॥ तौनैदेपनीतकटुछाती ॥ १ ॥ तूतो  
बोलैमूढासुंआटी ॥ थारापाडूचीफैरादातो ॥ रहैतूरैबूढ  
लाकाहो ॥ पाछोबोल्होतोसीरसु फोसुलीहाहो ॥ २ ॥

ढाल ) वीरसुखोभोरोवीनती ( एदेशी ) , साधजीनग,  
रोलैआवीया ॥ ऊंदरसणमवीजायोजी ॥ आठपोहर  
दिनरातरा ॥ मोनैघरमकदेनसुहायोजी ॥ पापउदैना  
रोतूजिजी ) केमैतलावफोहावीया ॥ - केमिबागबलावाजी  
आठपोहरदिनरातरा ॥ काचाफलतोहायाजी ॥ ३ पा०  
मपाइलीनैअजसोया ॥ लटोगीहोलायायोजी ॥ उदरवि  
लंमभरावीया ॥ उनरिपांणीरलायाजी ॥ ३ ॥ पा ॥

ढूहा ) हावजोहोनारीकहै ॥ साभलकंतविचार ॥ पू  
रबपापमैकीया ॥ तूमिलोयोभगतार ॥ १ ॥

ढाल ) हिवराणोपदमावतो ( एदेशी ) , कैमिसाधसं  
तावीया ॥ कैमि मासतीसंताई ॥ कैमेकहाकलकदीया ॥  
कैमेविरोधसलाया ॥ १ ॥ बातसुणोफतपाछली ॥ कदमू  
लमैपायापणा ॥ घरमैदवदोषा ॥ सुसफेईवीतरागनाक  
हामैकीया ॥ २ ॥ वा० ॥ कैमैइहाफोहापणा ॥ मासपंथी  
एढाया ॥ कैलीलारूपमढावीया ॥ बनमैदवसगाया ॥  
२ ॥ वा० ॥ कैकामण्डुमणमैकीया ॥ काचागरमगलाया

कौजिवाणीढील्याप्रणा ॥ बालबिछोड़कौया ॥ ४ ॥ वा० ॥  
घरमनेमकीयो नही ॥ बड़लोपापकमायो ॥ पाँछितापाप  
रेचदै ॥ बूढोवरपायो ॥ ५ ॥ वा० ॥  
ढाल ) धणीयजबोखीछैकरजोड ॥ धंधारैमोयारो  
मोड ॥ सिपरबंदसोहैदेहरो ॥ १ ॥ मपानैभोजनरोआ  
धार ॥ जिसोमारोनैभरतार ॥ पेहरपौठकोसौलसिण  
गार ॥ सुखउजलैसुहागणयाय ॥ सुहागणनारकहाय  
मोनेमेततूकरजैभांड ॥ मोसुयोऊयंजासौराण्ड ॥ २ ॥ लौ  
वीकाचलरातोवेस ॥ भुँडोदिसोयीरोवेस ॥ नहीजरऊं  
ऊं करतोभांड ॥ हुं तोपरणाश्रीजंदकीरौं ॥ कूडालेप  
लिखाकरतार ॥ तूतोजोडोनहीभरतार ॥ पितासाईन  
दोसाआप ॥ मेपूरबलेकौयापाप ॥ सेठजीआनुणीयजंसो  
रांछबातदूसडीतेकहि ॥ कलहकारिकजियाकीमूल ॥ घ  
बलामापडसोधूल ॥ छातीमांइधमोडोलीयो ॥ परणीजतां  
कामनपोटोकौयो ॥ दुपरीठकिणआगैजाये ॥ नहीदोसैव  
रजणीमाय ॥ ४ ॥

दूहा ) वातसुणीनारीतणी ॥ उठोमनेसैक्षात्त ॥ बूढा  
पारोपरखवोछवौछैपराम ॥ १ ॥ ८ ॥

ढाल ) ८ ( यस्तनोदेशौ ) ॥ सेठसासुरैकनैआयो ॥ मां  
होसुनरोकहायो ॥ पाखीआसीसकहवाई ॥ दीनीगादी  
बिछाई ॥ सेठसासुनैचलभोकहायो ॥ थारोवेटीनैसमझा  
वो ॥ खोलेसुढामांहिसुंमोनैफाटी ॥ मोनैकहैयूढोछाकी  
विनाबुझाईपीहरणावै ॥ मनमानैतोषरमैआवै ॥ दिनच  
झाआसूतोचठे ॥ अणसोझीआपीचहोकूटै ॥ केतोरा  
धेपोचअलुणी ॥ भसकीभरवालैसूणी ॥ गेट्यापरोसतीक

रैतड़कामड़का ॥ पाछोबोसुतोमोहैकडका ॥ पाणोनांशु  
तोपटकैसोटो ॥ पाछोबोसुतोमोहैसोटो ॥ माकैसुस  
हेवेटी ॥ इसहीक्यांहोवैतुंघेटो ॥ मांजंघारागरभमैचाई  
तुतोरुपीयासुं चितलाई ॥ तितोसुहामरायोकाई ॥ मोनैवु  
छानैपरणई ॥ माहरामनमैवबोचाइनो ॥ पिबतेपा  
न्योदादारोसाईनौ ॥ पीवैहोकोनेतोसैहरहुं ॥ जाबै  
ताइयरैवरहुं ॥

ढाख ) ६मौ ॥ करमपरीजाकरणकुमरवस्योरे (एदेयो)  
वैटोकहैपिताजीसामसो ॥ कीघोषोटोकांम ॥ मोनैदेवको  
नांवीपाडमेंकी ॥ मांहरागिषायादाम ॥ १ ॥ घूरोनपंड  
सौहीवेटरारादामसुजौ, वरिवेटीवानाविकगई ॥ हुतोष  
वलागाय ॥ सरनहीराख्योतुमेसौकीकरीजी ॥ डीयोकठोर  
माहरीमाय ॥ २ ॥ पू० ॥ मंथियामिठाकदेयनजायज्यौवी  
जैसोसोमलखहर ॥ इयभवकुछूताहरीछीकरीजी ॥  
काढ़गौपूगवलीवेर ॥ ३ ॥ दा० ॥ रोड्याषावीदिनदसगल  
गलीजी ॥ माथैवाधोसुजरीपाग ॥ म्हाहारैपूठाजिहाव  
खांजी ॥ मतवरोमनमांहराग ॥ ३ ॥ पू०-॥

ढाख ) महसामैषेठीरांथीकमसावतो ॥ (एदेयो)  
वापकहैवेटीसुणी ॥ मोसोनीबोखविचार ॥ दोहरीतोपाख  
मोटोकरी ॥ दुपदेप्यातिगवार ॥ १ ॥ गुणगावोहैवेटीवा  
परा ) यारैवरसारीवरजंख्यावतो ॥ सपरदेसान्तरजाय ॥  
सासुनैसुसरातोमैदुपदेता ॥ कुहनोरेकरतीबारोमाय ॥ २  
गु० ॥ भूपगईएथारातनतेणी ॥ इसकरपूजोतेगोर ॥  
गु० ॥ इयघननैलागोलाय ॥ आषोतोपाछोदेयोनही ॥  
दिनोजनमगमाय ॥ ३ गु० ॥ घनसुपुरोरेवेटाऊख ॥ हपो

यारोलाखचम्हे देव्योनही ॥ यारागलारोभाईसुंस ॥ ४ ॥  
 गु० ॥ मनमैतोळ तोअतीवणी ॥ करदीधोनिरास ॥ गु०  
 गुणगाइसुं होकाईवापरा ॥ ज्युज्यूपिताजीदुपदेपसुं ॥  
 त्यूत्यूदेसुंदूरासोस ॥ गु० ॥

दूहा ) मायकहैवेटीसुणो ॥ घोलीबोलबिचार ॥ वाप  
 रेंसांभीबोलतो ॥ लज्जानहीलिगार ॥ १ ॥

ढाल ) मांननकीचोरेमांनवी ( एदेशो ) म्हांरारूपीया  
 माजील्यायनै ॥ घाल्पाथेलीरेमांज्जो ॥ आगैभूखजकाढ  
 ता ॥ रोद्याताजीपायजो ( वेटीकहैमायसत्तमलो ) फाटा  
 कपडातूपहरती ॥ गहतीलोकांरीटासज्यी ॥ कपडापह  
 रातेसानटु ॥ माज्योजारैपरसादजी ॥ वे० ॥ पगमेंनछंती  
 पोखरी ॥ नहोबिछियारोवासजी ॥ ताढोषडायामाजो  
 वाजना ॥ मा० ॥ वे० ॥ तरकारोनेथेतरसता ॥ नही  
 कोईवालतोरावजी ॥ वापजीपौधेनितरीरावज्यो ॥ मा०  
 वे० ॥ छाछमांगणनैमातूजावती ॥ नहीकोईवालतोआ  
 छजी ॥ घोलीदूगैमावारयै ॥ मा० ॥ वे० ॥ वापभाई  
 विलपाऊंतागहतालोकारादासजी ॥ हिवमरोडनैमावै  
 नही ॥ मा० ॥ वे० ॥

ढाल ) यत्तनो ) बुढाननेंरोसजआषै ॥ ईणनैलाता  
 सु घमकावै ॥ देपनआषैलोगलुगाई ॥ नागैनीचीघुनल  
 गाई ॥ बुरीहोज्योरेवररानाई ॥ तिणकीनीआथसगाई  
 पूरवभवकीयापापो ॥ दूणषगटिधिआरवापो ॥ मेंतोपो  
 टोकरोयकमाई ॥ तरैवूढारैलारैआई ॥ मनेंजोडोरा  
 माग्यांआता ॥ फिररनेंपाछाजाता ॥ माराभागनैकठासु  
 आयो ॥ तोसुं हथलेंवोजुडायो ॥ कंतसु णीषिसूलोचढा



वै ॥ आध्यायसीलालकरावै ॥ नीकलतूधररिवारे ॥ बीजी  
परणुफेरसुवारै ॥ थारीसाठोनेपुधनाठी ॥ छतीआमिई  
हुंछातो ॥ दूनोजगोआणकार्जोसी ॥ थारैबैठीसी  
मीरीसी ॥

( ढाल ) अरणकरी ) नवमहीमालगमाख्याहु सुई ॥  
दुपदेध्यातिणवारोजी ॥ तातोशीलेबेटापायनै ॥ गरभकिबी  
प्रतिपालोजी ॥ मासुबैठीउधरणकीनही ॥ सीलबोदगी  
तेनैनोसरी ॥ पडदैलेईसुंवाणीजी ॥ हाथासुबेटातनेजी  
आवतो ॥ पावतीठढोपाणीजी ॥ मा० ॥ २॥ थारोदपीवा  
बैठीमेलिया ॥ साल्पाछातीमांहेजी ॥ एकदुखरेबेटामा  
तयो ॥ जनमउरणनवीयायेजी ॥ मा० ॥ ३ ॥

( ढालयत्तरी ) बैठीचैनाकहैसुणवाई ॥ चितामकरतू  
वाई ॥ बाबलरूपीयारोचितल्यावे ॥ तरैबूढानेपरखावे ॥  
म्हारोवापआगेजोरनहालै ॥ बैठीरोकछोनचालै ॥ बाबी  
कोढ़ानैपरणावै ॥ बैठीनाकोसलनहील्पावै ॥ बाबैचोर  
म्यानेदीधी ॥ बैठीकासोकिाकनकीधी ॥ बलतोबोलैछोटी  
वाई ॥ चोताकियागरजनकाई ॥ सरपिसहेल्हाहयाई  
जोहै ॥ सुनेंदेषोसुहमचकीडे ॥ बरनोनामलीयाऊ  
लानु ॥ सपीसहेल्हामेबोलनगान ॥ ॥

( ढाल ) जगतगुरुशि० ) धीरोकहैवेनहसुणोहे ॥ एकज  
माहरोवात ॥ मातपिताहलकिकहताजि ॥ लागेअपशि  
जात ) हेवेनहमनरीरोसनिवार ॥ आपेदोउउपनारे ॥  
मातारेगभअपाध ॥ मातादुपदेपाषणाजी ॥ कछाकठा  
लगजायहे ॥ वे० ॥ २॥ लोकानैकछासुणवारै ॥ मततोहीजे  
तान ॥ ऊभाईतवहनहीरे ॥ म्हागीकछोतमानहे ॥ धि० ॥

ढाल ) वैनडकहैवीरासांभलो ) वीलीवोलविचारोरे  
जेवहनडहुंतीनही ॥ तोरइतीअकनकवारोरे ॥ स्वारथ  
रातोवीरासोसगा ॥ अहीभांउहीवापजी ॥ तुहीवडोमां  
हरोभाईरे ॥ पावणनेमित्तोरोटही ॥ आंध्यागुदोपाकैआ  
ईरे ॥ २ ॥ स्वा० ॥ भाभीसुहेबोलेनही ॥ देपीसुहमच  
कोहेरे ॥ हावभावजठहोरछा ॥ उलटीकाडेन्हारोपोडो  
रे ॥ स्वा० ॥ ३ ॥ नणदोईजीमणआवीयो ॥ सुहडेपडे  
लालेरि ॥ लुगाईयांनेभेलीकरे ॥ देषावाईरोभरतारोरे  
४ ॥ स्वा० ॥ ऊंवालकन्हारोअवसता ॥ भगजोवनमेसारो  
रे ॥ रूपीयारोलालचदेपीयो ॥ किमकाटजमवारोरे ॥  
स्वा० ॥ ५ ॥ मिनपजनमैपाइयो ॥ अहिलैजनमओरापो  
उंरे ॥ येसगलांएकीकीयो ॥ किणकिणकिणनैवीरारोउंरे  
स्वा० ॥ ६ ॥

ढाल ) कायारीबाडीकारसौ ॥ एदेशी ॥ भाभीकहैन  
णदलसुणो । एकणभंरीवात ॥ बूढारैलारैजावताऊकमै  
करैदिनरात ॥ नणदलवाईसांभलो ) १ ॥ नितनवावागा  
पहरति ॥ नितनवलासिणगार ॥ कुमीनहिकिणवात  
रो ॥ लोपैनहिकार ॥ २ ॥ न० ॥ सीवरसपुराऊसिरह  
सियाहरोराज ॥ धनमात्तरहसिमोकलो ॥ वैठियौहर  
अथौव्याज ॥ ३ ॥ न० ॥

ढाल ) बैरापो मुनीआमहणि ( एदेशी ) नणदलकहे  
भाभिसुनो । मौनेंमतकरोभाडहो ॥ याहरिआयगारो  
कोईनहि ॥ जोनेंऊईचाहराडहो ॥ भाभिकरमतणि  
प्रापतपाइये ॥ वलदऊवेलेदुवला । काधोननापेकोइहो  
कन्यामुपधिनाकहै ॥ वरलावोमाहरेजोय ॥ २ ॥ भा० को

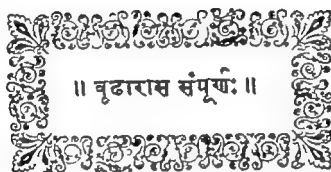
ईजिमिलाहुवा ) कीदलूपावाकसपायही ॥ पैलारासपदे  
पने । सुरपभूरमनमाहिही ३ भा० ॥

ढाल ) चंद्रावतारो ॥ यावोनीरुपीयांचितल्यावै ॥  
आपराकुलनैकासोसगावै ॥ अरुपीयाफुसमैमिलजासो ॥  
जरैमाभोजीकाईभाठापासी ॥ जीमाभाजोहीजी ॥ १ ॥  
रुपीयासेतीपोलोभरीयो ॥ परमैसरसुंनहीठरीयो ॥ बा  
वोआगलाभवरोरणाई ॥ ग्हाहाराजनमनैचापलगाई ॥  
२ ॥ जी० ॥ जोडीरोवरनहोल्यायो ॥ हीरारैगलपधर  
ल्यायो ॥ चरारैबरसाजोजोवुं ॥ चठसवारैभाजीनैरोवुं  
३ ॥ जी० ॥

ढाल ) धरणीमतावैमेषकुजरने ( एदेशी ) हाथजोडी  
होकजंकंतनै ॥ सांभलोचतुरसुजांण ॥ संसारदीसैसैसऊ  
कारिमो ॥ सुणोघर्मरीयांण ( कारणसुधारोहोप्रीतमप  
रलोकनो ) सामायकपडिकमणोहोपोसो ॥ आदरोमवत  
त्वडिरदैजेम ॥ आवकरावतपासोहोमनसु वसुं ॥ जी  
तारोचवदैनेम ॥ का० ॥ शीलवतआपिदोसआदरो ॥ थां  
उमरपाईभरपूर ॥ हीयोतोसराहोप्रीतममाहरो ॥ तर  
णीवयमैसूरको ॥ प्रथुवीपांणीहोअगमतेचवायरो ॥  
उपनावनसुतोमांज ॥ नरकानिगीदमेंहोउपनाधरा ॥  
का० ॥ मरणसोराणैहोप्रीतमआवीयो ॥ मकरोयासुंवाद्  
याराऊकणमेंरहो ॥ करोजीवरीसार ॥ वासकनैपरणी  
सुतोकरगयोकाळ ॥ बूढ़ानैपारणीसुहासरीयोऊसरावै ।  
२ ॥ मावारयारकहु तुने ॥ मनमैधरस्यौराग ॥ धारोकधून  
हीयिगद्यो ॥ धटोरापतलाभाग ॥

ढालयसनी ) धटोथारैमाथारोमोहो ॥ तोनेईण

विनकिसडोतोडो ॥ इणसुहागणपणै ॥ सुंधाईसामा  
 इककरस्युसदाई ॥ माईनवतत्वहिरदैधरस्यू ॥ तपस्यानै  
 पोसोकरस्यू ॥ धरसाखदानजदेसुं ॥ मनमान्याकारि  
 जकरस्यू ॥ संवत् आठारेछतोसैआंणी ॥ मृगसरमासए  
 कांणी ॥ चंदपरतिपवपाणी ॥ सुणोकलजुगनीसुणी ॥  
 इति ॥ वृढाचरिषसंपूर्ण ॥



॥ वृढारास संपूर्णः ॥

॥ अथ माजीरोरास लिख्यते ॥

आतीनामधरावैमाजी ॥ आतीधानधीरोसुंराजी  
रेमाजी ॥ धर्मकरणनेगेसीरेमाजी ॥ पापकरणनेपैहली  
रेमाजी ॥ धरममैताकीसेरीरेमाजी ॥ पापकरणनेवडेरीरे  
माजी ॥ पुनकरणोनहीभावैरेमाजी ॥ बेठीटावरियारमावैरे  
माजी ॥ २ ॥ पाछूसीरातजागैरेमाजी ॥ वासौदानैलागेरे  
माजी ॥ कामकरतीनहीथाकीरेमाजी ॥ सगलापहली  
मांडेचाकीरेमाजी ॥ ३ ॥ माजीनेप्याराटुकडारिमाजी ॥ घावै  
ठंडाटुकडारिमाजी ॥ परभवरोडरभुलीरेमाजी ॥ राव  
वधावेमूलीरेमाजी ॥ ४ ॥ धरमेतोबडसरिरेमाजी ॥ धर  
कागडकडाताडेरिमाजी ॥ बेठीपुरसेभाणोरिमाजी ॥ जमीकद  
रोअथाणोरि ॥ ५ ॥ माजीकाटेसुंटासुगासीरे ॥ माजिवो  
केआलपपासीरे ॥ माजीनेचरीषुलावीरे ॥ राइतामेलुं  
णवलावीरे ॥ ६ ॥ माजीणुवाकीयामारेरे ॥ माजीसुघरो  
जनमविगाहोरि ॥ माजीकुमभएणासुभीसीरे ॥ माजी  
करदीयासीहोसीरे ॥ ७ ॥ माजीदोसीहोसमेजाडीरे ॥  
माजीदानदेवणनेआडीरे ॥ माजीकरेहरिरीकतसीरे ।  
माजीछाऊजप्राप्तेपतसीरेमाजी ॥ ८ ॥ माजीअणसोयोनाजकु  
टरे ॥ माजीयाउकायनेसूटेरे ॥ माजीपाचभणीनवीपो

येरे ॥ माजीजिवारागत्तामीसेरे ॥ ९ ॥ माजीसवसुं  
 वडकावोलीरे ॥ हातीपेलारीतोलीरे ॥ माजीआश्व  
 आइचोथरेमाजी ॥ १० ॥ लालचहिवेपुन्यपनांनीमाजी  
 तेहथीघरनासगलाराजीरे ॥ माजीपुन्यकोयावडुवारोरे  
 आणेलिपमीरोचवतारोरे ॥ ११ ॥ माजीउचीवेसेंगादीरे  
 माजीसातपोतानीदादीरे ॥ माजीदयाधरमरीनेमोरे  
 जिणआयाधरजुनभोमोरेमाजी ॥ १२ ॥ माजीपरमादमैन  
 हीपेसेरे ॥ माजीसामाडकलेद्वेसेरे ॥ माजीवोलचरचा  
 चीतारेरे ॥ १३ ॥ माजीपष्ठिकमणीसुधजोवैरे ॥ माजी  
 अतिचारआलोवेरे ॥ माजीहरीकायसप्रत्यागीरे ॥ माजी  
 जिनधर्मरीरार्गरे ॥ १४ ॥ माजीसाचीसरवापाइरे ॥  
 माजीसवसेद्वकीवाइरे ॥ माजीपाळलीरातरौआगेरे ॥  
 तुमेसुणज्योवाइभाइरे ॥ जिननीसुकरतकरसेएरे ॥ ते  
 तोभवसागरथीतरकीरे ॥ १५ ॥ इति ॥

॥ माजीरास संपूर्णः ॥

## श्रीजगत्सेठानीजी साहिब श्रीमाणिक ( देविजीकी रास लिखते )

श्रेणिकमनश्चरीजमयो ( एहनीठाल ) श्रीगुरुगोत  
मपयनमो ॥ सारदसातमनाउरे ॥ जेइयकीबुधिअपने  
गुणपुन्यवतहिगाऊ रे ॥ १ ( पुन्यवतनरसांभलो ) नि  
रमलसतीयचरिचोरे ॥ पापपंकजिहूतैमिटे ॥ होवैसबब  
पविचोरे ॥ २ ॥ पुन्य० ॥ श्रीसुषश्रीजिनभाषीया ॥ धर्मना  
चारप्रकारोरे ॥ जेप्राणीनितआदरे ॥ तीपावैभवपारोरे  
३ ॥ पुन्य० ॥ सतयुगसोजेसतीऊई ॥ साधबीसाधअने  
कोरे ॥ कलियुगमैमोटीसती ॥ माणिकदेसुविविहोरे ॥ ४  
पुन्य० ॥ जोतपमतकरणीकरौ ॥ अतकीधापसधोयोरे ॥  
तेहनीकुणगिणतीकरै ॥ गिणतनआवैन्यामोरे ॥ ५ ॥  
पुन्य० ॥ तासतयागुणगाववा ॥ मनमैऊओउछाहोरे ॥  
कहिताजिभपविचले ॥ सीजैभषमोह्लाहोरे ॥ ६ ॥ पुन्य०  
कुणकुलजनमलज्योसती ॥ कोणनगरेकुणदेसोरे ॥ कु  
कुलमैमाताम्याहीया ॥ सोसबकछविसेसोरे ॥ ७ ॥ पुन्य०  
भरतपेखसोमैमलो ॥ जबुदीपमकारोरे ॥ मध्यमेखनवपंच  
सौ ॥ छापजोजनविस्तारोरे ॥ ८ ॥ पुन्य० ॥ मध्यदेसमैदिपतो ॥ व  
त्यदेसअतिचंगारे ॥ नगरीकोसयीमलो ॥ नदीवहैमहांग  
गारे ॥ ९ ॥ पुन्य० ॥ खदनमालाजहांभई

सतीमैसि

रदारोरे ॥ नामजयंतीयाविका ॥ ऋगावतीसुपकारोरे  
 १० ॥ पुन्य० ॥ साष्ट्यनाथीजहांरुआ ॥ आवकसाधप  
 विभोरे ॥ पटमप्रभुजहांजनमीया ॥ कहालुगिकरु चरि  
 चोरे ॥ ११ ॥ पु० ॥ तसनगरीपासेभलो ॥ साहिजादपु  
 रसारोरे ॥ निकटवहैगगानटी ॥ वासैवरनआठारोरे ॥  
 १२ ॥ पुन्य० ॥ सुरपुरवरकीउपमा ॥ नगरनिरूपमदेपा  
 रे ॥ नरातचोरासीजहांविमै ॥ उसवालसुविसियारे ॥ १३  
 पुन्य० ॥ पूरणमलपु नरातमा ॥ आवकपरमसुज्ञानीरे  
 गोचबोराणीपरगहा ॥ धर्मवंतअतिदांनीरे ॥ १४ ॥ पु०  
 तसुवरणीवरणीसती ॥ गुलोबहूदतिनांमैरे ॥ जैनभग  
 तिदोचंआदरे ॥ दिनदिनचढतप्रणामैरे ॥ १५ ॥ पु०  
 तासकुपसेउपनी ॥ स्वर्गलोकथोआईरे ॥ १६ ॥ पुन्य०  
 संवतसतरसेतीसमै ॥ आवनमासउदारोरे ॥ कृष्णपक्षए  
 कादसे ॥ जनमभयोसुविकारोरे ॥ १७ ॥ पुन्य० ॥ नां  
 मकिसीरकुयरघरगो ॥ अनोकहिवतलावैरे ॥ ज्यौंज्यौवा  
 वैनाजिका ॥ मातपितासुपपावैरे ॥ १८ ॥ पुन्य० ॥ सब  
 गुनसबलछिनभर्या ॥ विनयविवेकउदारोरे ॥ जोगुणति  
 यउत्तमतया ॥ तीप्रगट्यतिगवारोरे ॥ १९ ॥ पुन्य० ॥  
 सातपितामनसोधीयो ॥ कीजैएहनोविवाहोरे ॥ जोइण  
 सरिपोयरमिलै ॥ तोखीजैलछमीलाहोरे ॥ २० ॥ पु० ॥  
 देसप्रदेसविचारता ॥ बातठीकठहराईरे ॥ पटणेंमेको  
 ठीकरो ॥ भेजसहीदरभाईरे ॥ २१ ॥ पुन्य० ॥

दृष्टा) नगरसुषसपटणेंवसै ॥ उसवंससिरदार ॥  
 गोचगहिलहाजगप्रगट ॥ दोखतवतदातार ॥ जोरानद  
 नरिदसम ॥ मानैसहुकोइआण ॥ सातपुचतेहनेप्रगट



अदभुतगुणमणिपाण ॥ २३ ॥ माणिकचंदनरिंद्रसम ॥  
 चौदेविद्याभंडार ॥ लंकनचंगवतीसतसु ॥ कामतसोअ  
 वतार ॥ २४ ॥ वरदेपतहरपितभए ॥ कौन्हीतिहकतिवार  
 करिसजाईव्याहनी ॥ रघीशरात्विस्तार ॥ २५ ॥ इव  
 गयरथपायकप्रवज ॥ जनसज्जनपरिवार ॥ लेवरातव्यह  
 नचले ॥ पडुषेनगररुभार ॥ २६ ॥ आगतभगतयगतक  
 री ॥ पुरनमहप्रवीन ॥ सुभदिनसुभग्रहसुभलगन ॥  
 व्याहरलीसौकीन ॥ २७ ॥ दानदहैमदीएवडत ॥ जनस  
 ज्ञनसंतोष ॥ विदाकीएवरकन्यका ॥ भांतिभातिसौ  
 पोष ॥ २८ ॥

चोपई ) अलकामपुरपटथैआधीया ॥ जायआगाउव  
 घाईदीया ॥ हरप्याकातपितापरिवार ॥ कौन्हेमहोदव  
 डविस्तार ॥ २९ ॥ गृहप्रवेशवरकनराकीया ॥ दानवणा  
 जाचिककी दीया ॥ देषिवदनकुलवतीवहु ॥ हरप्याजनपरि  
 जनमिलसज्ज ॥ ३० ॥ दुलहनिपावधरेधरजिसै ॥ नटद्विसिद्धि  
 घरआईतिसै ॥ मण्णिमाणिकमोतीभंडार ॥ सोनारूपानी  
 नहिपार ॥ ३१ ॥ हाथीपोहामैपालयी ॥ बहलसुदासण  
 नैनालकी ॥ दासीदाससहिलीलोक ॥ दिनदिनवाधेधोका  
 थोक ॥ ३२ ॥ पुनप्रवतनैपगपरधिस ॥ कौरतवाधोदेसा  
 देस ॥ वाधिपुनपोषपरिवार ॥ वाधीलक्ष्मीवहुतभहार ॥  
 ३३ ॥ नरदेहीधरीआईवज्ज ॥ परतकलक्ष्मीभापैसज्ज ॥  
 माणिकदेवीदीन्हीनाम ॥ अदभुतरूपवतअभिराम ॥ ३४  
 पूरवपुनप्रतयेपरमाण ॥ सुपभोगवैसुरेद्रसमाण ॥ नाट  
 क्षगीतसङ्गीतरसाल ॥ नाचैनाटकअतिसुकमाल ॥ ३५ ॥  
 स्वर्गसलाणसुपभोगवै ॥ धर्मकर्मदोउजोगवै ॥ पतिपत

नीदोऊंअधिकसनेह ॥ जोचावकसारदकृतुमेह ॥ ३६ ॥  
 देसवंगालौउत्तमदेस ॥ आणमाणिकचंदनरेस ॥ नामन  
 गरमकसूदावाद ॥ करिकोठोकीन्हीआवाद ॥ ३७ ॥ ग  
 मापरजाअरुउमगाव ॥ फोमटारसूवानवाव ॥ सल्लको  
 मांनैल्लकुमप्रमांन ॥ दिलीपतिदेअतिसनमांन ॥ ३८ ॥  
 पादस्याहथीफरकसाह ॥ सेठपदस्थदीयोउछाह ॥ मां  
 णिकचंदसेठभएनाम ॥ फिरीदुहाईठासोटांम ॥ ३९ ॥  
 देसवंगालाकीरेवनी ॥ दिनदिनसन्ततिसम्पतिवनी ॥ जा  
 केपुत्रसुरेंद्रसमान ॥ प्रगटेफतेहचंदसुजान ॥ ४० ॥ दि  
 ल्लीजायदिल्लीपतीभेट ॥ नामपितावभयोजगतसेठ ॥ जगत  
 सेठजगपतिअवतार ॥ कुलमंजुणथंभणपरिवार ॥ ४१ ॥  
 ताकोपटतरकहोकुणकरै ॥ दुषीयानादुपडालिद्रहरै ॥  
 पुत्रजुगमतिणकीवरभण ॥ सूर्यचंद्रविधिनानिरमण ॥ ४२ ॥  
 सेठनुग्यानीआणदचंद ॥ दयाचद्रप्रगटेज्यूरद ॥ पुत्र  
 पोचभएराजकुमार ॥ दोउंकामदेवअवतार ॥ ४३ ॥ आ  
 रंढचंदकीपुत्रकहाय ॥ जुगजुगजीषोमहतावराय ॥ द  
 याचंदकीपुत्रहैगुणधाम ॥ सेठसरूपचंदताकोनाम ॥ ४४ ॥  
 धनधनमाणिकदेवीपुन्य ॥ बेटापोतापुत्ररतन ॥ सतसा  
 पावाधोपरवार ॥ एकएकसोअधिकउदार ॥ ४५ ॥ भाई  
 भतीजेमेलापकसल्ल ॥ धेटीपोतीअरकुलवल्ल ॥ इंद्रसभास  
 मजसुपरिवार ॥ दिनदिनयाधोहरपअपार ॥ ४६ ॥ प्रा  
 तसमेंपूजैजिनदेव ॥ नितप्रतिसारैसदगुरुसिब ॥ सुयैजि  
 मेखरवचनवर्षाण ॥ नितनितसाधैअतपचपान ॥ ४७ ॥  
 सातषिषमेंबिसवावरै ॥ दुपीयाजननादालिद्रहरै ॥ जो  
 जोकरणीथावकतणी ॥ माताजीनेकीन्हीवखी ॥ ४८ ॥

साडकापयासौओटकगही ॥ आदिथंतलौ सोनिरवही ॥  
 दोलतवंतअरुचित्तउदार । दानदेतमनहरपअमार । ४८  
 संघतसतरदूकैतरसार ॥ भाषमासदसमीगुस्वार ॥ मां  
 णीकचदस्वर्गगतिलहौ ॥ भिनकीकीरतिजगमेंराह ॥  
 ५० ॥ तिणदिनसौमाताकुखवति । जपतपदानकीयामहा  
 सती ॥ तीणकीगिणतीकहोकुंणकरै ॥ धनप्रधनप्रसवजग  
 उच्चरै ॥ ५१ ॥

दोहा ) मातामनोरथयुंकीयो ॥ फरसौ वीसमिखन्द  
 संघसमेतसिपरतणो ॥ कीजैमनआणन्द ॥ ५२ ॥ मनसुवा  
 मातातणा ॥ जाण्याखीजगतसेठ ॥ करीसजार्हसहूनी  
 भेजेलोकपचेठ ॥ ५३ ॥ घाटवाटसबसभिकरो ॥ संघ  
 आवैजिहराह ॥ जकुअसुणतसबमूपती ॥ सागेकरनउ  
 छाह ॥ ५४ ॥ देसविदेसिपहर्ह ॥ पचीपरमज्जलास ॥ वी  
 वीहसंघबुलाइया ॥ परचीभेजीयास ॥ ५५ ॥ असवारौ  
 बाहनदीए ॥ जिहजिहमांगीतिम ॥ डेरातंबूपासभल ॥  
 दोन्हासबकौतिम ॥ ५६ ॥ संघसज्जएकठायया ॥ सुलक  
 सुलकनाआय ॥ तुरतबुलायाजोतपो ॥ सुहरतदियावता  
 य ॥ ५७ ॥ शुभदिनशुभग्रहसुभलगन ॥ शुभसुहरतसु  
 भजोग ॥ जानकरणीनीसरया ॥ जहातहांसौलौग ॥  
 ५८ ॥ आणन्दचदनरेड्रतव ॥ संघपतितिलकवणाय ॥  
 करिअसवारौइन्द्रसम ॥ संघदयाचदमाय ॥ ५९ ॥

दोहा ) कष्टपानी ) चख्योस घउछगघरिजाभजिनघरत  
 णी ॥ अतिघणीकृद्विस्तारकीन्ही ॥ सरसरदाफकी  
 मपामयपमजतणा ॥ तंबूडेरातहाणायदोन्हा ॥ ६० ॥

(चाख्योस घउछगसौजातजिनघरतणी) छालबनातकर

णाटकोछोटका । नवनश्रीभा तेनापालताण्या । देपिचुरलो  
 कईन्द्रलोकगृहसारिपा । जानहआपसुरनाथआण्णा । ६१  
 विकटपहाडसमप्रबलमदपूरीया ॥ इन्द्रगजसाविधासाजि  
 आण्णा ॥ जेघडवरअवावाडिहोदाकस्या ॥ हाथीयाजात  
 किरणपेवपाण्यां ॥ ६० ॥ च० ॥ अवलअगककवोजपुर  
 सांगरा ॥ औरपीअस्वजेघातिवंता ॥ रतनसौवर्णरूपात  
 येसाजसौ ॥ संगलीम्हातुरीतेजवंता ॥ ६३ ॥ च० ॥ बहि  
 लरघपालपीनाल्लकोअतिवणी ॥ तिहतणीकौणगिणती  
 वपांये ॥ अट्टिचिस्तारइहभातीसोभासरस ॥ देपिनाही  
 कल रावरांये ॥ ६४ ॥ च० ॥ ठलकतोढालसहादसवसा  
 जिया ॥ तीरतल्लारिनेजाविराजै ॥ सरससामतआणी  
 फौजफावेषणी ॥ चुभटमटसूरभासगसाजै ॥ ६५ ॥ च०  
 रंगपचरंगनिसाणगजपीठपर ॥ नवनवेनादनोवत्तवाजै  
 मधरजासौलहीरोलआगेचले ॥ देपोदलप्रबलभूपालभा  
 जै ॥ ६६ च० ॥ साधथौरसाधश्रीखेत्पटादिगटा ॥ आरियाओ  
 रउवभायकेते ॥ भेपपटदर्शनीभाठभोजगगुनी ॥ कौण  
 गिणतीकरैस गजेते ॥ ६७ ॥ च० ॥ अवलउसयालची  
 नालपोरवाडअति ॥ न्यातचौरासीयासङ्गलोन्ही ॥ वडव  
 हासाइनरनाहसङ्गचालोया ॥ तेहतणामानसनमानकी  
 न्हा ॥ ६८ ॥ च० ॥ प्रथमचोमासखीवीरजिनजहाकरौ  
 नगरयहमाननयणेनिहारौ ॥ छट्चंपापुरीदेपिआण  
 न्दभरी ॥ जीर्णजिनराजमंदिरगुहारौ ॥ ६९ ॥ च० ॥  
 नगरपचेटरघुनाथजीभेटोया ॥ सतीयसीतारहेजहावासै  
 देपिपहाडवनम्हाडलगूरदल ॥ सषमालीकसवरह्यातमा  
 सै ॥ ७० ॥ च० ॥ तिहाथकीनगरविदापुरीआवीआ ॥

पूजनिनराजभयोश्चतिच्छाहो ॥ तहायकीआवीयासिप  
 रगिरतलहटो ॥ देपिगिरराजलीयोअम्माहो ॥ ७१ ॥  
 च० ॥ हरपड्डाससौसिपरकपरचढा ॥ जायजिनराज  
 नोदर्शकीधो ॥ आचपूजाप्रतिष्ठाकरीभावसु ॥ सातजीने  
 मनोस्त्राभलीनो ॥ ७२ ॥ च० ॥ रतनसोवर्णनोविविध  
 आगीरचौ ॥ सातदसभेदपूजारचाई ॥ बीसहठौकज  
 हावीसजिनसिद्धभए ॥ बटिजिनचरणलहिमावधाई ॥  
 ७३ ॥ च० ॥ तीनदिनरातगिरसिपरकपररच्या ॥ भाव  
 भगतैकरीतीर्थभेट्यो ॥ शुक्रनवज्जलोथयोजनमसफलोभ  
 वो ॥ दुखतदोहगतयोमानमेट्यो ॥ ७४ ॥ च० ॥ जायक  
 रिआवीया ॥ सिपरगिरतलहटो ॥ सवनौभक्तिकीहोस  
 वाई ॥ पोपीयासंघसज्जविविधपकावानकारि ॥ सुहरसुह  
 रतणीलहणदौवाई ॥ ७५ ॥ च० ॥ घासजरवाफपटकुल  
 पहराईया ॥ संघपदधीतगीजाललीधौ ॥ खोकधनधन  
 करैजयजयउच्चरै ॥ एहकरतूतिअतिसवलीकीधौ ॥ ७६  
 च० ॥ सघचकुंगसौनिजघरेआवीया ॥ नगरमेंबडतउ  
 छाहकीहो ॥ घन्यधन्यपुन्यमाणिकदेवीसती ॥ तुमिसप  
 तितणोलामलीहो ॥ ७७ ॥ च० ॥

दोहा)मातामाणिकदेवतौ ॥ असफेखोसंसार । सङ्ग  
 लायोसिपरकौ । परध्याद्रव्यअपार ॥ ७८ ॥ जवतेजातपधा  
 रीया । माताजीघरप्रेम । तवहीतेमनइदकरौ । अभिग्र  
 हलीनोएम ॥ ७९ ॥ जिनमटिगुपातणा ॥ गृहमैसरस  
 दनाय ॥ प्रतिमामोनारगतनी ॥ चापीयोजिनराय ॥  
 ८० ॥ पहरएकपूजाकरै ॥ जपैमखनवकार ॥ दानदेहि  
 जवहायली ॥ तनहीकरैअहार ॥ ८१ ॥ छठछठअपार

गो ॥ जोकहं तिथवढजाय ॥ तवतेलानिहचैकरै ॥ एह  
टेकनमिटाय ॥ ८२ ॥ दीयप्रहरसास्त्रसुगै ॥ संभाकरै  
ढकाल ॥ पोसहअटनिचौदसी ॥ पडिकमणाविडकाल  
८३ ॥ सचितवस्तुकुम्भैनही ॥ दीनहीनप्रतिदान ॥ कुण  
सरभरतेहनोकरै ॥ सकैनराजागण ॥ ८४ ॥ देसप्रंगा  
लैनहिडता ॥ देहराअरूपोसाल ॥ पुन्यप्रसादमातातणै  
घरघरययायिसाल ॥ ८५ ॥ जैनीहीतेनग्रमै ॥ आगेघरदो  
यच्यार ॥ सोप्रसादमातातणै ॥ आवकभएहजार ॥ ८६  
जोनरआएदेसके ॥ धनधनवस्त्रविहीन ॥ तिणकोमाता  
जीतुरत ॥ सहयप्रतोकरदीन ॥ ८७ ॥ रतनकनकनो  
सुडिका ॥ पहिरौनहीजिणनार ॥ सोप्रसादमातातणै  
लदेकनककीभार ॥ ८८ ॥ कर्णभोजविक्रमभए ॥ सतयुग  
मैदातार ॥ कलियुगमैमाणिकदेजीसौ ॥ देधानहोसंसा  
र ॥ ८९ ॥ वरणधरराजवमातजी ॥ जबसौ इहपुरआय  
तवसौयहपुरकीदसा ॥ दिवसदिवसअभिकाय ॥ ९० ॥

ढाल ) कोइलोपरवतधूधलीएलो ) जोतपमाणिकदे  
कीयोरेलो ॥ सोसवकरु वपाणरे ॥ सुग्यानी ॥ पंडितसु  
गिमनसरटहैरेलो ॥ सुरखहोयहैराणरे ॥ सुग्यानी ॥  
९१ ) सुणतपमाणिकदेतणारेलो ॥ सुणतापतिकजायरे  
सु० ॥ इणयुगमेंकुणकरिसकैरेलो ॥ सुणताअचिरज  
यायरे ॥ सु० ॥ ९२ ॥ सुणि० ॥ प्रथमवीसथानिककरा  
रेलो । बेलाअारसैवीसरे ॥ सु० ॥ उजमणातेहनोकरयोरे  
लो ॥ परआद्रव्यसुजगीसरे ॥ सु० ॥ ९३ ॥ सुणि० ॥  
निन्नाणूसैबूजतणारेलो ॥ छटकीयाभलमायरे ॥ सु० ॥  
छटछमासिघन्नातणारेलो ॥ कीर्णामनवचकायरे ॥ ९४

सुखि० ॥ गृणपरमेष्टीपंचनारेत्तो ॥ कहियेएकसोचाठरे  
 सु० ॥ आपजयातेलाकरीरेत्तो ॥ आल्याकर्मकुवाठरे ॥  
 सु० ॥ ८५ ॥ सुखि० ॥ चोवीसीतिऊकालनीरेत्तो ॥ व  
 होत्तरछठथायरे ॥ सु० ॥ करिमतउजमणीकीयारेत्तो ॥  
 श्रीमांणिकदेमायरे ॥ सु० ॥ ८६ ॥ सु० ॥ धीसांवीस  
 विहरभाननारेत्तो ॥ सिवकुमारपचीसरे ॥ सु० ॥ इग्वार  
 इग्वारगणधरतणारेत्तो ॥ छठकीधासुजगौसरे ॥ सु० ॥  
 सुखि० ॥ कर्मप्रछतनापिणकीयारेत्तो ॥ छठएकसोअठ  
 तालरे ॥ सु० ॥ कर्मरहितसिद्धतेहनारे ॥ आपकियाचि  
 ऊकालरे ॥ सु० ॥ ८८ ॥ सुखि० ॥ कल्याणकचोवीसना  
 रेत्तो ॥ ब्रतवीसासोथायरे ॥ सु० ॥ तेतपबिलाधीकरारे  
 त्तो ॥ आपजयाधरिभावररे ॥ सु० ॥ ८९ ॥ सुखि० ॥ इह  
 विषछठछठपारणारेत्तो ॥ कीनावरसछवीसरे ॥ सु० ॥  
 मोहनआणखोदेहनारेत्तो ॥ सगतोदईणगदीसरे ॥ सु०  
 १०० ॥ सुखि० ॥ जोहुबेकळंपारणारेत्तो ॥ जीमेअल  
 पआहाररे ॥ सु० ॥ गणतिरावैअन्ननीरेत्तो ॥ तिनह  
 मांणिविचाररे ॥ सु० ॥ १०१ ॥ सु० ॥ दुखरमतकरतां  
 कारेत्तो ॥ तनरघोअस्थिसमानरे ॥ सु० ॥ तवळंनछा  
 डगमातजीरेत्तो ॥ अपनायतपचस्काणरे ॥ सु० ॥ १०२  
 सु० ॥ लापौ टानदीयासतारेत्तो ॥ लापकोयाउपगाररे  
 सु० ॥ लापजीवप्रतिपासीयारेत्तो ॥ लापौ मेजससाररे  
 १०३ ॥ सु० ॥ मोहनहोममतानहीरेत्ताल ॥ रागनहो  
 कछरोसरे ॥ छेमादयासमताभरीरेत्ताल ॥ हरपनहिअ  
 पसोसरे ॥ सु० ॥ १०४ ॥ दानसीयस्तपभावमाररे ॥ घ  
 र्मनाधारप्रकाररे ॥ सु० ॥ माताजिनादेहमोरेत्ताल ॥

पुगदिष्याचाररे ॥ सु० ॥ १०५ ॥ सु० ॥ इन्द्राणीसम  
सुपकीयारे ॥ सीराजासमराजरे ॥ सु० ॥ देहतणीसम  
तातजीरेलो ॥ जपूयाथोजिनराजरे ॥ सु० ॥ १०६ ॥  
नामबडोनातोवडोरेलो ॥ वडोसुजसपरिवाररे ॥ सु० ॥  
भागवडोमातातणीरेलो ॥ सुतजगसेठचटाररे ॥ सु० ॥  
१०७ ॥ सु० ॥

दृष्टा ) ज्ञकुप्रकवह मेटेनही ॥ माततणीजगतसेठ ॥  
तीनवारदिनप्रतिकरै ॥ चरणकमलकौभेट ॥ १०८ ॥  
सतमागेनवसहस्रदिय ॥ सहस्रकहेदेजच ॥ मातानैमा  
नेसदा ॥ परमेस्वरपरतच ॥ १०९ ॥ दानपुन्यतीमातजी  
करताहताहसेस ॥ वरसरह्याजवकालके ॥ लागीकरनवि  
सेस ॥ ११० ॥ वक्तपानअनदानदिय ॥ जिहमाग्याजास  
वरसएकलगिवरसीया ॥ सोनैईयासुप्रकास ॥ ११२ ॥  
सहरसहरलाहिणकरी ॥ सगतवडोजसलीन्ह ॥ असैक  
रनीआकललि ॥ दूजैकिणहीनकोन ॥ ११२ ॥ पुत्रपौत्र  
परिवारसौ ॥ हितसौ करीअसीस ॥ राजकृद्विपरिवार  
युत ॥ जीवोलापवरीस ॥ ११३ ॥ यौसपअनसनचच्चरी  
सुहभावसुभध्यान ॥ दानपुन्यकरतांछता ॥ शुणतांसुगु  
ह्यपाय ॥ ११४ ॥ सबसौ कौन्हापांमणा ॥ करिप्रभूजि  
नोध्यान ॥ माणकदेमातासती ॥ पञ्जतीअमरविमान ॥  
११५ ॥ संवतसषेअठाणवै ॥ पोपछण्णारविदार ॥ पडिवा  
पुष्पनअचमै ॥ पञ्जतास्वर्गमभार ॥ ११६ ॥

ठाण ) अलखिखाकी ) धनधन्यमाणिकदेसतीरेलाल  
धनधन्यतुम्हअ्रीताररेमहासती ॥ जनमसुधारयापणा  
रेखाल ॥ करितपदानचटाररे ॥ महासती ॥ ११७ ॥



धन० ॥ ससवंसधनजांणीएरेलास ॥ गोदगजलडासाररे  
 म० ॥ धनजांणिकचंदसेठजीरेलास ॥ तामघरणिपुपका  
 ररे ॥ म० ॥ ११८ ॥ ध० ॥ धनधनपूरणमस्तुपितारेलास  
 धनमातापुपकाररे ॥ महासती ॥ ११९ ॥ ध० ॥ घोष  
 कालैपनीरे ॥ आविकाजयंतोसाररे ॥ महासती ॥ चं  
 दनबाललगावतीरेलास ॥ सतिस्तुभद्रासाररे ॥ महास  
 ती ॥ १२० ॥ ध० ॥ तासपटतरजांणज्योरेला० । इणपञ्चम  
 कालरे ॥ महासती ॥ जैनधर्मधिरयापिवारेलास ॥ ली  
 णोएश्वताररे ॥ महासती ॥ १२१ ॥ ध० ॥ सास्त्रमाहि  
 सुणताडतारे ॥ साधसतीनीवातरे ॥ महासती ॥ परत  
 षदेधीचांधिसौरे ॥ माणिकदेवीमातरे ॥ महासति ॥  
 १२२ ॥ ध० ॥ सतीतणाग्रतसाभलीरेला० ॥ मनहरपैमनभा  
 वरे ॥ महासती ॥ सुपकपजैसंसारनैरेलास ॥ कुसती  
 घरैकुभावरे ॥ महासती ॥ १२३ ॥ ध० ॥ पासचद्रगळ  
 परगडारे ॥ वाचकसीहपेचंद ॥ तासचसुजससुचवरे  
 रेलास ॥ नामसुनीनिहासचदरे ॥ महासती ॥ १२४ ॥  
 ध० ॥ सवतसतरचठाणवेरे । पोषछण्णपक्षसाररे ॥ महा  
 सती ॥ तिथतेरसजसजपियोरेलास ॥ अगसूदावादम  
 भाररे ॥ महासती ॥ १२५ ॥ ध० ॥ पढैगुणैसाभलीरेला  
 सुणमनधरहिआनद ॥ तसुधरधर्मप्रसादयोरेलास ॥  
 दिनदिनअधिकआनदरे ॥ महासती ॥ १२६ ॥ ध० ॥

माणिक देविजीकोरास संपूर्ण

## ॥ अथ होकरानीवातलिख्यते ॥



एकदिनराजाभोजनेमाधपंडित ॥ सहैरसेकोसदोय  
 माथे एकवागछे ॥ तठेगयाजायनेपाछाआपरेसहैर ॥ आ  
 वताथा सीआवतांमारगमूला ॥ तरेराजाभोजकहेवाला  
 गोके ॥ सुणोमाधजी ॥ आपिमारगमूला ॥ तरेमाधजी  
 पंडितकहे ॥ सुणोप्रथयीनाथ ॥ एकहोकरौगोऊरोपेतर  
 पवालेछेसो ॥ उणनेपूछनेठोककरी ॥ तरेदोउअसवार  
 चाल्या ॥ होकरौकनेआया ॥ आयनेवेऊणगारामराम  
 कोघो ॥ होकरौकहे ॥ आवोवीरारामराम ॥ तरेहोकरौ  
 बोलीवीराथेकुणछो ॥ बाईमेतोछांवटाउ ॥ वटाउतोदीय  
 तिकेकिसा ॥ एकतोसूरज ॥ बीजोचंद्रमा ॥ बीरासाच  
 बोलीथेकुण ॥ बाईमेतोछाम्राहुणा ॥ म्राहुणातोदीयति  
 केकिसा ॥ एकतोघन ॥ बीजोजीवन ॥ धेकिसाम्राहुणा  
 बीरासाचबोलीथेकुण ॥ बाईमेतोछाराजा ॥ राजातोदो  
 य ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोचंद्रराजा ॥ बीजोममराजा ॥  
 धेकिसाराजा ॥ बीरासाचबोलीथेकुण ॥ बाईमेतोछांसा  
 धू ॥ साधूतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोसीलवंत ॥ वींजो  
 सग्तोपी ॥ बीरासाचबोलीथेकुण ॥ बाईमेतोछांऊणला  
 उणलातोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोसाधू ॥ बीजोपा  
 थोथेकिसाऊणला ॥ बीरासाचबोलीथेकुण ॥ बाईमेतो

छापरदेशी ॥ परदेशीतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोजी  
 व ॥ बीजोपवन ॥ धेकिसापरदेशी ॥ बीरासाचवोलोधि  
 कुण ॥ बाईमेतोछांगरीव ॥ गरीवतोदोयतिकेकिसा ॥  
 एकतोछासीरोजायी ॥ बीजोमंगतजन । धेकिसागरीव  
 बीरासाचवोलोधिजुण ॥ बाईमेतोछांधयला ॥ धवलातो  
 दोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोबसद ॥ बीजोकपास ॥ धेकि  
 साधवला ॥ बीरासाचवोलोधिजुण ॥ बाईमेतोछाचतुर ॥  
 चतुरतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोचन्द्र ॥ बीजोपाणी  
 धेकिसाचतुर ॥ बाईमेतोछाहारिया ॥ हारियातोदोव ॥  
 तिकेकिसा ॥ एकतोवेदीदीधीतिको हारियो ॥ बीजो  
 मायेदेशीतिको हारियो ॥ तरेडोकरीकडेवालागो ॥ तू  
 तोराजाभोजछे ॥ ओमाधपंडितछे ॥ इतनियातपूछनेडो  
 करीनेनमस्कारकरीने ॥ असयारहैई ॥ आपरिसहैर  
 आया ॥

( इति छोकरीनीयात )

॥ अथसारबोलसिमाय सिस्थते ॥

चोपड ) भगवतिभारतीचरणनमेवी ॥ सदगुरुनामस  
 टासमरीवी ॥ बीजिसचोपईऐसाचार ॥ जोईलेममाण  
 विचार ॥ १ ॥ पण्डिततेजेनायेगर्व ॥ ज्ञानीतेजेजाणेसर्व  
 तपसीतेजेनधरिक्लोष ॥ करमचाठजीपेतिजोष ॥ २ ॥ उ  
 त्तमतेजेबोलेन्याय ॥ धर्मतेजेमननेमाय ॥ ठाकुरतेजेपासे  
 वाच ॥ सदगुरुतेजेभायेसाच ॥ ३ ॥ गिरुदतेजेगुणेचा  
 गानो ॥ स्त्रीपरितारकरतिमलो ॥ जेस्त्रीतेजेनिन्दाकरि ॥

पापीतेजेहिंस्याचाचरे ॥ ४ ॥ साततिजेजिनवरतणी ॥  
 कोरतितेजेवीजेसुणी ॥ लवधितेजेगौतसगणधार ॥  
 बुद्धिअधिकोअभयकुमार ॥ आवकतेजेलहनवतत्व ॥  
 कायरतेजेभूकेसत्व ॥ मंदपरोतेय्यीनवकार ॥ देवपरोतेसु  
 गतिदातार ॥ ६ ॥ पदवीनेतीनयंकरतणी ॥ लतितेजे  
 उपजेआपणी ॥ समकिततेजेसाचुगमे ॥ मिघरातितेजे  
 भूलोमदे ॥ ७ ॥ जोटोतेजेजाणोपरपोढ ॥ धन  
 यंततेजेभाजेभीड ॥ मनवधिआणतेवलुयंत ॥ आ  
 लसथीअधिकोपुन्यवंत ॥ ८ ॥ कामीनरतेकडिए  
 अंध ॥ मोहजाळतेमोटोफंद ॥ टारिद्रीतेजेधर्महीण ॥  
 दुरगतिमानलेतेदीण ॥ आझातेबिहावोलीदया ॥ सुनि  
 वरतेजेपालेक्रिया ॥ स तोपीतेजेसुपियाथया ॥ दुपिवाते  
 जेलीभेअह्या ॥ १० ॥ नारीतेजेहोबेसती ॥ दरशनतेठ  
 वोसुहपती ॥ रागद्वेषटालेतेयती ॥ सुधूजाणतेजिनजती  
 ११ ॥ कायातेजेथोलपयिच ॥ मायारहितहोएतेजिच  
 वडपिणपालेतेजेपूच ॥ घरमहाणिपाडेतेसबु ॥ १२ ॥  
 वयरागीतेजेविरमेराग ॥ तारुतेभवतरेअथाग ॥ रौरव  
 नरकतणोएसाग ॥ छागइणोजेमडेजाग ॥ १३ ॥ देहमा  
 हिसारीजीह ॥ वरनघाएतेलेपेदीह ॥ रसजाहिठपस  
 मरसलीह ॥ युक्तभट्टसुनिमाहेसि ह ॥ १४ ॥ साचजपे  
 तेजिननूनाम ॥ योगीतेजेभीपेकाम ॥ न्यायवतकहिरेते  
 राम । जिनधरमीवसितेगाम ॥ १५ ॥ एहथोलघोल्यामेपरा  
 सारनथीएहथोऊपरा ॥ कष्टेपण्डितलपणीकलोल ॥ घर  
 मरंगमनधरजीचोल ॥ १६ ॥

॥ इतिसाखोलसिंभाय ॥

छांपरदेशी ॥ परदेशीतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोजी  
 व ॥ बीजोपवन ॥ धेकिसापरदेशी ॥ बीगसाचबोलोवे  
 कुण ॥ वार्दमेतोछांगरीब ॥ गरीबतोदोयतिकेकिसा ॥  
 एकतोछास्तीरोमाथी ॥ बीजोमंगतजन । धेकिसागरीब  
 बीरासाचबोलोथेकुण ॥ वार्दमेतोछाघयला ॥ धवलातो  
 दोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोबसुद ॥ बीजोकपास ॥ धेकि  
 साघयला ॥ बीरासाचबोलोथेकुण ॥ वार्दमेतोछाचतुर ॥  
 चतुरतोदोय ॥ तिकेकिसा ॥ एकतोअन्न ॥ बीजोपाणी  
 धेकिसाचतुर ॥ वार्दमेतोछाहारिया ॥ हारियातोदोय ॥  
 तिकेकिसा ॥ एकतोबेदीदीधीतिको हारियो ॥ बीजो  
 मायेदोषोतिको हारियो ॥ तरेछोकरीकहेवालागो ॥ नू  
 तोराजाभोजके ॥ ओभाषपंडितके ॥ इतनियातपूछनेछो  
 करीनेनमस्कारकरीने ॥ असवारहोई ॥ आपरेसहेर  
 आया ॥

( इति छोकरीनीवात )

॥ अथसारबोसिमाय लिखते ॥

चोपट् ) भगवतिभारतौचरणनमिषी ॥ सदगुरुनामस  
 टासजरेवी ॥ बोखिसचोपट्पेथाचार ॥ जोईलेजजाण  
 विचार ॥ १ ॥ पण्डिततेजेनाणेगर्ष ॥ ज्ञानोतेजेणाणेसर्व  
 तपसीतेजेनधरिओध ॥ करमआठजीपितेओध ॥ २ ॥ उ  
 त्तमतेजेबोलेन्याय ॥ धर्मतेजेमननेमाय ॥ ठावुरतेजेपासे  
 वाच ॥ सदगुरुतेजेभाषिसाच ॥ ३ ॥ गिरुडतेजेगुणेथा  
 गतो ॥ स्त्रीपरिहारकरेतिभलो ॥ सेलोतेजेनिन्दाकरे ॥

थापीकरी ॥ इन्द्रसुरलोकेनावरे ॥ दत्तधरमपोलेसदा  
मेठमेवूजगिररायारे ॥ १३ ॥ वी० ॥ प्रथवीजिनअंठित  
करी ॥ पाम्योसुवअपारारे ॥ देवलोकासुखभोगवी ॥  
पामेजयजयकारारे ॥ १४ ॥ वी० ॥ पांचलचारानेहृष्टे  
अगुरदिवसहुहोसीरे ॥ छटोअरारेविसता ॥ जिनधरम  
प्रथकदासारे ॥ १५ ॥ वीजेपोहरेगगनीआवसे ॥ वीजे  
राजनयोदरे ॥ चोपिपहरसहुनोपना ॥ छटोअरारेविसोई  
रे ॥ १६ ॥ वी० ॥ छहचारैरालानजौ ॥ दिलवासीसरवहोसी  
रे ॥ वीसवरसनेआरुपो ॥ ॥ केवरसनेगरमधरसीरे ॥  
१७ ॥ वी० ॥ वरससहसचोरासीपणो ॥ भोगवसीभवक  
रओरे ॥ तीर्थकरहोसीभलो ॥ अणकजीवसुमधरजारे  
१८ ॥ वी० ॥ तासगणधरअतिसुन्दर ॥ कुनारपालमू  
पालारे ॥ आगमनायीजोयने ॥ रचियाअयणरसालारे ॥  
१९ ॥ वी० ॥ पांचमत्रागनामावए ॥ आगमभाष्यावी  
रोरे ॥ ग्रन्थजोवधिअरानेकह्हा ॥ सांभलजोभवधीरोरे ॥  
२० ॥ वी० ॥ भगतासभक्तिसंपजे ॥ सुयतामङ्गलमाल  
रे ॥ जिनहसेकरिदेपोये ॥ एहसिद्धावरसालरे ॥ २१ ॥  
वी० ॥ इति ॥

( कर्ताकसिंहायसंपूर्ण )

॥ अथआठपानीसिंहाय लिख्यति ॥

वेवेसुनिवरवेहरणपाशुरगारे ( एदेशी ) आठपोतूटा  
साधोकोनहीरे ॥ तिणकारणमकरोजीवप्रजादरे ॥ जरा  
आयानेसरणोकोनहीरे ॥ हिंसाछोडीनेदयापालरे ॥ १

## ॥ अथकलंकीसिन्धाय लिख्यते ॥

वीरकहेहेगौतमसुयो ॥ पञ्चमअरानामावरे ॥ वी० ॥  
 सहरहोसीतेगामडा ॥ गामडाहोसीमसाणोरे ॥ विष  
 गोवालेधेनचरे ॥ २ ॥ पापंडोषणाआगसौ ॥ भागसोबर  
 मनापंथोरे ॥ आगससतमरहोकरौ ॥ करसीनवानवाग्र  
 न्वोरे ॥ ३ ॥ वी० ॥ कुमतोभाक्काकदाग्रही ॥ थापसी  
 आपणाबोकोरे ॥ साशचनामारगमूकसे ॥ करसीनिज  
 सुधबोकोरे ॥ ४ ॥ वी० ॥ सुभकिहेकुमतीषणा ॥ होसीते  
 निरधारोरे ॥ जिनमतनोरूपिनविगमे ॥ थापसीनिजमत  
 सारोरे ॥ ५ ॥ वी० ॥ चाक्षणिनीपरिचालसे ॥ धरमन  
 जाणसीभेदोरे ॥ आगमसास्त्रनेटाखसे ॥ पालसीआपउमे  
 दोरे ॥ ६ ॥ वी० ॥ राजाप्रजानेपीडसे ॥ होइसेनिरधन  
 लोकोरे ॥ मांझानवरसेमेइला ॥ मिथयाहोसिवड्डलायी  
 गरे ॥ चोरचरडवहुलागसे ॥ बोक्कनपालसीबोकोरे ॥ सा  
 धूजनतीसिधावसे ॥ दुरजनवड्डलाकोकोरे ॥ ८ ॥ वी० ॥  
 संवतउगणीसचोदोतरे ॥ होसिकलकौरायरे ॥ मात  
 याघणीगसुजाणीथी ॥ वापचहालकहिवायीरे ॥ ९ ॥  
 असोवरसनाआजपी ॥ पाडलोपुरमेहोसीरे ॥ तसुसुत  
 टत्तनामेगलो ॥ यावककुलसुधघरचोरे ॥ १० ॥ वी० ॥  
 कोतकोदामचलावसे ॥ चरमतणातीजोयोरे ॥ चोयलेसे  
 भिघातणी ॥ महाअकरमीकहाययोरे ॥ ११ ॥ वी० ॥  
 इन्द्रधवधिकरणोवसे ॥ देपसेएहसुखपोरे ॥ द्विजकपेआ  
 रूकोरी ॥ हणसेकलकौमपोरे ॥ १२ ॥ वी० ॥ दत्तनेराज

॥ अथमैत्रेयहाजिकोचीपटु लिख्यते ॥

दूहा ) जुवालासदाहृथकी ॥ नरेदेह्यासुं भोग ॥ जी  
बहिंस्याचोरीनरेपरनारीनोंभोग ॥ १ ॥

ढाल ) विसनसातमोपरनारीनों ॥ पगतिपयापटिपा  
यौ ॥ रांनणपदलोत्तरदणरखराजा ॥ तीनारोगजगगा  
यो ( राजवीवंनैराजपीयारो ) १ ॥ मगरथराजाकररा  
नसौवा ॥ जुंगवाहनैमारो ॥ आपमुंवेनैराजगला  
यो ॥ हाथकछुनहोआयौ ॥ २ ॥ रा० ॥ रावणराजाप  
हिलीह्वौ ॥ पक्षेपदमोत्तरगयो ॥ तीजीकथामणरघ  
राजानी ॥ तेसुणज्यौचितखायौ ॥ ३ ॥ रो० ॥ जंबूद्वीप  
ना भरथक्षेधसाहि ॥ नगरिछुदसणभारि ॥ धनसमंपूर्ण  
देपतीरुन्दर । प्रकासुधिगजानी ॥ रा० ४ ॥ नगरथराजा  
रे धारणीराखी । रिद्धतगोविन्दारो ॥ हाथीधेठारथपायक  
सेन्या ॥ वरतेचौधोधारो ॥ रा० ५ ॥ स्वचक्रनेपगचक्रकीरो  
विदधनहीतिथ्यारो । मनरथरादारेजुगयाहभाई सांहीमां  
हिछैयारो ॥ रा० ६ ॥ पांचदुस्त्रीतणाभोगभोगवतो नाटक  
पहेदिनरेणों । विविधपरफारणी क्रिडाकरतां । विपैविहू  
न्वजगडाणो ॥ रा० ७ ॥ मनरथराजाराजभोगवतां चहौयौ  
महिलाजदारो ॥ तिणअवसरमेअयनरेहादीही ॥ जुगवाह  
नीनारो ॥ रा० ८ ॥ रूपदेपीनेराजअचरजपाय्यै । अहोरु



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

आ० ॥ कुटंबकवोत्तोनारीकारखोरे । सुरषसंभ्यावज्जुखा  
गापरे ॥ चोरतणीपरिच्छाहीभूरसीरे ॥ सहसीइहलोक  
परलोखसुन्तापरे ॥ २ ॥ आ० ॥ ऊंचाचिन्नायामंदिरमा  
लियारे ॥ देदेघरतीमेळंछोनीवर ॥ इकदिणअबजाखो  
जठोचख्योरे ॥ सुपदुपसहेसिआपखोणीवर ॥ आ० ॥  
चक्रवरतहरिदक्षराणाकिसवोरे ॥ जोयजोवलिइंद्रसुरारो  
नायरे ॥ जगोजगोनेउवेहीआबम्यारे ॥ जोयजोबोइअ  
वरिजवालीवातरे ॥ ४ ॥ आ० ॥ अथिरसंसारतजोस  
निनीसरपारे ॥ करतांसुनिनवकसपीमिहाररे ॥ भारंछ  
पंपीनीदीघोउपकारे ॥ नधरेममतानेइलिगाररे ॥ ५ ॥  
आ० ॥ आरिपपालेखोहीरोतसूरे ॥ देवेसुनिअपनीउपदे  
सरे ॥ तिकीसुनिवरसिधासीमोछनेरे ॥ असलेईइहलोकीप  
रलोकरे ॥ ६ ॥ आ० ॥ एषदरूपदेखीसमताधरेरे ॥ मकरो  
सुनिभणियारोअभिमानरे ॥ षष्ठचोधनसूखदेवनेरे ॥  
ओहकीवीणाखोरमकाररे ॥ ७ ॥ आ० ॥



( इति आठ्यानी सिंभाय ) .



॥ अथमैथिलीहाजिकीचौपट लिख्यते ॥

दूहा ) जुवालांसटाख्यकी ॥ जरेवेष्ट्यासुंभोग ॥ जी  
बहिंस्याधोरीकरैपरनारीनोंभोग ॥ १ ॥

ढाल ) विसजसातसोपरनारीनों ॥ परतिपपापदिपा  
यो ॥ रावणपदलोत्तरदणरथराजा ॥ तीनारोगाजगमा  
यो ( राजवीरानैराजपीदारो ) १ ॥ मन्थराथराजाकरस  
नसौवा ॥ जुंगवाहुनैमारागौ ॥ आपसुंद्गेनैराजगमा  
यो ॥ हायकछुनहीआयो ॥ २ ॥ रा० ॥ रावणराजाप  
हिलोछवौ ॥ पछैपदलोत्तररायो ॥ तीजीकधानणरथ  
राजानी ॥ तिसुणज्योषितरायो ॥ ३ ॥ रो० ॥ जंबूद्वीप  
ना करथछेचमाहि ॥ नगरिहुदंसणभारि ॥ धनसुंपूर्ण  
देवतीसुन्दर । प्रजासुपिराजानी ॥ रा० ४ ॥ नगरथराजा  
रे धारणीराणी । रिद्धतयोविस्तारो ॥ हाथोबोहारथपायक  
सेन्या ॥ बरतेचौथोआरो ॥ रा० ५ ॥ स्वधक्रमेपचक्रकरो  
विजयनहीतिगदारो । मनरथराजारैजुगवाहुभाई मांहीमां  
हिछैप्यारो ॥ रा० ६ ॥ पांचदुन्नीतणाभोगभोगवतो नाटक  
पढेदिनरेणों । विविधपरफारणी जिहाकरतां । विपैविह  
न्धलगडाणो ॥ रा० ७ ॥ मनरथराजाराजभोगवतां चढीयो  
महिलजदारो ॥ तिणचवसरमेमयरीहाटीष्टी ॥ जुगवाहु  
नीनारो ॥ रा० ८ ॥ रूपदेपौनेराजधचरजपाय्यै । अहोरु

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

पञ्चतुमारो । ईनराणीनैज्जगजमेरापू । सुप्रविलसु संसारो  
 रा० ६ ॥ मनरथराजाकरमनसोवौ जुगवाहनेवोखायो ॥  
 करोसभाईआयुधसालानी । छदेशलेवानेखायो ॥ रा० १०  
 हाथजोडीनेजुगवाहनेवोख्यो श्रीतोथोडोछेकामो ॥ रा०  
 विराजोराजसभा । ऊंजासूभाईतामोमे ॥ रा० ११ ॥ म  
 नरथराजाराजोडवो ॥ ऊकमकीयोछैभाई ॥ देशकी  
 कोकायमकरिचावो ॥ - केजावोफोणसभाई ॥ रा० १२  
 जुगवाहताउथ्योसितायसु । हरपडवोमनमाहि ॥ किलो  
 कायमकरपाछोआउ अवसुजरोकरूभाई ॥ रा० १३ ॥ के  
 फोजांजुगवाहताहियो ॥ जखलामजलाखायो ॥ जुगवाह  
 तामननेनजान्दो । अनरथक्षीयोउपाये ॥ रा० १४ ॥ अनरथ  
 राजामनरेहाने । नारीवल्हमझावे । गहतांजहावरापहि  
 ग्रासोपि । दासीरेहायपडछावे ॥ रा० १५ ॥ दासीरा  
 धारिछानेवल्हपडछावे । देउराणीनेखायो ॥ अनरथराजा  
 चोकवनायो ॥ तिनरीपवरगहायो ॥ रा० १६ ॥ मयनेरेहा  
 नाजाहिगान्यो - । घनीषाकोछेगामो । मयनेरेहा  
 मनजानीजासो ॥ छेठपिताई ठासो ॥ रा० - १७ ॥ इस  
 गारिनेराणीउपातिषा ॥ वस्यआमृपयसारो । नेहसनेह  
 वल्हमेली । जाण्योसागोमारेलारो ॥ रा० १८ ॥  
 मयनेरेहानेरिसगआई । दोनिदासोनेममधारो । घनीता  
 सारोपरदेससिधायो । राजापतिवियाहारेलारो ॥ रा० १९  
 दासीतौजमिदिखगोरछाई ॥ राजापासिआई ॥ मयनेरे  
 हातीराजाकोपकरने ॥ दोनापखयगई ॥ रा० २० ॥  
 जगरथराजा रातरछैमे ॥ नैहजभाईनेजायो ॥ दर  
 वानेतिजोडोयोदिठो ॥ देलोजारैछेगामो ॥ रा० २१ ॥

मयणरेहातोमनमांहेजाण्यौ । मणरथराजाआयो ॥ बीजौतौ  
 कीईउपावनदीसि । ऊसासुनैदूरैजनायो ॥ २० २० ॥  
 मयणरेहातोकांनोजायने ॥ दोनोछेजनायो ॥ अमलामि  
 सतोमाताजाण्यौ । बेटोभोलैआयो ॥ २३ रा० ॥ आतोम  
 हलबेटाजुगवाहनो । महलपैलौकांनीधारो । बचनमाता  
 नोसांभलराजा ॥ लाउयौछैतिणवारो ॥ २४ रा० ॥ मैण  
 रेहायैमनमैजाण्यौ । पढीयोगबेसेमाहरै ॥ तोकाशोदमे  
 लौघनीने । बिगाआवज्जौइणवारै ॥ २५ रा० ॥ वोतौ  
 यातक्षिप्रिकागटमै । जीवतौजाण्योमोने । तोपाछावरेवेगा  
 आयज्यौ ॥ दगोकीयोछैथानै ॥ २६ रा० ॥ काशीदकाग  
 ददीयोसीताबसुं । जुगवाहुनेजाई ॥ कागटयांचनेजुग  
 वाहुजाण्यौ । दगोकायोछैभाई ॥ २७ रा० ॥ इमजाणीने  
 राजापाछोबलीयो । ठौलनकीनीकाई ॥ मोहरत नही रा  
 जासहलजांवरणरो । निमतोयेवातवताई ॥ २८ रा० ॥ जु  
 गवाहुतीडिरोवारैकीनी । नगरीमेंनहीआयो ॥ मणरथ  
 राजारोहरजांणीने । रांणीघणीकनेणयो ॥ २९ रा० ॥  
 जेणरेहामिचआपघणीरो । परपुरुषप्रीतनजांणी ॥ बिरत  
 राप्रणआपरोसाख । जतनकरैछैप्रांणी ॥ ३० रा० ॥ मै  
 णरेहातोपहुंतीसिताबसुं । बिघसुंवातसुणाई ॥ जुगवा  
 हुतोमनमेंनजाण्यौ । मारेछोधानैभाई ॥ ३१ रा० ॥ जुग  
 वाहुनेआयोजाणीने । हरकपनोराजारै ॥ मनरथराजा  
 करयनिमांसण । उमरावछैइणसारै ॥ ३२ रा० ॥ जुग  
 वाहुनेरांणीकपैछै । दगोकरिसोभाई ॥ साथसमानछैइण  
 रैसारै । ऊतोपहिखीसाख जाई ॥ ३३ रा० ॥ भाईमार  
 थराजारातनेचाल्यौ । चढीयोएकसपाई ॥ दोढीदारचा

करपालतां । गयोधकायनेमांछि ॥ ३४ रा० ॥ मैथिलीभाषायां  
 मनरोदापवी । मणरथराजायायो ॥ रांलीकहैसावधान  
 ह्यो । मारेलीथानेमायो ॥ ३५ रा० ॥ मैथिलीभाषायां  
 रीद्धई । राजानेहोआयो ॥ जुगवाह्यतोनेहरोसूतो । मण  
 रथवावजवायो ॥ ३६ रा० ॥ भाईमारनेराजापाछोबहि  
 यो । होयवोहैअसवारो ॥ सरपपूछडीपुगहेटैचोघो । बा  
 घोछैतिणवारो ॥ ३७ रा० ॥ मणरथराजाहेठोपहीयो ।  
 मणगैगयोततकाछो ॥ पवरनहौकोईराजसभामें । करमां  
 कीनोछैचाछो ॥ ३८ रा० ॥ मैथिलीभाषायां कनेंआई । दुख  
 घरतीमनमाई ॥ मैतोथानेकछाँछोमहाराजा ॥ मारेछो  
 थानेमाई ॥ ३९ रा० ॥ मैथिलीभाषायां कहेघणीनें ॥ करोसं  
 थारोसोई ॥ प्यारैशरणांधानेहोइज्यौनही । किणहीरो  
 कोई । ४० रा० ॥ मोरामोतमजोद्वंधानेंसीया । बचनही  
 यामेंधारो ॥ साहिबतोपरदेशसिधावो । ऊंमातोबांधूछू  
 लारो ॥ ४१ रा० ॥ मोरा० थारैदेवधरिहतछै । गुरुनि  
 ग्रन्थथीसाधो ॥ घरमेंकीवलीमाध्वौदयामें । सभकितने  
 चारो ॥ ४२ रा० ॥ मोरा० ॥ थानेजीवमारण्यरौ । जा  
 वजीवपचपाणो । सरगप्रकारेनृपावादे ॥ अटप्तादानमे  
 जायो ॥ ४३ रा० ॥ मोरा० थानेंमैधुनसेवणरी । नवविषवा  
 हप्रमाणो ॥ अनुप्यदेयतातिरणंअसयन्वी । जावजिपच  
 पांणो ॥ ४४ रा० ॥ मोरा० थानेंक्रोधमामरो । मायाछोम  
 एथारो ॥ मनमे लोभमतामतिरापज्यौ । जावजीवपरि  
 हारो ॥ ४५ रा० ॥ मोरा० थानेरोगहोपदोई । वीजकरमां  
 रीजायो । कलहअभीपणपैअन्यचाछी । परपरवाहपचपां  
 यो ॥ ४६ रा० ॥ मोरा० रतिअरतिइमजाओमायामोसनही

भलो ॥ पापअदरैविविधबोसराउ । मिथ्यादरशणभलो  
 ४७ रा० ॥ मोरा० मरणतणोभयनांणो । घरमसाचोकरि  
 जाणो ॥ परभवमेतोसाथैचालसो । गाठेवांधिनांणो ॥  
 ४८ रा० ॥ मोरा० येमोहयकीमनवालो । मोमेजीवमत  
 वालो । करोआखोयणकारणसरैज्यु । मतरापोकीईसालो  
 ४९ रा० ॥ मोरा० येदशदृष्टान्ते । मसुखजमारीदुहेलो ॥ इण  
 भवमेजोपुन्यकरेतो । परभवसुखसुहेलो ॥ रा० ५० ॥  
 मोरा० करोधरमविचारो । चुपनारीमावाजाणो ॥ डाभ  
 अणोभलविजजजांणो । मनमेशमताआंणो ॥ रा० ५१  
 मोरा० येदोसकरमारीजांणो । वोजानेदोसनदीजै ॥ ऋण  
 बैरतोकीईनछाण्डै । वन्हातेभगतीजै ॥ रा० ५२ ॥ मो  
 रा० किणरामातापिता । कुणकुटम्बकुणभाई ॥ धररोतो  
 साहिबनहीअल्ली । स्वायसरवसगाई ॥ रा० ५३ ॥ मो  
 रा० नट्टीकायाआपणी । साचीधरजसगाई ॥ भवुमिचनेध  
 रोपाजांणो । अवसरजामोठाई ॥ ५४ रा० ॥ मोरा०  
 थारैशरदहणाशुधकै । चौविहारअणसणदीयो ॥ मर  
 योसकनेएकदिहाडै । सेठारापज्योहीयो ॥ ५५ रा०  
 जगवाहृतोसथारीशरदह्यो । साहाय्यदोयोछैराणी ॥  
 पैलैमासैकासकरोने । जायऊपनेदिमानी ॥ ५६ रा० ॥ मैण  
 रेहाछातीकाठोकरने । कारजधणीनोकीयो ॥ पूरामिच  
 तोपारऊतारे । धनजीवितव्यजिणरीहीयो ॥ ५७ रा०  
 मोहयशैहायकांमभिगाडे । मरणीवेरिनरकमैवालै ॥ स  
 गानहीतोपूरावैरी । सुसलेतांजेपालै ॥ ५८ रा० ॥ मिच  
 हावैतोमरणसुधारै । करैपरउपगारो ॥ देशरदहणासू  
 करावै । तैविरलासंसारो ॥ ५९ रा० ॥ धनकैससारमे

मैथरहाजिकी चौपई ।

मैथरहाजिकी चौपई । मोहधणौनेनिवार्यौ ॥ आपतगोभरता  
 रखाणौने । तिणैउपदेशदेईनेतार्यौ ॥ ६० रा० ॥ मैथर  
 हामनमांहेजांख्यौ । रिसैपकहैखोमोनेरायो ॥ विसवदखने  
 परहीनांमू । टागौनांजधरायो ॥ ६१ रा० ॥ डेरामेसुं  
 तोवारैनिखली । गईऊणादुरेजायो ॥ पूरीआपदानही  
 कोईसाथै । रांणीइंकुमरजायो ॥ ६२ रा० ॥ जिणजा  
 बाटशोटगहिता । बाटताराजबधाइ ॥ विषयविजोगमे  
 कुमरजायो । जोइज्वौकरभकसाई ॥ ६३ रा० ॥ चापो  
 पाछुछासुंराणीहरपै । रिसैआवैखोकोइसारा ॥ इमजां  
 योनेकुमरजायो । छुइकरगारैसारा ॥ ६४ रा० ॥ को  
 मखकायानेकागणपह्यौ । पांवपहैनहीठायो ॥ कुमरतो  
 राणीनिमतीनजांख्यौ । बालकमेलेमायो ॥ ६५ रा० ॥  
 चिरबिछाइऊपरसुवाण्यौ । बालबिछोहोजांख्यौ । छोट  
 यारोहीसौजिमजाया । मैथरहादुखचांख्यौ ॥ ६६ रा०  
 कुमरमेहरांणीआषीआली । अन्नबिनासुनीकाया ॥ क  
 टिसुवावहुकुमरमखगामै । करजावैनदिवाया ॥ ६७ रा०  
 वणांदायनेदाशीछंता । राकहुगारनीवायो ॥ दोढोपछ  
 दामांहेरहोती । रांणीएकलीजायो ॥ ६८ रा० जाता  
 जाताआगेमदोआई । पांणीजेबखपपाख्या ॥ सिनांनक  
 रीनेतीरजबैठी । ऊठीदुखरीआजा ॥ ६९ रा० ॥ कौख  
 विजोगपह्यौमोमांहे । किसैठिकाणैआई ॥ रोहीमेभमती  
 एकजहो । रोवैछैविसजार्इ ॥ ७० रा० ॥ किणघरजनमो  
 किणघरआई । रागारीरांणीकहाई ॥ साहिबमाहरीमू  
 वामेली । हरोहीजेघाई ॥ ७१ रा० ॥ कुमरांविछोहोमा  
 तापितारो । सुगवामखमुआई ॥ सुगवामनेपाछोमेख्यौ

बालककैवनमाइ ॥ ७२ रा० ॥ सहिलभरोपासोभानो  
 लीरो । राजवीयांसुसनाई ॥ अहिसाहिबीऊभीमेली ।  
 हुंआयवैठोरणमाही ॥ ७३ रा० ॥ विपमऊजाहनेतीर  
 नदीनी । सुपनहीतिलरती ॥ मैणरेहातोदुखकरदोरी  
 सहटपहोऊसती ॥ ७४ रा० ॥ मरूषणोनेकरैअणराई ।  
 दुखभरछातीफाटै ॥ मैणरेहानोदुखप्रभूजाणै । वैठीऊत  
 टमाटे ॥ ७५ रा० ॥ संयोगरूपिणीरूईहंतौ । विमोर्गे  
 तिणबाली ॥ नांयविष्णुणीदुखनीकरती । आनीरणमै  
 राली ॥ ७६ रा० ॥ देपोसगाईइणसंसारमै । बीछहतां  
 नंहीवारो ॥ इमजाणीनेशदगुरुसो । लाहोलेजगौलारो  
 ७७ रा० ॥ तिणअवशरदेवताइमजाणै । दुखकरैकैरां  
 णी ॥ वैक्रियरूपकियोहाथीरो । रांमतमाढीपांणी ॥  
 ७८ रा० ॥ दुखविसारनखिलंवनकीयो । सुंइसुंछालैपां  
 णी ॥ दुपभरीनेहाथीदीठो । रांमतदेपैरांणी ॥ ७९ रा०  
 जिमजिमरांमतदेपैरांणी । इअरिगरांमतभारी ॥ घम  
 अकूरोपुन्यसंयोगे । आवैऊनरनारी ॥ ८० रा० ॥ देव  
 तऊकोईपरउपगारी । रांणीनेसूइसुकोलै ॥ जितरेने  
 डाआयनिकलिया । लैकैबिमाणमैमेलै ॥ ८१ रा० ॥ वि  
 द्याधरतीराजीऊवो ॥ रूपधणोइणनारी ॥ दुरतविमाण  
 लेपाछोबलियो । सुपविसासंसारो ॥ ८२ रा० ॥ मैण  
 रेहातोमनमैजाणगौ । किणदिशएलेजावे ॥ योतोनहो  
 दोशेऊआछी । रप्योसुमशीलपंजावे ॥ ८३ रा० ॥ विद्याध  
 रनेमैणरेहापूछे । जाताकिणदिशसदाई ॥ अवेतोथेपा  
 छावलीया । कांईदिणमाइआई ॥ ८४ रा० ॥ मगवंतनेतोदर  
 णजरातां ॥ तोसरिपामिछोनारी । इमजाणीनेपाछोबलि





कैमाहरो ॥ इणअवशरमेसंजमआवै । पकैविद्याधरनेनहो  
 सारो ॥ ६८ रा० ॥ भरोपरपदांमैमैणरेहाऊठो । बोलै  
 कैकरमोही ॥ आज्ञादोतोसंजमलेऊं । टालूमवतणीपो  
 ही ॥ ६९ रा० ॥ देवकहैथानेआज्ञामांहरी । ल्यौथैसंज  
 ममारो ॥ जुगवाळतोऊरण्णवो । मैणरेहानेतागे ॥  
 १०० रा० ॥ मनेतोविद्याधरल्यायो । परबशवातप्रकाशी  
 कठेविद्याधरकह्यौदेवता ॥ गयोविद्याधरनांशो ॥ १०१  
 रा० ॥ मैणरेहातोसंजमलीवो । ज्ञानमणैगुरुणीपाथै ॥  
 बिनयकरीनेआज्ञापालै । सुमतिगुपतिकरपाथै ॥ १०२  
 रा० ॥ देवतातोमनमैहरपजपाथ्यौ । पूज्याप्रभुजीनापा  
 यो ॥ साधुसाधवीसर्वबांदिने । आयोजिणदिशजायो ॥  
 १०३ रा० ॥ देवतातोअपणैठामैपहोतो । मैणरेहासंजम  
 पालै ॥ बालकतोमारगमेमैल्यौ । आपरापुन्धरपवालै ॥  
 १०४ रा० ॥ नातोकोईहिंसकनेहोआयो । नहोकोईपं  
 पोपायो ॥ देवौपुन्याईनेप्रभावथी । सुकृतकीनसहायो  
 १०५ रा० ॥ मिथज्ञानगरीनेपदमरथराजा । अढौयोशि  
 कारनसोई ॥ पापकरंतांपहैपाधरी । पूरवसुकृतहोई ॥  
 १०६ रा० ॥ करअश्वारौराजारण्णमेफिरतां । जावजीठ  
 सबकोई ॥ रनमाहैतोबालकसूतो ॥ दीठोराजासोई ॥  
 १०७ रा० ॥ बालकनेहोराजाआयो । रूपदेपननेअचरि  
 जपायो ॥ बालककोईपुण्यवंतदोशै । राजारैमनभययो ॥  
 १०८ रा० ॥ माहराराजमेपुननहीकै ॥ माहरैसहजमे  
 आयो । तोइणबालकनेऊरोलेऊं ॥ सौंपूराणोनेजायौ ॥  
 १०९ रा० ॥ कुमरलेईनेराजापाछोबलीयो । आयोराजदु  
 धारो ॥ पुष्पमाखाराणीरायतेभावै । पुषदीयोकैकरेतारो

॥ ११० ॥ रा० ॥ नवमासांतोभारमरैछै । देवतापितरमनाबो ।

आपणैपूरवपुण्यकरीने ॥ कुमरसेहजमेआयो-॥ १११

रा० ॥ आंपणाराजमैपुषनहीछै । करोदुखरीप्रतिपाखो ।

राजलायकयोकुमरदीशै ॥ होसीराजरपनालो ॥ ११२

रा० ॥ भारभोजावणदेईराखीने । नमीयकुमरपोलैघाल्यौ ।

पुण्यवतराजमैआयापछै । भोमियानेभनआख्यौ ॥ ११३

रा० ॥ भोमीयांमाहरैचनमोऊंता । कुमरराजमैआयो ।

भोमीयांसवमाहरैचाकरहुवा । नमीयनांमदीरायो ॥

११४ रा० ॥ नमीयकुमरपेदमरथराजा । दिनदिनवधतो ।

होई ॥ मातपितावधवधोसाहो । तेसुखज्यौसहुकोई ॥

११५ रा० ॥ जुगवाहुनेमणरथमारौ । विषयारसरेखा ।

यो ॥ पाछाबलतानेसांपणपायो । गयोनारकीमांयो ॥

११६ रा० ॥ दोनूराजारीमरणहुवो । पवरहुईनगरीमां ।

हो ॥ मैथिलीहातोनिक्कलनांटी । तिणरीषवरनहोकाई ।

११७ रा० ॥ ससारनेतोकारनकीयो । राजजुगबलमने ।

दीयो ॥ कियनेदोसनदीजैरैमांणी । करमैआपराकीयो ।

११८ रा० ॥ जुगवल्लभताराजकरैछै । बरतैछैचौबोआ ।

रो ॥ बापतणीमनमैयोहोआवै । पिनुदुखवरतैमातारो ।

११९ रा० ॥ नमीकुमरतोमोटोहुवो । बैरपहरीराजारी ।

नमीकुमरनेराख्यबैसांण्यौ ॥ सुखविलसैसंसारो ॥ १२०

रा० ॥ जुगवाहुतोदेवताहुवो । मैथिलीहासजमपालै ॥

जुगवल्लभनेनमीमाई । दोनूराजरपनालै ॥ १२१ रा०

आठकरमछैमहाजोरावर । जोउमैफोडापाडै ॥ चारोने

तोन्वारीकीना । किरतवपिलदिपाडै ॥ १२२ रा० । दोनू

राजाराजभोगवता । चहयोपहीहोसोमाडै । जोमआपयो

रायणसार । करेराजवीराहो ॥ १२३ रा० ॥ जुगवलम  
 तोमनमेजायै । आयलढदीशैकठारो ॥ देषेनेमाहरीघ  
 रतीलेशी । राजवीयांअहंकारो ॥ १२४ रा० ॥ जुगवल  
 भतीफोजालेचढीयो । कांकरुहसौमांजावै ॥ नमीराजामन  
 मे'कोपकरीने । मनमे'मगजनमावै ॥ १२५ रा० ॥ नमी  
 रायतोकरिनेसभाई । बोलैछैवांकीवांणी ॥ मरममोसा  
 बोलैमातारो । चढीयोछैईमजाणी ॥ १२६ रा० ॥ तिण  
 अवधरमेमेणरेहाजी । मनमेदुसडीआंणे ॥ अंगजातछे  
 दोनूमाहरा । नहीइठेपुन्यप्राणी ॥ १२७ रा० ॥ घणा  
 जीवांनौघातजहोसो । मरसोवणाअजाणी ॥ यांसूजोकी  
 ईछपगारकीजै । मे'णरेहामनआंणी ॥ १२८ रा० ॥ कर  
 बंद्यानेगुरुणीनेपूछे ॥ आपकहातीऊंजांऊं । दोनूरा  
 जारैराहमंडाणी । ऊंजाईनेसमभाऊं ॥ १२९ रा० ॥  
 मांहोमाहेतीकीईनइठके । अंगजातछेनहारा ॥ घणांजी  
 वानीघातजहोसो । परणामएकदयारा ॥ १३० रा० ॥  
 देषापुण्याईराजवीयांरो । गुरुणीतीनहीवरजै । बसत  
 आपरोसैठोराधने । पछैपरोपगारकरजै ॥ १३१ रा० ॥  
 करबंद्यानेमेणरेहाचाखी । लेसतीयांनेसायै ॥ जुगवलम  
 तोसैधपिछांणी । पहिलीछणावाती ॥ १३२ रा० ॥ कां  
 कडसौमाठाढठिकाणै । फोजापढीछैदोई ॥ जुगवलमनो  
 लयकरपूछो । चाखीमे'णरेहासोई ॥ १३३ रा० ॥ रे'ण  
 रेहासतीचरमशरीरो । आपतिरैपरतारी ॥ राजकचैढो  
 सु'नेछीआई ॥ निजरपढीराजारी ॥ १३४ रा० ॥ जुगवलमती  
 ऊयोसितावसू । बिनयकरजौछैभारी ॥ सातआठपगसाह  
 भोजाईने । महासतीयांकपूधारी ॥ १३५ रा० ॥ मे'च

११० रा० ॥ नवमासांतोभारमरैकै । देवतापितरमनाबो

आपणैपूरवपुण्यकरौने ॥ कुमरसेहजमेआयो ॥ १११

रा० ॥ आपणाराजमैपुननहीकै । करोइहारीप्रतिमांको

राजलायकयोकुमरदोशै ॥ होसीराजरपनालो ॥ ११२

रा० ॥ भारभोजावणदेईराणीने । नमीयकुमरपोलैधाल्यो

पुण्यवंतराजमैआयाप्रकै । भोमियांनैमनचाख्यौ ॥ ११३

रा० ॥ भोमीयांमाहरैअनमोहंता । कुमरराजमैआयो

भोमीयांसवमाहरैचाकरहुवा । नमीयनांमदीरायो ॥

११४ रा० ॥ नमीयकुमरपेटमरथराजा । दिनदिनबधतौ

होई ॥ मातपितावंधवबोसाहो । तिसुखज्यौसुखकोई ॥

११५ रा० ॥ जुगबाहुनेमण्णरथमारौ । विषयारसरैवा

यो ॥ पाछाबलतनेसपखपाधो । गयीनारकीमांयो ॥

११६ रा० ॥ दोनूराजारीमरणहुवो । धवरहुईनगरीमां

हो ॥ मैथिलीभाषातोनिकलनांटी । तिथरीपवरनहोकाई

११७ रा० ॥ संसारनोतोकारजकीयो । राजजुगबलमने

दोयो ॥ कियनेदोसनदीजैरिप्राणी । करमैआपराक्रीबो

११८ रा० ॥ जुगबलमतोराजकरैकै । बरतैकैचौबोआ

रो ॥ बापतखीमनमैथोहीआवै । पिनुदुखबरतैमातारो

११९ रा० ॥ नमीकुमरतोमोटोहुवो । बैरपढ़ीराजारी

नमीकुमरनेराज्यमैसांख्यौ ॥ सुखबिलसैसंसारो ॥ १२०

रा० ॥ जुगबाहुतोदेवताहुवो । मैथिलीभाषासंजमपालै ॥

जुगबलमनेनमीमाई । दोनूराजराजवाकै ॥ १२१ रा०

आठकरमकैमहाजोरावर । जोउमैफोडापाडै ॥ अराने

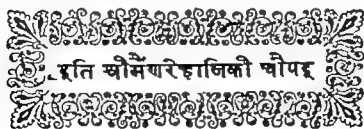
तोन्वारीकीना । किरतवपेछदिपाडै ॥ १२२ रा० । दोनू

राजाराजभोगवता । चढयोपहीनैसीमाडै । भोमआपबो

कासूकारणपढीयोधाहरै । इसुहैअवशरआई ॥ १४८ रा०  
 कसुंकारणधारेदोनूगाजारै । भगदोपढ्योमाहीमाई ॥  
 फोजबन्धीधैतोमैलीकीनी । तिणैकारणहुँआई ॥ १४९  
 रा० ॥ वापमारगौनेमानिकलभागी । गईएकणरैलारै ॥  
 देपोनेएम्हारौधरतिलेथी । कहीसनसुखमातारै ॥ १५०  
 रा० ॥ वेटातोथेरानवीयारा । बोलौबोलधिआगे ॥ उर  
 तोथाऊपरकुणआसौ । भाईकैयोधारो ॥ १५१ रा० ॥ जु  
 गवलभनेतोमोटोमेख्यौ । पवरपढीअतुसारै ॥ नानो ॥  
 बालकजिमजाणोने । वातकहीबिसतारै ॥ १५२ ॥  
 रा० ॥ वातसुणीनेंरानाताज्यौ ॥ नीचोसुखकरीओवै ॥  
 भारीवचनकहियोमाताने । राजानेनहीसोवै ॥ १५३  
 रा० ॥ नमोराजामनमाहिजाण्यौ ॥ जुगवलभरा  
 जामाई ॥ नेहसनेहदोनूवेटारो । तिणसुंमाजीआई ॥  
 १५४ रा० ॥ नमोराजातोमिलणनेंचाल्यौ ॥ जुगवल  
 भसाहमोजाई ॥ हरपभावसुवाहपसारी । मिलोयादो  
 नूमाई ॥ १५५ रा० ॥ एकणहाथोरैहोदैवैठा ॥ जुग  
 बलमनमीमाई ॥ जुगवलभराठेराकानी । आवैहरप  
 सवाई ॥ १५६ रा० ॥ लोकलडाईरौवाताकरता । लह  
 ताहिडाहोहो ॥ लोकांमनमैअचरिजपांख्यौ । काईकीयो  
 कैइणमोहो ॥ १५७ रा० ॥ बैरमिटायनेंमेलकरायो । व  
 णांलोकहुंवारानी । घणाजीधारांमांथापढता ॥ राख्य  
 कैइणमाजी ॥ १५८ रा० ॥ लोकराजारैकुशलजहुवी ।  
 परधरहरपवधवाई । मलोहोज्यौइणसतीकरो ॥ असली  
 घोजगमाई ॥ १५९ रा० ॥ राजकचैहीमैआईवैठा । जुग  
 वलभनमीमाई ॥ जुगवलभसुपअधिरजाणोने ॥ बैरा

रैहातो कहे राजा मैं । कारण पढीया किम भारी ॥ कोन बं  
 धी तो थे भेली कीनो । तिणरी कौं गविचारी ॥ १३६ रा०  
 आयल हमाहरी धरी तीले शो । नीच चंडाल घर जायो ॥  
 साथ समान इण भेली कीनो । तिणकारण चढी आयो ॥  
 १३७ रा० ॥ घटाये को राजा बोधारा । बाल विचारी बालो  
 चरथाऊ पर कौं गचढ़ चाथी । यो धारा भाई छै बहु मोखो ॥  
 १३८ ॥ बात सुणीये राजा लाज्यो । मोखो सुख करी भोव  
 भारी बचन कछी मातानें ॥ राजानें नही सीवै ॥ १३९ रा०  
 जुग बलभती कहे मातानें । यै लोखो संजम भारी ॥ मौत पा  
 पदा किण बिघड़ई । बात कहै बिसतारो ॥ १४० रा० ॥  
 मणरथ राजा थारा पितानें मार्यो । ऊंरातने नीकली आई  
 जनमन मीरो वनमें ऊयो ॥ ऊंमेल आई भाई ॥ १४१ रा०  
 तीर नदीने बैठी छती । बिमान विद्या घरने आयो ॥ देवजं  
 धार्य मोने माहै मेखी । ऊं गईय मो शरण मायो ॥ १४२ रा०  
 पिता तीथाहरी देवता ऊवो । दरशण प्रभु कै आयो ॥ आजा  
 माहि मै तो संजम लीनो । भेट्या प्रभुरे पायो ॥ १४३ रा०  
 हासं राजारै मे बैर सुणीयो । लहसी माहो भाई ॥ वखा  
 धादमी भरण पामसो । तिण कारण ऊं आई ॥ १४४ रा० ॥  
 जुग बलभ राजा बात सुणीने । चिन्ता फिकर मन आई । जुग  
 बलभ तो कहे मातानें । जायमि सुं ऊं भाई ॥ १४५ रा० ॥  
 ठीक नही छैन मीरायने । यो छै माहरो भाई ॥ नही बिद्या  
 सराज बोधां किरो । तिण सुं मिलु पहिली जाई ॥ १४६ रा०  
 जुग बलभ तो दोघो समझाई । नमीराय कन जायो ॥ शती  
 यानि भरपडी राजारी । निनय करी सामो आयो ॥ १४७ रा०  
 रा० ॥ हाथ जोडने राजा मोखी । महागतीया किम भाई

रा० ॥ मैणरेहातोदीक्षा लेई । मनशुधसंजमपालै ॥ जिन  
मारगमेनामदीपायो । भवदृषणसहृष्टालै ॥ १७३ रा० ॥  
मैणरेहातीकुलतारकहई । लज्याआपरीरापी ॥ विप्रोस  
छौपिणशीलनभाज्यौ । भगवंतजेहनोंसाधी ॥ १७४ रा०  
जुगवाहनेमैणरेहाराणी । जुगवलभनमीभाई ॥ चारारो  
तोकारजसोघो । मणरथदुरगतिजाही ॥ १७५ रा० ॥  
विश्वनसातभोपरनारीने । जीवघातवरहाणी ॥ मणरथ  
राजानरकैपहुंतो ॥ कुजशवांधनेप्राणी ॥ १७६ रा० ॥  
एककुविश्वनमणरथसेव्यौ । बड्डरलीयोसंसारो ॥ सातो  
कुविश्वनजेसेवैप्राणी । तिणनेदुखकषपारो ॥ १७७ रा०  
विषयारथतोविप्रसमजाणीने । सदगुरुसेवाकीजै ॥ मनरथ  
राजनीवातसुणीने । परनारीस गनकीजै ॥ १७८ रा० ॥  
दांनशीलतपसंजमपालो । दूखणसगलाटालो ॥ दयाधरम  
रोशमताआणी । शुधकरीआचारो ॥ १७९ रा० ॥ धरमदयाई  
कीवलीभाध्यौ । तिसाचोकरोजाणो ॥ जेसेवैजाणोभविप्रा  
णो । तिसामैनिरकाणो ॥ १८० रा० ॥ अपतपसंजमप्रा  
लोरेभाई । विषयविकारगमाई ॥ जीवजिकैतोशिवसुख  
पावै ॥ वीरवचनमनलाई ॥ १८१ रा० ॥



इति श्रीमैणरेहाजिकी चौपड़



गरीमनमै आई ॥ १६० रा० ॥ जुगबलभक्तै मोनेही  
 चालेणदो । राजकरोमहारायो ॥ राजरिवनें सर्वसंपदा  
 मँथानेमोलायो ॥ १६१ रा० ॥ जुगबलभतोदीचा  
 लोधी । हरपषणोमनमाई ॥ माईबिछोडोदुखरोलहरां ।  
 नमोकुमरनेंआइ ॥ १६२ रा० ॥ नमोकुमरतोरारा  
 राजकरैकै । रांणीएकसौआठो ॥ होबैनाटिकनेंधुरैनगा  
 रा । दोनूराजरोपाठो ॥ १६३ रा० ॥ दाधवरनेंजोगक  
 रीनें । लेशीसंजमभारी ॥ इन्द्रपरीक्षाकरवाआशी । उ  
 तराध्ययनविस्तारो ॥ १६४ रा० ॥ दोन्याभांरिमेखक  
 रायो । मैथरहापाछीआइ ॥ गुरुखीजीरेपायेलागनें ।  
 बिषसुंवातसुयाइ ॥ १६५ रा० ॥ मोटाराजारीमेखक  
 रायो । राणीषयांरीबाजी ॥ मैथरहानांगुलजानीनें ।  
 गुरुणीऊइछैराजी ॥ १६६ रा० । छत्तीसहजारआर्यामा  
 है । गुरुणीचदनवाला । तिसरैपाठेपदवीपाइ ॥ शिख  
 खीरतनारीमाळा ॥ १६७ रा० ॥ चेडानीजेसातपुची ।  
 भगवंतआपबषांशी ॥ चेखणाअगावतीतीजीप्रभावती ।  
 चौथीवादेवैराणी ॥ १६८ रा० ॥ पारसमीपदमावतीछहीज्यै  
 टा । सुज्यैटासातमीजांणी ॥ सकटपद्यांसतीशीलजरा  
 य्यौ । दवदतीनखरांणी ॥ १६९ रा० ॥ अजयांशतीछै  
 महेन्द्रराजारी । बिपोसझौवनमांही ॥ संकटपद्यांसती  
 शीलजराय्यौ । जशकीरतिजगमांही ॥ १७० रा० ॥ स  
 तीट्टीपदीतोआगेऊई । जशखीखोजगमांही ॥ मोटारा  
 णारोविरोधमिटायो । मैथरहारीअधिकारै ॥ १७१ रा०  
 सजमसेनेंसुखतकीज्यौ । मिसुपजमारोमतयोज्यौ । जि  
 नशाशनमैमैथरहाकीनी । तिमसवलीईकोज्यौ ॥ १७२

सबपरहोछदयाल ॥ हिंस्यापंपामाहि ॥ १३ ॥ सुद्विद्र  
 समवाच ॥ जिवअसंखघरैजि ॥ लिक्समानशरिर ॥ क  
 रैतोदीपभरैजी ॥ १४ ॥ पवनआजलकृष्टितीनहजार  
 वरसकी ॥ पवनकरेतेगुलाम ॥ कहियेंदरनहोतिसकी ॥  
 १५ ॥ वनस्पतीमतितोहि । जीववसेइकगई ॥ संपऽसंप  
 ऽनंतदोइभेदइनमाही ॥ १६ ॥ साधारणचौदेलाप ॥ द  
 यप्रत्येकवपानी ॥ साधारनमेंजीवहैं ॥ ऽनंतकहेहे  
 ग्यानी ॥ १७ ॥ कीमलजेफलफूलडालपत्रकंदजेते ॥  
 जमहेपरवसिसडालहैं ॥ साधारनतेते ॥ तिलसमइस  
 तनमाहि ॥ जीवकहेकहेजेते ॥ तीनकालकेसिद्धकीजेएक  
 नतेते ॥ १८ ॥ सासउसासइकजाहि ॥ जनममरनकरेजो  
 सादेसतरेबारआजबडीनघरेजी ॥ २० ॥ हैंपरतक्षमेंजीव  
 संपऽसंपपरमाना ॥ उल्टोयाकीआजवर्षसहसदसजा  
 ना ॥ २१ ॥ फलदायकतोरनहारदेवेकाच्छीप्रानी ॥ जगहोक  
 हावेगवारदुरगतीआगवानी ॥ अबछठीवसकायवोतीचौ  
 रोद्रीजाती । दोदोलपपरवानबेइंद्रोसंख्याती ॥ २२ ॥ उल  
 सीयाछजोलउजोका ॥ आजबडीवर्षवारें ॥ वहुतवसेजलमांहि  
 तातेछानिबसटारें ॥ २३ ॥ चेटोपटमलदाम ॥ जूठांकां  
 नसलाई ॥ गदितेंइन्द्रीजानजीवदयाकरोआई ॥ २४ ॥  
 आठदिनाउनचासउत्कृष्टीजिनभापी । चौइर्द्धस्वमरपत  
 झ ॥ मच्छरभागरमप ॥ २५ ॥ बीकूमकोडाऽदि ॥ आ  
 जबडौकमासीजो ॥ एकाटिआयज्ञानीतौऊनविनासे ॥  
 २६ ॥ नरपसुपपीमच्छेऽदिपचेंद्रिजानो ॥ जोएकरेविगार  
 तोवीकरनाआनो ॥ २७ ॥ देवनरकउत्कृष्ट ॥ आजसागरते  
 तीस ॥ जवनसहसदशवर्ष ॥ भापीथीजगदोस ॥ २८ ॥

॥ अथ श्रीकैकायानी वीनती लिख्यते ॥

कहकायारक्षाकरी ॥ भएतोर्थकरदेव ॥ यातेंमनवच  
कायसों ॥ करीदयाकीटव ॥ पृथ्वीकायमतपोद ॥ जीवअस  
हुमरेहै ॥ माटीचहियैतोहि ॥ फासुवहुतपगेहै ॥ २ ॥  
माटीअग्यासमजीव ॥ धारैअमरसमकाया ॥ तेलपयोजन  
मान ॥ जंबूहीपनमाया ॥ ३ ॥ बरसबावीसहजार ॥  
आयुवहीजुवपानी ॥ जवनमज्जरतमाहि ॥ सबथावरनि  
सजानी ॥ ४ ॥ माटीपोदैकुमार ॥ हिंसाबहुतपजावै ॥  
हिंसाकीपरखाम ॥ मरिऊदुरगतिजावै ॥ ५ ॥ जलकाया  
नविरोध ॥ जीवअपारभिराजै ॥ जोजलचहियैतोहि ॥  
फासुसै करिकाजा ॥ ६ ॥ एकबिंदुकेजीव ॥ देहअग्यासम  
धारै ॥ जोइसहीपमाइ ॥ केवलज्ञाननिहारै ॥ ७ ॥ उ  
तछष्टीजलआउ ॥ सातहजारबरसकी ॥ सातसातलव  
जाति ॥ भूजलअगनिपवनकी ॥ ८ ॥ जलकीभरणिजुहा  
रि ॥ हिंसकजोपण्डितारी ॥ तनपरिकपरानाहि ॥ तेदुर  
गतिकीप्यारी ॥ ९ ॥ अगनिकायमतिदाह ॥ जीवअसंखम  
रेहै ॥ अगनिधारमनिवार ॥ गुरुकेबचनपरिहै ॥ एकअग  
निकणजीव ॥ पोखीजीवसमकाक ॥ धारैतोहीपनमाइ  
वहीतीनदिनहैआऊ ॥ ११ ॥ भोलादिकवनमाहि ॥ पा  
वकदाहकरइया ॥ फिरैहैनगनपगनिधे ॥ दुरगतिदुःख  
भरइया ॥ १२ ॥ पवनकायकेजिय ॥ बहुतवसेइकठाहि

थापी ॥ जिनशासनकीरतिक्वापी ॥ जगजीवनभेजिनपर  
 लापी ॥ २ ॥ साधुरतनशदगुरुपाशै ॥ लेइदीक्षाअनुभव  
 अम्यासै ॥ भटममताभोहचलगनाशै ॥ सुधसंजमपालैसुवि  
 लाशै ॥ ३ ॥ गऊनायकलायकजोगशदा ॥ वलिनहिकरै  
 विषयकपायकदा ॥ सुपसोहगदेवैसंपदा ॥ समरंताटालै  
 सवविपदा ॥ ४ ॥ सहजैरिहमिलैसगलो ॥ पुन्ययोगेपुन्य  
 दशासवलो ॥ पाशचंदसूरिदादाअतुलबलो ॥ अभि  
 लापाकरैसवहीसफलो ॥ ५ ॥ निशवाशरकुशलमंगलबेला  
 नितउच्छवहरपहुवैकेला ॥ गुरुसुपशायैसुजयभला ॥  
 मिलैपुचवतौललनासुकला ॥ ६ ॥ सगलादिवशहोवैसफला  
 नितपानकपूरतयावीडला ॥ गजबोहापायकरयप्रबला ॥  
 घरमैकल्याणकरैकमला ॥ ७ ॥ घुरैविजयनीशाणचमर  
 डारै ॥ नरपतियहाहाजरदरवारै ॥ जयजयशवदनेंऊचा  
 रै ॥ करजोडोगुरुसेवासारै ॥ ८ ॥ धपमपमादलनादब  
 जै ॥ नाटकवस्तीसैरगसजै ॥ प्रगटैअतुलप्रतापछजै ॥ स  
 वदुशमणदोषोदूरभजै ॥ ९ ॥ सुयमोठाभोजनसरसमिलै  
 दुखरोरदुकालजहरटलै ॥ मनबंछितआथासफलफलै ॥  
 गुरुसुनिजरदृष्टिप्रसन्नभलै ॥ १० ॥ तनमनगमतापट  
 पहिरै ॥ तिष्ठ'जगमैविशदकीरतिपसरै ॥ इकमनशद  
 गुरुजेसमरै ॥ सुरधनदलैरिहपरमांहिमरै ॥ ११ ॥ तत  
 पिणउमंडधुमडआवै ॥ करिघोरबटावनयरसावै ॥ शरि  
 ताशरकूपकभरजावै ॥ जलदायकविरुधजगतगावै ॥ १२  
 गहिराजललहरतरगकरै ॥ भरसागरवाहणवीचडरै  
 छूर्वांताप्रवहणगुरुसुमरै ॥ तिणआपदयोततपिणउधरै  
 १३ ॥ परचापूरैधूमसहो ॥ विक्रमपुरअहिपुरगहगही

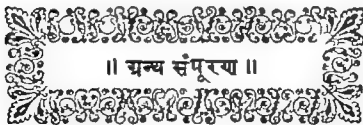
चलृष्टौपल्यतीननरपसुआजवपानी॥मञ्जुसरपदेषिआकसु  
 पूर्वकोटिपरवानी ॥ २६ ॥ देवनरकतिरिखंचप्याररषष  
 जानी ॥ चवदेलापमनुष्यएसवलपचौरासी ॥ ३० ॥ पञ्च  
 इन्द्रोवलतीनआकसासीउसास ॥ ईनदशमानन्माहि ।  
 थावरकेचउभापो ॥ ३१ ॥ विकलचयहेसातआठप्राण  
 मसोणी ॥ घरेअसनीसन्नपचइंद्रीनवदशजी ॥ ३२ ॥  
 कपर्जायआहारहेसरीरफुनिइंद्री ॥ सासउसासभायाम  
 न्वचारधरीइकइंद्री ॥ ३३ ॥ विकलसन्नीकीपाचसन्ना  
 कीछेजानो ॥ पर्जायनकीभेदगुरुसुखसु पहिचानो ॥ ३४  
 पर्याप्तीछकायहोयअपर्याधारी ॥ सुषमबादरभेदकछासि  
 दान्तमभारी ॥ ३५ ॥ लोकआकासमभारा॥पूररहीछेकायाष  
 टमाहि ॥ जितुमजानोमनवचकाया ॥ ३६ ( कलश ) यह  
 जाननिशिदिनदयापालो ॥ भविकशिष्यसुषदायरे ॥ भव  
 भेवतणीयहकुटवअपनो ॥ लपोमनवचकायरे॥छटकायमे  
 मियत्रातकीबसरुलतजिवअपनोकियो । अवतरनतारनजीन  
 कीजी ॥ सरनखीजिनराजकी ॥ जगमाहिभविभव  
 ससितसजकित ॥ चरनतुमबदित ॥ निजदासलिषि  
 यहआसपूरोचारकुम्भैनावाळ ॥ ३७ ॥

॥ इति श्रीछेकायानी यिनती ॥

॥ अथ श्रीशदगुरुस्वाधोयम् लिख्यते ॥

चरणकमलगदगुरुजीका ॥ नितप्रणमोभाषधरीनीका  
 भगतवल्लगुणउणहीका ॥ सवसुरिशिरोमणिशिरटी  
 दा ॥ १ ॥ परचापूरणपरतापी ॥ यद्वतपगछनीमहिमां

यसाकणभुतडाहो ॥ भ० ॥ सिंहचितानैसुर ॥ वेरोदसम  
 यचोरढाहो ॥ भ ॥ रहैसदाईदूरहि० ॥ भ० ५ ॥ चुप  
 सातावरतैषणोहो ॥ भ० ॥ जेध्यावैनरनार ॥ परभवजा  
 ताजीवनैहो ॥ भ० ॥ सरणाकीआधारहि० ॥ भ० ६ मं०  
 रापोसरणाकीआसताहो ॥ भ० ॥ नेहोनहीआवैरोग ॥  
 वरतैआणंदसुखसहीहो ॥ भ० ॥ वालातणोसंजोगही०  
 भ० ७ मं० ॥ निसदिनयाकुंध्यावताहो ॥ भ ॥ जीवतणेउ  
 धार ॥ कुमोनहीकोईवस्तनीहो ॥ भ० ॥ याहीजगमेख  
 रहि० ॥ ८ भ० ॥ मनचिंतामनोरथफलैहो ॥ भ० ॥ वर  
 तैकोडकल्याण ॥ सुधमनकरनैकरंताहो ॥ भ० ॥ निखै  
 पदनिरवांण ही० ॥ ९ भ० ॥ एसरणानैध्यावतांही ॥ भ०  
 नामतणोआधार ॥ एसरणकीकीरतीकहीहो ॥ भ० ॥  
 ध्यावोमनमभार ॥ ही० ॥ मं० ॥ सिंवतआठारैवावनैहो  
 भ० ॥ पाकीसीरचुपकार ॥ चोयमसइमविनवैहो ॥ भ०  
 चुणज्योवाल्मीकोपाख ॥ ही० ॥ भ० ॥ १० म० ॥ इति  
 मङ्गलीक सरणा ॥



॥ ग्रन्थ संपूरण ॥

हरिगतमैदुखदोषनहो ॥ वल्लिभुभटपुरैः संक्षितलहो ॥ १४ ॥  
 राजनगरवीरमगामै ॥ पंभायतमांडलसुपठामै । राघवपु  
 रपाटणभिरामै ॥ गुरुनामैसुपसंपतिपामै ॥ १५ ॥ द  
 क्षिणउत्तरवल्लिहारी ॥ पुरवपच्छिन्नमभतिसुपकारी ॥ द  
 शदिशिजनसिवासारी ॥ गुणवंतागणघरजयकारी ॥ १६ ॥  
 जनप्रदपदपुष्पपुरसगरै ॥ गार्होपाशचंदसवनगरै ॥ पूज  
 जेजनहितपवरै ॥ तीक्ष्णचक्रपदसुरतवरै ॥ वावनवीर  
 जोगणिसाधो ॥ वल्लिषिपपास्तनेआराधो ॥ भूमंडलविष  
 रैनिरुपाधो ॥ कीर्त्तियावकप्रतिबोध्यावाधो ॥ १८ ॥ सूरि  
 शरच्चोपाशचंदसाधै ॥ सज्जसेवकजनसुपियाराधै । समरं  
 तांगुरुदरशणदाधै ॥ सुनिहृद्भक्तचंदबाधकभाधै ॥ १९ ॥

॥ इति श्रीशेदगुरु स्तवोद्यम् ॥

॥ अथ श्रीमंगलीक सरणा लिख्यते ॥

प्रचठिनैसमरीजैहो । भवीयण) मंगलीकसरणाध्वार  
 आपदाटासैसंपदाहो ॥ भ । दोलतनोदातार ॥ हीयहैरा  
 पीजैहो ॥ भ० १ ॥ अरिहतसीहसार्धातणोहो ॥ भ० ॥  
 कीयलीभाष्योधर्म ॥ एध्वारु जपताथकांहो ॥ भ० ॥ दुटे  
 घाठुं कर्महो ॥ भ० २ ॥ एध्वारुसुखकारीमाहो ॥  
 भ० ॥ एध्वारुमङ्गलीक ॥ एध्वारु'उत्तमकदाहो ॥  
 भ० ३ ॥ एध्वारु तहतौक ॥ हो ॥ भ० ॥ गलेघाटे  
 चालताहो ॥ भ० ॥ समरंधारंधार ॥ गार्वानगरांचाल  
 ताहो ॥ भ० ॥ विपननियारणहार ॥ हो ॥ भ० ॥ डाक

नम्बर	नाम	संख्या, ठाल, तथा गाथा ।	पत्रांक
-------	-----	----------------------------	---------

१	बहुसाधुवन्दना	११ ठाल	१.
२	सीसरी भव बाढ़	११	१८.
३	देवकीकिरी भीपर	२५	२०
४	भंजना सुतोरोदास	१५० (गाथा)	५४
सिन्धाय ।		(गाथा),	
५	कायारि भाभा कारभी	५१	८३
६	पाखीचदरस भवतरी	५	८४
७	गिबवागुथ गुरुदेवजी--	५	८४
८	घटपेट पोखीमाथी	५	८४
९	नारोनेह निवारीये	५	८५
१०	चपल चितवस किजिये--	५	८५
११	छोड़ियेकाम विकारकी	५	८६
१२	जिहो, जगमे असकर खिजीये	५	८६
१३	छुटवचनगविबीलिये	५	८६
१४	नरतुम समझी आपाभापमे	५	८७
१५	टेकन छोड़ोमुन्येकरे	५	८७
१६	ठोकर धोमन आपना	५	८८
१७	चोखीमती संसारमे बूबारी	५	८८
१८	ठास धरमकरी कौजीयेरे	५	८८
१९	नागाभावे नागाभावे	५	८८
२०	तनधन जीवम कारिमा	५	८९
२१	धिरमन किने ध्यान	५	८९
२२	दानसिखसतप भाव सदा	५	८९
२३	धरियो हो भवो धरियो	५	८९
२४	नरनारीसुचेतिसेजी	५	८९
२५	पापकारमतजि दिने माथी	५	८९
२६	परसईमो वसगलपड़ी	५	८९
२७	बोलेयधारवबोलीयेरे	५	८९



## ॥ मार्गलिक स्तुति ॥

आद्यं श्री रिपमं जिनं शिवदत्तं कैलाश नागामिरौ ।  
चंपायां वसु पूज नंदन तथा वीरं च पावापुरौ ॥  
उज्जंति जिन नेमनाथ शिपरि जैनेश्वराः विंशति ।  
एते सर्वजिनेश्वरा प्रतिदिनं कुर्वन्तु वो मंगलं ॥ १ ॥

इत्वं गौतमसंस्तुतिः सुविज्ञाता चंद्रेश पार्श्वदिना ।  
भक्तस्मृत सदा लघ्वेन गच्छतपादं बुरुट् चंचुना ॥  
ये तस्य स्मरण प्रभात समये कुर्वन्ति चंगात्मका ।  
स्तेनित्यं मनसः समौहित फलं सद्यो लभन्ते तराम् ॥ २ ॥

## विज्ञापन ।

इस ग्रन्थ को छापने में अथवा संशोधन करने में जो कोई जगि अक्षर खीट, कानामाला मुख कृवा होय अथवा और कोई तरेह ज्ञाना दिक्षा छापने में आशातना जुवा होय, सो सकल श्रीसबसमस्त मन-बचन कायाकर मिच्छामि दुखड होय । और साधर्मिक श्रीस व से इह प्रार्थना है, कि इस पुस्तक में जो कुछ कहिरे अशुद्ध होय, तिसकुं संशोधन करके जयना से उपयोग कर पाठ करणें में आवि इति श्रीरस्तु कल्याण नस्तु । उत्तरोत्तर मङ्गलीक ॥



नम्बर	नाम	संख्या, ठाल, तथा गाथा ।	पन्नांक
१	बड़ीसाधुवन्दना	११ ठाल	१०
२	सौखरी भव बाढ़	११	१८
३	देवकीजिरी चौपई -	२३	२०
४	भंजना सतीरोदास	१५० (गाथा) ५४	
	सिद्धाय ।	(गाथा-)	
५	कायारे माया कारमी	५१	८३
६	पालीउदरसु भवतरे -	५	८३-
७	गुरुबागुण गुरुदेवजी -	५-	८४
८	घटकेपट मोक्षोप्राप्ती -	५१-	८४
९	नारीनेह निवारोये -	५-	८५
१०	चंपल चितवस मिलिये	५	८५
११	छोड़ियेकाम विकारको -	५-	८६
१२	जिहो, जगमे जसकर लिजोये -	५-	८६
१३	सुटवचनगविषोसिये	५-	८६
१४	नरतुम समझी आपाआपमे -	५-	८७
१५	टेकन छोड़ीपुन्यकोरे -	५	८७
१६	ठोकर योमन धायना	५	८८
१७	कोलोमती संसारमे दुवारी -	५-	८८
१८	ठाल घरमकरी सौजीयेरे	५	८८
१९	नागाधावे नागालावे	५	८८
२०	तनधन जीवन कारिमा	५	८०
२१	धिरमन किले ध्यान	५	८१
२२	दानसियसतप भाव सदा	५	८१
२३	धरियो नी भवौधरियो -	५	८२
२४	नरनारीसङ्गचेतियेजी -	५	८२
२५	पापकरमतजि क्षिज प्राप्ती	५	८३
२६	फरसइन्द्रो वसगणपङ्की	५	८३
२७	बोसुयघारयवोलीयेरे	५	८४

२८	भयभव भमतोजीवहारी	५	८४
२८	मोहभमततजिदिजे प्राची	५	८५
३०	जोगयतन चितधारियेरे	५	८५
३१	रागबेष मही कीजिये	५	८६
३२	सोभसहरकर दूर	५	८६
३३	विषयाविसननिबारियेरे	५	८७
३४	रागबेष मतप्रान .....	५	८७
३५	पटकाया प्रतिपाखदया	५	८८
३६	साधवे घरष नित वन्दिये	५	८८
३७	भरेप्राची भापाभाप	७	८८
३८	धर्मचरित	७१	१००

सिद्धाय ।

३८	भादिनाथ भादेबिनवादी	१७	१०६
४०	राजमतीईम विनवेहो	२१	१०७
४१	सुखनारण भविष्यन समरु	७	१०८
४२	रावोभोजन सिद्धाय	११	११०
४३	तमावुनोसिद्धाय	२५	१११
४४	दिवाकरवसिधुपणवेवे	८	११२
		ठास	
४५	बुढ़ारास	२१	११४
		गाबा	
४६	माजीरास	१६	१२४
४७	जगतसेठानीजी-योमाषिकदेवीकारास	१२६	१२६
४८	डोकरीगोबात		१३७
४८	सारवास सिद्धाय	१६	१३८
५०	कसंबो सिद्धाय	२१	१४०
५१	भासपानी सिद्धाय	७	१४१
५२	भिररहापीपर	१८१	१४३
५३	छेकायानीवीनती	३७	१५८
५४	योगुददेवजीकाशुति	१८	१६०
५५	श्रीमंगलीकसरणा	१०	१६१
५६	शुति बिघापन		१६४

